TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4512**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥श्रीगणेशायनमः श्रीसरस्वत्यैनमः श्रीगुरुभ्योनमः॥श्रीरामचं
द्रायनमः॥श्रीहनुमायनमः ॥अथश्रीरामचरित्रभाषालिष्यते॥
॥एकदिनश्रीमहादेवजीथीश्रीपारबतीजीपूछीयो। श्रीईस्वरां
मावतारकिणकारणहुवो नेसीताजीरोहरणकुंकरहुवो नेरांव
णरूसदोजोरावरथोतिणरे त्रिकूटगढलंकासरीषोसुंकिणजा
ननुंजीपीयो नेसीताजीनुंकुणकरआणीया सुंकथाकिरपाकरनै
कहो तरेश्रीमहादेवजीकहोपारबतीजीथेंनजीकथापूछी ह
मेथांसहनेकहुंछुं थेएकमनएकचितहोयनेसांभलो॥ धरतीमेदे
णवांरोजोरहुवो नेधरमकर्मरोनासहुवो जिणहोमहोवणपावे
नहीं नेदेवतानीनजोकरानुषांपरणलागा तरेसरबदेवताभेला
होयनेइंद्रजीकनेगया जायनेआपरोदुषकह्यो तरेइंद्रदेवतानेले
नेमाकनेआयो तरेब्रह्मजीणांरोदुषसांभलनेसारांनुंसाथलेनेब्रह्मा
जीपासगया तरेश्रीब्रह्माजीउकारसांभलनेकह्यो म्हांजोश्रीवैकुं
ठनाथपासहालां नेम्हेंतोरावणनुंवरदानदीयोछै तिणसुं कुंछ
हीकहोनजायतरेसरबसाथकरनेवैकुंठनाथपासगया नेश्री
श्रीठाकुरांनुंषबरहुइ तरेइणांनेबुलाया तरेसरबांमिलनेमोतवणं
मकरनेअसतुतकीनी तरेश्रीठाकुरांकह्यो आजसरबनेआदो
यनेआयासोकिसेवासेते तरेसारांअरजकीवी हेतीनलोकरा
नाथदेवतांराधणीम्हेमारीयाजावांछां नेम्हेंघणांकसरपावांछां
नेब्रह्माजीकहेछै म्हारांजमोकनप्रिथीरादेवतानेमाहादेवइंद्र
आयनेकह्यो देतांराजोरहुवो नेरावणतीनलोकरोधणीहुवो ने
प्रिथीमांहेधरमरोनासहुवो जिणहोमदांनतपस्याकोइकरस
केनहीनेदेवतासरबबंदीषांनमांहेपडीयांछै कसटजोगवेछैस
हिमेताघणोहीदुषदीठो नेआघोहीकगाइकरसूंषांदुषदेषां म्हेम
तोमांहरीसहायकीजे तरेश्रीठाकुरकहेछै थेइतरादेवताछो सो
थांवेतएकदेनरावणहीन मरेछै नेथेरावणनुंहीमारसकोनछैसो
श्रोकासं तरेश्रीब्रह्माजीअरजकीवी जेम्हाराजरावणनेम्हेवरदी
योछै सोकिणीवेतमरेनही सोराजमिनषअवताररुलेनेमारसोतरेम
रसी बीजांमारांहीरोम्हेंरावणनेवरदानदीयोछै नेमानुंरावणहीक

दो॥ इसड़ा दे वतांरा छीनम रुषं॥ तो मांणसने बांदरां तो मादरी बा
तछे॥ तरे श्री ठाकुरां कह्यो॥ हेम हुवा जावो॥ ऊं मिनष अवतार राजा
दसरथ अजोध्या नगरी से धणी छे॥ जिणेरे घरे जनम लेने थाहरो कारज
करसां॥ ने रावण ने मारने थांहरो कसट काटसां॥ थे मची ता छोय मेर
हो॥ तरे ब्रह्माजी माहादेवजी इंद्रजी समस्त देवता श्री ठाकुरां रे पा
गे लागने अस्तुत करने आप आपरे ठीकांणे गया॥ तरे ब्रह्माजी दे
वतां ने कह्यो॥ ठाकुर अजोध्या नगरी रा धणी राजा दसरथ छे॥ जिणां
रे घरे जनम लेसी॥ ने मिनष देह ग्रहण करसी॥ सो थे पिण थांहरा अंस
रने उठे मंम कार पांच वटी छे॥ ते अवतार जो॥ हेमे श्री माहादेव
जी पारबती जीने कहे छे॥ राजा दसरथ अजोध्या नगरी राज करे छे॥
सो धर्मी धरमात्मा राजा छे॥ जोरावर॥ पिण राजा रे औलाद नही॥ तरे रा
जा दसरथ ओसर वास ते सा ढातीन सो अस्त्रीयां परणी छे॥ पिण
औलाद हुवे नही॥ सो राजा नुं औसरो घणो दुष छे॥ ने बेटा रे वास ते घ
णा देवता रषेस्वर पूजे पिण बेटो हुवे नही॥ तरे गुरु वसिष्टजी नुं क
ह्यो॥ को इसड़ो उपाव करो जं मांहरे औलाद हुवे॥ तरे वसिष्टजी क
ह्यो राजा थे थांहरा नवे जिग्य करावसां॥ तिणसुं थांहरे औलाद हुसी
तरे वसिष्टजी जिग्य री विध विधान कही॥ तरे राजा जिग्य री सरजाम त्य
री कराइ॥ ने राजा जिग्य मांडीयो॥ सो सरब देवता॥ रषेस्वर रषेस्वर आ
या छे॥ सो राजा जिग्य रे वासते घणो द्रव्य षरचीयो॥ ने होम करे छे॥
सो देवता आप आपरी भोग जिग्य मे आय ने लेवे छे॥ ने होम मांहे
सो मोटो पातर मांहे चावल ने दूध री षीर सुं पातर भरीयो अघ को कि
टो नीसरीयो॥ ने वसिष्टजी जिग्य मे देवतां रे हाथ मांहे सुं पातर उरो
लेने॥ राजा दसरथजी नुं दीयो॥ तरे राजा पातर लेने रावला मांहे प
धारीया॥ पछे रांने षीर रा बांटा तीन कीया॥ सो एक बांटो तो राणी क
वसिल्या ने दीयो॥ एक बांटो राणी केकइ ने दीयो॥ हेमे राजा नारे
आयो तितरे तीसरी राणी सुमित्रा छे तिका इणां कने आय ने क
ह्यो॥ बांटो थांहरे राजाजी दीयो छे सो बांटो मोने ही देवो॥ तरे बा
यां कह्यो आव तो ने ही बांटो देवां॥ तरे दोई जणीयां आपरा
बांटा मांहे सुं आधो आधो सुमित्रा ने देदीयो॥ सो सुमित्रा रे बांटा

सो अआबा॥ ने बीजा पारे एक एक बांटो टोर हो॥ हेमे तीनो ही रांणी
यां रे आधीन रह्यो॥ सो दस मास पूरा हुवा॥ तरे कवसल्याजी रे तो
श्री रांमचंद्रजी हुवा॥ सो रतन मतां छीज आपरे पुत्र नुं जरु पक क
सल्याजी नुं दिषायो॥ पछे फेर बालक हो गया॥ ने केकइजी रे भ
रथजी हुवा॥ ने सुमित्राजी रे लषमणजी ने सत्रुघणजी हुवा॥ तरे
राजाजी घणो उछाह कीयो॥ घणा दांन पुंन्य गायां दीवी॥ ने मंगत
जणां ने घणा इनाम दीना॥ ने घणा बाजे त्रबाजर हवा छे॥ नीसांण घुरे
छे॥ हेमे श्री रांमचंद्रजी॥ भरथजी॥ लषमणजी॥ सत्रुघणजी॥ च्या
रुं भाइ बरस पांच पांच रा हुवा॥ तरे घोड़ा चढे ने हाथ मे धनष बां
ण लीयां सिकार रमे॥ सो वरस ८ वरस १० मांहे हुवा॥ हेमे एक दिन
रषेस्वर विस्वामित्रजी राजा दसरथजी रे पधारीया॥ तरे राजाजी र
षेस्वर सुं घणो आदर ना व कीयो॥ घणी अस्तुत करने परकमा
दे ने मंमोत करने सिंघासण उपर बेसांणीया॥ पग पषाल ने चर
णादिक माथे मेलीया॥ ने जन ही नातसुं ऊंचो गायने ढोलीयो बि
छाय ने उपर बेसांणीया॥ ने राजा हाथ जोड़ ने अरज करे छे॥ आज म
हमोटो भाग॥ जो कि तार मकवो॥ मे आज वमा रषेस्वरां रो दरस
ण पायो॥ राज आज किण कारण पधारीया छो॥ सो राज हुकम फुरमा
वो॥ जं प्रकार जकरुं॥ तरे विस्वामित्रजी बोलीया जो राजा धरती
मा हे दे तां री जोरो घणो॥ तिणां आगे धरम जिग्य होम करण पावे
नही॥ ने मांहरे जिग्य कीयां ने दिम घणा हुवा छे॥ सो थांहरा पु
त्र श्री रांमचंद्रजी ने लषमणजी नुं मे लो जं हुं जिग्य करावे॥ ने कुं एक
लो तो जिग्य कर सकुं नही॥ तिण वासते थांहरे कने आयो हुं॥
सो थांहरा बेटां ने मांहरे साथे मेलो ज्यूं जिग्य करायने आवे॥
आ बात रषेस्वर कही॥ तरे राजा सांभलने त्रण को ज्यां हो यर
हो॥ ने मनमे सोच करण लागो ने विचारीयो॥ जे पुत्र मांहरा बाल
क छे॥ सो मांहरे जीव प्रांण छे॥ ने म्हे नी चकुरती आं षीयां सुं दीग
छे॥ ने रषेस्वर मांगे छे॥ सो रषेस्वर नुं नाकरुं तो ताजस तेरा धरम
जाय छे॥ सो राजा मनमे घणो सोच करे छे॥ ने

जो घको रघेस्वरकुमेठनोछे: तरे रघेस्वरक हेछे: राजाजी
थेइतरो सो चमतकरो: थां दसरथपुत्र तो ईं कुसजेथे मेपी
ह्नता करस्यूं: वजे थांहे रे गुरवसिष्टजीनुं पूछो: वसिष्टजी
रे हाम आवे तो मेलो: तरे राजा गुरवसिष्टजी कने आयो ने ए
कंत मेंह जवे सने गुरने बुलायो मे कहो जे विस्वामित्रजी
आया छे: सो कहे छे मांहरे जिग्य अधुरो पड्यो छे: सो देत
आगे। जिग्य करस कुं नही: सो थांहरा पुत्र श्रीरामचंद लष
मणने मेलो ज्युं जिग्य पूरण कराय मे आवे: सो कंथां ष्ह्ने
पुहुंचु: ने छे घ्र अम्हा राजी न छे: सो मेल्युं तो देत मारनोषे: ने वि
स्वामित्रजीनुं नाक कहुं तो म्हारो धरम जाय छे: ने व जे सराप
देवे: सुं हमे कासूं करां: तरे गुरवसिष्टजी बोलीया: राजा
जी थे पुत्रां ने नचीत मेलो: श्रीरामचंदजी मिनष नही छे: त्रा
साष्यात श्रीपरमेस्वर ही जे छे: तीन लोकरा धणी छे: सो थांरे
घरे अवतार लीनो छे: सो धरती रो भार उतारणे रे वासते: ने दे
तडसंटा ने मारणे रे वासते अवतार लीनो छे: सो थे विस्वामि
त्रजी साथे नचीत मेलो: जिग्य कराय ने आंवसा थका: गो
[illegible] तम रषेस्वरी अहल्या ने गोतम सराप दीयो छे तिण सुं
श्रीहिल्या सिला हुइ छे: तिणरो उधार करता आवसी: ने रा
जा जनक री पुत्री छे तिणसुं परणी जे ने थांहरे घरे पधारसी
[illegible] छे रघेस्वर ने नाम तीके हे: तरे श्रीरामचंदजी ने लष
[illegible] षमणजी ने तेड ने दसरथजी दीया: थां
वने विस्वामित्रजी तेडणे आया छे: रघेस्वरी रो जिग्य देत
पूरण करण न दे बेछे: सो जी जावसो: तरे श्रीरामचंदजी बो
लीया: इण वासतरी कांइ फिकर करो छो: म्हे रजपूत तो इण
ही जंका मने सिरजीया छां: ब्राह्मणरी: गायरी: रषेसररी: री
ष्यास्त्री रे वासते तो सिरजीया ही जछां: सो म्हे सं रषेसुर साथ
जावस्यां [illegible] आपणो धरम छे: तरे राजा दसरथजी श्रीराम
चंदजी मे लषमणजी ने लेने विस्वामित्रजी कने आया: आ

३

या ने कहो: जे विस्वामित्रजी ए बालक राजरा छे: सो राजलेप
धारो तरे विस्वामित्रजी षुसी होय ने राजा दसरथ ने आसीस दि
ला साधी नी: ने कहो थांरा पुत्र तीन लोकरा धणी छे: इसै मुझ ने थां
ने राजा दसरथजी कहो थे रषेस्वरा ही डावी जेपा: तरे श्रीरा
मचंदजी ने लषमणजी विस्वामित्रजीरे साथ पधारीया: रषेस्व
र पाले कीणी उपर असवार होवे नही: तरे श्रीरामचंदजी ने ल
षमणजी पइगबां धने हाथ मे धनष बांण लेने: रषेस्वर रा मुंह
डा आगे हालीया जावे छे: आगे आया तरे विस्वामित्रजी श्रीरा
मचंदजी ने लषमणजी ने भणाया: धनषविद्या बीजी ही सारी
विद्या भणाइ: पछे नदी गंगाजी ऊपर आय ने कीर नुं कहो न
व जे आव: तरे नाव ऊपर बेसने पेले पार गया: ने आघा पधा
रीया: तरे एक मोटो वन आयो: तरे घणा मनष छे: फूल जो सफ
लां संजरीयो छे: पिण उण वन मे जीव जिनावर कोइ नही: त
रे श्रीरामचंदजी: विस्वामित्रजी पूछीयो: जमहाराज आ मा
गे वन तो इसडो दीसे छे: मे माहे जीव जिनावर कोइ दीसे न
ही: सो किसे वासते: तरे विस्वामित्रजी कहो: अठे एक राक
सणी ताडका रहे छे: सो जीव जिनावर पंषी मर ब
नष जाय छे: सो थे पिण धनष बांण चढावो: उ बाराम ने डीठ
जतरी छे: तरे श्रीरामचंदजी ने लषमणजी धनष चढायो: सो
चढाय ने पुणचरो टंकार कीयो: के पुणचरो सबद सुंणने
राकसणी मन ती थी सो उठ बेठी जाइ ने आवी उठी जायो: से
मा हे वन मे कुंण आयो: ने इसडो सबद किण कीयो: ने अ
ठे धमष वजावे सो इसडो कुंण छे: तरे राकसणी आपरे
मी जरे विसतार कीनो: सो कांनां माहे हाथीयां रा माथां रा
हाम घासीया छे: सो कुंमलांरी जायगा हाम घालीया छे: ने
मोटा मुंढो कर ने गाज करण लागी: सो इसडो मरावणो
सप करने पांवणे न सो हमी दोडी: तरे विस्वामित्रजी: श्रीरा
मचंदजी ने कहो: राकसणी आवे छे थे इने मारो: तरे श्री

रामचंद्रजीकह्यो: म्हारा जग्य असत्री छै: जंडण नुं कुंवर
मारे मा अमे: ब्राह्मणने: असत्रीने: मारे सो चत्रीरो धरम नहीं
छै: सो आप इतरां ने मारो: कनारिथ्या करो: तरे विस्वामित्र र
षिस्वर कह्यो: रामचंद्रजी थे कह्यो सो तो सपरो: पिण आरां
न पापणी छै परा धणा छै: घणा रषेसरां नुं सतायो छै: सोइ
णने तो मारस्यां: तरे श्रीरामचंद्रजी बांण बाह्यो: सो ताकसण
रो पेट फाड ने पेले पार हो गयो: सो बांण संपेटमो हे बा
णो हो गयो: सो जेका आमी राम जती: सो रांड पडी: तरे जं
णी जैबा रीज डी थी सो उघडी: तमे ताडका रा धमरणी
डंणतां म आठ मरी: सो ताडका रा मीग्रामां हिसुं ऐक चतुर
तरूपवां न सुसत्री नीकली: सो असत्री श्रीरामचंद्रजी कने
आय ने नमोसकार ने मुंहडा आगे ऊभी रही: तरे श्रीरामचंद्रजी
पूछीयो: थे कुंण छो: तरे उंण कह्यो: कंगांधरफ री असत्री छुं:
ने मोने सराप थो: हुं राकसणीरा पेटमां हे थी: सो राजरा
हाथ सुं राकसणी मुई: तिरे म्हारो सराप उतरीयो: ने मे मरे
अरेबर छणा जाबा सो म्हारा सरब पाप गया: तरे श्रीरामचं
द्रजी कह्यो: हमे तु थारे जोक जा: तरे वरणां लागने वैकुं
ठ गई: हमे इण ने मेळाम जने आधा हालीया: पछे रषेस्वर
नारदजी रे आश्रम पधारीया: तरे नारदजी नुं विस्वा
मित्रजी कह्यो: म्हारे जिग्य करणो छै: सो श्रीरामचंद्रजी ने
ले आयो छुं: हमे नारदजी रे आश्रम रह्या: सो नारदजी
जी घणी आगतसागत कीनी: पछे नारद आघा हालीया: त
रे विश्वामित्रजी आप रे आश्रम आया: सो छै घणा रषेस्व
र छै: घणा आसरम छै: रमणीक जायगा छै: हमे रषेस्वर
रखवाला थया ने जिग्य करावण लागा: सो जिग्य करे छै: सो
वन में जिग्य रा होम री वास नासा आई: ने जिग्य रो धुंवो आका
स गयो: तरे दैतां ने षबर हुई: जो रषेस्वर जिग्य करे छै: मां
नी यो छै: सो दैत कहे छे: ...ने आपे जिग्य विधुंस करदेवां: तरे

षवंदहजार दैत दोडीया: सो दैतां रा पगांसुं रज उडी: सो अंधकार
होय गयो: तरे रषेस्वरां कह्यो: रामचंद्रजी: दैतां रो कटक आये
छै: दैतां रा पगां सुं वो ...कराव छै: सो जिगपरी आग
कुंड मांहे पडे छै: ने दैतां रा पगां री धूल उडे छै: सो जांणे आंधी आई छै:
तरे श्रीरामचंद्रजी ने लषमणजी धनष चढाय ने बारे पधारीया: ने बा
णवाह्या: तिणसुं दैत ढोय मारीया: सो एक तो मारीच रावणरा मामा
रे तीर लागो: सो उडने च्यार सो कोस समुद्र ध्यो: सो समुद्र मांहे जाय
पडीयो: ने एक सादत ...जन समज...: ने बीजा दैत था त्यां
ने लषमणजी मारीया: सो मार ने आप पाछा आया: ने दिन च्यार जि
ग पूरो हुवो: जितरे राजा जनक री बेटी सीताजी रो ब्याह मांडियो
छै: ने धनष एक श्रीमाहादेवजी रा हाथ रो छै: सो राजा जनक रे घर प
डीयो छै: सो एहवा त्रिपुर दैत वध जोरावर हुवो: सो देवतां ने घणो
कसट दीयो: तरे देवता सरब श्रीमाहादेवजी आगे जाय ने पुकारीया:
जो माहाराज म्हे त्रिपुर दैत कने रहसकां नहीं: छष कसट घणो देवे
छै: सो राज म्हांरो संकसट कापे: तरे श्रीमहादेवजी त्रिपुर दैत सुं घणो
जुध कीयो: ने मारीयो: तरे राजा जनक श्रीमाहादेवजी री सेवा गयो: त
रे श्रीमाहादेवजी राजा जनक ने कह्यो: ओ धनष थारे घरे रषण दे: त
रे राजा जनक धनष ले ने घर मांहे मेलीयो थो: सो केइक काल वतीत हु
वो: एक दिन रे समये राजा जनक रे घरे रषेस्वर पाहुणा आया था: तरे सी
ताजी नुं कह्यो: बाइ ...ने चोको दे: ज्युं रषेस्वर रसोई करे: सो सीता
जी चोको देता था: सो एकण हाथ सुं धनष उपाड ने आघो मेलीयो ने
चोको दीयो: तरे राजा जनक आय ने कह्यो: ओ धनष किण उपाडीयो ने
आघो किण मेलीयो: ने चोको किण दीयो: तरे जनक री राणी कह्यो: सी
ताजी लीपता था: सो धनष सीताजी मेलीयो छै: तरे राजा मन में चमक
यो: ओ धनष श्रीमाहादेवजी रे हाथ रो किणी वत पी से नहीं: ने एक
एक जोध पेद सदस आघ हालीयां रो न ले छै सो उसडा जोधा च्यार ह
जार ने जादेपे ने लागे ताही षिसे नहीं: तरे राजा कह्यो बेटी सीताजी
धनष ओ जे छै परो मेलो: तरे सीताजी माथा हाथ सुं धनष उपाड ने मेल:

ल्लीयो: इमै राजा मन मै विचारीयो जेह णनुं वीद दी इसडो ही
जजोइजे: ओ धनष चढावसी तिण नुं परणावसुं: इमै गोडमै
गोडषब रमैजी ने राजवीयो नुं कामदे मैजी या छे: सीताजी रा
वीहाव रो सयंबर रचीयो छे: ने जिण कनु: सो देसदेस रा राज
नी मानदीप नव षंभ ड्डी थ्रीअ पर जित राराजवी छै: जिता सरब
आवजो: मन रूप मोनीयो छे: सो नोण आदि षरसुं उपाडे नै धनष
चढावे तिण नुं सीता जी परणाउं: इमै देसदेस रा राजवी ने जाण
वा छे: ने सर बदेतां मम मैसरां वाण पिण आयो छे: ने सरब देवता जे
वणे ने आया छे: तेरे राजा जनष रा कागद विस्वामित्र जी मै ने ही
जा ही रषेस्वरां ने सा राही नुं आयाछे: जो बाहर ही वार उपरपध
ारजो: सो विस्वामित्र जी जिग पूरण कीयो: जितेरे राजा जनष
रा तेडो आयो: तेरे विस्वामित्र जी श्रीरामचंद जी नुं कहो: रामचंद
जी म्हा नुं राजा जनष रो तेडो आयो छे: सो जनषरी बेटी सीता
जी रे वीवाह रो सयंबर रचीयो छे: सो देसदेस रा राजा: नाग अ
सुर सुर रषेस्वर पंषी सर्व आया छे: सो म्हे ही जावां छां: थां
हरे मन मै कांइ छ: थे घरे जावसो: कना म्हारे साथे आवसो: तेरे
श्रीरामचंदजी कह्यो: जे म्हा नुं तो दसरथ जी आप रे साथे मेली
या छे: सो राजजनक रै पधारो छो: तो म्हे ही राजरी साथे चोकी पो
हरो ही डाकर ता जावसां: तेरे विस्वामित्र जी कह्यो: रूडो थेइ आ
आवो: तेरे रषेस्वरे रे साथे श्रीरामचंदजी ने लषमण जी धनष च
ढायां मुहडा आगे चाली या जावै छे: इमै वि चैमे एक मोटो वन आ
यो: सो वन मषरो घणो ही नांत नां तरा रूंष वन मै छे: फलां फूलां
सुं कांगे नरी यो छे: घणा मोटा पाहड छे: घणो पांणी वहे छे: माह
रमणीक जायगा छे: सो विस्वामित्र जी नुं श्रीरामचंदजी पूछीयो
जी महाराज ओ मोटो सषरो वन छे: ने मांहे पाछ मीगापा को छे: ने
माहे पंषी जीव जिनावर कोइ नही: सो किस मासते: तेरे विस्वामि
त्र जी कह्यो रामचंदजी: ओ वन इसडो छे: सो इण वन माहे गोत
मरषेस्वर रो आश्रम छे: तेरे श्रीरामचंदजी के हण लागा: जे वन स

५

सूनो किसे वासते छे: तेरे विस्वामित्र जी: गोतम जी री ने अहिल्या
री वात सारी कही: ने कह्यो आगे गोतम रषेस्वर री जायगा छे: सो
इण जायगा गोतम तपस्या करता: ने माहा का क डा न्त थको
रहता: सो घणा वरस जगत पस्या कीनी: तेरे एक दिन ब्रह्मा जी
गोतम जी नुं कह्यो: नै अकेला न रेवे दुष पावे छे: सो म्हे तनुं रषे
स्वर मुदगर री बेटी परणावां छां: सो ले इण कना सुं ही डाकरा
य: जंपु सो म्हे रा जावे: तेरे गोतम जी परणीया: अस त्री माहा रूपवं
त छे: ने गोतम जी रा ही डाकरे: असी सेवा करे रात दिन हाथ जो
डीयां रहे: इमै एक दिन अहिल्या नुं इंद्र दीठी: तेरे इंद्र रो मन च
लीयो: सो इमै इंद्र घात जोवतो फिरै पिण घात कांइ लागै नही:
एक दिन रे समीये गोतम जी सूता था: तेरे पाछली रात घणी थ
कां इंद्र आयने कूकडा री बोली बोलण लागो: तेरे गोतम जी जा
गने कह्यो कूकडो बोलीयो छै तो रात थोडी जरदी से छे: तेरे आप
पतरीया: उठने झारी धोतीया ... लेने श्रीगंगाजी सिनांन
करण ने गया: पाछा सुं इंद्र मिनका रो रूप कर ने आश्रम मे आ
यो: सो अहिल्या रे कने आयने गोतम रो रूप कीयो: तेरे अहि
ल्या तो जांणीयो रषेस्वर ही ज छे: अहिल्या राम न मे तो कपट
कोइ नही: ने इंद्र कपट कर ने आयो सो इण नांत परवेस कीयो:
इमै गोतम जी गंगा जी उपर आया: सो आगे गंगाजी निद्रव ज थ
थका सूता छे: जद पिण निद्रवल छे: तेरे गोतम जी कह्यो जे ये
जंपु तारा निछत्र बीकां एेछे तेरे कह्यो रात तो घणी छै ने कूकडो
बोलीयो सो किसे वासते: तेरे पाछा आपरे आश्रम आया: जंपु
मांहि सूं इंद्र बिला वेरो रूप कर ने नीसरीयो: तेरे गोतम कह्यो:
रे तुं कुंण छे: साच बोल ने तो बोल नही तो बाल ने भस्म करसुं:
तेरे इंद्र मन मै बीह्यो ... ने इंद्र कह्यो: हुं देवतां रो राजा
हुं म्हारो नाम इंद्र छै: तेरे रषेस्वर कह्यो: फिट फिट रे अज्ञानी
या: तुं इतरी अपवरा हे वंगना ... रषेस्वरां रे घरां मे फिरतो
फिरै छे: तो जारे पापी थारे मै इसन गढ होयजो: तेरे तेण ही जं ब

जासोरेमीलमेमेढ्हमतगद्दोयगया: तरे इंद्रउमासं नावे
सोसमंदमेजायनेकमजरीनालमांछेपेसरव्यो: भाग्यणावर
सजावा: इंद्रीकाइयबरनदी: कीणीनेपबरनदी: कवेदी
छे: तरेइंद्रीजायगाराजानिरधोपराजकीधो: पिणइंद्रा
णीराजानिरधोपरेनेडीनदीआवे: तरेराजानिरधोपइंद्रा
णीनेकह्यो हमेतं बेठीकाइं करेछे: म्हारे घरमेजरीआव
पिणइंद्राणीतोनेडीनदीआवे: पिणकाइंकरेराजानिरधो
परसेजोरकोइनदी: तरेइंद्राणीगुरब्रहसपतकनेजायने
कह्यो: जेराजानिरधोपमोनेरहेणनदेछे: नेम्हारेजारपडी
योछे: सोलारछोमेनदीछे: नेछेवेकराछो: नेइंद्रतोपबर
काइनदी: हमेथेककेसोकरुं: नेथेम्हारागुरछो सोम्हनेव
पएकछे: तरेराजकनेआइछं: तरेब्रसपतजीकह्यो: एकउ
पावछे: सोकंतोनेवताउंछुं सो तंकर: तरेइंद्राणीकह्यो रा
जछेमराछो: राजकेहसो सुम्हारेफायदारीजकेहसो: तरेगु
रब्रसपतजीकह्यो: तंराजानिरथधोपनें केह: कंथांहरेघ
रेजोआउं: जोम्हारीपालपीरपेस्वरांरेकां नेम्हारेघरेउं
आव: नेपछेआपेदोमेंजणापालपीमेबेसनेथारेघरेजासां:
तरेइणबातसुंराजानिरधोपखुसीहुसी: नेराजाकेहसीकुं
आवसुं: तरेनिरधोपसरब्रह्मपेस्वरांमंतेडसी: सोसरबरपेस
रआयनेपालपीनपाडसी: तरेउवेकासटपावसी: तरेरपेसर
सारादी: राजानिरोधोपनेसरापदेसी: तरेनिरधोपघडदडेने
हेवेपडजासी: सोआतंउपावकरेजंपृथारोमतरेहसी: मे
इंद्रतोछेजेवकंजाणुंछुं: तरेइंद्राणीबोली: होमाहाराजइं
द्रकंछेछे: तरेब्रसपतजीकह्यो: समुद्रमांहेकमलछे: तिण
रीनालमांहेइंद्रबेठोछे: सोगोतमरपेस्वररोसरापछेसोछेति
णसुंइंद्रानीजेरेमेहमतगजायाछे: सोउणरीहीसरापउ
तरायनेआणसां: नेउतोओमपावकरजे: नेहमेतंघरेजा:
तरेइंद्राणीघरेआयनेराजानिरधोपनेकेहवाडीयो: तरेनिर

६

धोप: इंद्राणीकजंपूहीकीधो: तरेनिरधोपनेरपेसरांसरापदी
यो: तरेराजानिरधोपपडदेनखेओपडीयो: हमेगुरब्रसपत
जीइंद्रकनेगया: सोजायनेकह्यो: तंकमलरीनालमांहिसुं
बारेआवजंपृथारोमीलओछोनारसां: तरेइंद्रबारेआयो: तरे
गुरब्रिसपतजीइंद्ररोसरापउतारणरेवासतेआगजीमांहेमि
नांनकरायो: तरेइंद्ररेमेहम नगरीजायगामेहमआपीया
छइ: हमेगोतमजीइंद्रनंसरापदेनेघरमांहेअहिल्याकनेआ
या: सोआगेअहिल्याउतीधूजेछे: नेकहेछे: स्वामीम्हारोदो
सनदी: नेजेहुंजांणुंतोश्रीपरमेस्वरजीसापीधरछे: तरेगोत
मजीकहेछे: जेतंश्रीपरमेस्वरजीनुंसापीदेछे तोश्रीपरमेस
रजीनेहीजसमरबोकर: तोनेश्रीपरमेस्वरजीआपेइछुडावे
सी: नेतंकिणीसुंबोलेमत: बातकरेमत: नांकिणीरीबातसुं
णजे: अबेसिलाहोयनेबेठीरेहजे: श्रीपरमेस्वरजीआवसी
तरेथारोउधारकरसी: नेगोतमजीबीजांहीडीवजिनावर
पंपीयांनेकह्यो: अबेकोइरेहजोमती: अबेआपकलीबे
ठीरेहसी: पछेगोतमजीआश्रमछोडने: तीनमालगांवछेत
ठेआयनेपरबतांमेतपस्याकरी: हमेविस्वामित्रजीश्रीरां
मचंदजीनेकह्यो: आवोआपनेअहिल्यादिषाउं: तरेश्रीरां
मचंदजीअहिल्यारोसरूपदेषनेकह्यो: आवमारेपेस्वरी
असत्रीछे: तरेविस्वामित्रजीकहे: हमेराजइणनेआपरे
पगेलगावोजंइणरोउधारहुसी: तरेश्रीरांमचंदजीकहे
आरपेस्वररीअसत्रीछेसोइणनेपगेतोकोइलगाउंनदी: त
रेश्रीरांमचंदजीपगरांअंगुठासुंरजनांपी: तरेपायांणरीप्रत
लीथीसोरजलागतसवीइस्त्रीहोयनेअहिल्याउठीरही
तरेअहिल्यारेचितमेआइ: जेश्रीरांमचंदजीरापगांरीरजसुं
म्हारोउधारहुवो: तरेअहिल्याश्रीठाकुरांरीघणीअसतत
करवालागी: नेपरकंमादेनेडंडोत करनेकहेछे: होम्हाराज
मोनेराजरेचरणांरुज्ञआगणदो: जंम्हारेनिसाडराकाज:

6

आषरमिटे। नेराजरा चरणांविंद किसदा कवे: सुहंमा जीश्री
मादेवजीनितरधांनरोषेछे:ने व ुवमासि: नैरषस्वरछति
केपिणराजरा चरणांरीचंदना करेछे:नेध्यांनरोषेछे:तणांनुरा
जरा चरणारविंदकुरजतछे:नेम्हारोवमो नाग:सोराज
रा रूपरीनेचरणांरोदरसणज्ञावे:ह्व मेम्हारासरवपापऊत
रीया: म्हेपूरबलेजनमसषरीकमाइकीवीछी:सोमेइणवजा
राजरोदरसणपायो:तरेश्रीगाकुरक्रिपावांनहायनेवोजी
या: द्वमेतुंगोतमजीवेतछेजा:तरेगोतमजीकनेघेदिज्याप
रीगई: द्वमेश्रीरांमचंडजीलषमणजीरषेस्वरांनूलेनेआघ
चालीया: आगेश्रीगंगाजीरेतटपधारीया:नेनावडीयांनेत
डीया: सोनावडीयानावआंणेनही: तरेरषेस्वरांनावडीयांने
कह्यो: श्रीरांमचंद्रजीऊनाछे सोनावलेआव:ज्यूंसमजादीवि
सनेपारऊतरे:तरेनावडीयाश्रीरांमचंद्रजीसूंमरे:नेनावडी
याकह्यो म्हेतो श्रीरांमचंडजीनेम्हारीनावऊपरकोइवेसाणं
नही: इणांरेपगांसूं तोसीलाऊभगइछे सोम्हांरेनावरेइणांरा
रापगलागेनावद्वीऊभजावे:पछेम्हेपेटकीणसूंभरां:सोम्हे
तोइणांनेनावमेवेसांणांनही: पछेनावडीयांनेरषेस्वरांनी
वसमजायनेद्वाकारोतरांमो: नेकह्योइणांरापगधोवाडो
मांरेरजछे: द्वमेनावऊपरसरबवेसनेगंगाजीपारऊतवा:
ऊवेश्रीगकुरक्रिपावांनहायने:कीरांनूंऊधारीया:नेनेकं
डमेजीया: द्वमेश्रीरांमचंद्रजीसरबरषेस्वरांसेदि तराजाज
नघरेपधारीया:सोआयनेबोरेबिराजीयाछे:तरेराजाजन
कनूंषबरहुइ: जुंसरबरषेस्वरांरोसाथलेनेविस्वामित्रजी
पधारीयाछे:तरेराजाजनकआयो:रषेस्वरांकनेवेगोविस
वामित्रजीसेवातांकरेछे:नेविस्वामित्रजीरेपासतीश्रीरा
मचंद्रजीनेलषमणजीऊनाछे:सोदोनूंजणइमाद्वाजोधार
दीसेछे:नेमाहारूपवांनछे:कवलसरीषातांह्वनेत्रछे:छे
सारुदनसमाहाजोरावर:बालककांरीसूरतदेषने:राजा

जनक:विस्वामित्रजीनेपूछीयो:ओबालककुणटराऊदनसमा
रूपवांनीकिणराछे:नेजनकरषेस्वरांरातीनही: तरेविस्वामि
त्रजीबोलीया:अथजोध्यानगरीरोधणीराजादसरथसूरजवं
सीछे:तिणरापुत्रछे:सोम्हांरेजिग्पकरणनेम्हेआयनेराजादस
रथकनेमांगनेआंणीयाछे:मोनेराकसजिग्पकरणदेतानही:
नेमानेजिग्पकीयांनेबरसघणाहुवा:तरेम्हेजायनेराजादसर
थनेकह्यो:मोनेकसटदेतघणादेवेछे:नेजिग्पनहीकरणदेछे:
सोथारांबेटामोसाथमेलजूंजिग्पकरांवे:तरेमोनूंकह्योजेजा
वो:तरेबेनेलाया तरेजिग्पपूरणहुवो:नेदेतआया सोसरब
मारीया:नेजिग्पपूरेमकरायो:जितरेथांह्वरेतेडोआयो:तरेश्री
रांमचंडजीलषमणजीकह्योरषेस्वरजीम्हेइथांदेरेसाथेनमा
सोदेषणनेआवसां:तरेम्हेसमसतरषेसरांनेलेनेइणांनूंहीलेने
आवतांमारगमेगोतमरीस्त्रिअहिल्याशेऊधारकीयो:सोउवाबेकंवरा
छे: द्वमेअठेआया:तरेराजाजनकरेमननेमआर्इजेश्रेषिजीयां
राबेटाछे:सोसीतारीनेइणांरीजोडीसषरीदीसी:नेश्रमघरास
पवांनदीसेछे:अतिबलाकारीदीसेछे: द्वमेराजाजनकरषसरां
नेकह्यो:थेमह्वलांमेजायनेमेरोकेरा:डेवेसघरीजायगाछे:तरे
विस्वामित्रजीमेह्वलांमेऊतरीया:श्रीरांमचंडजीलषमणजीवि
स्वामित्रजीकनेरहे:सोराजाजनकएकवारदिनमेसदाइवि
स्वामित्रजीकनेआवे:नेघणीमिजमांनीकरे:सोविस्वामित्रजी
नेराजाजनकवातांकरेछे:नेजनक:कहेछे:रषेस्वरजीएकदि
नम्हारेजिग्पकरणोथो:सोधरतीसूधकरणरेवासतेऊंदल
षडतोथो:सोह्वजरीचऊसूंएककलसोजरोनीसरीयो:तरेमे
छाडनेजोयो:तरेमांहिसूंसीताबालकनीसरी:नेम्हारेहा
सनहीथोसोम्हेआंणनेअसत्रीनंदीवी:सोपाऊनेमोटीकीनी:
नेएकदिनकंसीताजीवेरमावतोथो:तिणसमेम्हारेछेवेगरग
रषेस्वरआयो:तरेमोनुंगरगजीकह्यो:राजाथारेबाइतीनलोव
रीधणीयांणीजसी:सिसटकरसी:पिणइणनेबनबासहोसी:ने

वि थोवोहोसीः सो धणवासेतेसवं भरखीयोछेः हमेराजाज
नकदरबारकरेनेबेठोछेः देसदेसरा राजाआयाछेः नेमछमां
हीयोछेः हे विस्वामित्रजी राजा जनकः कने आया: सो मछमां
डीयोछे तिणनूं देसदेसरा राजा आय आयनेचोटा करेछेः पिण
मछकिणी सूंपडेनछेः नेसीताजीपिणमाढीयारागोषांमेबे
ठाजोवेछेः नेगोषां हेवेहीजमछमांमीमोछेः सोसारा राज
वीमछनुंचोटकरेछेः सोसीताजीजांणेछेः जिकोइमछनेहेठो
पाडेः तिणरागलामाहेंवरमालघालुंः तितरेसीताजीरीनिजर
श्रीरांमचंद्रजीनेलषमणजीआयाः तरेस्रीसीताजीश्रीरांमचंद्र
जीसांहमोजोयोः नेश्रीरांमचंद्रजीपिणसीताजीसांहमोजो
योः सो बेउंजिणांरीनिजरएककहुईः तरेसीताजीजांणेछेः ये
साध्यानश्रीपरमेस्वरजीदीसेछेः नेइसडासरूपवंतकिणरा
कवरछेः सोम्हारेओ नरतारहुवैतोसडोः इणांसूंम्हारोमन
लागोछेः हमेश्रीरांमचंद्रजी विसवामित्रजीनेकहेछेः आप
हुकमकरोतोहुंचोटकरनेमछनेपाडांः तरेविसवामित्रजी
कह्योः थेसुसतारहोः पछेम्हे थांहनेकेहसांः जितरेइणांनुंचो
टकरणदोः हमेबीजाराजवीतोजोयजोयनेचोटांकरेछेः
पिणकिणीरीचोटमछरे लागेनछेः तरेराजा जनकनुं विस
वामित्रजी कहेछेः श्रीरांमचंद्रजीनेलषमणजीकहेछेम्हे
मछनुंचोट करांः तरेराजाजनकः कह्योः जावोचोटकरने
मछनुंहेठोपाडोः तरेदोनुंजाइजायनेमछरेनीचेजोयोः जो
यनेश्रीरांमचंद्रजीकाढीकडीयांबांधी मेधनषचढायनेतंध
यारहुवाछेः तरेलषमणजीबोलीयाः जेराजश्रीलागाहुवो म
छनेतोहुंपाडनांषुः तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्योः थांरोकांमन
छेः पछेश्रीरांमचंद्रजीमछनेबांण वायनेहेठोपाडीयोः तरेस
रेहीजिजैकारसबदहोयरह्योछेः नेराजवीसरबमोलोजाय
रह्याछेः नेदेसदेसरा राजाआयाथासोहरामहुवाचे हादाय
गयाः तरेराजा जनकखुसीहुवोः नेराजाजनककविस्वामित्रजी

नुंकहेछेः थेश्रीरांमचंद्रजीमेछांणनोनहोकांमकीनोः नेसीता
जीपिणखुसीहुवाः म्हारामांहि जामेथीसोश्रीनारायणीजीकी
वीःजमीयानहुई बीजांराजांमछपाडीयोनहीः नेश्रीरांमचंद्र
जीमछपाडीयोः तिणसूंसीताजीअतिखुसीहुवाः तरेश्रीरांमचं
द्रजीमछपाडनेराजाजनकनेकह्योः मछतोपाडीयोछेः हमेधन
षमंगावोजदंचढावांः तरेच्यारहजारजोधारनेलादोयनेनीकसेध
नषघरमेनेआंणीयोः सोदेसदेसराराजाआयमेधनषदेषदेषने
जावेछेः पिणधनषउंचावणवालोनछैवणवालोकोइनहीः तरे
रावणरोरांवणरोपरधांनमंदोदरः जनकराजामेआयनेकह्योः थेसी
ताजीरांवणनेपरणावोः रांवणतीनलोकरोधणीछेः आजरांवण
रेः विस्वामें [illegible] तेतीसकोडदेवताचाकरीकरेछेः नेसगलाहु
कममेरहेछेः सु [illegible] थेसीतारांवणनुंपरणावोः तरेजनककह्योःम
होधरजीथेकहोछोः पिणरांवणवतेतोः मछहीपाडीयेमयोन
हीः नेइसमेधनषचढावेतोपरणावः म्हारेतोआपरतंपोछेः मुंद
होदेषणरीबाततनछेः नेसीताजीसातवरसरीथीः तरेम्हेआपर
तंपाकरीछेः सोओधनषचढावसीतिणनेपरणावसांः सोतुंज
यनेरावणनुंकेहेजिथारीआसंगजेवेतो धनषचढायः तरेपर
धांनजायनेरावणनेकह्योः तरेरांवणजदमेधनषकनेआयोःमुंघ
णोहीवुपीयोपिणउपडेनहीः पछेनीठमेछाडेनेचोकीयोः तरेध
हायधनुषरेनीचेआयगयोःसोनीसरेनहीः तरेघणाजिणांनेजा
होयनेतीवहाथकाढीयोः तरेश्रीरांमचंद्रजीविस्वामित्रजीनुंक
ह्योः राजम्हांनुंहुकमकरोतोमेधनषचढावांः तरेविसवामित्र
जीकह्योः भुंचलाइः इतराराजवी जोधारधनषकनेआवीनेस
कलेकोइहुंसपूरोसोपरीपूरजोः धनषपडीयोछेः पछेहीको
इकेहसोम्हेउपाडताथाः सोरषिसरावाहदोवतीनकह्योः पि
णकोइबोलेनहीः तरेराजाजनषबीजाम्हीराजारीणासरबदर
रबारकारनेबेठोछेः तरेविसवामित्रश्रीरांमचंद्रजीनुंकह्योःथे
जायनेधनषचढावोः तरेश्रीरांमचंद्रजीधनषकनेजायनेअनार

हया: नेश्री सीताजी सिणगार करनेवरमाला लेनेझरोखामेंबेगा
छे: नेजांणेछे मह तोपाडीयोपिण धनष उचावेणा कवणछे:
सोधनष उपाडनेचढावसी तोइणांरेगलेमेवरमाल घालुं:सो
श्रीपरमेस्वरजी म्हारी मनकामना सीजपूरसी: इमेरामचंद्रजीधन
षकनेआयनेउभाछे: तरेराजाजनक आथातिकेसरबमुहदोमन
कोइणजागा नेकेदणजागा मकरीबेजातो आंधीरीरखुं धीजइस
पिणधनषउपाडीयो नहीजासी: सो समजाइ सहसनेसुणाता
करेछे: नेश्रीरामचंद्रजी आपरा मनमांहीजधनउपाडनेपरा
जीया पछेसमगला जोधा राजवी आया सो पेहलाजातोहमन
सेनेकुंपहीकेहताया: नेपछेधनषउपाडीयोतरे: उणहीज
खेजामुंहदासं भिनधिनकेहणजागा: नेसरबच्चुं नेरेरहग
गया: तरेश्रीरामचंद्रजीधनषचषनेदोटुकडाकरनेधन
षरा दोयटुकडाकर नांषीयाछे: इमेजेजेकारहोयरह्याछे:
नेदेवतापोहपांरीबिरषाकीवी: नेसीताजीमोपमेछेगजोवे
छे: सोगोषमांहेसुंउतरनेश्रीरांमचंद्रजीरागलेमेवरमालघा
ली: इमेराजाजनक विसवामित्रजीनेकह्यो: इमेराजारां
जादसरथजीनुंतेडो: नेकेहवाडो: जेथांहरा बेटा भरथजी
मेनेसत्रघणजीनुं जेताआवजो: नेघणीफोजांसाथेलाव
जो: तरेविस्वामित्रजीदसरथजीनेकागदमेलीया: तरेआ
दमीयांआयनेअजोध्यानगरीदसरथजीकागददीया: तरे
राजादसरथजीगुरवसिष्टजीनेतेडनेहकीकतकहीः इमे
गोब्रतनीसांभवाजता अजोध्यासुंजांनचाली: सोराजाज
नकरेआयनेमेराकीया: तरेराजाजनकघणीमिहमानीकी
वी: नेलगमरीवेजाचवरीदोयतोराजाजनकरीबेटी: नेए
दोयचवरीकेसधुजरीबेटी: केसधुजराजा जनकरोभाइ
छे: इमेच्यारुंहीपुत्रच्यारुंहीसाथांनेपरणाइ: घणाधव
लमंगलकरनेव्याव कीया: घणादांनपुंन्यमगतजनांनुं
दीया: नेश्रीरांमचंद्रजीनेलषमणजीतोजनकरीबेटीपर

णीया: नेभरथजीनेसत्रघणजी: राजाकेसधुजरीबेटीपर
णीया: घणोदतदायजोदीयो: हाथीहजारदस घोडाहजा
रवीस: रथहजारपचीस: दासीहजारपांच: ओरसरबरा
च सोमासपारादीया: सरबवसत: नेजडावरागेहणादीया:
सोदेनेजांनविदाकीवी: सो सघरोमोहर तदिषनेहालीयाछे
जांनपरभातरामारगमांहे आवतीथी: सो मांवणरूडाजा
णवा: तरेराजादसरथजीगुरवसिष्टजीनेपुछीयो: ओसां
वणकासुंकहैछे: सांपेतोइसमडीरेगरजीमेजावांगा: सो इण
डाउछाहमांहेअेसांवणजावाछे सो कासुंछेनेकाउंकहैछे:
तरेगुरवसिष्टजीकहे: जेराजाअेसांवणघणोउतपातदिषाव
सी: पिणउतरथेगोहीजहोसी: सोजांनमांहेउनाथुं वालोक
रेछे: जितरामें अंधकारपगांरीरजीउडीनेभरहवावआयो
सोहाथनेहाथसुझे नहीः जितरेफरसरांमजीआयनेदर
सणदीयो: सोहाथमांहेनेफरसीमाहानयांनकरूपकरने
आयनेजांनआडाउभारह्या: सोजिराजांनमांहेथा जितरा
सरबफरसरांमजीरोसरूप देषनेभूरछागतआयनेहेठापडी
या: तरेफरसरांमजीकह्यो: जिणश्रीमाहादेवजीरोधनषभां
गीयोछे: जिणरोहीजमूंहदेखुं: तरेफरसरांमजीश्रीरांम
चंद्रजीनुंकह्यो: तेम्हारागुरश्रीमाहादेवजीरोधनषभांगीयो
छेसोतुंकितरोयकजोरावरछे: थांमेंजांणनेछे: म्हेइकवी
सवारप्रिथ्वीयांनेमारनेब्राह्मणांनुंधरतीसंकलपदीवीछे:
नेप्रिथ्वीउपरेषित्रीथासोसरबमारीया: सोतेमानेजांणेकाइस
नेछेनेकांनांहीसुंणीयोनहीछे: राजासेहसार्जनहजार
हाथथा: सोमेइणफरसीसुंहजारहीहाथतोडीया: सोतुंम
नेनजांणेछे: नेमजांनेधनषभांजीयोसोतोघणोवरमसेरोपुरा
णोथो: पिणहमेंथोतानेछोडुंनहीः तुंमोसुंजुधकरसीतोबोम
स: नहीतोतोनेमाफकोफनदी: तरेश्रीरामचंद्रजीकह्यो: तुंतो
ब्राह्मणरषेस्वररोपुत्रछे: तरेफरसरांमजीकहेजुधकरीकर

रमो॥ आम्हा राम्हाथेमे फरसी छिणसं घ्यारो माथो नाहसंत
श्रीरामचंद्रजी कह्यो। ओ माथो थारो आगे छै। पिण म्हे बित्रीवा
सोगायरी ब्राह्मणरी रषेस्वररी शिष्यारे खासते पैदा सज्यावा छां
सोतासुं म्हे नहीं जडां। तरे फरसरांमजी कह्यो। तुं मासुं जुधन
हीकरे छै। तो तुं म्हारो धनष थारा हाथमे लेनै पांचवे नै नहीं तो चा
यतो क्रंतो नै मारसुं। तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो रुडो। थारा हा
थरो धनष देसी तो म्हे पांचसां नै चढावसां। पिण तुं म्हासुं जुधतो
नहीं करो। तरे फरसरांमजी रै कांधे धनष थो सो श्रीरामचंद्रजी
आधेरा होय नै उतरो लीयो। नै फरसरांमचंद्रजी नामी जमे आरा
बल उमडो थो सो मांह श्रीरामचंद्रजी उतरो लीयो। तरे फरस
रांमजी सुधा ब्राह्मण होयनै अधार ह्वा। फरसरांमजी मांहे उ
बल नहीं। तरे फरसरांमजी श्रीरामचंद्रजी नुं साक्षात श्रीना
रायण हीज रेषण लागा। तरे फरसरांमजी श्रीनारायणरी अ
सतुत करण लागा। नै कह्यो। हो महाराज थे साक्षात अवंप
रब्रह्म छो। नै राजही जमामे तेज नै बल ही यो छो। नै प्रिथी इकवी
स वार निषत्री कीवी सो आपरो बल थो। सो इकवीस वार नि
षत्री कीधी। नै बाड समीवार वजे निषत्री करण नुं दोडीयो। त
रै म्हे म्हारा मीलरो अहंकार आणीयो। जे कुं इसडो जोरावर
छुं। तितेरे राज धनष आजीयो। नै कुं अवनी आयो। तरे राजमो
नुं मिलीया। तरे फरसरांमजी कह्यो। एक दिन उवारकाजी
मांहे गोतमजी रै उपकंठ बैठो कुं तपस्या करतो थो। तितेरे उ
हांमाजनि नारदजी रषेस्वरां सहित मो कनै आया। तरे कुं उव
नै प्रणांम करने उभो रह्यो। तरे मोनुं कहण लागा। जे श्रीवा
कुर पधारसी तरे मांगणो होय सो वरदांन कहे। तरे हिं महाराज
बीजारे बसरां नुं कह्यो। गोतमजी नै थे छो बेसरणा सं जे आवो।
तरे रिषेसरां गोतमजी नै सुरग सुं आणीया। नै श्रीठाकुर ही चु
त्रभुज रूप होयनै पधारीया। नै फरसरांमजी नुं केहण लागा
तुं तपस्या करे छै। सो तुं मांग ज्युं कुं तो नै देछे। तरे फरसरांम

जी कह्यो। म्हाराज कुंवारो मांगुं। तरे श्रीठाकुरां फरसरांमजी नुं क
ह्यो। थे जाय नै प्रिथी उपरे फरसरांम अवतार करो। नै फरसी हाथ
मांहे राषजो। नै मेंहसा आरजन सुं जुध करजो। नै उण नुं मारनै इक
वीस वार प्रिथी निषित्री करजे। नै प्रिथी रो राज ब्राह्मण नुं दीजे। नै
प्रिथी उपरे षित्री एक ही मती राषजे। नै तो मांहे म्हारो अंस रहेछै। सो तुं जा
तरे फरसरांमजी नुं कह्यो नै। आपरो अंतरध्यान ह्वा। नै फरसरांम
जीरा पिता तो रषेस्वर जमदगनजी। नै माता रेणकाजी। रिजनमजी
सो पछे श्रीरामचंद्रजी नुं फरसरांमजी कह्यो। राज मो मांहे राजरो
तेज थो। तरे कुं कितरा थोक करतो थो। तरे श्रीरामचंद्रजी थो जीय।
फरसरांम तो नै तीन थोक बतावुं। सो थारी होय आसम मांरा। तरे फ
रसरांमजी कह्यो। राज बतावो। तरे श्रीरामचंद्रजी कहे। एक तो वै
कुंठ। बीजो देवतांरा बासा। तीजो म्रित्यलोक मांहे तपस्या करे नै म
हराव रणांरो ध्यांन राषे। यां तीनां बातां मांहि थारी दाय आवे सुं के
हे। सो तानुं देवुं। तरे फरसरांमजी कह्यो। म्हाराज म्हारे वैकुंठ
सुं कांम कोइ नहीं। नै अठे म्रित्यलोक मांहे रषेस्वर थको तपस्या क
रसुं। नै राजरे स्वरणारविंद रो ध्यान वारु। तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो
हमे तुं महादेर परबत उपर बैठो तपस्या करे। तरे फरसरांमजी
परकंमा दे नै नीत करने महादेर परबत उपर गया। तरे जांनै सो ह
नै नीत होय गया था सो सरब सघ सी फ्रवः नै केहण लागा। कुसट
सुं पांना पडीयो थो। पिण श्रीठाकुरां रै प्रताप करने उबरीया। हमे
जांन उवास सुं आघी चाली। सो अजोध्या नगरी पधारीया। हमे बधा
वणा होय रह्या छै। के लोक नन्ती कीवी छै। घर घर जवारा वेदावे छै।
नै थाल्यां मांहे कुंकु छै नै मोतीयांरा आषा छै। नै लोग सारा ही उमा
स्करे छै। नै घणा हाथी घोडा सिणगारीया छै। सो जांनरे सांहमा आं
णीया छै। घणा बाजेत्र नीसांण बाजे छै। मगा भजन नट चा पात्र नाचे
छै। नै भाट चारण बिरदावली बोले छै। सो श्रीरामचंद्रजी महे
लांमे पधारे छै। नै घर घर रे बारणे उनार दे छै। नै वजे आघा पधारे छै। नै
प्रिहजांरी पीडा जो में बधावे नै आघा लीया। तरे माताजी श्रीकवसि

[illegible] वीजी [illegible] करने मधा [illegible]
[illegible] करें पछे श्रीरामचंद्रजी आ [illegible] सीताजीरे मनी
[illegible] सारा रपगलांग छै ॥ [illegible] नेठेवतीरे पगजा
[illegible] पछे श्री [illegible] रामचंद्रजी आप
[illegible]
[illegible] जीसुं [illegible] जीनुं [illegible]
[illegible] पधारीया [illegible] नेश्रीरामचंद्रजी
[illegible] श्रीरामचंद्रजी माजी
[illegible] नेसीताजी [illegible] आकास
[illegible] पधारीया: तरे श्रीरामचंद्रजी [illegible] माआया नेप
[illegible] जीनुं सिंघासणउपरबेसांणीआ: नेश्रीरामचंद्रजी
[illegible] करीजारी [illegible]: तरेसीताजीका
[illegible] दिकमाथेमेलीया: नेश्रीराम
चंद्रजी [illegible] करे छै: आजम्हारी [illegible] राज
[illegible] पाया: आज [illegible]
[illegible] तरे नारदजी कह्यो: आ [illegible]
[illegible] अवतार [illegible]
[illegible] पिण आप [illegible] पार छो: [illegible]
[illegible] राज
[illegible] पाया: पिण [illegible] अवतार [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो: नारदजी
[illegible]
[illegible] तरे नारदजी [illegible]
[illegible] कह्यो: जे श्रीरामचंद्रजी [illegible]
[illegible]
[illegible]

११

[illegible] वसिष्टजीने [illegible]
[illegible] रामचंद्रजीनुं [illegible] तरे [illegible] पधारीया म्हा
[illegible] तरे [illegible]
[illegible] वसिष्टजी [illegible]
[illegible] तरे [illegible]
[illegible] तरे वसि
ष्टजी कह्यो: [illegible]
[illegible]
[illegible] तरे गुरु वसिष्ट
जी [illegible] कह्यो: [illegible]
[illegible] तरे गुरु वसिष्टजी [illegible]
[illegible] श्रीरामचंद्रजीनुं [illegible] पधारीया [illegible] श्रीराम
चंद्रजी [illegible] सीताजी [illegible]
[illegible] वसिष्ट [illegible] पधारीया: तरे [illegible]
[illegible] जी [illegible] गुरु वसिष्टजी पधारीया छै: तरे श्री
रामचंद्रजी [illegible] गुरांने [illegible]
[illegible] सिंघासणउपरबेसांणीया: तरे श्रीरामचंद्रजी सी
ताजीनुं कह्यो: [illegible] तरेसीताजीका
[illegible] गुरां [illegible] श्रीरामचंद्रजी [illegible]
[illegible] माथे मेलीया: नेश्रीरामचंद्रजीनेसीताजी [illegible]
[illegible] श्रीरामचंद्रजी कह्यो छै: आजम्हांरा [illegible]
[illegible] पाया: तरे [illegible]
गुरु वसिष्टजी कह्यो: [illegible] आप [illegible] पार छो: राजम्हारे
[illegible]
[illegible] गुरपद [illegible]
[illegible] राज [illegible]
[illegible] श्रीनारायणअवतार [illegible]
[illegible] गुरुपद [illegible] राज श्रीनाराय

णही जठै: राजमोस्युं घणी किपा करीनै जो [illegible] तरै रामजीया
नुं: तरै श्रीरामचंद जीकह्यो राजकुंवर पधारिया छै: तरै वसि
ष्टजी कह्यो: राजनै दसरथजी राजरो टीको देसी नै म्हारा
कनै मोहरत जोवायो तरै म्हे मोहरत दीयो छै: नै टीकारो वा
ते मांमरी आग्या राखी छै: सो म्हे मोहरत नजीक दीयो छै: नै
दसरथजी मोकनै परधान नै मेलीयो छो: तरै मै मोहरत दीयो
छै सो म्हे राजरा त्यार होयनै रह्जो: तरै श्रीरामचंदजी कह्यो:
प्रमांण छै थित्रिपा करनै देमांम्है तेमां: पछै वसिष्टजीनुं नम
स्कार मी पधीनी सोवा मष्टजी राजा दसरथजी कनै आया: नेवा
पनै कह्यो: म्हे श्रीरामचंदजी कनै कह्यो छै वचन भगवान्या: तरै रा
जा कह्यो: भली आनकीनी: देमपरधान नै गुरु वसिष्टजी कह्यो
जे म्हे धाटन मांम गरीमै कह्यो थ्या: सुमरवन त्यार कराय छै
वाजंत्र नौबत नीसांण सरब त्यारी राषजो: नै उमरावमुक
ट बंधबत्रबंध छे तिणां नुं पिणमारां नुं त्यारी कररा षजो: नै
बतीस पवन नै केद जो: श्रीरामचंदजी मिंघासण आयांविरा
जे तैरमरव आ यांन पगे लागजो: नै उमराव रजपूत सरव आ
यांनुं मुजरा करी जो: इम सरब त्यारी राषजो: तरै परधान कह्यो
सरब त्यारी छै: नै सगळे मे इस मे पवरछै: म्हारा श्रीरामचंद
जीनुं टीको देसी सो देवा का कुमी ठावा छै: नै घरघर वाजंत्र
वाजे छै: नै उछाह होयरह्यो छै: इम छठे देवतांसांमळीया
जे श्रीरामचंदजीनुं राजदेवे छै: सो वमेगा जेरे धंधपडीया के
म्हारा कांम पडीयो रै छसी: नै इमे कांइ अेमे उपाव करां: सो
बीकोंनही लेवः तरै सगळा देवतां नै जाय नै श्री सरसती जी
कनै गया: जाय नै वीनती कीवी: जे माताजी श्रीरामचंदजी म्हां
देवतारो कसट काटसी वामेलेतो अवतार लीयो छै: नै इम रा
जपद वीलेवे छै: सो महैं राजपधारै ने राजरी माया अपका करो
जं: नै श्रीरामचंदजीनुं वनवास दिरावो जं: देवतां रो कष्ट का
टे: तरै मातजी कह्यो राडी: तरै श्रीमाताजी आपरी माया मे जी

गि: मकरसुथरी दासी छै: सो पोतानै तो अछी छैनै कूबडी छै:
मेघार राजमि मंथी तिणरी दिस्ते म्है आयनै प्रगटी उ
तैरदासी नावासै नंराजीया उपस्थ दी: वणदासी छै वण
गेही मगन नथी जिकाट मनु मकरती मारी छै यही चढनै क
यो: आजेस हरमे वाजा वाजे छै: उछाह होयरह्यो छै: नै घर
घरतोरण बांधीया छै: घरमा गह्ही धवळी बासी पीयादी:
सो छै: नै मांगणा मांगी जे छै सो आज कांसे छै: तरै बीजी दासी
यां कह्यो: मुथरी नुं नही जांणै छै: पण आज श्रीरामचंदजी नुं
टीको देसी: तिणवासतै आ नगर मिणगारीयो छै: नै श्रीजा मि
णवा मंनवाजे छै: तरै निवेकी: टरटरा टा करमे कि कहीरे
स्याई: तरै केकई कह्यो: आव त्रिये का नुं मे कहीन हीं आवे
सो आज कुण आई: तरै कह्यो: रामचंदजीनुं राजा दसरथजी
टीको देवे छै: तरै केकई कह्यो भलाई रामचंदजीनुं टीको दी
जे: म्हारे रामचंदजी बेटो छै: नै रामचंदजी मोस्युं हेत मा
हरो घणो राषे छै: तरै दासी कहे छै: केकई इसडी बात नुं काजे
कहे छै: रामचंद थारा बेटा नै हे मैम दिस्युं दीपगका दसी: आ
जनुं राजा रो पटराणी छै: सो थारो कह्यो राजा दसरथ जी पमी
नही: नै नो बेवो थारा बेराजमध्य नुं राजा दिराय जं छै सगळा
जरी धणीयांणी हुवे: नै केकई कह्यो थारै राजा दसरथ राक पचा
ता दिष कपटी थका थारा दसरथ नुं मांम रैनै लीया छै नै वामेम मुरा
मचंदनुं टीको दिवे छै नै आजतां बेटा हीवा रा वेरांन परा काढे
छै: नै वां माथी थां दन कुं णदसी: नै रामनुं बडी वेवी कासंके
यां रे छै: तुं राजानुं केद: तरै केकई कहे छै मुथरी आप
कउ नतामे क वात मुझ पनी नै तुं सीमाच कहे छे म्हारो तो जो वं
छै छै: तरै तुं अपाणा यत करनै कहे छै: सो म्हारो पचन गय नुं रा
ज दीमो तो पेक सो गा वनो नुं दिरावमो: पिण दसे करमा राजा जी
नुं काइक कडं: तरै मूथरी कहे: तुं अबा मां परी उतरनै नै बणाव
कपडा पेहरी यां छै सो परस्पो जनै बीजा फाटा सा कपडा पह

र॰ नै मेहणा मर बननार मांय॰ नै मा बरा बाप मे बाकदे॰ नै र
मणमालैम जायने तेधा मुं हदो करने आगे आयने माथे
छः नै राजाजी आप वमी तरे थागंना हरगकरमी तरे तेखा सं
घत कुडां ढी करे॰ नै निमामा याप॰ पेछै ताकं नराजा मुं म॰ सा
पतधावं तरे तेहदो जैम बाजः नै कहीजराजाजी थे बाजदी॰
या बामा बीतारा॰ राजमा मे दीवीयी॰ जिण दिन दवतार न
देतां रम्मे ग्राम सर्फ बाणा ते म्हं तती जीनाथा नदेवताका धा॰ तेरे
दिव ताराजने तेइण आया था तरे आपद वनामा थे रथ बम
नि पधारीया तरे मानूं पिण राजमाथे जगमाथा॰ तरे राजदे
तामूं जुध कीयो सो जुध महबलो हुवो॰ मो राजरा जोर मे रथ रे
धुरी नागी॰ नै रथ हेंगा पडतो थो तरे केकई पड आपरा हाथ
घाल दीया॰ नै रथ धीका मलां चलाबीयो नै संग्राम मांहे जीतो॰ नै
देवतां गीजीत सं तरे राजा पाछा फिरने आया॰ तरे म्हारा हाथ
पड मांहे दीठा तरे राज पूछीयो केकई आ कांई करे छे॰ त
रे म्हे कह्यो राजरा रथरी धुरी नाग गइ॰ नै जडाइ छी तारे म्हे हाथ
दे तो थोतरे मे हाथ घालीयो थो॰ तरे मोसूं राज प्रसीज हुवा नै राज
कह्यो के कहीं मांगमा गता बुहे वर दानदे मां॰ तरे म्हे कह्यो
राज तुठमान जवाबो तादो वर म्हांने दोय बात मांगमां॰ मो
म्हारे जोइजमी तरे मांगमो॰ मा मा नें राजरो वचन छै॰ सो आज दे
तरे यनें राजा दसरथ कहमी॰ कवे म्हांरा वचन॰ मुंमा
ज्यूं तो मांहे॰ तरे केकई कहो जे कहीजे सत्य नें रा
जदो॰ नै समवेद नें वनवास दो॰ सो तु आ वर दान मांगजे॰ तरे
कहीकह्यो ज्ज मवात॰ इम आबात केकई नें समजायने
केकई नें समण माजेम नुधमुं हदे धरती मांणे नें सूथ
रीटा मी परी गई॰ इम राजा दसरथ दरबार बोदनें का
कही रैम हलां आया॰ नै आगे आया जद आंगणे मनूं ढही
वासि नही॰ तेम हलमदी दो नही॰ नै जाणे नो मे हजदी मै॰ त
रे राजा जांणी मो कं म हां फ आवतो तरे केकई सो हमी धावती॰

नै मे हजां मे बिज घणी दीसती॰ मो आज कामं स जो छै॰ तरे राजा
आ करीयां न पूछीयो॰ आज थां हरी धणी थांणी कोइ मई तरे आ
करीयां कह्यो मा हाराजम मणमालैम में तो आराजाजी के
कही कने आया॰ आयने देपतां केकई नें धमुंहदे नप डी छै॰ नै
मुमकापा पे छै॰ तरे राजाजी कह्यो घमाघमा किणही रूपी बा
दो छै तो मरद न मा म्हं थनेथ कांहीजण मतें बांना मांगा॰ फेर
किणी नें म्हम मन फाबा नाम्हं पिण थइ तेरा हप कं पकर बो॰
पिण केकई मुंहदे नबोलनही॰ तरे राजाजी कहे छै॰ थारे जाइ
जैम मांगा थुं छै॰ तरे केकई हल चैम कहे छै॰ हा थांजवरा
लतणा बोला॰ ग मचदगमं मथा बांबा॰ तरे राजा के राम चंद रा
सं मथा यन कह्यो॰ जिकुं कहीयो रवाही जैम कांइ जुलतां न दे॰
तरे केकई कहे छै॰ तरथ बुं राजदो॰ नराम चंद नूं वनवामदो॰ मं
आंमथ हरीवाचा पाजमांता नरथ नें राजदेमा॰ आ वात मो नूं
नेगजा दसरथ जी नें मरबा मत आयने व्राप दीया॰ तरे धरी
नतरे नीछै से चतनावाजदी॰ इम राजा मनमांहे जाणे के
बहू नें आ कांइ विरत नहै॰ तितरे केकई नें दीठी॰ तरे वात कीता
आइ॰ तरे रूप करेन कहे छै॰ नै बाधगे मकाथ गम करे छै॰ नै आं
सीयां मां हिस आंसूपदं छै॰ नै रूप करे छै॰ नराने चार पा कर गन
के केकई रैरू मण मालैम राजा पकीयो॰ न मांहि छी बात बारे न
दीजांणे॰ राजाजी नें गान घणी दो हरीमी करी॰ इम पर मात फ
बो राजा दसरथ्यो॰ इम राजा वाजे छै॰ हाथी धीरा रथ पायद
ल॰ सर वरा वत मिल मार कर करने आयने बाना छै॰ सो मार
ही म नमे जांणे छै॰ श्री राम चंद जी नें टीका दमी॰ इमचो कहीं
आ करीयां नें कह्यो॰ आ बारे जायने कहो॰ बाजा मती बजावो॰
तरे आ करीयां आयने दाही कह्यो॰ तरे दाही दारा बारे आयने
कह्यो॰ बाजा मती बजावो॰ तरे ना बजनी मांणा छुरता रेह गया॰
इम राजाजी मांहे मूं बारे न आवे॰ तरे परधान सूं मित्री आयने
दरबार बैठा छै॰ नै दरबार सूं उठने सू मित्री दाढी आयने कहे छै॰

काकंधबरछे: इतसे केंहेने सुमित्रमिले आठो बाकीमरे
जाजीसुं अरजेरो कीधो: तरेराजा मांहु मांजायो: नेराजारोम
चंदरो पांवकेजेनेरोघणसाम: तरेपरधान बोलीया: जेमाहा
राज: आकासुं छेसु मोनेकहो: तरेराजादसरथसुमित्रीप
धांनने कहो: मासुं तोके हणी आंवेनहीं: केकहीआकेइ
धांनने कैहसी: तरेकेकहीसुं मित्रीनुं कहो तुं जायनेरामा
चंदनुं ओंदेतेडल्याव: तरेराजा: सुमित्रीसा सभा जायो: नेनिष
जरूकहो: तरेसुमंत्रीपरधांनश्रीरांमचंद्रजीकने आयनेक
ह्यो: तेराजनेराजाजीतेडो छे: तरेश्रीरांमचंद्रजीराजाजीक
नेआया: जंदेषेतोराजाजीनेकेकहीदोनुं जणांधरतीबे
ठा छे: तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो: घमाघमामाहाराज आपधर
तीबिराजीया छो: तरेदसरथजीरोयनेश्रीरांमचंद्रजीरा ग
लामेबांहघालनेधाहमारी: नेश्रीरांमचंद्रजीनं षोलामेलेने
बेठा छे: तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो: जेराजछेकारणं: सोमनु
कहो: तरेराजाकह्यो: रांमचंदतोनुं आपेहीकेकहीकेहस्य
सी: मावतेतोकहीनजाय: तरेकेकहीकह्यो: सोनतरांमचं
थारेबापदेवता [illegible] मेगयाथा: सोदेवतारोकारजकी
धो: तरेमोनुंपिणसाथेलीवीथी: सोउंदेवेतांमजुधकरतां
थकां रथरी धुरीनागगइथी: तरेरथ देतोपडतोथो: तरेध
रीजागमेहेम्हारी बांहघाली: तरेथारेबापषुसीहोय
नेदोयवरदीया था: नेमोनुं कह्याथा: थारेजोइजेसुंमांग:
तरेमेकह्यो: म्हारेजोइजसी तरेमांगसुं: सोहमेआणदिनरे
बोलमांग्या छे: तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो: माताजीथेमांगसो
सुंहीदेसां: तरेकेकहीबोली: जेतूंथारा बापरोबोलराषसी
तो: भरथनुंराजरोटीकोदे: नेतूंरांमचंदचवदेवरसवनवास
जा: तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो रुडो: माताजीजोतो म्हारा बापरे
बोलराषसुं: नेउं वनवासजासुं: नेभरथनुंराजदेसां: तरेके
कहीकह्यो: जेहमा [illegible] तबे: सुं [illegible] वनवासजावो: तरेर

१४

श्रीरांमचंद्रजी कह्यो: हुंमेमाताजीसुं मिलनेआउंछुं: तरेश्रीरां
मचंदजीमाता कवसल्याजीसुं मिलनेआया: आगेकवसल्या
जीश्रीठाकुरांरीसेवाकरेछे: श्रीमाताजीसेवाकरेछे: नेजांणे
छे आजश्रीरांमचंदजीनुं टीको देसी: सो पुस्याजथकांमवापू
जाकरेछे: तितरेश्रीरांमचंद्रजीपधारीया तरेकवसल्याजीश्री
रांमचंद्रजीनुं षोलामेबेसांणीया: तरेकवसल्याजीकह्यो बेटा
सीगंवणी [illegible] तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो: जेमाताजी: राजतोभर
थनुंदराया छे: केकहीमांगेचवदेवरसरोवनेवासदिरायोछे:
देवतारेनदेतारे [illegible] तरेकेकही दसरथजीरीचाकरीकी
धीथी: तरेकेकहीनुंबोलदीयोथो: सोजदीरोबोलआजमांगी:
यो: तरेमोनुं म्हारा बापरो बचनराषणो: सा बातमाताजीनुं क
ही: तरेकवसल्याजीनुं मूरछागतआइ: नेधरतीहेठीपडीया:
पछेतीवसांसंमायनेउठांणीया: तरेमाताजीकह्यो: म्हारे राज
राटीकासुंकाइकांमनहीछे: भरथनुंटीकोमहीतांदेवो: पिण
रांमचंदनुंगांवमांहेरेहणदो: वनवासकांयदेवोछो: सोसगजा
मांनजीमो: जेश्रीरांमचंद्रजीनुं केकहीबनवासदीयोछे: तरेल
षमणजीदोडीया आवेछे: नेश्रीरांमचंद्रजीनुं लषमणजीकहे
छे: जेराजराजछोमने बेला छो: मे चवदे वरसरोवनवास जाव
णदे तयारजावांछां: सोकेकहीरिसारे काजांछे: नेकोइ वनवा
सरोमांवलेने तरेलषमणजीकोपकरनेकहेछे: तरेश्रीरांमचं
दजीजांणीयो: जेलषमणकोपनुं मांकरेछे: तरेश्रीरांमचंद्र
जीवरजीया: नेकह्यो: आपणाबापरोबोलकुंजोणदेवो छे द
णेचवदे वरसषराश्रामजासी: नेआंपणेकांमकरणो छे मेतो
थेजांणोहीजछो: तरेलषमणजीकह्यो जेराजकांछेराजा
[illegible] तरेश्रीरांमचंद्रजी
कह्यो: नथेसबेही जरहो: तरेलषमणजीकह्यो नाराजआवात
मेनेमतीकहो: [illegible] राजमोनेरहणरो
मतीकहो: जेपछेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो: सहांघेइआवो: तरेलषमे
कवसल्यामाताजीसुं समझकायनेउठीया: हमेसीताजीरे मांजी
येपधारीया: आगेसीताजीआणमाथा श्रीरांमचंद्रजीनुंराजदेसी

सोमाथे बत्रदेमी: युंप्र नेमेबिराजीयाविम्यारेछे: तरे श्रीराम
चंदजीपधारीया: तरे सीताजी कह्यो जेराज छत्र कवै: तरे श्री
रामचंदजी कह्यो: सीताजी म्हांनुं चवदे वरस रो बनवास दीयो नें
राजभरतजी कोसरथ नुं दियो: सो आंगम्हांरे बापके कहीनुं अब
नहीं छो सो किकइ रीराजभरथनुं दिरायो नें म्हांनु चवदे बरस
रो बनवास दिरायो: सो छेम्हे हालां जांछां: थे म्हांरे हीजे: नें मा
त्रा कसम्पाजीरी चाकरी करजो: नें म्हारी चिंता मतकरजे
छे हांण चवदे वरस म्हरा होय जासी: नें म्हे इंवगाहीज आवांछां:
तरे सीताजी बोलीया: जेराज सीषमत किणनुं देवो छो म्हांनें राज
जरे साथे आवसूं: अठेरहुं नहीं: मोनुं राज रे हणरी वातमती
कहो: तरे श्रीरामचंदजी सीताजीनुं कहे छे: सीताजी थारे रेहणो
छो ह रांहे: मुष जागसी तिरम जागसी: ताव डो जागसी: नें थे सो
हजीमा लछो: नें धवे वजाथ वांकुं पही जुड़सी नहीं: नें बनवास में
बावजन नें छे: चुभे रोरांधी योषांवणो मनेछे: भेठे तो बनराफल पांव
णा छे: सो फल केइ कतामी ठछे: केइषारा केइ फीका छसदा
फलषांवणा छे: नेथे राजा जनघरी बेटी छो: सो थेघणा सुषदीमा
छो: माथे हुसडाकष किण बासते देषो छो: तरे सीताजी कह्यो रा
जरा मुंह मे देषीयां मांनु सगाइ सषछे: पिण हंतो आवे कांह्यरहुं
नहीं: जेबराज छो जेठेहुं रहुं: तरे श्रीरामचंदजी कह्यो म नो थे
इआवो: नें थांहरे मांहरी मनमे छे सो परमेस्टो: नें थां हरामे हणा थ
छे सो सरब गुरबसिष्टजीरी बक्षनें पराही: नें थे मां हरे साथे आ
वो: तरे माजवितगेहणा थामो सरवपराहीधा: इंमे श्रीरामचंद
जी दसरथ जीकनें आया: लषमणजी नें सीताजी साथे छे तीनु
ही जिण आया: तरे दसरथजी इणांनुं देषनें विलषा विलापात
करण लागा: तरे श्रीरामचंदजी दसरथजी रे पगे लागा नें दस
रथजी कह्यो: लषमणनें सीताकुं आयाछे: तरे श्रीरामचंदजी
कह्यो: जेमा हाराजऊ आसुंहेम नहीं रहेछे: म्हेंतो इणांनु घणोंही
कह्यो पिण सें नहीं रहे: तरे केकई हरि पगेलागण नें आया: तरे १५
केकई उठनें घरमांहि सुंतीन वागा लाइ: नें कह्यो थे बलक
लरा वागा छे सो पेहरो: तरे श्रीरामचंदजी लषमणजी सीताजी त्र

णा लीने श्रीमजी वागा उतारेने बलकलरा कपड़ा पेहरीया: नें सी
ताजीनुं वागो दीनो सो सीताजी वागो झालनें ऊनां छे: नें श्रीरामचंद
जी मां हमाजी सो: तरे श्रीरामचंदजी वागो उरा लेनें कह्यो आगें पेहर
सो: इंमे राजा दसरथजी कनें गुरबसिष्टजी नें परधान सुमित्री जी
आया: ज्यु श्रीरामचंदजी नें लषमणजी नें सीताजी नुं देषनें केकई
नें गुरबसिष्टजी री सांणाहा यनें केकई नें कह्यो: थे तीन वागा ब
लकलरा काढीया छे सो किसे बासते: नलां नें रामचंदनुं तो देसोटो
दीयो सो लोघ्यारो बोल राषीयो: पिण बेजेयां नुं ही वागा क्युं दीया: थ
रीमत नो गइ सो तुं मदाइ अमत री देण हारी छे: सो बसिष्टजी के
कहीनुं घणो ही कह्यो: तरे राजा दसरथजी वसिष्टजी नें कह्यो: ह
म्हांरे पांण जुरसी: इतरा दिन तो श्रीरामचंदजीरो विसास थो: ह
मेराजा रांमरा मकेहर ह्याछै: नें सुमित्री नें कह्यो: म्हांरे बेमण रा रथ
जोतरायनें जेआव: नें तुं रथरे साथे जानें रामचंदजी नुं पोहचाय आ
व: नें तो नें रामचंदजी सीष देवे तरे तुं आए: नें श्रीरामचंदजी लषमण
जी सीताजी तो नुं समाचार कहे सो तुं आ नलें नम्हां नुं आय कहे: त
रे परधान सुमित्री रथ जोतरनें आंण नें ऊभो राषीयो: तरे लषमणजी
आय नें श्रीरामचंदजीनें आपेरो घनुष ले आया: नें सुमित्री पिण धनष
लेने आयो: नें सरब रथ ऊपरे बेसनें रथ हांकीयो: सारथी से हरमां
हे होय नें नीसरीयो: सो सेहररा लोक पिण साथे जावाछे: नें श्रीरा
मचंदजी लोकां नें घणा ही पाछे छे: पिण लोक पाछाहीं वलेनं छे: कहे छे
अठे राजतैरे साथे आवसां: सो सारा शहर रा लोक साथे चालाछे: इंमे
आध घाडीया मांको सनऊपर आंण नें डेरो कीयोछे: नें आथणरो
समीयो हुवो छे: नें नगर रा लोकां सारां ही रथ रे पाष तीडेरा कीया छे
इंमे श्रीरामचंदजी मन में विचारीयो: जे ओ लोकां नें केंठे ले जावां: तरे अ
पाय कीयो: जे सारां ही कुमीद झाप मीत रे रथ व हेनें परा जासां: तरे श्री
रामचंदजी बो वगा धस्मी करने पोढीया छे: नें सीताजी पिण थो
डा आघेरा मास्हतो छे: नें लषमणजी नें परधान सुमित्री बि अभातं
वरें बेसितरे रतन घणी मह. इंमे लोक सारा ही सोयर ह्या छे: तरे श्री

रामचंद्रजी लछमणजीनु साद कीयो ने कह्यो रघुजी तरे नेका
को: पछे लोक जागसी तरे रघुजी तरे नेउपर बेसने पाछा मेहर
हिसा: म्हा ऊठीया: सो थोडी सी दुर जायने पाछा वाला जदीया सो
आघा लछ बडीया: इमे पर नातक वो सो लोक जागीया सो देखे
तो रामचंद्रजी मही: तरे लोकां कह्यो: वाटे तो आपे ही रथ रे गुं
मे जावां: तरे जायने रथ राखीला जो याम मे वर कोनी दीठ: तरे
लोकां जांणीयो जे श्रीरामचंद्रजी पाछा घरे पधारीया दीसे छे:
तरे लोक ही घरे उरा आया: इमे श्रीरामचंद्रजी रथ बढने गंद
नीजरे गांव व. घसीछि तठे पधारीया: बीजो कने कोडन ही छे
क सुमित्री रथ खडे छे: तरे गेहो नीजे आप पंसे साथ लेने श्रीराम
चंद्रजी कने आयो: आयने मंमोन तरसदी मकीवी तरे गेहा नुं
श्रीरामचंद्रजी आघो लेने मिलीया ने कह्यो: तुं राजा दसरथ
जी रा मीज छे सो मांहरे घणी बात छे: तरे गेहे कह्यो: म्हारा राज
म्हारे गांव मांहे पधारो: तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो नागा: म्हांनुं
तो वदे वरस रो वन वास दीयो छे: ने पांच वटी रो ओक मेके न
रीं दे कह्यो राज अठे ही जरहो म्हे राजरा ही डाकरसां: तद
रे श्रीरामचंद्रजी कह्यो: म्हे वसती मे न ही आवां ने किणी रो षा
वां नही: तरे गंगाजी रे उपर सनवे मे गेहो का ठलायो ने मा तरे
माथ रा घालीयो ने सा थरा उपर श्रीरामचंद्रजी बिराजीया छे
ने गेहो नील जायने सब रामी स ठामी गाफ उले आयो: ने मुंह
हा आगे मेलीया: तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो म्हे तो फल मही
षावां: ने एक म्हारे कांम करः वडरे दुध आंण दे ज्ह जटा
बांधां: तरे गेहे वड रो दुध आंणीयो: तिण सूं श्रीरामचंद्रजी जटा
बांधी: ने राते गंगाजी रे उपकंठ रहता: सी श्रीरामचंद्रजी पो
ढीया छे: ने सीताजी पोढीया छे ने लछमणजी तेरो दो नीजर बे ग
चोकी दे छे: इमे परभात हुवो: तरे श्रीरामजी गेहाने कह्यो:
नाव ले आव जूं पेले पार उतरां: तरे गेहे नीज गेहे नाव आंणी:
तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो नाव कुं आंण षवसी: तरे गेहे कह्यो जेम

म्हारा राज आवे तो पग धोवा ऊं छूं: तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो फेरो
तरे परधान सुमित्री नु मेडे ने कह्यो: इमे तु रथ लेने पाछो जा: ने
सुमित्री कहे जे कांइ आप री साथे आवसं: तरे श्रीरामचंद्रजी
कह्यो: नाथ पाछा ही जआओ ने दसरथजी नुं ने माताजी नु कु
सल षेम कहजो: राजाजी रे पगां धोक दे ने कहीजो: ने के हजो
लछमणजी रामचंद्रजी गहीडा करे छे: राज काइ चिंता मती क
रज्यो: इमे सुमित्री सीताजी कने आयो: सू सीताजी रे आंखीयां
मांहि आंसू आ आवे छे: ने कहे छे: दसरथजी नुं नेक वचन पाली
नु म्हारो पगे वंदन कहजो: मे मोरा किया रा पा छा नि लागसं वि सेष
रा षजो: इमे सुमित्री सीष मांगने पाछो आयो: इमे परधान नुं वि
दा करने नाव उपर बेवा: सो पेले पार उतरा तरे नाव सु हेठा उतरी
या तरे गेहे नीज जक ह्यो जरा जमा नुं ही साथे छो: कांचो की पी
हरो दसं: तरे श्रीरामचंद्रजी छे मा नुं पाछो जा: तरे गहा नु सीष दे
ने श्रीरामचंद्रजी लछमणजी सीताजी आघा पधारीया: आगे ए
क मिरघ मारने ले लघीयो: उठा सु आघा पधारीया: सो रषेस्व
र भारद्वाजजी रा आश्रम कने पधारीया: तरे एक ण आदमी मा
थे मांहे वेस वाडीयो: जे तुं जायने कहे: रामचंद्र लछमण राज
दसरथजी रा बेटा सीताजी सहीत पधारीया छे: मवंदणा करे छ वा
रेठ ना छे: तरे भारद्वाजजी कह्यो: आंनुं उराने डो: तरे आश्रम मे
आया: भारद्वाजजी वा आश्रम मे मिं घाम ण छे गो छे: तरे श्रीरा
मचंद्रजी आय मंम्मान करने पगे लागा: तरे भारद्वाजजी उठने
श्रीरामचंद्रजी सुं मिलीया: इमे श्रीरामचंद्रजी ने भारद्वाजजी वा
वा वातां करे छे: तिनेर रषेस्वर रे जी मण री नयारी कइ: तरे श्रीरा
मचंद्रजी देही ज आरोगीया ने रात भारद्वाजजी रे आश्रम सु
ता: परभाते उठा सं सीष मांगने आघा हाजीया: तरे रषेस्वर श्री
रामचंद्रजी रे साथ बाजक दीया: इमे श्रीरामचंद्रजी गंगाजी
रे उपकंठ होयने जठी गंगाजी री पगारथी जठी उतरे आघा ह
जीया: ने रषेस्वर सां राबा जकां तुं सीष दीनी: ने श्रीरामचंद्रजी

चित्रकुअपरवतखेतेपधारीआ: सोउठेवाजमीकरषेस
रो आश्रमछे: नेबीजाम्हीसूनेकरषेस्वरसूठेरहैछे: तेरेश्री
रामचंद्रजीपधारीया: तेरेवाजमीकजीनुंषबरहुइ: तेरेवा
जमीकेजीसांमाआया: नेश्रीरामचंद्रजीसेमिलीया: पछै
श्रावेरेआश्रमतेआया: नेघणीआगतसागतकीनी: हमै
बेगवाताकरेछे: हमैवाजमीक ... जीआपरीछतपतश्री
रामचंद्रजीनुंकहेछे: माहाराजम्हारोजनमब्राहमणरेघर
हुवोथोनेकुंजुआमध्यत्रांजायोथो: तेरेमोलेनेपरानीनवदी
नो: तेरेमोनुंतीजणीलेगई: सोपाछनेमोटाकीनो: हमेवं
जांसाथेफिरूं: नेकुंइविरणमारूंनेचोरीयांकरूं: नेवाटपा
डूं: हमेमोनेतीजांरेपरणायो: तेरेम्हारेबोमकवा: पिणघरे
नुंषामरूं: षोचाणबेदरणनेजुडेनहीं: अनंतपापकीयातो
हीपेटभरेनहीं: स्वबघणोदेषुं: हमेएकदिनकुंरोहीमेफिर
तोथो: सोमातरषेस्वरजांवताथा: तेरेकुंजणांरषेस्वरांरेवा
रेढोडीयो: तेरेरषेस्वरांदीठो: जोआपराधीआयो: तेरेरषेस्व
रमतावजाम्हाणलागा: तेरेम्हेवांलेमारीयो: जेअनारहो
घणीकरगाया: पिणहमेजांवणपामीनहीं: नेम्हारामाथामे
धणीचढीछे: नेतीरटारवेदीमोछे: तेरेरषेस्वरांकह्यो: म्हेते
रषेस्वरछां: मोटकानेमारजोषितनोकोइनहीछे: सोतुंम्हांरे
कुंमारेछे: तेरेम्हेकह्योथांहराकपडाउतराअेस्यं: नेम्हा
राटाबरांनेपेहरावस्यं: तेरेरषेस्वरांकह्यो: म्हेतेइतरापा
पकरेछे: सोथारेहीपापांरोकोइभेलीछे: तेरेमेकह्यो: कुं
णइतरापापकरूंछूं: नेमारांहीभोगवाहुंछुं: सोम्हारापाप
मारहीघररोबेटाकसी. तेरेरषेस्वरांबोलीया: तुंजायनेघ
रकानेपूछनेआव: थारापापांरावेभेलीहावेतो: तेरेम्हे
कह्यो: कुंजाउंने. थेवांसास्यपराजावोतो: तेरेरषेस्वरांसंसघा
ईनेकह्यो: जितरेतेपूछनेआवसी जितरेम्हेअवेजनाबां: पी
रेम्हेंघरेजायनेपेहजीतोमाताबेनुंपछीयो: जेमाहारांकुंइतरा

पापकरूंछूंनेमांरवनुंपवाडउंछूं: सोथेमाहारापापरावेलीहोसो:
सुंमातानेकह्यो: बेटामांहेरैपापसूंकोइकांमनहीं: म्हेतोतोनुंपा
लपोसनेमोटोकीयोछे: तेरेम्हेकह्यो: पितानुं: तोजायनेहवु: त
रेमेजायनेकह्यो: जेपिताजीकुंइतरांनेमारनेथांहरनुंआणदे
वाछुं: सोथेम्हारापापमेंभेलावो: मा: तरेपिताकह्यो: बेटामारै
कुंवापथेमाइतारीचाकरीकरेछे: माथेमनकरेछे: सोमाइतांरेपे
टभरैसूं: तूंमांहरोपेटभरेछे: नेम्हेतोकाम्हांतूंमजुरीकरनेपे
टभरम्हेतोनेकदेकह्योथो: तूंपापकर: थारापापतूंजाणसी:
म्हेतोपापरासीरीकोइनहीं: साइणभांतहीबेटांनेबह्याकह्यो
पिणपापरोभेलीकोइहवैनहीं: माराहीपांवणारासीरीछे: त
रेमोनुंग्यानउपनो: तेरेकुंपाछोरषेस्वरांकनेआयो: आयनेहे
कुं: तोरषेस्वरउणहीजजायगाउभाछे: तेरेरषेस्वरांपूछीयो: कुं
नीजनुंघरेजायनेपूछआयो: तेरेम्हेकह्यो: नामाहाराजध
म्हारेपापांरोभेलीतोकोइनहीं: तेरेरषेस्वरांकह्यो: थारापांपां
रोभेलीकोइनहीं: कांवेछेतो: तुंइतरापापकुंकरेछे: नेतुंतोआ
ब्रह्मणरोपोतोमोछे: हमेतुंआपकमनमतीकरे: तेरेमेजांणीया
अेमाचकहेछे: तेरेम्हेरषेस्वरांरापगांपकडीया: नेकह्योथांम्हा
रापम्हगुरुकावो: तेरेरषेस्वरांकह्यो: आछ्यांनीछे: सो
इणरेमाथेम्हाथदेनेकांइकरां: हमारतांओलुंकहेछे: पिणप
छेवलेकरमकरसी: पिणम्हेइरषेस्वरांनेकाउपकहीयासो
...नहीं: नेइकांजेम्हारागुरुजावोनेथेके हमांहीवार
सूं: तेरेरषेस्वरांकह्यो: थारातीरधणीछेसोपरानोषद: नेइणर
ो ... रामरामकहयाकरजे: तितेरेम्हेपिणफिरतांआवर्
नीकलांछां: नेम्हेसातरषेस्वरछां: म्हांरीनावसातरेसारषेस्वर
रछे: सोमोनेरामनामसीषायनेरषेस्वरतोपरागया: नेकुंतोइस
तउणहीजजायगाबेठोरामजपुं: सोहमहजारवरसवतीतहो
गया: सोमोउपरेमाटीफिरगइ: सोकोइजाणेधुंधरोढिगलोछे
तिणसमेहमहजारवरसांस्युंउवहीजरषेस्वरआयनीसरीया:

तरै कह्यो: इण अवसर आंपांनुं नीकलि जीवो छै सो आप केल
तुं अठै बेसां छैने गया था सो फेरि गया थ्यो: आवो उण में आवी
तरै एक रषेस्वर कह्यो: उतो अधरमी नीलज्यो सो जरै पर्व गयो
छो मी डंपरी बुध ही पाप में छी: सो रामराम रो नांम किलण लेवै
वः तरै डुमरो रषेस्वर बोलीयो: आवो देषांनो घरो: तरै रषेस्वर
मोनै उठै जोयो. पिलणांने नही: उपर धूज फिर गइ: तरै कह्यो
अठै धूलरा ढिग जारी वोडबे मध्या तरै आयनै ढिगला कनै दे
षेतो ढिगला मांहि बैठो राम राम कहरै छै: तरै उपरा सूं धू डपरी
कीनी: नै बारै काढीयो: सो म्हारी देह इस डीक्यां तम मैं छै जो गरू
रजरी किरपा छै जनम सुधार कर रह्यो छै: तरै रषेस्वरां म्हारो नांम बा
लमीक दीयो: जे धरती मांहि घणा दिन रह्यो: नै उपर धूल फिर
गइ तरै म्हारै माथै व्हा थ देनै कह्यो: तो थे मो रषेस्वर हुवो: हमै ध
चित्रकूट पर बैठ तप कर आयनै श्री गोविंद भजन करः सो ते ता
जुग मांहि राजा दसरथ जी अज जो धरम मरी रो धणी हुसी तिण
रे घरे श्री रामचंद्र जी अवतार लेसी: सो रांवण नूं मारणरे वासते
वीनुं पधारसी. तरै तीनुं दरसण देसी: तद थारो पूरण भार हो
सी: सो उतरा दरो बैठो वाट जोवतो थो नै तपस्या करतो: सो बा
लमीक जी आप री बात सारी श्री रामचंद्र जीनुं कही: हमै श्री
रामचंद्र जी जठै दिन पांच सात रह्या नै बालमीक जीनुं कह्यो:
म्हानुं काइ एकांत जायगा बतावो तो म्हे उठै आश्रम करनै र
हां: तरै बालमीक जी माथै हाथ नै: श्री गंगाजी रै परलै चित्र
कूट पर बैठ तवीया: सघरी जायगा घणा रूष छै घणा फल फूल
छै: सघरी सुगंध ता इ छै: तरै बालमीक जी कह्यो: श्री रामचंद्र
जी आप अठै रह्यो: तरै रषेस्वर नै जाद्दोय नै वन मांहे सूं घास
जकड्डी काट लाया नै एक वनी रांमा साल वणाई: नै लछम
णजी रै जायगा बणाइ: सीताजी रै वास नै षोरी वणाई थी: सुं
ढढा आगे सघर चितरीयां बणाय दीवी: हमै तठै श्री रामचं
द्र जी तो विच मैं विराजे: नै देवीतार षेस्वर राजा आश्रम छै सो छेगा

१५

तणै छै:॥ हमै परधांन सुमित्र जी अजोध्यानगरी आयो: सो
रात पडीयां नगर मांहि आयो नै राजा जनि षबर छां: जेरा
तिसुमित्री आयो छै: तरै राजा नै दोमिलीयो: तरै सुमित्री आयै
तरै समाचार दीया: जे श्री रामचंद्र जी म्हानुं कासी केहवा दी
यो छै: तरै सुमित्री कह्यो जे राजा जनै बावो धीक कदी छै: म्हे नै तो
गंगाजी कनां सेती षबरी दीनी: नै आपना वृमै बसने गंगाजी
रै पैले पार ज्ञवा: गो [illegible] साथे छै नै जंपा छो अगरो आयो: नै
सीताजी री आंषीयां मांहि आंसु पडीया: नै कह्यो म्हारो
गोविंद [illegible] हरी वात सेण न समांन दसरथ जी रो
रांम रांम करां [illegible] गया: तरै महलां मांहि
कुकको पडीयो: नै महलां मांहि सकोइ रुदन करै छै: नै विल
प करै छै: जितरै गुर वसिष्ठ जी आया: नै केहण लागा: थां द
नुं दसरथ जी रो काज करणो छै: माथै रो बोम तो नेद सरथ
जी री देह छूपाडै नै तेजरा कुपा मांहि घाली: नै भरथ जी नुं आ
दमी मेलीयो: जे कागद देषत सवार पणी म्हां कने आयनै पी
जो: नै आदमी नुं कह्यो ते बीजा तो कुं पछी के हजमती नै भरथ
केह्जो: मानुं गुर वसिष्ठ जी मेलीयो छै: तरै कासीद जायनै भ
रथ जी रे हाथ कागद दीयो: तरै भरथ जी कागद बांचनै तुर
त अश्व वार हुवा: नै कासीद नुं पुछै छै म्हांनुं इतरा उतावला
कुं बुलाया छै: सो कुसल षेम छै तरै कासीद कह्यो: जो वेग
जाकुसल षेम छै तरै भरथ जी रथ बैठनै सात घडीयां: सो
मे दहर नै आया: तरै सांझ पण वाजी जकवा: तरै सहर मांहि
कोइ पिच करण लागा: गाडा हाट करता मैं सहर अजोध्या
मे आया: सो महलां में [illegible] दसमी रै वेग छै: नै भरथ
जी महल चौहटै दोय नै आया सो पांणी [illegible] मुंद है बाजी
[illegible] नै चौहटै [illegible] तो सहर में वाजं
[illegible] नै कोइ [illegible] नहीं: तरै भरथ जी रथ

मह्लै नै दरबार आया : सुंदर भार सूं मोहै सि नैरै सब्ध जीस
सूं देहगत नै कैकही रै घरे आया आयनै माता रै पगै ला
गा : नै भरथ नुं कै कही गादमे बेसांणीया छै नै आपरा पीह
र रा समाचार पूछै छै : थारा मांमो मांमां ना जा छै : मां नीना जी छै
नुवा मामी रा सगलां रा समाचार पूछै छै : तरै भरथ जी कैछै
थारे पीहर रा सगलां रा समाचार पूछै छै : पिण म्हारे पि
ता दसरथ जी रा तो समाचार कैहः कुसल जैबम छै : नै म्हा
रै भाई रांमचंद जी समाधीया छै : तरै कैकही कह्यौ : तुं चि
सा समाचार पूछै छै : राजा दसरथ जी तो नीकरा अथ्या मे
पधार गया : नै रांमचंद नुं म्हे पगै बनवास दीवो : नै मैं तो थ्रु
ज दीयो छै : सो तं नचीतो बेठो राज कर : आ बात भरथ
जी सांभली नै कैकही रा बोल आंगां लागा सूं झला नै पड़ीये
सो मुरछा गत आई : घड़ी ४ सुं भाव चेत हुवा : तरै कैक
ही सूं री साय नै भरथ जी कह्यौ : तुं हरा थारा पत्री तं खप
राधणी : थारो मुंहड़ो कुण देखे : ता ताबुं ही नवमे दसे
दसरथ जी नुं मराया : म्हासी नै राजा जी नुं मार नै : रांमचंद
जी नुं वनवास दीयो : सु म्हारे तो राज नै पाट सुं कोइ कांम
नही : राज नै बैसो श्रीरांमचंद जी रो छै : हुं तो श्रीरामचं
द जी रा चरणां रो चाकर छुं : तितरै गुरु वसिष्ठ जी आया : नै
कैहण लागा : थारा बाप रो हिज्ज पड़ी छै : सो तं तत्र जूं आ
पिका रज कर : तरै भरथ नै दसरथ जी री देही नै जमां सि
सूं बारे काढी : तरे पांच पिंड कीया : नै बिधबिधान सरब की
या : नै दसरथ जी रो कारज करायो : पिण दसरथ जी मर
तां थकां एक बात कही थी : जे हुं मोटीयार पणे सिकार
रमणे बन जतो : नै मो कने सबद वेदी रो हुं नरथो : सो री
आरा मे ही जिनावर जेने बोलने जे वे मारतो : ७ सो एक
दिन चांवणी रात छै : नै हुं जंगल मांहै गंगा जी रै उपकं

वसिकांठ भी ठां : नै एक बणजारा भाजी बेठो हुं : नै वे गोवे यो द
सुबे जद कांई जिनावर आ वसी तिण नुं मारसूं : नै नीर सांधी
यां बेठौ हुं : इतरां मे एक सरवण माता पिता नुं कांधे कीयां
आयो : नै माता पिता दोनुं ही आंधा छै : तिणां नै बड़ी तीका
लागी छै : पांणीयां छै नुं कावड़ कीयां आवतो थो : तितरै सरव
ण रा माता पिता सिरी आ ज्ञा : तरै सरवण माता पिता नुं कै
हो : थे बैठा छो : हुं पांणी रो घड़ो भर जाउं हुं : तरै कावड़ नुं
धनी चे मेली : नै आप घड़ो भरतो थो : सो घड़ो भरतो घड़ो भक
भक बाजीयो : तरै राजा दसरथ जांणीयो : हाथी पांणी पी
वे छै : सो सबद भेदी बाण सूं पांणी पीतो बाजे छै : तरे तांण नै म
रवां द्यो : सो सरवण रै छाती मे लागो : तरै सरवण कह्यो : हा
य रांम मारीयो : तरे कुंजांणै नै दौडै नै सरवण कने गयो नै ज
यो नै पूछीयो : तुं कुण छै : तरै सरवण कहै : हुं आंध्र मातो छुं : नै
म्हारां तो वसर हमे छै : तरै राजा दसरथ जी सरवण नुं पांणी
मां थी से पाखे नै बारे काढीया : नै बाण मुं चांणीयो : तरै दसर
थ जी कह्यो म्हे तो कुंभ जांण मारीयो छै : तुं मो नुं सराप मती दे
हे भमो मुं मुझे माफ कर जे : तरै सरवण कहै म्हारे तो बीया
थो ज्यूं ज वो : म्हारा माता पिता तरसीया छै : सो तुं घड़ो भर
नै उणां नुं पांणी पावजे : वे सांभीया थां छे : पिण तुं पांणी पा
वतां मुंहड़े बोलजे मती : नै वे नहोलीया तो जद पांणी दीजे
पी वसी नहीं : नै हुं पांणी मांहा इ पावै : नै पछै मुंहडै बोलजे :
ज तो तुं सराप कोइ देइ नहीं : पिण म्हारा माता पिता तो तुं स
राप देसी : सो तुं उणां कने गुनो माफ कराए : तुं केहसी तो अं
भा आंधी मुंहड़े बोलसी नहीं तो तुं चे बेकाहे से तुं करे : नै म्हा
रे तीर लागो छै सो न्हे पांच नै परो काढ उं : म्हारो जीव सोरो
नीसरे : तरे राजा तीर थां नै परो काढीयो : तरे सरवण रो प्रां
ण छुटां तजवा : पछै दसरथ जी घड़ो भर नै सरवण रा माता पि
ता कने आयो : पांणी दीयो छै : तरे स्याया : तरे आंधा आंधी बोलीया :

१५

पगवा जतांनै जनै: कह्यौ: रेसरवण तुं आयो बेटा मोटे
कुंभ आयो: तरै राजा पांणीरो घडो जि जा मेमे मुंह हाथ्रो मे
लीयो: तरै आंधा बोलीयो: रे तुं कुंण छै: सो मुंहदै बोलजे
सरापदे उं: तरै राजा दसरथ मराप संभी हतै अकीय
बोलीयो: हुं राजा दसरथ छुं: थे पांणी पीवो: तरै कह्यौ
म्हे तो पांणी कोइ पीवां नही: नै म्हे तो मुंछ पूछी कहां नहीं
जूंही बैठा छै: तरै राजा बोलीयो: हुं थे सिकार तु
आयो थो: नै सरवण आयनै धडो भरीयो: तरै घडारी मुंह
डो वाजतो सुंणनै म्हे जांणीयो: हाथी पांणी पीवै छै: सो हुं
चोट करुं: तरै मे तीर वाह्यो: सो सरवणरे आगो: तरै सरव
ण मुंओ: नै मै नै पांणी देंनै मेलीयो छै: तरै सरवणरे माबा
प कह्यौ: हमैं म्हांरी कावड उपाड नै सरवण कनै ले जा:
तरै राजा कावड उपाड नै सरवण कनै लाम्यो: तरै आंधा
आयनै सरवणरे उपरै हाथ फेरीयो: नै राजा नै कह्यौ: हमैं
नै लकडी मंगाइ जी करनै जावो: तरै राजा लकडी यां घ
णी आंणी: नै रची वणाइ: नै सरवणनुं मांहै बैसांणीयो
नै दोनुं आंधा आंधी पिण बैठा: नै पावक ती आगन लगाय
दीवी: तरै आंधा आंधी म श्राप दीयो: जे म्हांरे बेटासुं विछे
हो करनै नै म्हांनुं मारीया छै: तो थारो ही मरण बेटा रा विछ
डा सुं होमजो: सो राजा दसरथजी आवातन कै हुने
वैकुंठ गयो: हमैं बांमै नरथ जी घणा श्रम पाक पकवां
न कराय नै सरवजी माया: हमै गुरु वसिष्ट नरथजी नुं क
ह्यो: हमैं थे वागो पेहरो: नै राजा दसरथजी रै सिंघासण
बैसो: थांहनुं राजपद दीयो छै: तरै नरथजी रीसाय नै बो
लीया: म्हांरै तो राज सुं काइ कांम नहीं: म्हे तो श्री रामचं
दजी छै जठै जासां: नै श्री रामचंद्रजी नुं ल्याय राज्य ला सां:
सिंघासण तो श्री रामचंद्रजी रो छै: सो श्री रामचंद्रजी वि
राजसी: नै हुं तो श्री रामचंद्रजीरा चरणांरो चाकर छुं: थे

हुने सिंघासण बैसणरी वात मती कैहजो: हुं तो तरै दीये
ज वैतो अंणी पिण थे मोनै रापीयो: जे थांहरा बापरो कारज क
रनै जावजो: सो हमै हुं उणी नही रहुं: नै के कहीने माकण
छै: सो इसडा कांम करै छै: सो हुं तो कैकहीरा घरमै उनो नहीं
रहुं: नै इणरो मुंहढो नही देखुं: हुं आठासुं जाइस: नै थे सत्रुघ
ण वै राजदेवो: तरै सत्रुघणजी बोलीया: जिका इवा मरा जेरे छै
जिका इ वात म्हारै छै: नै हुं तो श्री रामचंद्रजीरा गुलांमां रो गु
लांम छुं: नै राजरो चाकर छुं: नै म्हे तो श्री रामचंद्रजी कनै जासां
नै पाछा आंणसां: तरै नरथजी नै सत्रुघणजी दोनां नायां हा
जणरो मतो कीयो: तरै गुरु वसिष्टजी नुं कह्यो: अडपधोर
नै परधांनानुं हीसयार कीयो: नै मे हिलांमां हिलीसरव तया
री आंणीयां पिण हुइ: नै नरथजी कह्यो: कैकही नै साथे मत
जीजो: आ बडी अपराधणी छै: इणनुं नारंगीरी कुंभ म्हांसी: इ
णरो मुंहढो दीठांसु ही पाप छै: जिके श्री रामचंद्रजी सारखा
तनां रत्नणे इणे नुं वनवास मेले: हेक रावारणआं रो इष्
टजी छै: हमैं म कोइ रथ जोतीया छै कोइ सुखपाल में बैठा
छै: कोइ घोडां चढीया छै: नै मुंहढा आगे हाथीयां री घडा नी
सांण छै: पायदल घणा साथे छै: तरै नरथजी परधांन सुमं
त्रीनुं पूछीयो: तुं श्री रामचंद्रजीनुं किसै मारग लेगयो थो सो
मारग बताय: तरै सुमंत्री कह्यो: जे राजग्राम सुं लेगे हांजी
जठै गंगा वसी गंगा आथी: सो उठासुं थे तो मो नै साथे लेगया था:
तरै गंगा नील आयनै मिलीयो थो नै मतो घणो कीयो थो: नै
गंगा घणा ही डाप कीया था: नै आगजी जात गंगा जांणे छै: सो
राज हमै गंगा रे गांव पधारो: तरै उगा सुं षडनै गंगा नील रै गांव
आया: तरै गंगा जांणीयो नरथजी मो उपरै कटक करनै
आवै छै: हमैं भानी मांणरी घाटा देता आवे छै: नै घणा हाथी घो
डा कटक दीसै छै: तरै गंगा जांणीयो रखे ज श्री रामचंद्रजी नुं मा
रण जो तां हुवै: तरै गंगा मनमे विचारीयो: हुं तो श्री रामचंद्रजी

रिप्याकरवं : सोनरथसंबेडाइकरसं : नेगंगाजीरेपारउवे
णदेसंनदी : तरेगेहेनीनआपरामांयानेमाथनिर्बर्सिसको ई
माथआवे : जिमरीनावछेजितरीमारीनावेपिणेपारजायमेछि
प : उमराघोः नेओरहीमेछेनेमारांहीनेतेडनेमाथघणोकी
धोः हमेनरथजीरोमेरोगंगाजीउपरऊभोछै : तरेगेहेविचारी
योः देषांपेहलापकरसंआंरीषबरतीजाषां : देषांनरथरमध
नेमेकांसखबातछे जेश्रीरांमचंदजीसंडोदकसीतो आघेजां
वणकोइदेवांमवी . तरेगेहोदायमेआदमीयांसंआयनेन
रथजीरेपगेलागो : तरेनरथजीउठमे मिलीमया : नेकद्योआ
वेगहाआघोआव : नेकद्योगेहातेंमांहरीनाइछे . तोतुंश्री
रांमचंदजीभाइकद्योथा : सोतुंम्हांनुश्रीरांमचंदजीरीबात
केहमेकठेउतरीयाथा : नेरातकठेरह्याथा सोम्हांनुजायगा
बताव : तरेगेहेकद्यो : जेश्रीरांमचंदजीइणरूंषहेठेसाथ
रोघपणनेपोढीयाथा : नेअठेलषमणजीरसीताजीरीजायगा
छे : जेठेसीताजीरोमाथरोछे जेठेकाजनरीनेकुंकुंरीबुंदी
यांपडीछे : तरेजायगादेषनेनरथजीइणरोया . नेनरथजी
कह्योछे : घासादोजीयांरापोढणवालाश्रीरांमचंदजीसंइणां
साथरांउपरपोढीयाथा : नेबलेधरतीजपोढतादीसी : पछे
गेहेनेजकद्यो : श्रीरांमचंदजीअठेआरोगीयाहीकुंदीन
हीं : नेम्हेमीगामीठाफलआणीयाथा पिणकिणहीषाधान
हीं : नेमोकनेवहरोदुधमंगायोथो : तिणसुंमाथारांकेसरीज
टाबांधी : नेआपरेनेलषमणजीरेजटारामुकटबांधीया : नेरा
तिअठेरह्या : नेम्हेनेजषमणजीछोकीदीवी : नेपरभातऊवो
तरेमोनुंजकमकीयो : जेतुंनावलेआवज्युंगंगाजीपारऊ
वां : तरेमेनावआणी : तिणउपरबेसनेगंगाजीरेपेलेपारऊ
वा : तरेमेकद्यो जेराजमोनुंचोकीपोहरारेवासतेसाथेलो :
तरेश्रीरांमचंदजीकद्यो : गेहातुं अठेहीजेरेछे : वलेम्हेघ
णोहीकद्यो पिणमोनुंसाथेलेगयानहीं : नेअठासूंनारदा

॥

नजीरेआश्रमपधारीयाछे : सोआगेराजनुंनारदाजजीबताव
सी : हमेनगणसतनेनरथजीगेहोरेगांवरह्या : नेपरभातेगेहो :
माथघणीहीजेआयो मामारांहीनुंबेमांणनेआघालसकरस
र्नेपेलेपारकीया : हमेनरथजीआघादाजीया गेहोजीलपि
णसाथेछे : हमेनारदाजजीरेआसरमआया : तरेनरथजी
बीजासाथनुंतोअलगोराषीयो : नेनरथजीगुरवसिष्टजी
परधांनलेमित्रीइनरशजिगाआश्रममेआया : नेपगेलागा :
तरेश्रीरांमचंदजीरीबातकरही . तरेघणोसुषपायो : हमेना
रदाजजीकद्यो आजसकोइमाथम्हांरेपांवणाछैसोजवे
अरोगजो : तरेनरथजीकद्यो नाम्हारोजम्हांरेसाथेमाथ
घणोछे : तरेनारदाजजीकद्यो अठेहीसोहछाकठे : मोअ
बिजीमजो : हमेनारदाजजीकांमधेनरोआवाहनकीयो : त
रेसरगसुंकांमधेनआइ : सोजिकणनुंजिणबातरीनाव
नाथीसं : सीराघुडीमिठाइपकवांनमेवामिसटांनःघणाजे
तनांतरासाजणाःधुरसणजागा : सोपेहलजीनेरथमरांगे
साथनुंजीमायो : पछेबीजोसाथमनबछांनाजनजीमीयो :
नेहाथीघोडांनुंरातबदांणोदरायो : सठेघणोसुषपायो :
हमेरातेअठेरह्या : परभातेनारदाजजीकनेसीषमांगनेचित्र
कुटपरबतनुंषडीया : सोचित्रकुटनेडाआया : तरेनरथ
जीकद्यो : अठेरेषसवारह्वैछै : सोसकोइमाथहजेवहनवै
हालो : हमेनरथजीःगुरवसिष्टजीनेपरधांननीनुंहीजिण
रथसुंहेवाउतरनेपाजाव्हाजीयाछै : सुंचित्रकुटरेनेडा
आया : ज्यूंकहैछैउवेश्रीरांमचंदजीविराजीयाछे : हमश्री
रांमचंदजीजठेफिरीयाछे : तठेपगजोवताजोवताआवैछै
नेपगांरीरिषाटेषेछे : नेपगांमांहे : सेष चक्र गदा : अंकुशछेसुं
जोवताजोवता आवेछे : आघाआया ज्यूं श्रीरांमचंदजीने
दीठा : सुंसकोइसाथमेलकरताआवेछे : सुंनेडाआया
२

तरे श्रीरामचंद्रजी उठने भरथजी सुं मिलीया वसीष्टजी रे
पगे श्रीरामचंद्रजी लागा बीजा ही रषेस्वरां रे पगे लागा
ने सगलां ही सुं आदर करने मिलीया ने श्रीरामचंद्रजी मा
ता कवसल्याजी रे बीजी ही सरब मातां रे पगे लागा ने केई
कही पिण साथे है सो केकई रे पगे लागा जो कमाहाअ
न श्रीरामचंद्रजी रे पगे लागे है हमे सकोइ साथ बैठा है
तरे श्रीरामचंद्रजी दसरथजी रा कुसल पुछे है तरे गुरवसि
ष्टजी कह्यो राजाजी ने कुं वेकुंठवास हवो आनानतर तेण
ने श्रीरामचंद्रजी घणो दुष कीयो तरे वसिष्टजी कह्यो ह
मे तो ज्युं श्रीगंगाजी मे सिनान करां तरे श्रीरामचंद्रजी ल
छमणजी और ही सकोइ साथ रषेस्वरां रो साथे लेयने
श्रीगंगाजी मे सिनान कीयो ने पिंड सारीया जिका विध
श्री सूं सरब कीधी ने जिमने जीमण तयार कर्यो तरे वसि
ष्टजी सगलां ने केहने जीमाया हमे सकोइ साथे बैठा
बातां करे है हमे रात तो उठे ही जरह्या हमे परभात रा
वसिष्टजी ने भरथजी श्रीरामचंद्रजी सुं वीनती कीया
जि हमे राज पाछा पधारो वनवास जावण रो कांम नहीं त
रे श्रीरामचंद्रजी बोलीया म्हारे तो म्हारा बापरो बोल नर
बीयो जोइजे थे राज करो तरे भरथजी घणो हठ कीयो
जि हुं पाछो नहीं जाउं तरे श्रीरामचंद्रजी गुरवसिष्टजी नुं
कह्यो थे भरथनुं समझावो ज्युं समझे तरे वसिष्टजी घणो
ही समझायो तरे भरथजी कह्यो मो सुं श्रीरामचंद्रजी घ
णी कृपा करे है म्हारी माता रे कुवचन कह्यां सुं वनवा
स पधारीया है तिण सुं कृपा करे है तरे भरथजी वले
कहे है के तो श्रीरामचंद्रजी पाछा पधारसी नहीं तर हुं ध
को चवदे बरस पाछो जायने कांई करूं म्हारे तो राजसुं कांई
कांम नहीं तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो भरथसुं हठमत करे

[illegible] चवदे बरस प्रवाण करने आवांगा जि तरे तुं घरे जा ने आ
कां संदिनामा कर तरे भरथरी सायने कह्यो जो तो मरसुं
ने उठने गंगाजी री तीर साथरो घालने बैठो जाग ध्यान करण ला
गो तरे श्रीरामचंद्रजी जाणीयो आ मरसी तरे गुरवसिष्टजी नुं
कह्यो थे जायने इणरो मनावो ज्युं समझावो तरे वसिष्टजी स
मझायने ले आया तरे श्रीरामचंद्रजी भरथनुं [illegible] कहे जाय
ने कहे है नाइ [illegible] पिता रो वचन [illegible] ने रावणनुं मारणो है
[illegible] वतां सुं कम ट घणो है सो मिटणो है ने [illegible] नहीं जोणो है
आप गुरुदे माजी री निदेवतारी [illegible] अर जसदेणने अवतार ली
नो है मो अबे ओ कारज करणो है सो ए कारज करने आउं
हुं थे घरे जावो जायने राज करजे तितरे म्हे इ आवांगा सुं
के हेन नीठ समझायो तरे भरथ कह्यो राज चवदे बरस पूरा
आवां पनरे बरस लागतां पहिले दिन आप पधारजो पछे भ
रथ सुं मिलने सीष देवे है सो भरथ रे आंषीयां मांहि सुं आंसु
पाणी रा परवाह वहे है ने भरथ कहे है राज रे पगां री पावडी
यां मो नुं दो ज्युं हुं नित्य सेवा करसुं तरे श्रीरामचंद्रजी पजरी
री पावडीयां श्री से भरथजी नुं देने सीष दीनी पछे माता क
वसल्याजी रे बीजी ही सारी मातां रे पगे लागे है ने केकई
ने श्रीरामचंद्रजी कहे है माताजी थां हरो दोस कोइ नहीं ने
म्हारे ही घात कांम है ने रावणनुं मारणो है सो थे जाणो ही ज
ओ [illegible] मन मां दिह [illegible] विनाइ आवतो मती हमे सगले साथ सूं
श्रीरामचंद्रजी सीष दीवी हमे सकोइ पाछा अजोध्या आ
या तरे भरथजी कह्यो म्हे घणा [illegible] अजोध्या जा
वां ने [illegible] जोध्या सुं कोस ध नेद गांव [illegible]
भरथजी नंदगांव [illegible] मां पावडीयां री सेवा करे ने धरती
सेवा हाथ [illegible] ने मांहे सोवे है हमे कांम काज परधांन करे
ने काइ बात [illegible] भरथजी सुतावे है ने व
जी सारो ही कांम परधांन करे ने भरथजी [illegible] जो [illegible]

लीजनपाळणाकरजो॰नेठे धामांणोमंडोधमहरबारमे
जीजो॰नेसबमांणोसूं कारसांनुदीजो॰इमडीरितरीरि
ष्याकरजो॥ इमेश्रीरांमचंदजीचित्रकूटपरबतघणांदि
नरह्या॥ सोसेहरगांलोकश्रीरांमचंदजीरोदरसणकर
णनेसदाइआवे॥ तरेश्रीरांमचंदजीबाल्मीकरषेस्वर
नुंकह्यो॰ जेअठेनेडारह्यांतोसाराहीलोकआवेनेजाय
आपडरहीछे॥ सोथेकहोतोम्हेपांचवटीगोदावरीरेउ
पकंठछेतठेरहां॥ तरेबाल्मीकजीकह्योम्हांछेराजप
धारो॥ तरेश्रीरांमचंदजीचित्रकूटपरबतसूंआघापधा
र्या॥ तरेआघाघणीदुरआया॥ बिचमेरषेस्वरअत्रजीरे
आश्रमआया॥ तठेअत्रजीराजीयाछे॥ तठेश्रीरांमचंदजी
लषमणजीसीताजीआयनेमंमोतकनेपगांलागा॥ तरेअं
त्रजीओलषीयानही॥ जेओकिणराबालक॥ बलकल
पेहरीयांनेमाथेजटारोमुकटछेनेहाथमेधनषछेसुंओ
कुंणछे॥ नेरषेस्वरतोधनषनहीसंभावे॥ नेइणंराहाथ
मेतोधनषछेनेकटीयांषडगबांधीयाछे॥ सोएकुंणछे॥
तरेध्यांनकरनेजोयो॥ जदश्रीरांमचंदजीअवतारजीणी
यो॥ तरेअत्रजीउठनेछातीसुंलगायनेमिलीया॥ इमबे प
रबातांकरेछे॥ जितरेअनुसूयाआई॥ तरेसकोइउठ
यांनेमाहेजायनेपगेलागीया॥ तरेअत्रजीसीताजीनेक
ह्यो॰ सीताजी॰ मांहेचोनसुया घणाबरसांरीछे॰ तिणकने
नेजावो॥ नवाछ्वदीनाकरछे॥ तरेसीताजीश्रीरांमचंदजी
सांहमोजोयो॥ तरेश्रीरांमचंदजीसीताजीनुंकह्योचिंता
नसुयाकनेजावो॥ तरेसीताजीमांहिपधारीया॥ तरेमाता
अनसूयासीताजीनुंघणोआदरदेनेबेसांणीया॥ आप
रेकनेमेहाबेसांणनेमाथागुंथीयो॥ कुंकुंरीटीकोकीयो
पेहरणनुंवसत्रदीया॥ नेवसत्रपेहरायनेआसीसदीवी॥ २
नेथारेछवबनहोइजो॥ थारेकदेहीपरांणाहोइजोम

ती॰ सदाइनवोरहेजो॥ आसीसदेनेसीषदीवी॥ तठाउपरांतसीष
करनेचालीया॥ सुपांचवटीनुंपधारेछे॥ सोआश्रमसुंकोसएक
तोइअत्रजीपोहचावणनुंआया॥ पछेपाछासीषदीवी॥ नेश्रीरां
मचंदजीआघापधारीया॥ सोतावडोपडेछे॥ सोम्हनुषातिरीयानुं
आकुघाछे॥ इणघणोपायो॥ जितरेएकतलावआयो॥ सुनिरम
लउजल जलसूंभरीयोछे॥ नेपालउपरदरषतांरीछायाछा
छे॥ अतसीतलछे॥ तठेश्रीरांमचंदजीपधारीया॥ सासुधारीछा
यानीचेबेठाछे॥ तरेश्रीरांमचंदजीलषमणजीनेकहेछे॥ लषम
णथेअठेसेहरइराषजोमती॥ अठेराकसांरीजायगाछे॥ सोछे
गांनेगबातांकरेछे॥ तितरेएकराकसआयो॥ सोमाहामोटोरूप
छेनेमाथेतीनसींगछे॥ नेत्रिसूलकांधेछे॥ नेत्रिसूलमेआदमी
रोयाछे॥ सोमाहाभयरावणोविकरूपदीसेछे॥ सुचाजतोचाजतो
नेडोआयो॥ तरेश्रीरांमचंदजीदीठो॥ नेकह्यो॥ लषमणदेषओ
कासुंआवेछे॥ म्हांरोधनषबांणदेज्युंइणनुंमारुं॥ तरेश्रीरांम
चंदजीधनषबांणलेनेबेठा॥ तरेराकसनेडेआयनेकह्यो॥ थेकि
णराबालककह्यो॥ नेबलकलपेहरीयांनेमाथेजटारोमुकट
बांधीयां॥ नेधनषबाणहाथनेअठेबेठाछो॥ सोकुंणछो॥ थांरेदरीव
सहीजायगा॥ नेरषेस्वरांराअनाथेरूपनही॥ थेठोसाम्हनेसा
चकहो॥ नहीतोतीनांनेहीम्हारेतीनकवा॥ सघरासघराक्रोसी॥
तरेश्रीरांमचंदजीबोलीया॥ जेम्हेश्रीरांमचंदजीनेआम्हारो
भाइलषमणजीछे॥ नेआम्हारीअसत्रीसीताजीछे॥ नेअजोध्या
नगरीरोधणीराजादसरथजीराबेटाछां॥ सोपितारावचनसुं
म्हेओठेआयाछां॥ नेपछेश्रीरांमचंदकह्यो॥ तुंकुंणछे॥ तरेरा
कसबोलीयो॥ म्हंसिरभिराध्युं॥ तरेश्रीरांमचंदजरिपगलाध
गी॥ तरेश्रीरांमचंदजीकह्यो॥ आथारोएकसोरूप॥ तरेसिर
भिराबोलीयो॥ जेराजकंदेताबाबेगेरेहमहसंनही॥ तरेओरूप
करनेफरसबुं॥ नहीतरमेनिरंतनमारनांषं॥ इमेमेहराजेरोदरस
णपायो॥ नेडंसबेबेबाधणा॥ दिनोरोबारजोबतोछो॥ जेराज

पधारीयो माहारो उधार हो वे॥ नै म्हानुं दरसण जी दिया करो।
यो॥ नै माजन म्हां छे श्रीरांमचंद्रजी अवतार छा सी॥ तरै तुं दर
सण कर जे थारो उधार होसी॥ सो हमें अठे आदि दै को इराषं
छी॥ तरै घणा जाक डा नै जाक रनै मांहे पैसनै जाक डा लगा
वदीया॥ पछै सरभंग रिषेसर मांहे बलजनै डिग्य देही छो
ड नै स्वाय नै श्रीरांमचंद जी रे पग लागो नै स्वाय जाइ नै अर
ज करे छे॥ राजअ इंम पा श्वेछो॥ साक्षात श्री नारायण छो जे
श्री नै राजदेवतांरी रिछ्या नहीं करो तो ओर कुण करे॥ नै अ
ठे आरंवण माहा दुष्ट छे॥ देवतां रिषेसरां नुं कष्ट घणो दे छे॥
सो हमें राज पधारीया छो तरै हमे रिषेसरां देवतां रा कस
ट मट जासी॥ तरै श्रीरांमचंद्रजी कह्यो॥ सिरभंग रिषा तुं पर
म पद जा॥ तरै सिरभंग रिषी उठा सु पाधरा सदेही परमपद
नै गया॥ नै सिरभंग रिषी जाक डा मांहे बलतां थकां आकाश मधु
थै नीसरीयो॥ सो बीजा रिषेसरां दीठो॥ तरै रिषेसर जांणी
यो॥ सिरभंग रिषी आगे रहता था नै अठे श्रीरांमचंद्रजी पधा
रीया॥ सो सिरभंग रिषि दिठी बोली तिणरो सुबीनीसरे छे॥ तरै रि
षेसर टोडीया॥ आमेनत जावरी पाजउपर बदीया॥ देषतो
श्रीरांमचंद्रजी बिराजीया छे पछै कर्णकां नीजषमणजी बे
ठा छे॥ पछै कणकांनी सीताजी बैठा छे॥ तिन तरै रिषेसर आय
नै पगे लागो॥ अभौतकरने हाथ जोड कह्यो॥ राजरो दरसण
कि उन लोइ पायो॥ हमें म्हांरो कसट जासी॥ माहा रजरा क
मां इणावे इह घणा रिषेसरां नुं मारीया छे॥ घणो दुष दीयो छे॥
हमें राज म्हांरे आश्रम पधारो॥ तरै श्रीरांमचंद्रजी कह्यो रि
षेसरां थे इतरा दिन दुष पायो॥ हमें को इ पावो नहीं॥ तरै
रिषेसरां कह्यो॥ राज म्हांरा आश्रम छे जठै पधारो॥ नै म्हांनुं
पवीत्र करो॥ तरै श्रीरांमचंद्रजी रिषेसरां माथे हाथ नै रि
षेसरां रे आश्रम पधारीया॥ तठै रिषेसर घणा रहे छे सो एक
एक दिन एक दिन रिषेसरां रे घरे पधारे छे॥ नै सगो सबे रा

एक सो रिषेसरां नुं मारीया छे॥ तिणरा हाड पडीया देषनै श्रीरां
मचंद जी दुष घणो करे छे॥ हमे श्रीरांमचंद जी रिषेसरां रे घरे
एक एक दिन पधारे छे॥ नै म्हकाइ नै ताद देनै अरोगण नुं जेज
मे छे॥ युं करतां घणा दिन रिषेसरां रे आश्रम देषतां देषतां आ
या पधारे छे॥ तरै अगसत रिषेसर रो सिष उतो तिणरो नाव म
नीषि छे॥ सो उ वे सदाइ श्रीरांमचंद जी रो निज भगत छे॥ तिण
रे आश्रम पधारीया॥ तरै मनीषण रिषेसर आण पग लागो नै
श्रीरांमचंद जी नै मांहे लेगया॥ घणी आगत सागत कीनी रात
रहेरह्या॥ परभाते उठीया तरै कह्यो॥ अगसत जी रा आश्रम
तांइ तु मांहरै साथे आव॥ तरै उवां सुं आघा हालीया विचमे
अगसत जीरे भाइ आमार रिषेसररो आश्रम आयो॥ तिण श्री
रांमचंद जी री घणी हीसाकीना॥ पछै आघा हालीया॥ सो अ
गसत जी रे आश्रम आया॥ तरै मनीषण साथे कहां आयां॥ अगस
त जी कह्यो मांहे ठगत बुजावो॥ तरै मनीषण जायनै कह्यो मांहे
पधारो॥ तरै श्रीरांमचंद जी मांहे पधारीया॥ जायनै अगसत
जी रे पगे लाग मंडात कीवी॥ तरै अगसत जी घणो आदर मा
न कीयो॥ नै बेग बातां करे छे॥ नै श्रीरांमचंद जी कहे छे म्हांनुं
देवतां रो कसट कारण रो कांम कीयो चाहीजे॥ नै म्हे बइ हेम
जी रा पारधीया आया छां॥ नै रांवण नुं मारीयो जाइ जे॥ हमें म
हे बेग आ बातां करे छे॥ जितरे जीमण तयार हुवो॥ तरै श्रीरांम
चंद जी अगसत जी मंकाइ जीमीया॥ हमें गत इड आय नै अ
गसत जी नुं कह्यो॥ श्रीरांमचंद जी रांवण नुं मारण रे वास्ते आ
या छे॥ सं सोच इगर्छ॥ आवजर छ॥ आध नर्षछ॥ सो अषना
छे॥ सं थे श्रीरांमचंद जी नुं दीजे॥ ज्यु श्रीरांमचंद जी रे जेत हु
वे॥ हमें इड देगया छे सो अगसत जी लेने श्रीरांमचंद जी रा मुह
डा आगे मेलीया॥ जे इं इड देगया छे॥ सो आप रांवण नुं मारण
ने पधारीया छो॥ सं इण संराजरी फतै हुसी॥ तरै श्रीरांमचंद ज
रा लीया॥ पछै परभात हुवो॥ तरै श्रीरांमचंद जी अगसत जी

कनासूंसीषमांगी: तरे अगसतजी घणो आसीवाद दीयो:
स्ट्रीमेलगसूं आघा हाजीया: आगे देषे तो एक मोटा परबत रे
मांन पंषी आवे छे: तरे श्रीरांमचंद्रजी कह्यो: लषमण देष: आ
देष देत आवे छे: ने रूप पंषी रो कीयो छे: सो म्हां रो धन षवैरो
छे जड़ं मारूं: तरे श्रीरांमचंद्रजी धनष सांधण लागा: तरे उ पंषी
बोलीयो: जे राजमो नेम तीमारजो: जंपंषी छुं: म्हारो नांव ज
टायु छे: जंगंध्रवछुं: सो जंतो राजरो चाकर छुं: ने गंध्रवां रो रा
जा छुं: सो जंआ थे रजंछुं: सो मे सांनली यो आगे श्रीरांमचंद
जी पधारसी: तरे जंइ पगे लागण ने आयो: जे वनवास पधा
रीया छे तो जंइ चाकरी पोह्चेरा देसूं: ने मोसुं हीडा होसी सो
करसूं: तरे श्रीरांमचंदजी कह्यो: आव जटायु आ: तरे जटा
यु आय ने पगे लागो ने साथे जावो: ह्मे श्रीरांमचंदजी गोदा
वरी रे उपकंठ पधारीया: ने फिरने जायगा जोइ: ने कह्यो:
गोतम रषेस्वर अठे तपस्या करतो थो: सो गंगाजी रे उवेगे
तमरी जायगा छे: अठे आपे रहसां: तरे पांचवटी उठे रह्या:
रे दतां घणा दिन जावा: ह्मे बारे फिरने फल ले आ चिषोष
वे ने बेठा आदे डाकरैने रमे हाथ मो दे धनजी मां फिरे: ह
मे एक दिन तीनु ही जिण फल लेणे ने पधारीया छे सो फल
लेवे छे ने रूषां दोला फिरे छे: सो फल लेने पाछा आपरी मं
ढी छे तठे पधारीया: सो श्रीरांमचंदजी ने सीताजी कने कथ
नि बेठा छे: ने लषमणजी आघेरा सा बेठा छे: ने फल आरोगी
सा छे: ने परै मन कारणरो ही छे: सो छेरां बणरो थांलो छे: त
गि बबदेदजा रराकसरहै छे: तिणं मे मुदे सिरदार: षर: दु
षर: त्रिषण: सो अणांक नेरावणरी बेहन सुपनषा: उलं
कां नीचे जो कारण ने आइथी: तरे रुषां दो जामां णसां रा प
गदीठा: सो पग माहा फुटरा: सुंदर: ने पगां मो दे रेषां छे: संष
चक्र: गदा: पदम: बले अने कचेहन देषने सुपनषा जा
णीयो: अठे इसहा मांणस कुंण आया छे: तरे पग जोवती

श्रीरांमचंदजी ने सीताजी बेठा छे: तठे आई: ने इणां नु देष
ने: आपरो राकसण रो तो रुप छो आ सुं परो कीयो ने माहा सु
दर रूप कर ने श्रीरांमचंदजी ने कह्यो थे कुण छो: ने अठे कुं
आया छो: ने आं वन म्हां रो छे: ने षर षस्वर पिण नही दीसां छो:
तरे श्रीरांमचंदजी कह्यो: म्हे अजोध्या नगरी रो धणी राजा
दसरथ तिण रा बेटा छां: ने पिता म्हां नु वनवास दीयो छे: ग
म्हे अठे आया छां: तरे सुपनषा बोली: ह्मे तु बेगो काज करो
छे: ह्मे मो नु तु घरवास घालज: आं पिंदा नु जिणपादहो मे
समदां मे बगसा हिबी करसां: ताेमो ने घर मे घाल विमो ढव
परो: तरे श्रीरांमचंदजी कह्यो: म्हारे तो आ असत्री छे: ने म्हा
रा भाइ लषमण छे सो उणं रे असत्री नही छे: सो उवो थने
घर मे घाले तो जा: तरे लषमणजी कने गई: तरे लषमणजी
कह्यो: म्हारे तो काइ कांम नही: जंतो ता घर मांहे नही घा
लुं: तु अणां कने दीज जा: जंतो उणां रो चाकर छुं: ने तेरा
वणरी बेहन छे: सो सिरदार छे: सो ते उणां री गोली रे हम
तो: म्हारा घर मे आइसः सो तु उणां कने दीज जा: तो तु म्हे दे
ज आपरे राषसी तरे बले श्रीरांमचंदजी कने आई: आय ने
कह्यो: उतीमो ने काइ आदरे नही: ने जंरावणरी बेहन छुं: म्हा
रो नांव सुपनषा छे: ने म्हे तो नु मन आ बा चा बरीया छे:
सो तु मो नु पाछी कांय फेरे छे: तरे श्रीरांमचंदजी कह्यो: तु ष
सो काउपर जी कर आवसी: म्हारे तो आ सीता असत्री छे: ध
तरे सुपनषा कह्यो: इणनु तो जं परी षाय जासुं: इतरी केह
ने रांम आपरो रूप कर ने मुंह फाडने: सीताजी नु षावण ध
नेटो ही: तरे श्रीरांमचंदजी बोलीया: लषमण चेहरा: तरे
लषमणजी दोडीया: तरे श्रीरांमचंदजी कह्यो: इणरो नाक भ
ने कांन पराबाढो: तरे लषमणजी काट मडुग ने नाक ने कां
न बाढ नांषीया: ने विद रूप कीनी: ने तो ही नदे छे मे जोही
रारे लारां म रे सां षीयां रे ने मी लरे आगे छे: ने रांम न्हावी जाय छे:

सोजदेषपरनेडमरसैथांपोछेनेदेआयमेसुकारीक्रुकथा
करतीगई: तरेषदीधिा वेदीनुकिणमारी: नेथोरावाकपा
नकिणेवाहीमा. तरेरांमकदेो: अजोधासु आयोछे नेनगा
द सम्थरावेटाछे: सूराजादसरथरणोनेदेसवासेपराकाद
ओछे: तरेराकमहमांमोजेभेचदीया. हमारमारलेसा मा
णमक्रितरीकमातछे: तरेराक्रसारीक्रुमसजइ नेनेहादी
सणजागा: तरेश्रीरांमचंदजीकह्यो. लषमणराक संरोव
टकनेडोसाथो सातसीतानेलेनेअलगेरीवोसांण: राक
सांनेभयांनरूपदेषसीतोसीतामरमी. तरेलषमणजीक
द कंनेराजनेएकलाछोमुंमदी: तरेवलेश्रीरांमचंदजीक
ह्यो: तसीतानु अलगेरीजेजा: तरेलषमणजीसीताजीनुगं
गोजीरीवालामेलेमांणीया: हमश्रीरांमचंदजीनेदेतजुध
करेछे: सोराकसमसञघणारीवाहवेछे: पिणश्रीरांमचं
दजीआवतासमस्ञनेहीजमोजनोषेछे: नेश्रीरांमचंदजी
एकदीजवेडवाणवाह्यो. तिणसूंदेतसरवमारनेवांणपा
छोआयो: नेदेतसरवमारीयाछे तिणरालोहीरावालावहे
छे तिणरोकादोफबेछे: नेसुपनषाअलगीजनदिषेछेः ने
सरवदेतांनेमारीया: तरेरांमन्हाडी: नेश्रीरांमचंदजीरीजीत
कइ: पछेलषमणजीसीताजीश्रीरांमचंदजीकनेआयाः
लषमणजीश्रीरांमचंदजरिरजलागीछे: सोजाटकेछे. मे
कहेछे: राजइतरांदेतांनेकुंपकरमारीया. हमेसीताजीपि
णकुसीकावाछे: हमेतीनोंहीजिणाआपरेथांनकआया
नेविराजीयाछे: हमेसुपनषाउगासूंन्हाठीजिकारावण
रादरबारमेजायनेपुकारकी: तरेरावणसुपनेषानुदेष
नेकहेमेआजइसमदोकुणछे: जेम्हारीबेनरानाकनेना
कवाढे: स्वरगमृतपातालतीनलोकमेंताइणरानाककां
नवाढेसोइसदोकुणछे: तरेरावणसुपनेषानुपूछीयो. तुं
कठेगईथी: नेथारानाककांनमारानेमनेकिणवाढीयो: सोतुमोने

कहे: तरसुपनेषाकहेः पंचवटीविषारमणसुषेजोक
रणनुंगईथी: सुंषेजोकरतीकरतीआघीगई सोदेषनेभ
रामढीमेछे: नेमढीबांधनेलेरहेगाछे: मेतणीरेलारेएकअम
तीछे: तरेमेउणांनुपूछीयोश्रेकुंणछोः नेअठेकुंणआयाछोः
तरेउणांकह्यो: ' अजोध्यानगरीरराजादसरथनागरा
छ पुत्र अंमे नेआपरानवचनसूंवनवासआयाछां: नेउणांरा
नांवरांमचंदलषमणछे: नेअसत्रीसीतावसीतोछे. मोन
वासीतामोहारूपवंतघणीफुटरीछे: इसीअसत्रीतीनलो
कमांहेनहीः इंदूरेहसमाहेनहीं. नागोरेहीनहीं नेथांकेर
होमहीः तरेमजाणीयोः जेआअसत्रीरावणरेलेजाउँतो
म्हारोभाईमानपरेघणोराजीकरसी: सोकंनेगोनआघीग
इ: तरेलषमणम्हारानाकनेकांनवाढीयाः तरेकंधरःचव
रःतिपणकनेगइः तरेउदतीनेहीजिणाचवदेहजारदेत
लेनचढीयाः सोचवदेहीहजारदेतांनेएकलेरामचंदम
रीया: सूइमेडोजोरावरछे तरेकंन्हासनेराजकनेआइछुं:
तरेरावणसुपनषानुदिलासोदेनघरेपरीमेली: हमेरावणात
सुणीथांपछेरांवणमुजकपसनेहीः पिणकिणहीनुंजयो
वेनहीः तरेएकलाछेरमप्रीयेः रांवणएकलोहीजरथऊ
परवढनेसमुद्रतीररांवणरेमांमोः मारीचवेरेगोतपस्याव
करेछे तिणकनेगयोः तरेरावणनुंआवतोदेषनेमारीच
उठवो: नेकह्योः माहारा जराजआजकसांगरा जानेएक
लाहीजकुंपधारीयाः नेतीनलोकरोधणीसोरांममेएलो
कुंआयो: तरेरांवणबोलीयोः मारीचमांवडलः पंचवटी
नपरेरांमचंदनेलषमणमढीबांधनेबेठोछेः बलेणांनुबा
परकाढीयाछे: नेउणांरेसाथेएकअसत्रीमाहासमरी
छेः सोउणअसत्रीनेहरीलेवणमतोछे: सोतुंम्हारीसाथ
आवः नेलेकोइसदोजपकरजुंउणअसत्रीनुंएकजी
मलनेदेबारेनीसरे: जंगलमाहीअसत्रीनेमकरहे: तरे

मारीचकह्यो: रांवणजी जिथेकोइ दिन जीवणमेंछेसोते
इणवातरीनांवमतीलजो जोनेम्हेतोरांमचंदजीसूंमरस्यां
श्रीजेषककरनेरह्यांछां:नेजाणोछां:जेरांमचंदजीअठेआ
याछेसोराकसांरोरूपदीठांतोमारस्सी:नेरांवणकहेसो
नलः रीषेस्वरविस्वामित्रजीअजोध्या [illegible] आयनेरांमचंद
जीनेंनेलषमणजीनुंलेआया [illegible] सोयांदोनं
लाइयांनेकनेवेमांएने [illegible] रीषस्वरांमषिताजिण
करणेनेवेवा:तरेम्हे [illegible] जिणपेरे
धुंवीदेषनेदोडीया [illegible] तरेमांनुं श्रीरांमचंद
जीबांणसूंमारीयो [illegible] सोमगासे [illegible] पारसे
कोससमुद्रमेंआण [illegible] नांषीया:मेंजीवतोरह्योसे
रोमारीयोअछेवेगवुं [illegible] सेजमरसोकिणहीनूंमूं
ढदेनहीदिषालेबुं [illegible] सोतेइणवासरोनांवम
तीले:तरेरांवणकह्ये:मारीचकेतोतुंम्हारीसाथेआव:
केजंतोतुंमारस्यूं:तरेमारीचमरीयोनेमननेमेंविचारीयो:
जेरांवणरेसाथेनजाउंछुंतोरांवणउसरछेमोनुंमारसी
तोजेरांवणराहाथसूंमरस्यूंतोअवगतजास्यूंनेजेश्रीरां
मचंदजीराहाथसूंमरस्यूंतोगततोजास्यूंनेम्हारेतोदो
नुंहीवातांमरणोआयो:तरेमारीचकह्यो:हमतोउंसा
थेआउं:तरेउगासूंचालीयासोपांचवटीरेनेडाआया:
तरेरांवणमारीचनुंकह्यो:तुंसोनारोम्रिगह्यनेसीताअ
रेदेठाजेफिर:सोतोनेसीतादेषसी:तरेरांमचंदजीनुंके
हसी:ओसोनारोमिरगपकडनेल्यावो:शवेमारनेआ
णो:तरेतुंउगासूंन्हासजाए:तरेरांमचंदतोथारेलारे
दोडसी:नेवांसाथीजंसीतानुंहरीलावसूं:हमेंदेतोअ
मतोकीयोछे:सोश्रीरांमचंदजीतोअंतरजांमीछेसोस
रवषबरछे:जोरांवणसीताजीनुलेजावणरोमतोक
रेछेआवेछे:तरेश्रीरांमचंदजीनेसीताजीदोउंजिणाअ

गनीसेकीयो:जोम्हांथांनुंदेवतांरोकाजकरणोछे:नेरा
वणम्हमारूंआवेछेआवसी:सोसीताजीथेअगनमांहेजाय
नेबेसजो:नेथांसरीषीमायाछेसोम्हांसरीषीजंछे:
सोछेमायारहसनेरहीजो:नेम्हासीआतेषिणीनुंकेद
जोमसी:नेम्हिरांवणनेमारनेथांनेहरीथायाछेसोउरीआ
णसां:तरेम्हेसोरमसीतारांवणरेगडथीसूंआगनमेंने
मकरांगां:तरेथांहरीमायानेआगनमांहेघालसी:तरेउ
अगनमांथिसूंउरीआणसां:तरेउरीआए:तितरेसंअगन
मांहिवेदीरहेसपरेसीताजीअगनमांहेजायवेठा:नेआ
वातश्रीरांमचंदजीनेंअथसीताजीजाणेछे:लषमणजीन
हीजांणे:लषमणजीफलांफूलांनेवनमेंगयाथासोपछे
आया:तितरेमारीचसोनारोम्रिगहोयनेआयो:सोमघ
राफूसरीछे:नेरूपारासीगछे:नेफदकफदककूदतोथ
कोसीताजीरेनेडोआयो:नेठलेपाछोन्हासछे:नेरूपां
टोलोफिरेछे:नेचरेछे:नेसीताजीम्रिगरेवासनेजोवेछे:त
रेसीताजीसोनारोम्रिगदेषनेकह्येछे:माहाराजओसोनार
ेमिम्रिगमानेपकडआणदो:केमारनेआणदो:ज्युंम्हेइणर
म्रिगांसुंरमबोकरां:तरेश्रीरांमचंदजीकहे:सीतासोनारो
म्रिगआजतांइकदेहीदीठोनही:नेनोंवंदहीमांनजीयो
नछे:तरेसीताजीकहे:ओतोमानेआणदो:नेसीताजीरी
वणजागा:नेडपककरणआगा:तरेश्रीरांमचंदजीलषम
णजीनेंकह्यो:आसीतापडीछे:नेआश्रमसूनोजात
छे:नेकेहसी:देषोनेइणवनमांहेएकलीमेंवेसणीछे
नेरांवणरीमाथेअतरोकसरनागाबुंनेम्हारोइतरोदी
कांमनहीकरेछे:तिणसूंम्हेहरणनुंमारनेलेआवांछां:म
रेलषमणजीकह्यो:जेम्हाराजराजइणआनंजाणोछो:श्री
राकसमारीचरांवणरोमामोछे:सोइणहिरणरोरूपकीयोछे

छै: तरै श्रीरामचंद्रजी कहै: मारीच छै के हिरण छै: जि
को इंजामी संमार आंण सो: कैयक दहाण सो: पिण
आदेरा कामनें नहीं छै: सो तु सीतानुं एकली मेल जे मत ती
कनें मुं मैरे हजो: तरै लछमणजी धनष आलनें सीता
जीकनें बैठा छै: नें श्रीरामचंद्रजी मृगरी बांसे जाय छै
नें आगे मृग न्हासे जाये छै: सो इये मृग कपटे कणनो
दि तीरी माया करनें अलोप होय जाये छै: कदेक कणक
ल दरसालो दे छै: इम इण भांत करतां घणी दूर गया: त
रै श्रीरामचंद्रजी जर बांण नें मारीयो: सो मारीच मरतें
थके श्रीराम बकीयो: अरे लछमण आव: मानुं मारे छै:
सो आ सबद सीताजी सांभलीयो: तरै सीताजी कह्यो:
रे लछमण श्रीरामचंद्रजीनुं देतां मारीया: सो तानुं दे
जो मारीयां मे सांभलीयो सो तुं वेगा जा: तरै लछमणजी
कह्यो प्रीतीसम श्रीरामचंद्रजीरो नहीं दे तरी सबद छै
तरै सीताजी कहै: जो सबद श्रीरामचंद्रजीरो छै: तु धनष
लेनें वेगो जा: तरै लछमणजी कहै: मा तुं तो श्रीरामचंद्र
जीयांहक नें राषनें गया छै: सो जों तो जाउं नहीं: तरै सीता
जीरी मायनें कहै छै: लछमण तुं जांणे छै जे श्रीरामचंद्र
जी मरे तो सीतानुं हुं घरवास घालुं: सो तुं श्रीरामचंद्रजी
नुं मुआ दीजवा छै छै: नें जांणे छै नजां मरे तो: नें फेर ते
मनें मे धारी हुंसी: जे श्रीरामचंद्रजी परा मरै तो सीतानुं
‥ नरथैरसी जाउं नें नरथैरो नलो मनमां छै: पिण म्हा
रे तो व सीता छै: जो श्रीरामचंद्रजी मरसी तो हुं इ जारे
बलसुं: पिण थांरै नें नरथेरै तो नहीं आउं: बीजा ही घ
णा ही कुबचन कह्या: नें अनीत वचन कहै छै: तरै लछम
णजीनें क्रोध उपनो: देषो सीता जगतमाता छै: नें इम
डा कुबचन कहै छै: तरै लछमणजी कह्यो: माताजी थे म

२८

हन कांम करो: हुं जासुं: पिण हुं थांहदा जी श्रीरामचंद्र
जीरी कार काढुं छुं: सो थे कार लोपनें बारै मती जावजो:
नें कार रे बारे पग मती देजो: तरै सीताजी कहै रहो: तरै ल
छमणजी सीताजी दोली श्रीरामचंद्रजीरी कार काढी: नें
ह्यारी वनरी देवी थी तिणांनुं साषी धरकरनें कह्यो: थे सी
ताजी कनें बेगा रहजो: में रषवाली करजो: इम लछमण
जी धनष लेनें श्रीरामचंद्रजीरे बांसे दोडीया: नें श्रीरामचंद्र
जी राक्षस मारे आरे घणी दूर गया छै: नें लछमणजी श्रीराम
चंद्रजीरे लारे हुं चिंतव करता जावे छै: इम पाछासुं रावण
जोगीरो भेष करनें सीताजी कनें आयो: तरै सीताजी जा
णीयो: के गिरमती छै: नें आ अतीत छै: नें म्हारे आश्रम आ
यो छै: सो इण नें भिष्या देणी: तरै श्री सीताजी कह्यो: श्री
बोसांमीजी पेलें के लारे कुं जब छै सो: घररा धणी आवसी
तरै भिष्या घालसी: तरै रावण कह्यो: री घररा धणी कदा
करसी: घरमां है तो देदी छै: अब कर हम कुं भिष्या घाल:
तरै सीताजी उठनें लगन घालन ताथा: तरै रावण कह्यो:
मे बांधी भिष्या न लेउं: बारे आयनें भिष्या दे: तरै सीता
जी कह्यो हुं श्रीरामचंद्रजीरी कार लोपुं नहीं: तरै राव
ण कहै: हे सीता कार उपर पग देनें भिष्या घाल: तरै सी
ताजी कार उपर पग दीधो: तरै रावण आपरो रूप कीयो
[illegible]: सो सीताजी कनें वनरी देवी नागी [illegible]: सु सीता
जी कार उपर पग दीधो: नें देवी नागी ही जन्हा थी: ज्युं रा
वण सीताजीरी बांह पकडनें रथ उपर बेसांणनें ले गयो
सो आपरी देत माया करनें आकासरे मारग ले गयो: तरै
वे बीज टायग्री धनुष बर [illegible]: जे रावण सीताजीनुं लीयां
जावे छै: तरै जटायु आपरो रूप करनें आडो आयो: तरै
रावण जांणीयो: पाछे इ जिमां आडो आछै: के [illegible]

अमंसजपमक्त आमो आयो छै नेमैं छो आयो ज्यूं वेचैमे
हणरे पांचां छै: मा आगुरह आमो आयो छै: सो रांवण म
ने मारीयो: तितरै जटाय मैं छो आयो: तरै रांवण कहै: ज
टायतु छै: तरै जटाय कह्यो रे रांवण तु मा तुंस मा घर मांहि
सूं सीताने चुराने आयो: जे तुं पापी होय तो तो अणां ने छांडे
जावेतो: सो तो ते चोरी री कांम कीयो छै सूं हुं तो ने जीव
णदेवन ही: तरै यूं कहै ने जटाय रांवण उपर तुटने पड़ी
यो: सो रांवण तो अजंगो होय गयो: ने रथ नागो ने रथ रा
घोड़ा मारीया: तरै रांवण षड्ग काढने बाह्यो: सो जटाय
री दोनुं पांषां बाही: सो जटाय उड सकै नहीं: धरती पड़ी
यो: हमें रांवण सीताजी नुं आकास रे मारग लेगयो: सी
ताजी रांम रांम करता विलाप करता जाये छै: ने सीता
जीरी निजर नीची छै: ने रांवण लीयां जाये छै: तरै एक पर्व
त ऊपर पांच वांदरा बै
ठा छै: तरै सीताजी आपरा माथारो ओढणो फाड़ने सीता
जी रा पिहरण रा गहणा था सो सरब तारने बटका रे गांठ
बांधने बांदरां रे मुंहडा आगे नांष दीनी: तरै बांदरां ओलो
जो वो ने कह्यो: कोइ किणी री बैर ने लीयां जाये छै: सो
हणरा गहणां री गांठ बनांपने जाये छै। तरै बांदरां गेहणां
री गांठ लेने माथरी गुफा में धर मेली: हमें रांवण सीता
नुं लेने लंका जाय पोहतो: ने लंका में आपरो बाग सो बाग
थो तिण मांहे गयो: ने बाग में जायने सीता नुं एकणरूष हे
ठे बेसांणी छै: ने तिण बाग में एक सो नारो मैंदल छे: ने मैंद
लमांहे हीरां री ने पनां री जवाजात लाग रही छै: तिण मांहे
घणा रूष छै: फूंडरी वाड़ी मांहि जारूष छै तथा ओरही
: देवतां री वाड़ीयां रा सब रा सब रा रूष दे षदे ष ने आ
परा आपा मैं आंण मैं रोपीया छै: सो रूषां री छाया कने रह

२९

रजदीदीसे नेवे नेघणी सुगंध नाइ चाम मठे: ने बाग मांहे
रो तमांतरा फल छे: रांवण री कहे वाणी छे: तिण मांहे सीता
जी बैठा छै: हमें श्री रामचंद्र जी लषमण जी नुं आवता देषने
हमचेक ले वे आंवण लागा: जि तरै लषमण जी आगे मसी
या: तरै श्री रामचंद्र जी कह्यो: लषमण तुं क्युं आयो: थां साथ
स्रहको इश नीबाद लिगयो हो सी: आसो ने घणी सुमी की वी
तिनै आंपणा भणी: तरै लषमण जी री आंषीयां पाणी सूं न
र आइ ने कह्यो: जे राज इण देस न मारीयो: तरै इणरा कस
मरतो थकै कह्यो: लषमण नाइ आव: मो ने मारे छै: तरै राक
सरो सबद सीताजी सांभलीयो: तरै मा ने सीताजी कह्यो: थ
लषमण उठ ने ने श्री रामचंद्र जी षबर दीयो ने श्री रामचंद्र
जी नुं देतां मारीया: सो तो वेगा जाय षबर ले: तरै मैं कह्यो मा
ताजी मो नुं श्री रामचंद्र जी रो हुकम छै: सो मो नैं तो राज कने
मेले सांपीयो छै सो हुं तो न जाउं: तरै सीताजी मुं कहा मांहे
मुरष वचन काढण लागा: तरै मैं कह्यो: हुं जो जाउं: जे थ
हारे दोली कार श्री रामचंद्र जी री काढुं छूं: सो कार रे बारै न
हीनीकलो तो: ने मांहि बेठा रहो तो जाउं: तरै माताजी क
ह्यो: रसदो: हुं कार मांहि बेठी रहसूं: तरै मैं सीताजी रे आगे
कार श्री रामचंद्र जी री काढी छै: जे नमरी देवी ने रषवाली
मणने आयो छुं: तरै श्री रामचंद्र जी कह्यो छै: ने सुमी की वी ने
श्री रामचंद्र जी दुष घणो करे छै: ने कहे छै: जाइ लषमण मी
ता आज कमजे नहीं: तरै श्री रामचंद्र जी दोवारीया लषम
णतो जाणे नहीं: ने म्हे सीता नुं आ मारी की वी छै: तो विण दोष
लषमण नुं न कह्यो पड़े जाणी जसी: हमें दोनुं ही अणा आ
परी मंदी आया: सो देषे तो सीता मंदी मांहि नहीं: तरै हे लाध
णाही मारीया: पिण कोइ कवे तो बोले: तरै श्री रामचंद्र जी
कह्यो: लषमण तुं मंदी मांहे पेसने जोय मांहे बेठी होसी: त
रै लषमण जी मंदी मांहे पेसने जोवण लागा: तरै श्री रामचं

१५

ष्मजीकह्यो: लषमणनुंमेंषीरातीमस्त्रणाजोएव्हेथोथोतु
णेमतीतोपः व्हेसासमजेमरदे जकदासव्हेवोत्रुणेन
हीहामी: हमेश्रीरामचंद्रजीमहरिपाघतीरूषछे तिणं
नेदुछेछे: कदेहीसीतानुंदीषीकोवेतावतावो: सोइणरो
तश्रीमाकुरवनमेंवेषामफरतासीताजीनुंजोवेछे नेमु
ष्हहामेंसीतासीताकरताफिरेछे नेरुदनकरेछे नेहाप
तसीताहासमसीताकरतावनमेंफिरेछे: नेमुधभतनज
गयाछे नेबिलापकरताफिरेछे: हमेजावताजीवता
घाआव्या: सोदेषतोरथएकसोनमोजडावसंजडीयो
मारगमेंनागोपडीयोछे नेपाषतीरथराघोडामुवापडीय
छे: तरेश्रीरामचंद्रजीकह्यो लषमणओरथकिणरोना
गोपडीयोछे: संजाणीजेछे: इणरथरोधणीसीतानुंले
गयोछे: नेइणसुंकिणीजुधकीयोछे: तिणसुंरथनागो
छेनेरथराघोडामारीयापडीयाछे: सोइणनुंहीकुणीम
रेनेबीचासुंहीसीतानुंकोइबीजोलेगयोछे: नेइणरोसी
तानीमरतीछकीरुदनकीयोछे: जेम्हकाजअराटवका
पडीयाछे: सोश्रीरामचंद्रजीकाजअराटवकादेषनेथ
णादलगीरहुवा: नेआंषीयांमांहिसुंपांणीपडरह्योछे
नेघणोदुषकरेछे: तितरेवनेजोवताजोवताआघेरागथ
या: जेठकोइरूषांमेंपडीयोपुकारादेछे: तरेउणकनेगया
सुंजटायपंषीधरीपाषांवाढीछेतिणसुंओजषीयागयोन
ही: तरेश्रीरामचंद्रजीकह्यो लषमणओपडीयोछे सो
सीतारोलेणवालोछे: सोइणनुंपिणमारनेबीजोकोइ
सीतानुंलेगयोछे: सोम्हांरोधनषदेदेज्युंइणनुंमारुं:
तरेजटायश्रीरामचंद्रजीरोसबदसांभलीओ: तरेबोली
यो: राजमोनुंमारजोमती: हुंजटायपंषीधराजरोमित्र
छुं: तरेश्रीरामचंद्रजीदोडनेकनेआया: नेकह्यो: रेजटाय
तुंओछेकणासुंघायो: नेतोनुंकिणमारीओ: तरेजटाय

३१

छे: राजमोनेरावणमारीयो: रावणसीताजीनुंलेनेजातो
थो: तरेमेजुधकीयो नेरावणरोरथनांगीयो: नेरथराघो
डामारीया: नेछणीवारतांइभटकीया राषीया: पछेरा
वणषडगकाढनेबाढी: सोम्हारीदोनांकांनीरीपांषां
बाढी: नेम्हारोजदहुंमरुंगाढोदोहरोछुं: सोराजम्हारे
वांसेउपरहाथफेरो: तरेश्रीरामचंद्रजीजटायरेवांसे
उपरहाथफेरीयो नेश्रीरामचंद्रजीकह्यो: बापडोज
टायनलोजको माटेरावणरोरथनांगीयो: नेसीतारेवा
सतेआपरीपांषांवढाइ: सोबापजटायनुंम्हांरोनाइ
छे: तरेजटायकह्यो: जेमहाराजहुंगाढोदोहरोछुं: नेम्हा
रोजीवरेकोणमचवकामांहेआयरह्योछे: सोराजम्हारे
माथेहीफीलचपरसरोसहाथफेरो: तरेश्रीरामचंद्रजीज
टायरेमुंहउपरनेमाथेहीहाथफेरीया: तरेजटायरे
जीवनीसरीयो: तरेश्रीरामचंद्रजीलषमणजीनुंकह्यो:
[illegible]लकडीयांलेनेजटायनेदागदो: तरेलषम
णजी[illegible]लाकडीयांलेनेजटायनेदागदीनो: जटा
यनेकुण्सायो: पछेश्रीरामचंद्रजीनेलषमणजीगंगाजीजा
यनेसिनानकीयो: नेपिंडसारीया नेउणासंपाछाआयने
आवतामारगमेंएकमिरगमारनेपंषीयांनेनांषीयो: श्री
रामचंद्रजीकह्यो: जटायबीपंषीयोसोपंषीरीपांषेपंषी
[illegible] पछेकिंतरयरुविनआफाप
डीया: तरेश्रीरामचंद्रजीजटायनेकेहवाडीयो: तुंमांद
[illegible] मिलणनेआवजे
[illegible] जडीयोछे तिणरोतिअसरजमु
[illegible] तिणमांहेजटायथीध
[illegible] नेजटायरेस्यारजिणरोतोघणासीकरेछे: नेच्यारजि
णरादीदारीकरेछे नेजटायरोरूपकुंसनुंजेछे नेहाथ
मांहेसंषचक्रगदापदमछे [illegible]

मांहे माला छै: ड्राम्हण परसंजनराय आवीने भोरह्योछे मे
जटायरे ही लरोते भने म्हरजरो ने आएकद्दायरह्यो छै: ते
मे जटाय श्री रामचंद्र जी आगे हाथजोड़ने अरज करै छै
ने अमस्तक करै छै: जे मैराज रो दरसण पायो तिणसुं श्री
पदवी पाइ छै: मही तरमो पंषी नुं आपद वी क्यासुं: आप
रा दीरघ सरवी पावन ही: सो मैं आपदवी कज रो दरसण:
नुं पाइ छै: सो राज अवंमपार छै: सो मा दरसण नोजाग स
मैं पंषी छै के ही राजरो दरसण पायो: नै क मारफेर दरसण
पायो: तरे श्री रामचंद्रजी कह्यो: हे मैजटाय तुं परमपद
वीजा: हे मैजटाय पंगे सा मैने वैकुंठ गयो: मैं जावने क
ह्यो मा हाराज अगासुं आघराप धारे: आगे सारी मैस
णीरहै छै सो सोरी राजनुं सीताजीरी सुध बतावसी: पुत
री अरज करने जटाय वैकुंठ गयो: श्री रामचंद्रजी व लेक
सीता सीतारे के हता जोवता जोवता जाय छै: ने सबांदोजा
फिरै छै ने बिजापक रता जाय छै: जितरै सारी झी जणी
श्री रामचंद्र जीनुं आवता दीठा: तरे सारी सांहमी आयने
पगे लागी: कंमा नकर मेआपरे आश्रम जेगई: उणने बिछं
नाकर दीया: श्री रामचंद्र जी लषमण जी बेठा: सारी गं
गा दिक नर ल्याइ: श्री रामचंद्र जी शपगपषाजीया: मे बर
णी दिक मा थेमजीयो: मे सघरा सघरा मीठा फल मे सारीटा
कने राषीया था: सो सारी मुंढ़ा आगे मेलीया: सो दोनुं
फल षाया छै: पछै श्री रामचंद्र जी सारी नी जणी नुं मो
छे: तु श्रेष्ठ केजीरहे छै ने बीजा को इ दीसे नही सो किं
सवा सते: तरे सारी नीजणी अरज करै छै: जे म्हाराज
छै मातंग रषेस्वर रेहता ने कुंवर षेस्वरां री सेवा करी का
रती: बुहारो काढ़ो देती ने वो का पोहरो देती: ने रष: षेस्व
रां री घणी सेवा करती: तरे रषेस्वर ता नपस्या रे जतापसुं प
रम पदवी जो वप जासी तरे में कह्यो: जो आप तो परमपद

३२

वी जावो छो: ने म्हारो काई सरसहृ का: जरे रषेस्वरां मोनुं कहै
ह्यो: तूं अठे बैठी श्री ठाकुरारो समरण कर तरि के जे ने ते
अवांकिसे सघरा मीठा फल जोय जायने श्री ठाकुरांनुं सम
रपे: ने तेता जुगमां हे श्री ठाकुर रामा अवतार लेसी ने रावण
सीतानुं लेजासी तरे श्री रामचंद्र जी सीताजीनुं जोवण ने अ
ठे पधारसी: तरे तं दरसणकरे था रा पाप जासी: तरेतं हीय
रम पदवी जासी: तरे सेभी नीजणी आकडीयो ने लीकर ने
मांसवली तरे सघरा तरु आदेही दीयने आयने हाथ जोड
ने श्री रामचंद्रजी रा मुंहढ़ा आगे ऊभी रही: तरे श्री रामचंद्र
जी कह्यो: हे मैं तुं परमपद वीजा: तरे सारी कहे राज अठे
आगे परबत छै: तेरे सुग्रीव बंदरो रहे छै ते तिणसुं राज मि
लजो: उवो सीताजीरी सुध बतावसी: उवो सागरमभाचा
र जाणे छै: इतरो कहे ने सारी नी परमपदवी गइ: हे मैं श्री
रामचंद्र जी आघाप धारीया: मो टा मोटा जोवता जोवता
पधारे छै: जदे आगे आया सो देषतो पर्वत त्रिकूट
छणो तं च्यो ने मोटो छै: तरे श्री रामचंद्रजी सीता सीता कर
ता पर्वत रे हेठे जावै छै: सं परवत हणवान नुं एक नाम ही छै
तिणनुं पर स्वै छै: तरे सुग्रीव आवता दीठा: तरे कह्यो: अ
वना जो धा छै: मे मेला आया तरे श्री रामचंद्रजी रीं मांतदे:
वत्समा ज्योआदेषने सुग्रीव ही हणवान नागो: ने जाणीयो: ऐ
आवै छै सं भाज रा मजीया म ऊपरे आवै छै: तरे सुग्रीव ह
णवान नुं कह्यो: हणवंत से कुण आवै छै: सो तुं जायने षब
र कर: जो आपां नुं मारवानें आया होवे तो हे मोने काय म सांभ
ार जे: तरे हणवंत ब्रह्मचारी रो रूप करने आयने श्री रा
मचंद्र जी नुं आसीरवाद दीयो: ने हणवंत कहे छै: थे कुण प
[illegible] जे ने कठा सुं आया छो ने थे कोण नुं ढूंढता फिरो छो: मो
[illegible] रमे [illegible] जीरा मे ली [illegible] आया [illegible] थां हरो रूप ने थां

हरै सुग्रीवरो बनजे तोइसडो छी मेछे जिसडो श्रीपरमेस
रजी आपरा हाथसुं उपायाछेय तरे श्रीरामचंद्रजी लष
मणजी मांहमो जोयनै कहेछे देषो ब्रह्मचारीकापृस
व कहेछे तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो अजोध्यानगरीरा ध
णी राजा दसरथजी तिणरा म्हे सुत्र छां सो पितारे वचन
सुं म्हे बनवास आया सो पंचवटी गोदावरीरे उपकंठ
रहेता था तिहां म्हारी नार जानकी सीताजीनै कोइ लेगयो
तिणनुं म्हे जोवता फिरांछां नै ब्रह्मचारी तुं कोण छे
छे तरे हणवंत ब्रह्मचारीरो रूपपरो करेनै आपरो
प्रकट हाथ जोडनै हाथ आगे आयनै उभो रह्यो नै अर
ज करेछे म्हे हणवंत पवनरो पुत्र छुं नै अंजनी म्हारी मा
ता छे नै म्हे इण परबत उपर रहांछां नै म्हारो धणी सुग्री
व छै सो अठै रहेछे सो बालरो भाइ छेनै सुग्रीवरी बैरथी
सो बालग्रीव मारीयो छे तरे श्रीरामचंद्रजी कह्यो म्हे बा
ल नुं मारनै सुग्रीवरी बैर परी दीरावसां तरे हणवंत
कह्यो सुग्रीवरी बैर राजश्री रावणरो नै सुग्रीवरा राजरो था
करजो सी नै म्हे जनै मीताजी सीतनगा सुं राजनै षबर
आण देसां नै सुग्रीवरा जेरे साथे आवसी नै सुग्रीव
नै चाकर छै राजपधारनै सुग्रीवसुं मिलो तरे श्रीरा
मचंद्रजी कबुल कीधो तरे हणवंत कहे राजपरब तउप
र पधारो सो थाका हो सो सो राज नै लषमणजी म्हा
रा षवां उपर बेसो ज्युं कुं ले चालुं तरे हणवंत तरे ष
वा उपर बेसने ले चाल हीया नै एक सपरो रूप छे ति
णरी छाया श्रीरामचंद्रजी [illegible] नै नै लषमणजीनुं बे
सांणी [illegible] नै कहे थो राज [illegible] अठै बेगरेहजी कं सुग्री
वनै राज कनै जेमे आवुं तरे [illegible] हणवंत सुग्रीव कने
आयो जायनै कह्यो श्रीरां [illegible] मचं [illegible] दजी नै लषमण

जी [illegible] पधार्या छे राजा दसरथजीरा बेटा छे सो अेसी ता जी
री षबर आया छे अबनाजा धारछे नै मे यांनुं थांहरी बात
कही जो इणरी बैर इणरे बडे भाइ बालनी बीछे नै इणनुं
पाछी काढीयो छे सो बालो अठे इणपरबत उपर बेठो छे तरे
श्रीरामचंद्रजी कह्यो म्हे सुग्रीवरी बैर दीरावसां नै
बालनुं मारनै सुग्रीवनुं किकंधागरो राज देसां सो
नै सुग्रीव जी थेटा लो श्रीरामचंद्रजीसुं संतोष करो तरे
सुग्रीव आयो पिण श्रीरामचंद्रजीसुं बालीनुं मारसी
तरे एक सांढ मोरपंष नवे आयनै बेठो तरे श्रीरामचंद्र
जी उवने आदर दीयो नै सुग्रीव पगे लागनै कह्यो जेमा
हाराज सीताजीरा गहणा तो म्हे लाधा छे इण परबत उप
र एक बेठो तिण उपर बेगयाथा सो म्हेनुं देषनै एक आ
भूषणरी गांठ उपरसुं नाषनै नाष दीनी सो म्हा कने छे तरे
सुग्रीव कहेरे गाठरो पाहेड री गुफामां छे गांठ दीप दीवे
सुं ले आवो तरे गांठ ही आणनै श्रीरामचंद्रजीरे मुंहडा
आगे मेली तरे श्रीरामचंद्रजी गांठ षोलनै जोया ज्युं सीता
जीरा गहणा छे तरे गहणा मुंहडा नै डालेनै गे गहणासुं
मोह कीनो नै वारवार कहेछे हाय सीता तुं म्हानुं छोड
वनमा क्षेप कठा जानला मेलीया हमे म्हे दोनुं भाइ वनमे
नटकामार ता फिरांछां नै म्हे तो तो विनादीमां रात्र जमेनु कोइ
नवी दीसे जो मती हुं केहेके दुनेरुदन करेछै नै वारवार
सीतारा गहणानुं लेलेनै छाती सुं ने मुंहडे होरे नै आंषीयां
लगावे छे तरे सुग्रीव कहे महाराज आप इतरो दुष कांइ क
रो राज रो चाकर हुं तो सीताजीनुं वेगा ही जल्दी आणसुं
अेसो सीतनगा सुं आणनै मिलावसुं तरे श्रीरामचंद्रजी क
ह्यो आव सुग्रीव आपे मिलां नै म्हारो चाकर नहीं छे तुं तो
म्हारो भाइ छे आंपां आगनरी साषी धरदेसां तरे हणवंत

आनआंणीनेबिचैसाषीधरकीयोःहमेश्रीरामचंद्रजी
नेसुग्रीवमिलीयाःपछैसुग्रीवलछमणजीसुंमिलीयो
४ तरैश्रीरामचंद्रजीकह्योःहमेसुग्रीवथारीबडीम्हेंदीरां
वसांःतरैसुग्रीवकह्योःम्हाराजबालजजोरावरछैःनेह
मेकंम्हारीबातराजनुंकहुंछुंःएकैदैतह्विलीयोःसो
किकंधानगरीआवैःनैबालनुंकहैआवबालजीसंजु
धकरांःसोबालनैवेगबैठोसांभलैःनेउदैतहमेसवाडी
मेआयआयनेबाडीमेगुजैनेसमदकरैःसोएकदिनदै
तआयनेबलेसबदकीयोःतरैबालनुंरीसआईःतरै
बालउठनेदोडीयोःनेदैतसुंजुधकीयोःनेबालदै
तनुंमूकीबाहीःतरैदैतराक्षसभागोबालीयोभाग्योःनेदै
तन्हाठोःसोआगेतोदैतनेपाछैबालनेकोपिणतमा
सोदैषणनेसाथेदोडीयोःहमेदैतन्हासनेएकभाखरि
परबतथोतिणरीगुफामांहेपेठोःतिरैहुंमेबालज
दानेआयाःतरैबालतोगुफामांहेपैठोःनेहुंबारैउभो
रह्योःनेहुंमास१तांइगुफारेबारैउभोरह्योःपि
णजगुफामांहिसुंआयोःनेगुफामांहिसुंलोहीरा
बाजाबैहणलागाःतरैमेजाणीयोदैतजोरावरथो
सोबालनुंमारीयोदीसैछैःतरैगुफाआगीएकबडी
सीलाआंदनेहुंघरेआयोःआयनेमैबातकहीःतरै
मकोइपरधांनकामदारनेलाहोयनेकोहणलागा
जिबालतोगुफामांहेपैठोथोसोमारीयोगयोःसोहिमै
राजरोटीकोसुग्रीवनुंदैवोःतरैराजरोटीकोमानुंदी
योःसोमानुंकितराएकदिनराजकरतांबतीतहुवा
नितरैबालआयोःआयनेमोसुंरीसकीवीःअरेहरांम
षोरतुंम्हारैसिंघासणकुंबैठोःतैमानुंमुंबोलाणीयोः
तरैबालमानुंमुकीबाहीःतरैम्हारामुंहडामांहिसुंलो

३३

हीनीसरीयोःनैजान्हाठोःहैरेजीनाबालम्हारेवांसिपडी
योःसोराजवेजाछैतैवैमोनैमारमारनैकार्ढेःसोहुंबालजक
तरैहुंसकुंनहीःतरैन्हासनैइणपरबतउपरआयोःसोइ
णपरबतबालआयसकैनहीःनैआवैतोमरैःरषेस्वर
मातंगबालनुंस्रापदीयोछैःनैपरबतनुंहीस्रापदीयोछै
छैःतरैश्रीरामचंद्रजीपुछीयोःपरबतनुंस्रापकुंदीयो
तरैसुग्रीवकह्योःमाहाराजबमेवतेनेसारेरूपआवै
नैकिकंधानगरीआयआयनैबालनुंवकारैआवबालज
मोसुंजुधकरःयुंकरतांघणांदिनहुवाःएकदिनबालनु
रीसआइःसोदैतराबेनुंसींगपकडीयाःनैमाथोमरोडी
योःतरैदैतरोलोहीपडीयोःतरैदैतरोमाथोमरोडनैउछाल
दीयोःसोदैतरोमाथोकोसच्यारउपरजायपडीयोःसो
इणपरबतउपररषेस्वरमातंगबैठोतपस्याकरतोथोः
सोदैतरोमाथोआयलागोःतिणरालोहीराछांटा
रषेस्वररेलागाःतरैबालनुंस्रापदीयोःजेबालकइण
परबतउपरआवसीतरैमरसीःनैआपेजेकोनैनाषरही
मेछैःसोदैतरोमाथोमैनेउलेषानेनाषरहीमेछेसोदैत
राभीलराछामांराहिगआछैःसोबालइसडोजोरावरछै
सोराजबैतैदोहरेपरस्योःतरैश्रीरामचंद्रजीकह्योःसुग्री
वतुंनोबालनुंजोरावरकहैछैःपिणहमेबालनुंबेगोहीज
मारसुंःतरैसुग्रीवकहैःजेराजपधारेदैतरोमाथोहिव
तुंराजपगासुंदैतरोमाथोउपाडदेषोःतरैश्रीरामचंद्र
जीनुंदैतरोमाथोपगेलीयोथोःतरैनेगयोःतरैश्रीरामचंद्रज
पगराअंगुठासुंउडादीयोःसोकोसच्यारमाथेजायपडी
योःतरैसुग्रीवदेषनेहैरानहुवोःतरैसुग्रीवकहैहमेसा
तरुषएकठाछैःसोएकणबाणसुंराजवीधोतोहुंजाणुं
राजबालनुंमारसोःतरैश्रीरामचंद्रजीकहैरूडाःधनष

मंगायो॥ तेरे धमध संग्रायो। ने धरती मांहि बासगमागयो।
तिण आपहारामारीयो थो। तिणउपर रूषड गायो। स्त्री
रांमचंद्रजी पग सुं धरती दाबी। तेरे आद्धारी थयासो धाम
गनागला बोड़ीयो। तेरे आद्धारा उपर रूषरी गोलीथी सु
नागपाधरी झडीयो तेरे रूषबरा बरद्वाय गया। तेरवाव
बांण ने बाद्यो तिणसुं सात रूष एकण बाण सुं बींधीया।
तेरे सुग्रीवरो मन तसली जवो। ने श्रीरांमचंद्रजी कह्यो सु
ग्रीव तुं के कंधा नगरी जा जूं जुध कर ने बालन मारां।
तेरे श्रीरांमचंद्रजी आग्या दीधी। तेरे सुग्रीव के कंधा नग
री आये ने ललकारयो। ने कहा कमारी जेवाल बारे आव जूं
आपां जूध करां। तेरे बाल जांणीयो सुग्रीव आयो। तेरे
बाल दोडीयो। तेरे सुग्रीव दोडीयो न्हास ने परबत हेटे
आयो। तेरे जूध कीयो जिण पाहाड उपर श्रीरांमचंद्रजी
बिराजीया छे तिण पाहड हेठे बाल सुग्रीव नुं मुकी बा
ही। तेरे सुग्रीव न्हागो। ने बाल पाछो घरे आयो। हमे सुग्री
व आयने श्रीरांमचंद्रजीरे कांने वेवो ने कह्यो राज म्हा
उपर न कीयो। मोने राज बाल कना सुं मरायो। ने म्हारा ह
कघा लाकरायां ने बाल रो मारीयो थको [illegible] मही
नां ताइ चेतुं नही। ने सुग्रीव रे मुंह डा मांहि सुं लोही पडे
छे। तेरे श्रीरांमचंद्रजी बोलीया। सुग्रीव म्हांनुं बाल री ने
थारी काइ षबर पडी नही। थे दोनुं जाड सरीषा ने एक
राषणी सारे था। सो म्हे मांणषां लोने कदा संने मारे।
लागे तो के हमी रांमचंद्रजी सुग्रीव नु मारीयो सो म्हे
तीमातुं जाड की यो छे। तिण वास ते म्हे बांण नही बा
ह्यो छे। ने हमे ते जमेघा तरा ष। हमे बालनुं मारसां। त
रे सुग्रीवरो मील साल पहंग मा जो दोय गयो। ने सुग्री
वरे मीलेम श्री बाकुरी छा पते जसी यो। ने श्रीरांमचंद्र

जी सुग्रीव नुं कह्यो। हमे तेब तेजा अने बाल नुं जुआरो
आव ने ते जुध कर जूं बाल ने मारां। श्रीरांमचंद्रजी लषमण
जीनुं कह्यो। लषमण एक फूल री माल सुग्रीव रे गला में घा
ल। तरे लषमणजी सुग्रीवरे गला में फूल री माला घाली। ह
मे तरे सुग्रीव के कंधा नगरी आये ने बालनुं बकारीया। बाल
ने सुग्रीव के कंधा नगरी आयो ने बालनुं कह्यो जे सुग्री
वां रो आव जूं आपां जुध करां। तेरे बाल सांभलीयो जे सुग्री
व आयो। सो बाल आप जवट बांधने उठीयो। तेरे तारा दे
व ने आयो। तेरे बाल ने कह्यो। राज मत पधारो। आज रो सुग्रीव
ने साथ आयन ने बाद्यो। राज मत पधारो। आज सुग्रीव
नुं मोटो ले हमके सुग्रीव इतावेगो आयो सो किवीक कार
ण छे। तेरे पठे ने आगे तारा आंरा मारीयो सुग्रीव बम ही तो ता
ह्यो ततेन ही ने अबके इतरे वेगो आयो सो आगे नही। त
बबाल बोलीया। सुग्रीव सा कने की तरी कमा ते छे। हमार
बाल बीजीवा। सुग्रीव साकने कीतरीक मात छे। हमार
मारस्यं तो तुं जोए। तेरे राणी तारा कह्यो छे। आज म्हे बा
तसांभली छे। सो थे मांनजो। आज श्रीरांमचंद्रजी लषमणजी रा
जो आया छे सो तली जेरा जा रांमचंद्रजी लषमणजी
जाव सरथ जीरा बेटा छे सु बाप रे बचन सुं बन वास आया
छे। सो पांच वरीगा दाबरी छिमक वरस तापा। सो उठा सु
रांमचंद्रजीरी बहु सीता तिणनुं रावण ले गयो छे। सुं उवे
पाछे बाहर आया छे। ने बन में सीता तणां फिरे छे। सो जंव सुग्री
वरे हतो थो जेठ आया छे। ने सुग्रीव सुं मित्राचारी कीधी छे।
ने सुग्रीव ने आइ कीयो छे। ने बले रांमचंद्रजी सुग्रीव नुं कह्यो
छे। म्हे बालनुं मारने तोनुं राज दिराबसां। सो थे सुग्रीव
नुं मारण मती जावो। श्रीरांमचंद्रजी सुं जाय ने मिलो। थे म
हारे गरज रा करो। तेरे बाल बोलीयो। तारा दे ते इतरी बा
बे। पिण म्हारा दाखा तो छिष जे। ने म्हे ने मारे रूपदे तआयो
छे। पिण तुं बीभरा ले मबा जसी मोत्या सो जिण सुं बी
वा तुं माचं थो मने आपा सुं परीक्षा य। घणी री स[illegible]

...णे मालवंत री ओरे आयो: तरे सुग्रीव [illegible] सीनी जी रूपे
[illegible] इला जुध कीयो थो तरे बीज आयने जुध करण लागो: ने
श्रीरामचंद्रजी पिण रूषांरे ओलै धनष लीयां उभा छै: जितरे
श्रीरामचंद्रजी बांण वाहो: सो बाली रे पेट मे लागो ते बाल दे
[illegible] पड़ीयो: तडफडाट करण लागो: तरे श्रीरामचंद्रजी ने ल
षमण जी बाल कने आय ऊभा रह्या: तरे बालि बोलीयो:
श्रीरामचंद्रजी थे [illegible] कीवी थे मो नु मारीयो मे थांरो
काई बिगाड़ी यो थो: ने जे मो नु थांहे रे मारणो थो तो म्हे
ने कुं मारीयो नहीं: थे रुषा रे ओलै मारे ने मो ने बांण वा
ह्यो: सो ओ तो षत्री रो कांम नहीं थे तो [illegible] रो कांम कीयो
षत्री होय सो अकारने मारे: ओ षत्री रो धरम नहीं छै: थे
हरी पाधरी [illegible] करपडसी: थे [illegible] घात करने मो नु मा
रीयो: जो [illegible] कार मे [illegible] रे [illegible] तुं मी
कीवी: थे सुग्रीव सु मिलीया: ने मो नु मारीयो: ओ जो पे
ली ज मो कने आया [illegible] ॥ थांहरी बैर रावण
कासूं [illegible] आण देतो: सो थे मो नु [illegible] मारीयो: पिण ह
मे म्हारो बेटो अंगद छै सो [illegible] जे छै ने मोटो
जोरावर छै: सो राज राजतो सुग्रीव नु दे सो: पिण कछु
[illegible] राअरो कांम [illegible] अंगद नु [illegible] जो: ने
म्हारे बाण लागो छै सो परो काढो: ज्यु म्हारो जीव मुक
त जावे: तरे श्रीरामचंद्रजी कहीयो: अरे बाल तु साच
कहे छै पिण: म्हारा स्वारथ रे वास्ते तो नु [illegible] मारी
यो छै: सो [illegible] रा बदलो [illegible] तो नु [illegible] मारीयो छै सं
[illegible] म्हारा बांण सुं मुवा छै सो परमपदवी [illegible] तरे पेट
मांहि सुं बांण परो काढीयो: तरे बाली [illegible] मुकत हु
वा [illegible] तरे तारादे [illegible] बाल ने
[illegible] रुदन करे छै: तरे श्रीरामचंद्रजी कहे छै तारा नु

३५

[illegible] रुदन करे छै [illegible] तरे तारादे कहे छै: म्हा
रो भरतार मारीयो: हिमे तुं मो ने ही उण ही ज बांण सुं मार ही
ज मती कर: म्हारे भरतार सुं छेटी पडे छै: ने तो नु त्रिया हत्या री घ
[illegible] छै: थारी बैर सीता परी गई छै: सो तु [illegible]
तो फिरे छै: तरे श्रीरामचंद्रजी तारादे ने समझावे छै: जे आयो
[illegible] सा जमारा री [illegible] छै किन री बेला [illegible] भरतार [illegible] छै
किन री बेला [illegible] भरतार [illegible] छै: किन री बेला [illegible] नहीं छै कि
न री बेला ओ जनमीयो छै: ने तुं तो समझ जांणे छै जीव ने जी व री स
[illegible] छै: मुवां पछे [illegible] ने म्हारो मारीयो बैर
[illegible] गयो छै: हिमे तुं परी [illegible] ने अंगद [illegible] जो मार [illegible] ग्रीव
[illegible] अंगद नुं [illegible] ने [illegible] बाल नुं दाग दे
[illegible] दीदो: [illegible] तरे तारादे [illegible] ने बाल नु
[illegible] अगिन सनकार कीयो: ने तारादे
[illegible] तरे सुग्रीव [illegible] जो राज मे [illegible] ने मा नुं टीको दो
तरे श्रीरामचंद्रजी कहे म्हे तो [illegible] मती मे आवां नहीं: चवदे बरस रो
बनवास म्हा नु दसरथजी दीयो छै सो चवदे बरस तांइ बने मे
[illegible] ने लषमण ने म्हे [illegible] तो नुं पाट
बेसांणसी: तरे लषमण जी सुग्रीव साथे पधारीया: ने सुग्रीव ने
राज रो टीको दीयो ने अंगद नुं [illegible] पदवी रो टीको दीयो: ने
तारादे ने सुग्रीव रे घर राणी: [illegible] कराय दीयो: प
छै लषमण जी ने सुग्रीव ने अंगद श्रीरामचंद्रजी री हजूर आया:
आय ने [illegible] श्रीरामचंद्रजी कहे छै सुग्रीव तुं घणा
दिनां सुं राज [illegible] छै ने थारो [illegible] सो थारा मन
[illegible] करने [illegible] आव: [illegible] परबत ऊपर रहसां:
[illegible] तरे श्रीरामचंद्रजी ने लषमण जी [illegible] परबत ऊपर
रीया: ने सुग्रीव ने अंगद [illegible] नगरी आया: [illegible] रो रा
ज सो सुग्रीव करे ने राज रो कांम [illegible] अंगद [illegible]
[illegible] मन [illegible] पर [illegible] सो लषमण जी [illegible]

छै: तिणमांहे कागुकाछूदम मछै: तिणमांहे रमन हीरो छे
उमाजो तमागरवीछै: तिण ऊपरे श्रीरामचंदजी बिराजे छै:
ने लषमणजी कहे छै: राजमानुं करम मारग री बात कहो: उ
ह मब रिजरी बात मानुं कहो: सराध बिधरी बात कहो: जूं मि
नषांरा करम कटै: थे मामै रो समझ्यो छै: मोराजमारी ग्यान
मानुं कहो: तरे श्रीरामचंदजी कहे छै: ने लषमणजी मांन्हे
छै: सो करम ग्यांन री बात थांरे श्रीरामचंदजी मारहीबत
छै: जितरे चौमासो ही पूरो जवो: ने अठे सुग्रीव के कामे राज
रो कांम सब साबण ने आपरो एक काबु बे मांणी मी: ने आप राज
य ब वीपाय ने अंधग मछो मग मो: सो घर महीज पडीया रहे छै
रे कदे ही आवे नहीं: ने श्रीरामचंदजी मन कूट पर बन ऊपर
बिराजी मांछै: मो घणा दिन हुवा: तरे सुग्रीव नुं हणवंत आ
य ने कहो: ते तो घर मांहे जाय ने सुष करे ने सूता छै ने बारे
कदे ही आवे नहै: ने श्रीरामचंदजी मन कूट पर बन ऊपर बि
राजीया छै: सो तै कूटही जाय ने षबर ही लेवे नहै: ने चौमास
ो तेक बलकीयो थो मो थो मासो ही पूरो होय गयो छै: सो श्री
रामचंदजीरी मांणा ने तो मांहे हुवा जकरसी: ज्यूं का जे महै
कीयो था ज्यूं ही ज तो मैं करसी: हमे ते नवीतो होय ने बगो बै
सो कदे दिन हमारही जन जगयो: तो हुं कूट ने परो काढीय
यो ने तूं शिषर कूट पर बन ऊपर रे बतो मो चल गयो: इतरी बि
त हणवंत कही: तरे सुग्रीव वरी श्री पीटांव घड गइ: तरे सु
ग्रीव कहे: हणवंतजी थे बना जो धाछै: ने सोर रही बादरा छै
तिणांने च्यार ही टमे सब ने बादरो जात मांव होय सो सारो ही
बुराय बुलजावो: ने पनरा दिनां में सकोइ सा थपने लोक रे: ने मै
हो आधमी तिण ने हुं मारसुं: हमे थे बेगा तेडावो: हंडमां व म
कां मबी सीबं: तरे हणवंतजी बारे आय ने दरबार कीया: ने स
का बमा बादरा था तिणां मुं बुलाया: ने हणवंतजी बिदा की
मा: सो आपण के बीयं तंयांम्हे मेलीया: ने केह वाडी मो: जितरा

ही बोकरा छै: तिण पारे घिनां मांहे आव जो ने मछे री बरोसिर टा
जे भलो जंछै: तिण मुं के हवाडीयो: बी अमाव छे तिणां नुं जेने बेगा
आवजो: ने बांदरां ने रीओंग पामस आह सुग्रीव छै: सो पनरां दि
नां मे सआयाने दीज की बी तो तिण बुरा जांसुं ग्रीव मारसी: क नाबे
गाव ओ: ने श्रीरामचंदजी रे कां मछै मो ढीज मती करजो: सो छ
तरी तपनी व बारे ने बांदरां नुं तो हुवे हमलने हणवंतजी आपेरे
राया: हमे अठे श्रीरामचंदजी लषमणजी ने कह्यो: लषमण
सुग्रीव मे आं वणी षबर ही मी बीमही: तरे लषमणजी कहे ग्र
ने को थ म करतो मोके: तरे श्रीरामचंदजी कह्यो: नातं मारे मनै ने
तुं मणके बी मझैमे भेरो होए: तरे लषमणजी के कांधे मे जाय मयो जा
र आगणे धम धम कार कीयो: तरे बादर घणें हे बेराया मे ऊ बंनदा ही
सा श्री कूंण छै: तरे हणवंतजी बांदरां बरजीया: ने हणवंत लषम
णजी कहे: राजमांहे पधारो: तरे लषमणजी कोप कर ने बालीया
जे श्रीरामचंदजी ना बोर बिराजीया छै: ने सुग्रीव घर मांहे सूतो छै
सो आयने षबर ही जीवीन ही: सने तीरणो छै: श्रीरामचंदजी ने इ
बीराजीया छै ने आय ने षबर ले बंवा: सो छै ताह मछै: मरब बांद
रां नुं के कं ध्यस मेत धमवकरनां सुं: तरे हणवंतजी घणी बीनती
करने कहे छै: राज मांहे पधारो: तरे लीछै समां हे पधारीया: तरे हण
वंत जाय ने सुग्रीव ने कहे छै: सुग्रीव हमे बारे आव कनातुं पिण
जाय ने बाल ने लीसमझे छै: तरे सुग्रीव बीहण लागो: ने कहो: हम
का हूं कारसां: श्रीरामचंदजी री सोणछै: तरे हणवंतजी कह्यो:
सुग्रीव थे मसतारसो: लषमणजीनुं कितरी क हूर तो छे लावो छं:
ने हमे तारा है ते जाय ने आघा मांणा: तरे हणवंत जाय ने लषमण
जीनुं कहे: राजमांहे पधारो छे घर बेमा मसरब राज राही जकीया छै:
तितरे तारा हेगी नमावती मो हमी आय ने लषमणजी ने बधाय ने मे
हेलीया: ने नागवे कहे छै: देवरजी इतरीरीस कूंण करो छो: तरे लष
मणजी कहे: तारा बिरी सन दीवा ने तो काढुं करां: सुग्रीव तो आम
तो छै: ने थिक को छो सुग्रीव थां बरा कांम करे है: ने सुग्रीव तो स्रतो
पडीयो छै: जितरे सुग्रीव हणवंत जोजवै: ने कवे छे: रुसो राजरा ही

उकांमकरसुं नेम्हे दसक जार बांदरांच्यां संघमेमेलीया
याछै नेसरबसाथनेहाथ्योछै सोकितरोयकसाथनेआयोछै
नेकितरोयकम्हेमेआघसी हमेंमलो जो श्रीराम चंदजीकमेज
आंम नेघणा [illegible] बांदरा आवैछै सो बांदराशसाथरोके
इपारनही हमेसुग्रीवेआपरोसथमंगायो नेबीजो [illegible]
मंगायो नेआरहीबांदसंरथमंगा [illegible] यो नेआपरी [illegible]
लषमणजी सुग्रीव हणवंतजी अंगदछै बीजाथ्यमांछैम
जनी अबमा [illegible] सो मोजेदीमांयतांसं सुग्रीअम्भ
योछै आयनेश्रीरामचंदजीरे पगेलागो श्रीरामचंदजी विचेमे
बेठाछै एकेणकांनी लषमणजीबेठाछै एकेणकांनी सुग्रीवे
ठोछै मांहमो अंगदबेठोछै नेबीजासोबनमारहीपाषतीबे
ठाछै दरबारजूडीयोछै नेबिगाबातांकरेछै नेकहेछैसीताजी
रीषबररे वासतेमेलो मोहीजाहीबांदरांमेंबजघणोछै सुग्रीव
आरजकरेछै म्हाराजसातदीपमवषंडमांहे बांदरांनुषबरक
रणमेमेलोजुं जीअंमीताजीरीषबरजावे नेरेकितरायकबां
दरांनुं नो उतरदिसमेलीया कितरांकनेपूरबदिसकितरांक
नेपिछमदिसमेलीया नेरेश्रीरामचंदजीकहेयो [illegible]
णीनेमेलमो नेरे सुग्रीवकहेछै जिकांनुं विदाकीयाछा तिणांम
नांयकहेछै अंगद १ हणवंत २ नील ३ नल ४ जंबवांन ५ [illegible]
[illegible] इतरांनुं विदाकीयाछै नेरेश्रीरामचंदजी हणवंतनुंक
[illegible] छै हणवंतसीताजीतोनुं मिलेतो कस
[illegible] लषमरासमाचारकीहजे नेआमांहेरा
हाथरीमूंदडीछै सोसीताजीनुदेजे हमे थेवेगीष
बरलेनेआवो हमेपगेलागनेअबासूंचाल्येनेलानी [illegible]
सोपरबतांमांहे वनमांहे नदीनालांमांहे ढोढताजा
छै नेचूषामरेछै ने [illegible] तिरसांमरेछै सोपांणीजोवना
जायछै सोपांणीकठेही लाधेनहीं नेरे आगेगया सो वेपेनाक
कपाहुडछै जेठेरुषघणाछै नेपंषीघणाबोलेछै नेरेहणवंत
जीकह्यो जठेपंषीबोलेछै जठेपांणी नेरे [illegible] याभरे बांदरांर

पगआजीया नेरेउठेपंषीआमोउमया नेपंषीयारीबांचांनेपग
पांणीसंषीनादीठा नेरेबांदरागछेआयने नाषरीगुफाथी तिण
मेपेठा नेरेआघागया जठेआगेउजासदीसे तठे आयने जोवेतो
क तलावपांणीसुंभरीयोछै नेपांणीजलामीगै नेरहोछै नेतला
वरीपालउपररुंषघणाछै सो फलोफुलांसुंकावाफलरह्याछै
सोपाकांफललेमेआवपांणीसुंभरीदेषनेबांदराघणाषुसीहुआ
नेबांदरीधापनेपीधो नेफलषाधा पछेबांदराबैठाछै नेआं
गोछै तिणरीजायमांछैसो आवसीतोमारसी तेरेबांदराकहेछै
नगरदीसेछे तठेआंपेहालोजोवां नेरेनगरमांहेगया सोनग
रीमानाकेहणीनआवेनगरमांहेमानासघरछै हाटांमेहल
मालीयाछै सोसरबजडावरादीसेछै नेघरकागडमेंसुंभरीया
छै नेहाटांमांहे मिठाइ लाडूपेडा जलेबीमे [illegible] घेबर फीणी घे
वर मिश्रीभ [illegible] नोतरा दाष पिसता बिदामोलुगमेमा जालफ
ल जे वंगीसुंभाकपडोभातभांतरा मेंसरबहाटमरीछै पिणम
नरमांहेकोईदीसेनहीछै सेनापडीयोछै सोजीवताजीवता आघाप
जायेछै सोआघाआयनेदेषेतो एकमिंघासणमांटो नेंवछै तिण
उपरएकअसत्रीबेठीछै सोरुपरीनिधांनछै नेउणअसत्रीरो
तेजइसडोछै सो जांणेसुंरजगेनेजछै सो मांहमीजोयानजावे
घणोगेहणोपेहरीयांबेठीछै तेरेबांदरांबीहणआगानिकेहण
आगा आछेबीसे कुंणछै नेजेआवदीसेतोआपांनुं षायजासी तेरे
हणवंतजीकहेछेमेंहणवत्रयोमअमेंसंनदी आबांउणरेक
नेजावां थामीतोम्हारे सोसंकोइ नी नाथ काजायनेपगेजा
गा तेरेअसत्रीकहे बांदरा थेअठाथी आया नेकठे जासो नेभे
किणराछो तेरेबीजातोछासथा [illegible] कामबोलेनही नेहणवंत
बोलीया अजोध्यानगरीरा धणीराजादसरथजीबिघाराबेटाश्री
रामचंदजी नेलषमणजी ते सबामाराबनवासमेंबनमेंआयाछै
सोपांचवटीमेंदावरीरेउपकंठरेस्थानक सोश्रीरामचंदजीरी
[illegible] सीताजीनुं कोइले गयो सो श्रीरामचंदजी मनकुरपरवत

ऊपर बिराजी या छे ने म्हांसुं सीताजी री खबर रो वासो नें मली
या छे. जो व तांकि सं छां: द्रु तरे कछने छमवंत ने लीयां ओ
नगर सुं मो कूंपप ही मो छे: ने नगर किणरो: नरा जा कूण छे:
तरे सुवाअ सत्री बोली: कुबेर री बेटी रो मांकवंड नाम सो श्री
माहादेवजी री उपासिक थी: तरे माहादेवजी कह्यो चंड न
गा एकतो नु नगरी बसावां थां सुं तुं अठे आ वीर दिने बेठी म
हरो ध्यांन करजे: जवान कंत जाय छे: सो आ मग रचंड ना
गानुं दीमो छे: सो चंड नागा ओ वैरकेछे: ने मंधुवा री बेटी छुं:
ने श्री रामचंदजी री उपासिक छुं: सो म्हे बुदंमाजी कने जा
यं मे कह्यो: मो नुं का इजाय गाव नावो: जठे हुं बैठी कन
श्री ठाकुर रो राजन करूं: तरे मोनुं बुदंमाजी कह्यो: माहादे
वजी चंड नागा नें नगर दीयो छे जठे तुं हीजाय ने भपन्या
र: तो ने तेरे श्री ठाकुरद रसण देसी: सो हुं अठे छां हीवुं: पछे हंग
धुवणी हणवंत जीनुं कहे छे: ओ नगर सरव का मसूं नरी छे
छे: सु थां बरी छाय आवे जो सीघा यनें धापो: पछे धापने मो
कने आवजो: हमे थां दरा आपापाय ने नगर में आया: आ
थांने किणनुं जि का बस तना इ सोषा थाने धापीया: पछे पांण
पीने उणा कने आया: आयने हणवंत जी कह्यो: माताजी ह
मे किसी दिस मे जावां: माताजी कहे: प्रेम रखबां दरा श्री
समीयो: सो अठे छमीवत प्रमांण बांदरा बार आयत नार द्या:
तेरे गंधुवणी मनकू टपर बसतु परश्री रामचंदजी छे न छे सबै
आड़: सो आग टछे तो श्री रामचंदजी जप मनमप जीने सथी
ब छेन छे: तेरे गंधुवणी आयने श्री रामचंद सू मेमा बक मनेप
रके माछे ने परे जागी: पछे काछ ओ इ ने सुर जकरे छे: म्हारो
अंगे नाम मेतप रसरा पल छो: सो राजरो दरसण मोनुं ह
वो: सो हमे म्हारा राजमम जनमरा पाप सरब गया ने मोनुं ब
हमाजी कह्यो …घो: तो नुं श्री ठाकुर ही दरसण देसी: सो पछे द
रसण पायो: तरे श्री रामचंदजी कह्यो … तो मे वे …

३

तरे उमा बोली मोने ने तो … पार बिंदरी मे वादो: नेरा अवीनग
तदो: तरे श्री रामचंदजी कहे: बद्रीनाथजी रे उरे अलेकानदा छे:
तिण मांहि तुं सिनान करने म्हारो ध्यांन करि सुवास तुं परमपद
जावसी: तरे गंधुवणी उगरस बद्रीनाथजी आइ आय ने अलेका
नदी में सिनांन करने श्री ठाकुरां रो ध्यांन कर तीरो सरीर छुटो: ध
मे परमपद गई: … श्री ठाकुरां नुवासुं आघा हाली या आवे छे तरे
आगे दीये भोर करा क समपे जो करे छे: तरे बांदरा जांणी मारा घ
णा की लीजे छे: सुं बांदरा दोड ने राकस कने आया: ने विजली
या: ने नषांस ने मुं ह दांसुं फाड़ नांषीयो: पछे आघा जाय छे सं श्र
गीसमुंद आयो: सो समुंद कुदीयो जावे नहीं ने कहे च्यार मो का
स कुंभकर कुदीया जावे: तरे विचारण लागा: का इंक रसां ल
रे अंगद बोलीयो समंद तो कुदीया जावे नहीं ने पाछला लीयां बिना
जावांतो सुग्रीव मारे: ने आघा जावांतो पांणी मनवां: सो हमे मा
रा घा … आय ने … बे मरस्यां मर णि आयो छे: सोम्हे या चिंता
करे छे … तरे पावडमां दिसूं … पाछडे रो सनपे पीतीस री
यो: सो मोटी चांच माहा तनु पछे: ने पांषां … सो मा … आवे
छे: सो आज घीमे जा वे …: ने पांषां दी मे तो जांण पंषी छे: सो पांषां
तो बल गइ छे: सो बांदर देषीने बीहण लागा: जो णां थो: ओ मों
ने षासी: तिरे तेने दो आयो: तरे बांदरां देषने बोलीयो: थ्यम व
बांदरा छो: सो म्हारे न वदिन आहार सुं मलने बांदरा बीहण लाग
ने कह्यो जटायने पंषी छो: सो सीताजी रे वासे कांम आयो ने श्री
रामचंदजी जटायने बेकुंठ मेलीयो: तरे आ बात सांभलने पंषी बो
लीयो: थे किण री बात करो छो: जटाय तो म्हारो भाइ छे: ने थांने
… मारुं नहीं: थे मरो मती: ने मोने जटाय री बात कहो: ने बां
दरां ओ छे थे कुंण आया छो ने किण रा मेलीया आया छो: तरे बांदरा बो
लीया: म्हे श्री रामचंदजी रा चाकर छां: सु अजोध्यानगरी रा राजा द
सरथ तिण रा बेटा छे: सो बाप रे बचन सुं बनवास आया छे सो पं
चवटी गोदावरी … पर कांमें सीताजी: ने श्री रामचंद रे साथे लषम

णजीनेसीताजीघा:नेऊवासेसीताजीनुंरांवणलेगयो:तरेज
[illegible]
टायपंषीश्रीरांमचंदजीरोमेलोपीहोथोजेहठेमेमकांरमेज
टायरेकहेतोथोनेरांवणसीताजीनुंलेगयो:तरेजटाय आमेआ
यनेरांवणसुंजुधकीयो:नेरांवणरोरथभांगीयो:पछेरांवण
षडगकाढनेबाहीसुंजटायरीपांषांवाही:तरेजटायहेठेप
डीयो:नेश्रीरांमचंदजीलषमणजीसीताजीरीषबरआयाथा
नेआगेदेषेतोजटायपडीयोछे:तरेजटायनेपडीयोदेषनेश्रीरां
मचंदजीजटायरेउपरहाथफेरीयो:तिणसुंजटायरीदेहसा
जीहोयनेजटायवेकुंठपरमपदवीगयो:नेहमेम्हे पिणसी
ताजीरीषबरकरणनेआयाछां:तरेसंपातीपंषीबोलीयो:म्हारो
भांबसंपासछे:थेमोनेसमुद्रतांइलेजावोज्युंहुंसितोनकांन
नेजटायनेपांणीदेउं:पछेथांह्नेसीताबतावसुं:तरेसगलांइ
बांदरांसेलोहोयनेसंपातनुंघीसनेसमुद्रमेआयामिलानक
राइ:पछेजटायनुंपांणीदीयो:पछेबलेघीसनेजठेआगेयो:
तठेछोडनांषीयो:नेबांदरांपुछीयो:थांहरीपांषांनेकांइहुवो:
तरेसंपातबातकहेछे:म्हिदोयभाइथासोबडोतोहुंथोनेछो
टोजटायछे:सोम्हेदोनुंभाइउडीयासोआकासगया:सोसूरज
रीकिरणसुंबलणलागा:तरेम्हेंजटायनुंनेम्हारीपांषरीनीचे
राषीयोनेहुंउपरआयोसोसूरजकिरणसुंम्हारीपांषांवली:तरे
हुंहेठेपडीयोसोअचेतहोयगयो:सोमांहोसोसावचेतहु
वो:सोहुंपडीयोसमचेतोहोनेम्हारीपांषांबलेजांणेनायज
गीछे:तिरेचंद्रमचंद्रऋषरसमानुंओलषीयो:नेचंद्रजीकहे
रेसंपातीतुंकिणभांतीहो:मेथारीपांषांकिणेबाही:तरेम्हेंप
गेआगेनेबातकही:राजम्हेसूरजरीकिरणसुंबलगया:तरेचं

३

द्रऋषरकहेयो:थारीपांषीजबलसेतोहोसी:आगेनलागतीहोसीमेह
मेआगतपिटजासी:नेत्रेताजुगमांहेश्रीरांमचंदजीअवतारले
सी:नेरांवणसीतानुंलेजासी:तरेश्रीरांमचंदजीरांवणनुंमारण
नेपधारसी:तरेहेश्रीरांमचंदजीराचरणमेनावसी:तरेथारीपां
षांआवसी:सोदेषोश्रीरांमचंदजीबातकही:नेम्हेंयांहती
रेसोनलीसादेमेम्हारेपांषांमोटीकाइ:सोहंमेकोउंचुं:नेआ
वोथांहनेसीताजीदिषाउं:तरेसंपातउडीयोउंचनेकह्योदेषोसी
ताजीबेठा:लंकागढमांहेवागछेतिणमेमपछेतिणहेठेबेठा:
सोहुंदेषुंछुं:नेम्हेतोग्रीधपंषीछांसोम्हारीदिव्यजोतछे:सोम्हे उ
ठेबेठाहजारांकोसरीबसतदेषांछां:इतरोकेहिनेसंपाततोउ
डगयो:नेबांदरांवीचारकीयो:जेसीताजीरीषबरजाइलेआवे: तरे
अंगदकहेछे:हुंमेमारोसाथवेगाबां:नेहमेश्रीरांमचंदजीरो
कांमछे:हुंमेसमुद्रकुदसीकुंण:षबरजावणनुंजावसीकुंण:
साथेकहेयो:सोकाइसमुद्रदेबोलेनहीं:तरेबलेअंगदबोलीयो:
थांनहीबोलोसोकांय:जिणमांहेजितरोबलहुवेसाकहो:त
रेकिणीकहोतोकह्यो:हुंदसकोसफलांसकुदुंछुं:किणीकह्यो
हुंसोकोसकुदुंछुं:कोइकहे हुंदोढसोकोसकुदुंछुं:इतरा
जिणांहुंकह्योपिणपेलेपारजावणदिसाकोइकहेनहीं:तरेजां
बवांनकहे:हुंजवांनथो:तरेच्यारसोकोसकुदतो:नेहमेतोबु
ढोहुवोसोकाइजावांपारहुवांकनांनहीं:तरेबलेअंगदक
ह्यो:हुंजीच्यारसोकोसतोहुंकुदजासुं:पिणपाछोआवण
कीतागतनहीं:तरेजांबवांनबोलीयो:नाराजम्हांमांहेराजरा
जाछो:नेहुंथांहनुंबतावसुं:जिकोजावसी:हणवंतजीढीला
साबेठाछे:बोलेकोइनहींछे:तरेहणवंतनुंजांबवांनकहेछे:
णवंतमुंहदेषोनेकांयनहीं:ढीलाकांयबेठा:सीताजीरीषब
रकरणीछे:श्रीरांमचंदजीरोकांमछे:नेतेजबोलोक्युंबेठा:तु
पवनरोपुत्रअंजनीरोबेटोछे:सोतोथारीमातारोगादेमतण

ही। अंगूठी मां थारी जनम ह्वो थो ने सरव गुणग्रामी तुं रै ने अं
लीयो। आरा मोरा तो दी मे थे सा कुं ही कफल छे। तरे उ रो लेने
मुंहडा मांहे घालीयो। सो जद सीता ने बालक थो। सो हमे तीमो
टीयार जवां न ह्वै वो छे। सो एतवे सो होय … ने सेवा सुं … करसो रे। वां
रमा रां ही थारा तु जां छे। इतरो कह्यो। तरे हणवंत नै … मही
राज की वी। मा सरव देवता जी वण आया। जो दी धा वो का सु
ह्वा ने इमे हणवंत आ पे री तरे … विसतार घणो मोटो कीयो ने क
हो। जायां ह्वै ने थां ह्वारी सगलां री आगन्या छे। तरे समस्त जो ही आशीवाद
दीमा। तरे हणवंत नपक पा … पा … पवहीयो। वहे ने पगां सुं
जोर कीयो। तरे पाहड धरती मांहे पेस गयो। ने समुंद्र पिण हल क
ठीयो। धरती धुजी। ने सेस सींग दिगपण लागो। इण जांत पगरो ध
मचको दे ने हणवंत जी आघा ह्वा लीया। सो जतरे देवता हणवं
त रो पोरस देखै था। ओ हणवंत लंका जाय छे सो मांहे न स
कस डोय कहे छे। तरे देवता जाय ने माता जी … नती की वी। जो
मा ह्वारा जमाना जी ने मत रूप देवो ने हणवंत लंका जाय छे। सो
तुं विचे मे विघन कर देषो हणवंत मन नाकि सझोय कहे छे। तरे मा
ता रूप करे ने हणवंत सांहमी आइ। तरे हणवंत जी एण ओ जेहे
बी रूप कर ने आई। तरे हणवंत जी कह्यो। माता जी थे आगा
सुं आघा ह्वो जां ज्यूं हुं लंका जाउं। श्री रामचंद्र जी रो काम छे। ने
सीता जी री षबर करण वास्ते जाउं हुं। सो थे आ … आ न गा
ह्वो। तरे देवी कहे हणवंत … घणा दिनां री भुषी छी हुं। इसु
त थी पनि म्हारे मुंहडे में जप ही छे। सो हुं … षावसुं। तरे ह
णवंत कहे माता ह्वी … मो नुं एकरसुं कांम कर ने पाछो आव
सुं। पाछो आय ने थारे मुख मांय … तरे देवी कहे ना … तो तो सुं
न ही। तरे हणवंत आप री देह रो विसतार बीस कोस मे कीनो।
तरे देवी बीस कोस मे मुंहडो मोटो कीयो। तरे हणवंत चालीस
कोस मे … तरे देवी पचास कोस मे मुंहडो मोटो कीयो।

४९

तरे हणवंत सितर कोस मे देह मोटी कीवी। तरे देवी ने अठ कोस मे मुं
हडो मोटो कीयो। तरे हणवंत छोटो सो वांदरा रो रूप कर ने देवी
रा मुंहडा मे पेस ने वटके से पेली पार ह्वा गयो। ने पेजे को ने जा
ने कह्यो माता जी हुं नीसरी आयो छुं। तरे देवी कहे स्याबास हणवं
त तो ने हुं देवता मेलीयी थी। सो … थारी सगत जोवती थी। हमे तुं
जा थारो फत्ते ह्वासी। ने हमें म्हारो रीतो न बरदान छे। तरे हणवंत आ
घा चालीयो। ने परबत री पांमांड छवा दी थी। ने हेमावल परब
त रा बेटा मीनाक तिण रे समुंद्र सु नेह थो। सो मीनाक समुंद्र रत
समुंद्र मे बैठा थो ने पांख समेत थो। तरे समुंद्र मीनाक ने कह्यो। मी
नाक तुं एकरसं ऊंचो ह्वे। हणवंत लंका जाय छे ने विसरांम दे
वी विसरांम यो थे … सो … ताहरा पर विसरांमो लेव। प
छे लंका जासी। तरे मीनाक ऊंचो ह्वो ने समुंद्र रा मीठा फल ने
आछो पांणी लेने मीनाक कह्यो। हणवंत जी थे अठै विसांइ ष
वोने फल … पांणी पीवो। तरे हणवंत जी कहे ना हुं उतावल
हुं न ही। तरे वार वार मीनाक कहे। तरे हणवंत जी पगां रा एक
अंगुठे सुं … आघा ह्वा लीया। सो आगे गया ज्यूं आया माहे प
ड्या। सो छाया ग्रीका रा ह्वी मा। सा समुंद्र रे मां हे … रहे।
सो उणरी छाया मांहे आवे सो आघो विसस के नहीं। सो हण
वंत जांणीयो। सो … तरे … जा … पणहीये
कुं … तरे … नेरा … तरे ध
हणवंत … जाय ने … पर कूदम ही या। ने … जातां सु विगद
नो घी। ने हणवंत जी समुंद्र रो ने पार गया। सा हमे दिन घमको
लंका मांहे पेसस के नहीं। ने हणवंत जांणीयो … दिन घ को जा
सुं ने मो … किण ही जांणीयो तो सीता जी नुं बीजी जायगा
न्याय देसी। हमे रात पड़ी। तरे हणवंत जी लंका मांहे आया। सो
लंका दोलीरा वण री चोकी यां दोड गे … छे। ने हणवंत जी
लंका री पोल मे पेसता था। तरे लंका सुर … दीठो जां आ … कण

छै:तरैदेवीकहयोरेतुंकुणछै:जदओबोलीयोकेहुंहणमांनछुं
जायछै:तरीदेवीहणवंतनुंजातबाही:तरैहणवंतदेवीनुं
मुकीबाही:सोमुकीरीजोराबरलागी:तरैदेवीकह्यो:हणवं
तनुंछै:जामाइतेमोनुंजीती:नेमोनुंबहे:माजीकह्यो:जो
हणवंततुम्हारोबरदानछै:सोसीताजीरौसंबरकरणरेवास्
तेसंगेआवसी:सोहणवंतरीफतेजासी:मोनबमेंजीतीजरुंक्जां
बुं:रावणरेबागमांहेमेंहलछै:तैसीताजीमेंगछै:पछैहणवं
तरातेसमगजाहीघरजोया:लंकामहेसोमाटछै:मांहेमेंहलायत
अरसरबसोभागनेजडावसंमाडीछै:सोहणवंतजीदेषनेदे
रानहुवा:हमेजावताजावतारावणरेमेहलआया:जठेदे
षेतोरावणसूतोछै:नेदोवीयांबलेछै:नैठोलीयेदोलेदिवं
मा:नागकन्या:राकसणीयांबेठीछैसोदमेउंघेछै:नेराणीम
दोदरीरावणकनेसूतीछै:सोमंदोदरीघणीरूपटरीछै:तरैहण
वंतजांणीयो:श्रीसीताजीसूतीछै:तरैनैडोजायनेजोयाजदसी
ताजीतोनहीं:सीताजीहोयतोदलगीरदीसै:सातोमंदोदरीदी
सैछै:सोघणीखुसालघणीसूतीछै:तरैहणवंतउवासूंसीताजी
छैजिणबागमांहिआया:आगेसीताजीदलगीरथकांबेठाछै:
नेदोलीराकसणीयांरषवालीछै:तरैहणवंतजांणीयोजदआ
रसीताजीसूंमिलीयोतोराकसणीयांकुककाकरसीनासमं
नेमांनेश्रीरामचंद्रजीरोहुकमछै:तुरतजातमिले:तरैजिणसं
षदवेसीताजीछेवाघाजिणसषरपरहणवंतआपरोछोटे
सोरूपकरनेघणापानारेबिचेजायबैठो:जितरैरावणमहे
लांमेसूतोथोसोसपनोलाधो:जोश्रीरामचंद्रजीरोबांदरो
आयोछै:नेलंकामांहेजुधकरेछै:घणाराकसमारीयाछैनेअ
लंकाबालीछै:सोसुपनोदेषनेरावणजागीयो:नेकह्यो:सी
ताछैकनाकोइजेगया:तरैउठनेसीताजीकिसाआयो:नेराव
णडीधपाढजीछै:नेरावणरेसाथेराकसणीयांघणीछैनेमं

दोदरीपिणसाथिछै:नेवारेनोबतनीसाणबाजेत्रवाजेछै:नेरा
वणसीताजीकनेआयउभोरह्यो:नेरीसकरनेकहेछै:हेसीता
हमेतुंवेटीकाकांवकरैछै:हमेतुंतरीआव:रामचंद्रतोबापडोब
हेदीजाडामेंफिरैछैसोम्हारेषबरआडछै:नेहुंरावणतीनलोक
काजीतनेतीनलोकरोधणीहुवोछुं:नेरामचंद्रमनषकितरी
कमातछै:नेहमेंकेतोतुंपरीनेतकेतोनेजीवामारुंछुं:तरैसीता
जीबोलीया:रेरावणतुंइतराजोरमतकर:नेतुंइसडोजोरावर
थोतोश्रीरामचंद्रजीबिगोथकांमोनुंकुंनहीलेगयो:तेतोनि
स्पारीहोयनेमोनेलेआयो:नेहमैतोमेकुमीतकचेजिकातेंद
छै:तरैरावणरीसाकरनायो:नेषडगकाढनेमारणदोडीयो:तरै
मंदोदरीबरजीयो:हमेअबसबीनुंमारोजदथतेनेनलोवमेंलोब
होवेतरैरावणउठराआयोथ्येछैसीताजीरेरषवालीराकसणी
यांछैबेठीथी:तिणांनुंरावणकह्यो:पांचदिनतुंसमजायनेवंग
आंणजो:नेथांहरीसमझाइनमानेतोपरीमारजो:नेघरजाय
सूरजाक्रनेथकरीपायजावजोनेघाडोसोभांदरेहीवामतेल
षजो:इतरोकेहनेरावणतोपरोगयो:नेपाछासूराकसणीयांछ
सुसीताजीनेमराबेछै:केइकतोमारणनेदाजीकहेछै:केइकडे
राकाहनेदोडेछै:नेकहेछैउवलेलावणजिकनेचालनहीतोगा
ताजीम्हांनुंकेहगायाछैसोतोनुंमारसां:तरैषकराकसणीबि
रीथीतिणरोनांवत्रिजराथीतिणराकसणीयांनेबरजी:नेकह्यो
रांमांथिसूलगीजोवो:सीताजीसुंथेकाकुंकहोमो:सीताजी
सुंजैनमाताछै:नेआजमेसुपणोलाधोछै:तिणरीबातथेसांभ
लो:श्रीरामचंद्रजीहाथीयप्पधारीयाछै:नेलंकामांहेबांदर
रोकटकआयोछै:नेलंकालुंटीछै:नेरावणभागोनेघाडोगया
हीमांबिणांहीमांहिनेमुंहदेपडोछै:आमेसहणोलाधोछै:
रामांछेसीतामातासूंअबलगीकांवो:नेसीताजीसुंकह्योमाताज
मैदलगीरमतीहुवोश्रीरामचंद्रजीबेगाहीजपधारसी:इतरोवि

जवाबकहो :तेरैसारीराकसणीमांकलमीजायनेसायरहीःनेप
सीताजीइकेजादलगीरथकबिगमनसूबातांकरैछेःकेदसप
रामचंदजीअजेसनहीपधारीयाःहमेरावणम्हारीलाजमांमप
डसीःसोबीजोतीम्हारोजोरकाइनहीःम्हारीचोटीलोबीछेसो
कंचोटीसूपासीयायनेमरसूंःचोटीम्हघणीमोटीबधारीछेसोप
लाजकामअवसीःसोसीताजीरीबातांहणवेतरुषपरबेप
ठोसांभलेछेःनेरावणराक्षसीवचनहणवंतसांभलीयाःनेत्रिजट
कहोसोहीसांभलीयाःनेसीताजीमनसूबातांकरैछेसूहीसं
भलेछेःतेरेहणवंतछोटासाबांदरारोरूपकरनेसीताजीरेसं
हमोआयबेठोःनेमाताजीरेपगेलागोपगांधोकदेनेकहेछेः
माताजीमानुंश्रीरामचंदजीराजरीषबरकरणनेमेलीयोछेःने
म्हारोनांवहणवंतछेःतेरेसीताजीजांणेओकाइदेतछःरावण
रोभलीबोरूपकरनेआयोछेःसोसीताजीबोलेछेःतेरेहणवंत
जीजांणीयोमाताजीनाबीहणलागाःतेरेश्रीरामचंदजीराहाथ
रीमुदडीथीसूदीवीःनेसीताजीदेषनेआजषीःमुदडीमेश्रीरामचं
दजीरोनांवछेःतेरेसीताजीकहोश्रीरामचंदजीकठैछेःतेरेह
णवंतकहोःककंधानगरीमेंएकपरवतऊपरबेठाछेःतिणऊप
रबिराजीयाछेःनेकेकंधानगरीरोधणीबालथोःतिणनुंमारनेसु
ग्रीवनुंराजदीयोःनेसंतोषकीयोःनेसुग्रीवबांदरांरोराजाछेःप
सासुग्रीवरामरुषेनमांहिसूबाबरांतडायाछेःनेथांहरीषबरः
रेवासतेदिसादिसमेलीयाछेःनेम्हेनवबांदरासाठीनुआयाछां
सोहमेम्हेथांहरीषबरदेसांतरेबांदरांराकटकलेनेश्रीराम
चंदजीपधारसीःतरेसीताजीकह्योबांदराकिसहाकछेःने
तोसरीषाबांदराइकसीसोयांराकसांसूकासूलडसीःराव
सजारावरछेरावणछेमोटेतंछेःइणकनेबांदराकितरीक
मातछेःतेरेहणवंतकहेछेःमाताजीआपकहोछोबांदराबाप
डाकाइंकसकसीःसोःआपकहोसोजरूपकरनेदिषावं

तेरेहणवंतआपरोरूपकरनेदेषायोःतेरेसीताजीषुसीहवानेः
कह्योःश्रीरामचंदजीनेआपहजारांबरसःपधारसोःनेताओरेराकसण
सेतमांसोदीठोहीजेछेःसपवपुसीवेगापधारसीतोआवछेःरा
वणनेराकसणिपणमारनेसणीयाहीजेछेःसोहणवंतने
श्रीरामचंदजीमुकेसुकोःसंगरावणरोकांधमामपाछाफेरजोः
जितरेसोवेबेठीछुःतेरेहणवंतकहेमाताजीछेइतरोइषकांसुं
करोछोःराजपधारोपमजानेलेजाउंःतेरेसीताजीकह्योःहुंआ
रामचंदजीपधारसीनेहारनेमारतोओहीजांणेःश्रीराम
चंदजीपधारीयाथानेकवियेआवीदीसूःसोहमेतुंजाहीं
आमतीकरःतेरेहणवंतकह्योराजमानुंकुंहीमेदिमांणीदि
रावोःजूंश्रीरामचंदजीजांणेसीताजीकनेम्हेथायाथाःतेरेसी
ताजीकह्योमोकनेताकुंहीनहीःमाथेरेकसांमांदेमिणरषड
छेसोसेनदीनीनेकह्योआतेश्रीरामचंदजीनेदेजःतेरेहणवंत
कह्योमाताजीघणीभूषनेतीसुंचुंछुःमेकीवीधायेनहीछेःसोमा
नेकिवीषवावोःतरेसीताजीकह्योःबेटापहिश्रीरामचंदजीरीषब
रलेनेआवेनेकंतोमुंचुषमेलुंपिणथांरकंवांसेःनेओरावणरो
वागछेसोकोइपहीयागिरीयोफलषाएःनेसषसूंफलतोडमती
ओरहपरोवफरतोबागरेहीबाजेमेछेःसागदीबीदेछेःतेरै
हणवंतजीसीताजीरीआगयापायनेआरूपांदेगयाःआय
नेहणवंतजीविचारीयोःहमेम्हारोआपोपरकासूंःबागरांरुष
पाडनेपाधराकरुंःनेमाताजीरोपिणबोलसांचोकरुंःहमेरुषां
नुंजडांसूउषलनेनाषेनेरुडरुडावतरेफलधरीतीपडेमासरव
षावेछेःनेकवेम्हांनुंमाताजीरीआकमछेःपडीयाफलषापे
रूषसूंतोडमतीतिणवासेतरुषपाधराकरुंछुःयूंकरतांसरववा
गउपलीयोःनेबागमांदेसानारोजडावसंजडीयोरावणरेबसण
रोमहलथोसोनीपवीयोःतेरेराकसणीमांकुंकदबाकरतांरावण

कनेगई। आइनेकह्यौ: जोबांदरोएकआयोछै: सोमेह अप
छनांषीयो:नेबागरारूषसरवलेषलनांषीया: नेजिणसंष
छेमेमीताजीबेगछेजिकोनवौरूंप्रावीयोछै: तरेरांवण
साथमेलीयोकह्यौजाबोएकबांदरोआयोछैतिणनुंमार
साथे: तरेघणाराक्षसआया: आमनेदेषेनेमेहलउदीप
पडीयोछै: तिणऊपरेरांवणवंतजीवेगछै: नेहाथमेवमोपाष
णरोथांभोछै: नेराकसंभोसाथ सरसबांढणलागा: सो
हणवंतकुदकुदनेटालदेवेछै: नेहणवंतनेरेहाथमेथांभोछै
सोथांभोफेरनेइसडीमारीसोजेतरादेत्यआजिरासरबम
रीया: तरैरांवणकनेषुकारगइ: तरैरांवअक्षयकुमरनेपांचसम
ही रावमोकलिया: तरैऊमरावांआयनेजुधकीयो: सोहणवंतआं
नुंहीमारीया: तरैफेररावणकनेपुकारगइ: तरैपरधांनरा
बेटानुंघणोसाथदेनेमेलीया: सोजेणांआयनेलडाइकीवी
सोहणवंतजेणांनुंपिणमारीया: तरैरांवणरोबेटोअषैकुवा
रघणोसाथलेनेआयो: आयनेसबलोजुधकीयो: सोहण
वंतजेणनुंहीमारीयो: तरैरांवणरोवडोबेटोमेघजीतघणोसा
थलेनेआयो: आयनेसबलोजुधकीयो: हमेमेघजीतबांण
रीचिरघोकरदेछै: नेहणवंतजी सरवबापराले छै:

॥ तरैहणवंतमनुंरीस आई: सोमेघ[illegible]रथउपरकुदपडीयो

सोमेघजीतरोरथभागो: नेरथराघोडामारीया: नेहणवंतछे
बोजायछैतो: हमेमेघजीतआकासजायनेजुधकरणलागो: ध
नेमेघजीतनेजंत्रमंत्रघणाआवेछै: सोइंद्रसुंजुधकीयोथोसो
जंत्रमंत्रासुंइंद्रनेजीतो: सोमेघनाथरोनांवइंद्रजीतदीयो: हमें
हणवंतसुंजुधकरतांनेइंद्रजीतनुंघणीवेलाहुइ: पिणहणवं
तजीमरेनही: तरैइंद्रजीतहणवंतनुंब्रह्मफासघालणलागो:
तरैब्रह्माजीसुषमरूपकरनेहणवंतजीकनेआया: आयनेहण
वंतनुंकेहणलागा: इंद्रजीतथारेब्रह्मफासघालेछैसोतुंघला
यजे: तोतनेमंत्रजंतरतोकांइलागेनही: तुंतोइगयारमोरुद्रछै: पिण
तुंम्हारीमरजादराषे: ब्रह्मफासघलायनेपकडायले: तोबुरण
मसरथछै: नेब्रह्मफासनहीघलासीनेनहीपकडासीतोआमानुंम
रसी: नेमोनुंकेहसीथाराजंत्रमंत्रकुडाछै: तरैहणवंतकह्योस
हाथकेहसोसुंकरसुं: थांरीआगनाप्रमाणकरीजे: तरैइंद्रजी
तहणवंतनुंब्रह्मफासघाली: नेबांधीयो: नेरांवणकनेलेजाय
नेनाराषीयो: तरैसरबमांथरोसाथ[illegible]आयोछै: नेजिकांराष
सरतारहणवंतमारीयाछै: जिकेपिणसबीयांनेदीठछै: नेध
ओरहीसरबराकसकहेछैहणवंतकिसडोयकमसोमरबकने
आयआयनेजोवेछै: नेरांवणनुंइंद्रजीतकहेछै: माहाराजआबा
दरोम्हेंबांधनेआंणीयोछै: पिणइणरोविसासमतीकरजो: इध
जरमतीआवणदेजो: आबांदरोवनवरसनहीछै: आबांदरोक
रणीबसबछै: राजपरधांननेमेलनेबातकरजो: इतरोकेहने
इंद्रजीतपरोगयो: हमेंहणवंतजीबंधीयाबेठाछै: नेमाहाराजयं
नकरीसमदीछै: हमेरांवणपरधांननुंकहेछै: जोथेजायनेबां
दरानुंपुछो: जोथेकुणछो: नेलंकगासुंआयोछै: तोतनुंकिणमे
लीयोछै: नेतेम्हारेबागरारूषसरबवेलीयानेमेहलपाडीया:
नेसाथमेलीयोथोसोसरबमारीयो: परधांनरोबेटोमारीयोसोकि
सबासते: नेइतातेतोफांनकीयासोकिणवासते: तरैपरधांनआ
यनेहणवंतजीनेकहेछै: तुम्हानेसरबकहम्हेतानुंमारांकोइ
नही: नेवोमहेसां: तरैहणवंतजीबोलीया: कंतोवाकरथीरांम

वे दजीरो हुं: नै श्रीरामचंदजी किकंधा नगरी पधारीया छै: नै वाज
नुं मारनै सुग्रीवनुं राज दीयो छै: नै सुग्रीव वांदरां रो राजा छै सो सुग्री
व वांदरां नै आ कीया छै म्हारा दीन वह्यां मांदे वांदरा ले नै री छबे सीम
रबनै आ कीया छै: नै सीताजी री खबर करणनै च्यारुं तरफ वांदरां
नुं मेलीया छै नै हैं मतरो जिणनुं श्रीजी नुं खबर करण नुं आया छां: सो थे
आतो समुंद्र रै पैले पार छै: नै एक … आयो छुं: तरे रावण कह्यो:
रावण कह्यो: राम चंद लक्ष्मण छै तरे हणवंतजी कह्यो जिण ताडका
सुभमणी नुं मारी थी उवे रामचंदजी छै: तरे रावण कह्यो: उवा तो बु
ढी थी: वले जिण खरदूषण सवचंद हजार दे तो संमारीया था: तरे रा
वण कह्यो उवे तो बालक था: वले जिण मारसे पांनुं एक वाणा
सूं छिदीया था: तरे रावण कह्यो के तो ते भिण पडा था: युं वातां करता
ता रावण नुं कहो छत्रपती: तरे कह्यो लेजावो इण वांदरा नुं पर मारो:
तरे इनी सूण … नै कह्यो सो राजा … आगे ही कह मा
रीयो न दीये … फेर … नगरी बात … कहे … नगरी बात
ले कहे नै राज … तिको … फिरे … कदे ही मारे नही:
नव ले बांधी मानुं … नै राज घणो घणो कर … बा
तो डणो से कसे … करो: तरे रावण कहे: आप … बलघणे
करे छै: सो इण … तरे हणवंतजी कह्यो: घ
णो पुछ ते लस पीपड जो: नै ताप … गुद डाप छे वडी ते लग
ने जो य नै … बांध जो: तरे सरव बांधीया: तरे हणवंतजी
कह्यो: हमै लगायदो: नै रावणी डीक देवा लगायदी: नै घरं घरसे वा
रणे फेरा ज्युं … हणवंत बांव सके: तरे रा
वण कहे इणनुं सेटा कर नै … लगायदो: हमै घणो … देनै ह
णवंत नुं मेलीयो: नै हणवंत नु बांधीयो बांधीयो … रे का
डीयो: सो पो हमै नी सरीयो तरे … सरीयो:
४ तिण सुं बंधण ढीला होय गया: नै गाजां … मा हि संप
मां हि सं बंधण परा का ढीया: तरे हणवंत कूद नै एक …
खि ग्यो नै घर नस … तरे … घर ऊपर … घर बाली

यो: हनमानजी लंकासहरसरब बाळीया: सो लंका मांहे सा
राक्षीराक्षसांरै हाहाकार होयर ... ह्वो छै: हमै हणवंतजी
रो पुंछ दाझणलागो: तरै समुंद्र दिसी गया: तरै समुद्र कनारा
तैमां हैमतीपेसजे: मांहे जी बुझणा बैसास रब बळजासी: तरै
इ गोङ्मत्र जर्सूं धारीसुं उपर होसनां पाणी बुझाइ: तरै हणवं
तजी अपरा गउनार स्यां: तरै समुद्र भोजनांमनेसु बबुझायो: त
रै हणवंत फिर सीताजीकनै आयो: आयनै पगे लागो: नै कह
माताजी इंरावणरो बाल करनै आयोछु: हमै आप हो य
तो श्रीरामचंद्रजीकनै जाउं: तरै सीताजी घणी दिलासा दे
नै कह्यो थ्याबासबेटा तैसड़ोकांम कीयो: हमै तूं जायनै श्री
रामचंदजीनु वेगा लेआव: तरै उगस्यूं हणवंत बारे आ
यनै एक पाहड़ उपर चढी ... यो नै कूदीयो: सो समुद्र
रै आधरे आयो नै हणवंत ... ने आवतांनेसरब वता
देषे छै: नै अंगदनै जंमीलछण बथानसग सांघी मांह सां नजी
यो: तरै कह्यो उ घी हणवंत आयो: तितरै हणवंत आयपुंनार
स्यो: तरै बोहराः सीता ... जीरा समाचार पूछै छै: सो हणवंत
कहै छै: हमै हणवंत कह्यो हालो श्रीरामचंद्रजीनु वधाइ
देवां: सो बांदरा घणी भूषाकाकुल ... जावे छै: नै कठै धान
रै नेडा आया: तरै सुग्रीवरी बाडीआइ: सो बाडीमांहे फल
फ़ूल जमीछाछै रसराघणा ... भरीयांछै: तरै बांदरा कहै
... गदहि ... भूषाछो ...
... थककेंतोम्हे फल ...
लषावो: बाडीमांहे सरब ...
घसतांछै: तरै अंगद कह्यो ...
यां ह्वरीमनबांछा ! ... वेसा ...
... दीयांबो: हीलमती करो ...
तरै बांदरां भूषा थकां बाडी ...
मै आया सो फलजक ... तरे सबा वेछै मैं बेठा ... हसै छै: ...

तितरै बाडीरो रषवाळो सुग्रीवरो मांमो छै सो बाडीरषवाळानु आ
यो: आयनै बांदरानु मारणलागो: तरै अंगदनु रीस आई: सो मुकी
यां मारनै परो काढीयो: तरै सुग्रीवकनै जायनै पुकारीयो: तरै सुग्री
व कह्यो तो नु किण मारीयो: तरै कह्यो अंगदजी नै हणवंतजी मारीयो
नै जो जांहा बांदरा घणा छै: सो बाडीमे बेगा छै: सो फल फूल सरब षा
धा: रमधोसं सरब पीधा: नै बेगा कि लकीया करे छै: तरै सुग्रीव क
ह्यो: म्हारी बाडीमे बिगाड कीयो छै: नै भूमीध्यकां बैठा छै तो जा
णीजै छै सीताजीरी षबर लेआया छै: तरै सुग्रीव कहै विसकीयो तो
न थको इनही: हमै सुग्रीवने मारे साथ श्रीरामचंदजीकनै बेगा छै: त
रै श्रीरामचंद्रजी पूछीयो: सुग्रीव थारो सालो तो नु कांइ कहै छै:
तरै सुग्रीव कहै: महाराज ओ कहै छै: अंगदनै हणवंत आया छै सो
बाडीमे बैठा फल षावे छै: तरै श्रीरामचंदजी कह्यो सुग्रीव तू हण
वंतनु कहि: जो हमै फल षायनै बेगा आवो: तरै बाडीरे रषवाळेनु पाछै
जायनै अंगदनु कह्यो राजथांहनु श्रीरामचंद्रजीने सुग्रीव तेडै छै:
यो फल षाय धापनै बेगा आवो: तरै सारा ही साथ श्रीरामचंदजी क
ने आवे छै: सो बिचमे तो श्रीरामचंदजी बिराजीया छै: जीमणे कानै ल
षमणजी बेठा छै: नै डावे कानै सुग्रीव बैठो छै: तरै हणवंत अंगद
जांबवांन नळ नील सरब आयनै पगे लागा: लषमणजीसुं मिलीया
सुग्रीवसुं मिलीया: नै हणवंत नै सीताजीरा समाचार कहै छै: नै
कहै छै राज मो सुं कांम कीयो छो तै सीताजीसुं एकंत मिले: सो इं
एकंत मिलीया: नै राज रे हाथरी मुद्रडी थी सू सीताजीनु दीनी: नै म्हे च
जनां थकां माताजीकनै सहनांणी मांगी तरै माताजी माथारा केसांमां
हिसूं काढनै मिण कारा षड़ी दी वी छै: तरै श्रीरामचंदजी कह्यो: हण
वंत तो लेका सुं व धाइदेवां ओन जनै संगोट ब मोत से: तरै हणवंत
कह्यो अजी माहाराज सीताजी कह्यो छै हमै आप बेगा पधारजे
सो हमै राज ढील मत करो जो ढीजमे दुरत करो छै: तरै हणवंतजी ज
सामत सरब बांदरानु नेला करनै हालीया: सो बांवरा इतरा छै तिण
आगे भर नीदी मनरो छै: श्रीरामचंदजी लषमणजी बांदरारी सेन्या लेनै
लंका उपर चढीया छै: सो बांदरा केइ आगे केइ पाछै: केइ जीमणे

पाषती कोइ नावी पाषती इण भांत थका चालीया जायै छै ने श्रीरा
मचंदजी सुग्रीव इण नुं बांदरां बारी बारी बाहण रा वैछै ने क्षितराय
सुं बांदरा सेषां उपर बुहाया छै छै : इण भांत सं आय ने समुद्र माथै
डेरा कीया : तरै श्रीरामचंदजी कहै जो समुद्र लछमण वेत तो समुद्र कुं
कर कुदीया ने श्रीरामचंदजी कहै छै श्रो समुद्र तिरणो छै नेरा वुध
णनुं मारणो छै ने साथ तो श्रो बांदरां री छै छै : सो श्रो काम कुं कर दो
सी : तरै सगला बांदरा बेठा छै ने श्रीरामचंदजी रा हाथ में एक फल
छै सो उबो बगलीयो : तरै बांदरा दिसा दिसी दोड ने मादी मादी घुर
का करण लागा : सो केइ समंद में पेस ने घुरका करै केइ सं षांडप
र चढ ने घुरका करै : तरै श्रीरामचंदजी कहै : छै इसरा बक बक बां
दरा झीवे छै : सो एक अणफल में कारै बासी : माहि माहि घुरका क
र रहा छै ने श्रो सीता रो काम श्राय जागो छै : तरै लछमण थै तकहो म्हा
राजश्री बांदरां री समाव किण कीयो छै : सर ब करण हार तो राज थ
ही ज छै : राज समाव कीयो छै सो श्रे श्रा परी समाव करै छै : श्रा जंत्र
बक बी छै : ने राजरा हाथ इण रे बाम रै छै तो समंद किं तरी क मा
न छै : राज इतरी सचिंता इ का रो करै छो : राज कुं कभ करो तो स
सब सन्या ने चांधे चारे ने जतारं : राज कुरमावो तो व्हाथ में बेसांण
ने उतारं : तरै श्रीरामचंदजी कह्यो : लछमण वे लछण बात रा थारो क
ह्यो के हणो : तु इसडो ही ज सावत छै : हमै श्रीरामचंदजी पधारी
यां पछ वरां यण नु कइ : तरै सो वघणो कुं बा : जो एक बांदरो श्रायो
थो तिण लंका मांहे इतरा थोक कीया थ्या : ने श्रीरामचंदजी तो इत
रा बांदरा लेने श्राया छै सो किं वी करसी : हमै इण बात रा मन में दीज
सो वघणो करै छै : पिण बोर को इ जांणे नहीं : तरै रावण सगला दीप
र धान ने लाकीया : ने कुंभकरण नु वीजगा सब श्राण यीयो छै : इंद्रजी
त श्राय बेगो छै : तरै रावण कह्यो कुंभकरण जी : रामचंदरा जा द
सरथ रो बेटो छै : सो इण नु बाप परो काढीयो छै : ने पांचवटी गोदाव
री रि उपकंठ रै हतो सो म्हें इणरी बैर सीता नुं परी श्राणी छै : सो म्है

४६

[illegible]

...उणरीबाहररांमचंदआयोछैःसोह... मिकाकंकरणो
तैरे... कण ओळीयोःरावणजीथकांभीकीवीथोदेनेसीता
...नेआणणीनथीःनेआणीछैतोहेमेपरीदेवोःनहीतो
बुरीमोपनसीःइणरीकेहेनकुंपरणअबोलेदायबैगःतित
...रैवभीषणआयोःरामजीमुकरनेबैगःनेवनी
षणश्रीरांमचंदजीरोमिजमानछैःसोभनीषणरांवण
नुकहेछेःरांवणजीथेसीताजीनेंआणीछैसोथेबुरोकां
मकीयोःलंकारोभेदतोरोमजमानछैःराजलंकाघररेआरणांसु
कांयगमावोछोःम्हारोकयोकरोतोसीताजीनुलेनेश्रीरांमचंदजी
रेपगेजागोःसरणेगयांनेश्रीरांमचंदजीमारेकाइनहीःइतरोभनी
षणकयोतरेरांवणबलनेमसकीवोःनेकेहणलागोःथेम्हांनु
भनीषणसीषदेणनेआयोछःजोतुंबीहेछेतोतुंहीरांमचंदकने
जाःरांमचंदमिनषकितरीकमातछैःतरेभनीषणजांणीयोःरांव
णरीसांथोछैसामोतुंमारसीःतरेउठनेबारेआयोःनेउठेथोआ
कासनेजोयनेआकासमधूंहालीयोःवजेरागतेरोअ
कोभनीषणकहेछेःम्हेतोनुंरुडोकहोथाःरांव
णसमझःतुंम्हारोबडोभाइछैसोपितारीठोडछैःसीत
ताजीनुलेजायनेश्रीरांमचंदजीरेपगेलागःज्युंथारो
नलोकवैःनेहतरोदेतनेराकसतोआगेबैठाछेःसोथेंतो
सुंकुमतरादेणवारछैःमेकयोतुंम्हारोकयोन
हीकरेछैतोम्हेतोश्रीरांमचंदजीकनेजावांछांःइतरोकेहने
भनीषणआकासमारगचालीयोःनेआयनेश्रीरांमचंदजीरीसे

४१

नाअपरभोलीयोःश्रीरांमचंदजीकनेआयनेसरणेआयोछुं.कोरांव
णरोभाइछुंःनेभनीषणम्हारोनांवछैःनेम्हेकयोरांवणनेसीताजी
नुलेनेश्रीरांमचंदजीरेपगेलागःसरणेआयांनेश्रीरांमचंदजीमारेक
इनहीःतरेरांवणमोनेमारणदोडीयोःतरेआन्हासनेराजसरणेआ
योछुंःतरेसुग्रीवकहेःमाहाराजइणसदामेहजरमतीबुजावोःदेत
पछैनेकपटकरनेआयोछैःसोम्हांकिणहीबांदरानेमारजासीःत
रेश्रीरांमचंदजीमुनकीयाःनेकयोसुग्रीवःआंपेइमडांमडोलहां
तोजेकाकुंणकरलसांःओआयोछैसोइणनेंनुबोबुलावोःनेपगेलेम
ओःसोभनीषणरेसाथछ्यारपरधांनबलेंबैनेपांचमोआपछैःतरेसु
ग्रीवआयनेकयोःआवभनीषणतोनेश्रीरांमचंदजीबुलावेछैःतरे
भनीषणआकासमहेनीचोउतरीयोःआयनेश्रीरांमचंदजीरेपगेला
गोःघणामनोमनकीयानेहाथजोडनेअसततकरेछैःआजम्हारो
धनभागमारोभागछैसोराजरेचरणांरोमोनेदरसणहुवोःनेयांच
रणांरीआंमनाबुंबमारूजइइकरेछैःसोउणांनुंहीअवरणदुरलभ
छैःनेमेपणीकसदीयांचरणांरोदरसणकीयोःइणांचरणांसुंज
टायउधरीयोःइणांचरणांसुंसोतीजीअणीपारगतकइःनेइणांच
रणांरोइंनिरंतरध्यांनराषेतोथोमेमेआजदरसणपायोःतरेश्रीरां
मचंदजीआपरोजगतजाणनेकयोःआवलंकेसरीभनीषणलं
काथारीछैःनेश्रीरांमचंदजीकयोलछमणभंसीलावःज्युंभनीष
णनुंलंकारोटीकोदेवांःतरेलछमणजीपांणीआणीयोनेश्रीरांमचं
दजीभनीषणनुंलंकारोटीकोदीयोःनेश्रीरांमचंदजीकयोम्हतो
नुंलंकादीवीछैःजवांताइआधरतीछैतवातांइतुंराजकरःहेमभ
नीषणलंकामेहीकोलेनेदरबारबैसणनुंआयोःतरेसुग्रीवकहेः
आपेभनीषणसुंआपेमिजांःआपेपकणाधणीराभाकरजावांःतरे
उणमेमिलीयाःमेबेरांवणपक्डेतसुकादिककेछेतिणांनुमेलीयोःश्री
रांमचंदरालसककसीषबरलेआवोःतरेसुकादिकआकासरेमारग
होयनेआयनेजोलीयोःनेसुग्रीवतोनुंयांमाफकबोलेःतुंमाहरोभा

ड्छै: नेम्हे थारो कुंदही बिगाडीयो उजाड्यो यो मह्यो छै: तरे थारे घरे
जायने बेटा राज करः जो थारो कह्यो ही बिगाड करूं नही थारो कह्यो
ही नैं पलिजे नही नै म्हे तो रांमचंद्रजीरा कह्या छै थारो तो कुं ही
बिगाडीयो नथी नै आपणै तो सदाइ सुख छै: तुं पेरा जाः इमे अ
विवेक मे का कीरे छै: नै तुं नहीं गयो तोः पछे म्हे तो न्हे मारस्यां: सो तुं
पार की वेद मे कुंमरे छै: इतरो सुक्रादिक कह्याः तितरे बांदरां दि
सा दिस आकास मे तुं दीठो दीयाः सो सुक्रादिक केतनु घणा वण जागाः
तरे वैतनु कुंक वा करण लागाः श्रीरा मचंद्रजी थां न्हरा बांदरां मा
नु मारिछै: सो राज इणांनुं बरजोः तरे श्रीरामचंद्रजी कह्योः इणांनुं मार
रो मती पकडने छोरा आंणोः तरे दिततनुं बांधने ले आयाः तरे सुग्रीव
कह्यो इणनुं परो मारोः तरे इणवेंतक हे विचाले फिरे तिण
नु मारणो न कह्यो छै नै इण नुंके पकडने राख्योः तरे बेटी पाने दरा
वीया पछै मे श्रीरामचंद्रजी कहे: समुंद्र आजे स तो इ पग लागणनुं
आयो नहीं नै म्हां सुं अरो आयो नै इतरा दिन हुवा छै: सो समुद्र रा
नै म्हे पिणगर्वीलो छै: नै जं कारा री व ण राक्स मे पिण मिलीयो छैः
तरे श्रीरामचंद्रजी कहे लक्षमण तुं मांहरो धनषवे रौ ज्युं समुंद्र नुं
मारुंः तरे धनष हाथ मे लीयोः सो च्हडायो नहीं नै निजर सु हीज बां
की निजर करने जोयोः सो समुंद्र रो पांणी सर वह्यो चलीयोः नै म
छिआ जीव सरब तहफडाट करे छै: नै समुंद्र मरतो थकौ मरांसु
पांच कोस अलगो पाछो गयोः नै समुंद्र मे केइ मगरमछ छै: केइ
कमछला छै: केइ गोह छै: अनेक जिनावर छै सो सरव तडफ
डाट कर रह्या छै: नै समुंद्र आदमी रो रूप करने नल बांदरो छै
तिण सुं आय नै मिलीयोः आय नै कह्यो नल के थारे गोद आ
यो बुः सो तुं मो नुं श्रीरामचंद्रजीरे पगे लगावः तरे नल आय ने सम
द्र नुं श्रीरामचंद्रजीरे पगे लगायोः समुंद्र घणा हीरा रतन जे
ने आपरी बेटीनुं लेने आ या पगे लागोः तरे श्रीरामचंद्रजी:
कह्योः नल आो इतरो मे हे कुं आयाः म्हे इण कुंमारस्याः तरे स

४९

सुग्रीव इण वेतम जनीज अजेक पर्जा बंध मकोइ नेवालोयने
वीनती कीवीः नै समरुत नकारी महाराज श्री आपांनी केइ णांनुं इ
मांन कोइ न छै: पांणी जलापवन जवा अजेद छै सो इणां मे म्हां मे नस
छै: नै राज हीज उपायो छै: नै राजरो दीयो हीज छे अणीमपणो पांमे छै
तरे श्रीरामचंद्रजी कह्योः म्हे धनष मे गायन सुं कहांसु कह्यो सार म मां
सो मां हरा कह्या मिथ्या न हुवे: अ कहो जठै ही बांण वाहां: तरे स
म कह्योः जे महाराज मो मां हक सट जिनावर घणा रहे छै नै मो नुं दुःप
घणा दे वे छै सो उणांनुं मारो तरे श्रीरामचंद्रजी बांण वाह्याः तिण सुं म
रु मांहे घणा [illegible] नजिनावर हसट आत्यां नुं सांगहीनुं मार
ने बांण पाछो आयोः नै समुद्र अरज कीवीः जे आप हुकम करो तो मा
रग देवुं: नै राजरी आगपा हाथ तां मांउ पर पाज बांधोः सो राजेर विचा
र मे आवे सुं करो: नै पाज बांधो मालो मांउ जे रोआ क्रमसे मा हजो णसी नेन
ल बांदरा छै सो विस्वकरमा रो पुत्र छै सो नल पाज बांधजांणे छै: तरे श्रीरां
मचंद्रजी कह्योः रुडो म्हे पाज बांधावस्याः इमे समुंद्र मो आपरे ठीका
गयोः नै बांदरा दिसा दिसी दोडीया सो भारा पूरब तरु पाड वपादने
ले आया नै परबत उपर रांम रो नांव लिख लिखने समुंद्र मे नांपे छै: सो प
रबत उपर श्रीराम रो नांव छै सो तिरे छै: विगर नांव पाग परा हुबे छै: इ
ण विमकरु पारवे तनल पाज बांधी: सो पाज बांधतां दिन पांच लागाः नै
पाज अपार सांको सत तो सो बीनैप करी सो मोकला वाडी छै: इमे बांदरा रा म
रव साथ उतरीयाः सो समुंद्र रे पेले पार जाय ने भी डेरा कीया छै: नै भ
कादिक कटे तन पकडीयो थो सो परो छोडीयोः सो सुक्रादिक दूतां आय
ने रावणनुं कह्योः रावण तुं सीताजी नुं ले जायने श्रीरामचंद्रजीरे प
गे लाग: नै तुं जांणे छै श्रीरामचंद्रजी मिनप छै सो मिनष नहीं छै श्रीरा
मचंद्रजी साक्षात श्रीनारायण छै नै श्रीरामचंद्रजीसुं समुंद्र मिलीयो
तिका सरब बात कही नै वलेक ह्योरिरावण थे म्हारो कह्यो कर: तुं
जायने श्रीरामचंद्रसुं मिल: जे तुं कोने राछस जीवता राघण मतै छै
तो थे म्हारो कह्यो कर: पछे हीके हसी मानुं किण ही कह्यो नही त
रे रावण री सभा मे अनेक कह्यो [illegible] सुक्रादिक तो म्हानुं सीप दे छै: सो म्हुं

म्हांपेम्बाकुरबेः कनम्हारोगुरखेः सोतोउपेरी सतोइमही
अंथेछेः अनेमारनेटूकडाटूकडाकरूं पिणमारीखाकुरीघ
णीकीधीबेः तिणसंमुदरतीकरूंः तरेसुक्रादिक मरनेडेम
यारीहुवोः इमेएकदिनेरे समेरातरेरावणआपरे मेहजोउप
रबेंठोबेः पाषतीह्रमाबमाबअधारी राकस बेठांबेः नेक्राजोच
करेबेः नेकहेबेजकासंक्ररसां;रांम
वंदसमंदमेपाजबांधनेअलीकांनी आयोबेः
सावासंक्ररसांः लहसांकनामेलक्ररसां
सांबुबेगवाबातांकरेबेः नेअठेश्रीरामचंद जीविराजीयाबे
सोरावणनुंदेषेबेः नेकहोलषमणम्हांरेः अनपजरोदजं
लंकादसोमाः थांरोरावणबेगो बेसारांव
णनेबाएकरां तरेलषमणजीधनसंमेतीरांरो मा थोसांणनेश्री
रामचंदजीरामुंदढाक नेमजीयोः तरेआथमांदेस
एकचंडबांणकाढीनेबाहेयोः तिणरावणरेमाथेमुकटबेता
तिणकसेः आथामेटिगयहीयाः नेचंडबांणश्रीरामचंडजी
कनपाबोआयोः तरेरावणहरीयोबेकहोदिषोबोबांणकथ
सूंआयोः मुकटनेबत्रपाडनेबलिपाबोआयो
गयोः इतरोकहेनेरावणहरनेबेठोजायनेघरमेपेसगयोः ने
बीमाडीसकसबवाघातिकेउठनेआपआपरे घरेगयाः इमे
परनातकाथोः रावणआः थमेखरबारबेगे नेसाबसग
लोहीआयनेनेजोडबेठेः

४९

तरेरावणरेनानोमोकरोयोः रावणनुंआयनेकहेबेः रावणम्हे
रातेसपनोदीठोः सोजांणीजेश्रीरामचंदजीलेकामाहि आयाबेः नजी
कहेबेसेबांदरारोकसांनुंमीबें सागजीलजमीराकसमुआपडी
यांदेनेबांदरारीसेनाइमागेसरडदीदीसेबेः हमखाविरतंतदीठोबे
सोखें मराराकसांनुंकोयमरावेबे थारेतो जुगायाधणीबेः तरेराव
णबोल्यीयोः कांबहुकीवां इये ह्रबोल वांसामरणमरेबेतातेदी
जायनेरामचंदसंमिलः आधांसतापेरानवक नामासहु तरेमाकेरा
मरतीमसमायाः इमेरावणरीरांणीमंदोदरी पिणसपनोदीठोबेरोव
णनुंकहेबेः सुंदणसीतानेबालोदेसां लंकारोभागकसांरोषकर
णनेसांमलोबेः दूणसूंथांहरोनासक्रसीः केसीताने लेजायनेश्रीरा
मचंदजीरेपगलागोः तेजवांसंदेशमतीकरः नेम्हारोकह्योकरः त
रेरावणबोलीयोः मंदोदरीतेबीहमतीएकरसं म्हाराहाथदसजः
रामचंदमाअगेकितरीकमातबेः म्हारे कुंभकरणसरीषाभाइजा
गेतोडुखमारीसारीसीमटषायजावे नइतरावनमहारसाथबेः सा
रामचंदमिनषनेबांदराकितरीमातबेः मंदोदरी तुं डरमती इसतीरा
बेः इतरामचंदरथाय नेलंकापरबमकीयाः तेदेनोनेबांदरांजटा
इकीवीः सांबेतानेबांदरांमारबेः नेदतघणामारीयापडीयाबेः नेबां
दरांरोसाथसरबसाथनेबः तरेरावणकुंमनेकारमाइजेराकसघण
मारीयाः तरेमेघजीनघरमांहेसंबोरआयानेअंतरिषहोयनेराकसमा
याकरनेइंडमसबनआयाः नेइमहीनीरांरीमारदीनीसंबांदराघणा
मारीयानेबांदरांरोजोरकोइजांगनहीः नेतीरांरीबिरषाहोयबेः नेइंड
जीतदीसनहीबेः तरेश्रीरामचंदजीनुंघबरकइः तरेश्रीरामचंदजीकहे
म्हारीथनषनेबाणलरांदजेंः इंडजीतनेमारूंः इतरेइंडजीतसांनजी
योतरेम्हासनेघरमेजायपेगोः नेश्रीरामचंदजीबांदरांरेजपरपधारीः
याःसोदिषेतोबांदरापडीबेः नेइंडजीतरादाथराबांणलेगाबेसा
करशडेबेः तरेबांदरांनेदेषनेश्रीरामचंदजीनेंदयाआइः तेरेनिजर
भरनेअमीरीदिष्टजोयीः सोसारादीबांदरसबउठबेठाहुयाः जांणीजे
कदिहीदुणांरेकुंबीलागोनहीः नेश्रीरामचंडजीडेरेपधारीयाः तेरा

वणनुं चत्रयो हररात नी दमडी आई: जे बांदरां राक
सघणा मारीया: ने बांदरां नुं मारीया आमो सारा ही जरह नाज बा:
सारां वणने फचिमा इसुं रात नीद न ही आइ: हमे पर भात हु
वो तेरे रांवण रो परधांन मदोधर छे तिणरे मेरे रांवण आयो: नेम
हो धरने कह्यो मदो धरमो नुं रामचंद्र री विषाय: तेरे परधान
मदोधर कहे छे: दे बांरां वणजी तेरे रामचंदजी पोहीया छे ने
समणजी पाछ ती बेठा छे: ने श्री रामचंदजी वनी धणेरा लामां दे
बांद घाजी छे ने आते [illegible] छे: तेरे श्रीरामचंदजीनुं देख ने रांवण
आपेरे घरे आमो: हमे रामचंदजी अंगदनुं रांवण कने म
जीयो: ने कह्यो: अंगद तुं जायने रांवण नें कहे: जो सीतानुं जे
तुं म्हांरे पगां आव: म्हे तो मेरां तो नाग मसा: तेरे अंगद रांवण क
ने आव तो थो सो अंगद मनुं आवतो देष ने रांवण कहे छे: इण बांद
राने कोइ मुं हदे मती लगावजो: तेरे बीजां हीरा कसां मरवरां व
णरो रूप कीयो ने एक सभी चीध्या जअपर बिठो व णा करने बे
ठा: मे रांवणरी कफ घर बर पडे न ही: ने सारा ही प्रणाम करने बेग
ठा: तेरे अंगद री सकर ने चीध्यालरे लात बाही: सो चीध्या जकुं न
रेरो चाकां परे ज्युं फिरण लागी: तेरे बीजां राकसां रांवणरो रू
प कीयो थो सो पलें गया: ने राकस दीसण लागा: ने सारा ही रा
मुंह दा अंगद रे सांह मा होय गया: तेरे अंगद बोलीयो: इतरा रां
वण मे कहुं दही मां न जीया न ही: मे तो तीन रांवण सांभलीया था:
तेरे रांवण अंगद नें कह्यो: तीन रांवण किसा किसा: तेरे अंगद क
ह्यो: एक तो रांवण सहसा अरजन पकडी यो थो: ने सहसा अर
जनरी मा कहे: ओ बाल्हमण छे तुं छे माजीरा पोतरो छे: सो इण
नुं छोमसो तेरे धांनधा वस्युं: तेरे तो नुं से हसा अरजन छोडीयो
यो: ने एक रांवण म्हांरे बापें पकडी यो थो ने म्हांरे पालणे उपर
टेरी मेल्यो: सो हमें म्हांके खेलतो जातो: ने एक रावण पाताल मे
बल बजरा जारे गयो थो: तेरे बोहो मे दीयो थो सो बजरा जारी
गोलीयां नें नाच तो: ने गोलीयां माथा मां हे टाकरा रां देती: सो

५१

के तीन रांवण सांभलीया छे: ने इतरा रांवण मे कई हीसां भली
या न ही: तेरे रांवण कहे: अंगद राहु कुण छे: तेरे कह्यो: हुं बालीरा बे
टो अंगद छुं: जिणबालने तेने पकडीयो थो: तेरे रांवण बोलीयो: अरे
अंगद तुं कपुत जाया: थारे बापनुं तो रामचंद मारीयो थो सो सांह
मा ते तो थारा बापरो वेर काढयो नें ब न ही: अरु तें तो रामचंद रा चाक
र कहवा: सो अंगद तोष त्री र जपूत रो धरम न ही: तूं तो रांक छे: फिर तो नुं
तेरे अंगद कह्यो: रे म्हारा बापने तो मारीया सो म्हारा बाप तें सरी बो
णां नी भिगरु थो: सो आपणो नीभग रूरने श्री रामचंदजी म फांटण ह्वा
रछे: ने म्हारी माता म्हारा बापनुं घणो ही बरजीयो जे तुं जायने श्रीराम
चंदजीरे पगे लाग ज्युं थारो भलो व्हेवे: पिण म्हांरो बाप आपरा अहं
कार आगे पगे लागो न ही: तेरे उणनुं मारीया: तिण सुं हुं तो नहीं कहुं
छुं: सीताजीनुं साथे ले जायने श्रीरामचंदजीरे पगे लाग: ज्युं थारे
नु गुमदो बगसावे: तेरे रांवण रीसाय ने कह्यो: अगा संपरे राजा . अध
रमी थारो सुं दो दिष: थारा बापने उण ही ज मारीयो थो ने तुं
ही उणरो ही ज चाकर रह्यो छे: तेरे अंगद उगा सुं उठने रांवण आयो ने
आयने श्री रामचंदजीनें कह्यो: म्हारा राज मे तो रांवणनुं ही घणो ही
समजायो पिण अरथणी मूरष छे सो समजे न ही: हमें आवे रांवण म
मे जाणीयो: जो बांदरे पाछो गयो छे सो हमें रामचंदजी आव सी:
तेरे रांवण सापरा माथ ने लोकां कीयो: परधान मदोधर तुं कह्यो: तुं
जायने कुंभकरणनुं जगायने ले आव: तेरे परधान कुंभकरण नुं
जगावण नुं गयो: आगे कुंभकरणनुं अघोरी बरदान थो सो छ
तो छे: तेरे कुंभकरणनें जगावण लागो पिण जागे न ही: तेरे कुंभ
करणरे उपर हाथी टकीया: सो जांणे माछर लागा छे: ने मुदगरा
सुं ने घणां सुंमारे छे सो जांणे फूल बडी दे वे छे. तेरे कुंभकरण धूं
बो सामसी धीयो: तेरे हाथी घ्या सो सगला ही भाकरां सुं उणरा मे
पे मगया: ने पलडी क की वीतिण सुं पाणी मरीया: ने कुंभकर
णरी बहु बोली: जो थे जगावो वो छो तो आ जागे न ही: इणकां ने
तो राग रंग होवे तो जागे: तेरे अपछरां आं ने गंध्रफ णीयां बुलायने
राग करण लागा: तेरे कुंभकरण पसवाडो फेरीयो: ने घाल बाप
करतो छडीमो: ने कह्यो: थें मानें क्यां नीदमें जगायो: सो रांधी

थोथोसेतठैवहीजमरबषाअगयोःनेदारुगमारात्तरीयाथासेभ
रबपीधाःमोसगहिगजापादुडरमांननेलाकीयाथामोसमरबषा
योनेरांवणकनेआयोःआमनेजद्वारकीयोःनेरांबदाअवनेअगाद्ध
योःतरेरावणकहेछेःजाईरांमचंदआयाछेःसाजुधकरवेदेतग्र
णमारीयाछेःनेअदमेआगीयाछेःतरेकुंनकणाबोजयोःम्हें
थादनुजदहीअबरजीयाथाःथांहनेमीताआणीनथीनेआणी
हेतानुंभीकीवीःआरांमचंदजिनछनेछेःआश्रीपरमेस्वरजीहीज
छेःसाअजेमतनुजायनेमीतानुपरीदेनेपगेलागःनेरांवणसांजल
एकबातकहेतोम्हेकहंछुंःएकदिनकुंबदरीनारायजीरेपरबतां
उपरबेठोथाःतरेनेनारदजीआयनीसरीयाःतरेमेपूछीयोनारद
जीथेकठेगयाथाःतरेनारदजीमोनुंबातकहीःजोदेवतासरवेनेले
आयनेब्रह्माजीकनेआयाथाःतरेब्रह्माजीमारांहीदेवतां
नुंसाथलेनेश्रीठाकुरांकनेगयाथाःतरेथाहनुंनेथांदरावेटानुं
नेपछरातायांनश्रीजीनुंनेमरनेकबीलानेमारणरोमतोकीयोछे
तरेकुंश्रीठाकुरांकनेगयोथोःतरेमोनुंश्रीठाकुरांकस्योःनारदम्हे
मिनखअवतारलेनेदेवतांरोकसटकाटसांःतरेश्रीठाकुरांदेवतां
नेनेब्रह्माजीनुंकद्योःहमेथेजावोःसामोनुंनारदजीइसहीबात
कहीःमारांवणआरांमचंदमिनखनहीछेःश्रीतोसाख्यातश्रीनारा
यणहीजछेःतरेरांवणरीसखाणायनेकह्योःकुंभकरणजीथेबु
ल जायनेसूयरहोःमीताआणीछेसोम्हेमारेरमांटीपणारेस्तरी
सेआणीछेःम्हेंतोएकसेदेकिलासपरबतमाहादेवजीसहित
उपाडनेहाथमांहेनचायोथोःसोआहीकांमम्हेम्हारेभुजांरेपा
णकीयोछेःतरेकुंभकरणमनमेंबिचारीयोःजेदमनाकद्यानो
कांमनहीजवेःतरेरावणनुंकह्योःराजमांहरेरीजांरापराक्रम
दीषजोःरांमचंदनेबांदराबापडामोआगोकितरीकमातछेःहमा
रेकुंमगलोहीनुमारूंछुंःनेवलेकुंभकरणकहेछेःरावणजीजु
जांमणछेजुमरणछेःनेथांहरोलुणपांणीम्हारेपेटमेछेसोहुंम्हा
रीबलदीषजोःसारांहीनुंमारूंछुंःइतरामेपोरसकरनेकुंतेनकर

णजडीयेः नेरावणकह्यो ... कुंभकरण नोनुकं जाणुबेः नू
भमिजोधा. रछेः सोतो श्रीरामचंदने बांदरा किंतरीक मार
छेः नो मारीयो म्हारे नाइ तरे बजरी किंकुमीछेः रामचंदने बांद
राथारीबार छेः तरे कुंभकरण जुध्धकरणनु आवेछेः सो पोलमांहे
नीकलेनही: तरे एक पगमांपोल जरे एक पेरदीयो ने एक पग बारे
दीयोः नेगाजकरण लागोः कुंभकरणरे हाथमांहेलो दरे
मुदगर छेः सो बांदरा बीहण लागा नेकुंभ
करण बांदरारे मांहे मोआयो नेके
इकतो बांदरा मुदगरांसु मारीया:
केइक बांदरानु खायगयो नेघोर
बांदरांस ... बोक्ष नरे छे नेषायेछेः के
इक बांदरा कांन मांहे नाक मांहे घाले छेः ने
मुंढहा मांहि लो ही पडरहोछेः इसडो जुध थो
यरह्योछेः जितरे बांदरारो राजा सुग्रीव पक
डणी श्रीमे आयोः तरे सुग्रीव कुंभकरणरो नाक
नेकांन तोडने न्हास गयो

[illegible]

नेकुंभकरण जाणीयो हुमेकंनु मोदीसः युंविचारने कुंभकरण
पाछोवलीयोः नेवले विचारीयो जे हुमेके पाछो जायने किसो मुंढ
होदिषाउं: युं जाणने बले बांदरांनु मार तोषावतो पाछो आयो तित
रे बले सुग्रीवनु पकडीयोः सो श्री रामचंदजी दीठोः तरे श्री रामचंद
जी कुंभकरणनु ये इक बांण बाह्यो सो माहावी बाहु टुटपडी: नेबांण
पाणही लापडीयाः तरे सुग्रीव काषमांहि सुं नीसरने न्हाठो पछे
श्री रामचंदजी जीमणो हाथ पाडीयोः पछे दोय बांण फेर बाह्या
तिणसुं दोनुं ही पग पाडीयाः तरे श्री रामचंदजी एक बांण फेर बा
ह्योः तिणसुं माथा रीखोपरी उडलेने समंद सुं आसी कोस जीको
ली आयपडी: सो पोलरो दाकणो हुवो: पछे श्री रामचंदजी फेर
बांण बाह्यो सो कुंभकरणरी देह ही उडने समंदमांहे आयपडी:
तिणसुं समंदमांहे मांस आहारी जिनावरथा सो सरब धापीयाः
पछे कुंभकरण मारीयो सांभलीयोः तरे रावणहु लगीरघणो दुष
पायोः नेरात नेरावणनु नींद नही आइः हमे परभात हुवोः रावणद
लगीर घणो बेठो छे तिसइंद्रजीत आयोः आयने कह्योः बाद लगी
र कुंवे गो नेआपरा गरीनो बरछेः सो हमांपगां जायने मरसी तिणरी
सुध रसी: स्रुगंधरारी तो आपमाछे ने पित्री चरछेः राज सचिंता
इकिसी करोछोः म्हारा हाथ देषजो: म्हारो नाव इंद्रजीत छेः हम
रु रामचंदनु मारुंछु: इसतरे केहने इंद्रजीत राकसी माया करने
आकास जायने ससत्रांसु लडाइ कीनी: सो बांदरानु मारे छेः तित
रे इंद्रजीत री मदत रावण पिण आयोः सो रावण रथ बेगलन डेछे ने
रावणरे मुंढे हेकुण आवः नेश्री रामचंदजीरा मुंढहा आगे ता लष
मणजी छेः नेलछमणजीरा मुंढहा आगे बभीषण छेः नेरावणरे हा
थ मांहे लोहरी सांग छेः सो सांग नुं बरदान छेः सांगरी जिणरे ही
लागे सो मरेः तरे लषमणजी दीठो जे रावणरे हाथमें सांग छे सो
सांग बभीषणनु बाहसी ने बभीषण मरजासीः ने बभीषणनु
तो श्री रामचंदजी लंकारो टीको देने अमर कीयो छे नेआ सांग जि
णरे लागे सो ही मरेः संभु बाह्यो ही मिथ्या नही जावे छेः तरे बभीषणः

तुंपकडनेपाछोलीयोः नेलछीघरीजायमालछमणजीआगेछ
वाः जितरेहीरांवणरीसांगबांडइः सोसांगलछमणजीरेलागीःसे
लागतसवाहीजलछमणजीहेठापडीयाः सोहणवंतजीकनेनध
हीआः पछेलछमणजीनुंहेठापडीयादेषनेहणवंतदोडनेरां
वणनेमुकीवाहीः सोमुकीइसडीलागीः सोरांवणगोडांवांणोदो
यनेंवलमपडीयोः नेरांवणरेरजलागोनेरथसुंभाडभारीयाः नेरांव
णरेमुंहटामांहिसुंलोहीपडेछेः सोरांवणअचेतहोयगयोः पछेसा
वचेतहुवोतरेन्हासनेलंकामांहिपेसगयोः नेरांवणसुसीडहुवोः ३
नलछीलछमणजीनुंतोपाडीयोः पछेइंद्रजीतराकसीमायाकरनेः एक
रामचंदजीरोरूपबणायनेउणनुंपकडआणीयाः नेसीताजीकं
नेआयनेकहेछेः सीतादेषलछमणनुंतोम्हमारीयोछेः नेरामचंदनें
तुंपकडनेलायोछंः सोदेषआरामुंहटाआगेमारुंछुं इतरोकहने
श्रीरामचंदजीरोसरूपकीयोथोतिणमुंइंद्रजीतसीताजीदेषतांअ
टकोवाढीयोः सोकटकारसुंमाथोहेठोजायपडीयोः तरेसीताजीदे
षनेदुषकरेछेनेकहेछेः मोनुंतोरषेस्वरांरीआसीसछेः मारकंडजी
गोतमजीः नारदजीः अगस्तजीः बीजाहीरुषेस्वरांमोनुंने
आसीवाददीयोछेः सोउणांरेषेस्वरांराबचनमिथ्यानहीहुवेः नेइत
रोसीताजीनुंदिषायनेआपरेघरआयोः इतरेमेंअतरहणवंतलछमण
जीनुंउपाडनेश्रीरामचंदजीकनेआणीयाः सोलछमणजीअचेत
थकासुताछेनेश्रीरामचंदजीपासतीजनाडदेषकरेछेः सोश्रीराम
चंदजीकहेछेआजमोकनेनरथजीनहीः नरथहोयतोलछम
णकांयमरैः इतरोकेहेमधनषआणबधसरचढायदीयाः नेकहेछे
धनषआवधकिणउपरबांधुः तरेहणवंतकहेम्हाराजआवधम
रवकुंनाषोः मोदाकांतोकांमफासीसोफ्रकरसां जितरेरातपू
डीः तरेबनीषणमोरचोसंभआयोः सोलछमणजीनुंपडीयादेषने
कहेयोः जेम्हाराजरांवणरेएकवेदसषरोछेः तिणनुंतराबुलावो
तरेहणवंतनेश्रीरामचंदजीकहेछेहणवंतलंकामांहिसुंवेद
कुंभकरणआवसीनेरांवणसांजसतीवेदनुंआवणदेसीनहीः

नेजेकामांहे आयणासमलाछुसम ... एछै तरेहणवं
तजीजेकामांह्वेगया नेसाराहीघरजोया सो आगेदेषेतो
बेदआपरामाजीयामांहेढोलीयाउपरसूतोछै तरेहणवंतजी
ढोलीयासूधोउपाडनेश्रीरामचंद जीकनेलेचालीयो जितरेबेद
जागीयो ज्यूंदेषेतो श्रीरामचंदजी हणवं तजीसुग्रीवबनी
षणउभाछै नेबांदरासगलाहीउभाछै तरैबेदमनमेबीध
हणलागो मो नुंअठेकिणआणीयो नेकुं अठेकुंणकरआयो
हमेअेबांदरामानुंमारसी तरेश्रीरामचंदजीहि
लासादीवी नेकह्यो तुंबीहे
मती लछमणजीरेसांग
लागीछै तिणरोउपावतुंमांगेछै तिण
वासतेतोनुंअठे आणियोछै सोहमे
तेओषदबताय तोतनुं कुसलेघारेघ
रिपोहचतोकरसां तरेबेदकह्यो
द्रुणागिरपरबतछैतिणउपरजडीछै
सोउणजडीरापांनउपरदीवोजगेछै नेजेण
जडीरीनांवबिसल्याछै सोअबाजडीरात
थकांहीजआवेनेरात
रहीजलछमण जीरेउपरेफेरेतोसाजा
हुवे बेकह्यो सदिनउगेतो
जोषोछै तरेश्री रामचं दजीनुंसोचउपनो जोबेदकुंतो
घरेपोहचतोकरणो नेजडीआ णणी सोकुंण आणसी
तरेहणवंतनुंकह्यो तुंजायनेबेदनुं तोघरेपो हचाय
आव तरेहणवंतबेदनुंघो
हचायआयो तरेएककहे तरावणनुंकहेछै जेम्हाराज
लषमणजीरेसांगला गीछै सोआपणेआवा
सूंबेदनुंलेगयाथा सोबेपाछु णागिरपरबतउपरज
डीबताईछै सोरामचंदजीहण वंतनुंजडीरेवासतेद्रु

णागिरपरबतनुंबिदाकीयोछै सोआपबारावणनुंकाइ नेअध
देश्रीरामचंदजीहटलगरिखेजाछै तरेहणवंतकहे राजइकम
करोतोपातालमांहिसे आसमानांगरीमिणछैसे जेआछे नेफ्का क
मकरोतोचंदमामहमतछै सोचंदमानेपकडनेनीचोउतारूं राज
कहोतोसूरजनुंमणनदेउं जिकाइआतराजकहोसूकरुं तेश्री
रामचंदजीकह्यो हवेतसूरजउगमोबिनातोसिसटराजीहजिना
करसरबमर नेचंदमानेतुंबमसोसीजे तरेहणवंतबोलीयो कांध
कमकरोतोद्रुणागिरसूंजडीजेआउं तरेश्रीरामचंदजीकह्यो
तुंजा पिणदिनउगांपेहलाजडीआणजे नेजेकामसूसाढामातथ
लाषकोसद्रुणागिरपरबतछै तरेश्रीरामचंदजीरीआगयापायनेह
णवंतकुदीयोसुंचालीयाजायेछै तरेरावणनुंषबरथीजोहण
वंतद्रुणागिरपरबतगयोछै सूंद्रुणआतरीरावणनुंसचिंताईघ
णीहुइ जेहणवंतगयोछैसोजडीलावसी तोलषमणजीवस
तिणवासतेदिनउगेजितरेमारगबिचेकोइविघनकीजे तोआणम
केनहीं तरेयुंजाणनेरावणकालनेमराकसरेघरगयो तरेका
लनिमबीहणलागो जेआजम्हारेघरेरावणक्युंआयो नेकालनेम
हाथजोडीआगेआणनेउभोरह्यो नेकह्यो आजराजकिंतरेकाम
पधारीयाछो तरेरावणकह्योकालनेम हणवंतद्रुणागिरपरबत
गयोछैसोजडीलावसी सोतुंजायनेपाछेराकसीमायाकरनेराष
ज्युंदिनउगजावेनेहणवंतजडीआणसकेनहीं नेलषमणजीवन
हीं ज्युंआपणीफतेह्वे हमेतुंजा ढीलमतीकर तरेकालनेम
बोलीयो मारीबसावनोमिरगहोयनेगयोथोसोउणतोमजापा
छुंनेहमेमानुंमेजसोतोफकसजापावसूं तिणसूंफकराजनुं
केकुंबुंमोराजकरो सीतारामचंदनुंपरीदेनेतपगलागो नेनि
संसारबिरामरायानेतोबधीतेनाइनेमरायो नेबमाबमजोधार
रावणसपरधानमतीजकबीजोसो हमरायो सोहमेमानुंहीमा
रसी हमरेकाकुंकुंडोपषकरेछै तरेरावणरीमांणीहोयनेक
हे तुंनहींजासीतोकुंतानुंमारसूं तरेकालनेमबीहतेराषकाम

थो:सोरुषीमकालनेआगेजायनेराकसीमायामांगी:सोच्यारकोसं
मांहेबागकीयो:नेबागमांहेभांतभांतरारूषलगायाछे:आंबा:दा
डम:दाष:बिजोरा:केला:अनेकभांतभांतरारूषलगाया:नेका
लनिमआपबैठोरिषस्वररोरूपकरनेबैठोछे:नेमूंहढाआगेघणाचे
लाकीयाछे:सोकेइचेलानेवाकरणभणेछे:केइवेदभणेछे
केइकजोतमकिइटीकामणेछे:केइकचेलातपस्याकरैछे:सो
बागमांहेमूनणारीधूनलागरहीछे:नेआपरिषस्वरश्रीमाहादेव
जीरीपूजाकरैछे:नेकेसरचंदनपोहपचढावेछे:नेआपध्यानमां
हेबैठाछे:तितरैहणवंतजीआयनीसरीया:नेहणवंतजीकहे
मेआजसुधीतोआबाडीअठेकदेईदीठीनहीं:नेअठेरिषस्वर
रीपिणआश्रमअठदीसेछे:सोठीमेबेडुंमारगपातरीयाछुं:ओ
कासूजंदो:कंतोअठेसदाइनीसरतो:पिणआबाडीनेरिषस्वर
रो[illegible]तोकदेईदीठोनहीं:पिणनसाणकदारिषस्वररोदरसणभै
कारूं:तरैहणवंतजीबाडीमांहेआया:ज्यांदेषेतोरिषस्वरबैठाछे
श्रीमाहादेवजीरीपूजाकरैछे:तरैहणवंतजीहाथजोडनेकह्यो
छे:रिषस्वरजीडंडोतहणवंतछुं:नेश्रीरामचंदजीरोचाकरछुं:नेश्री
रामचंदजीलंकारावणसुंजुधकरैछे:नेलषमणजीरैसगतलागी
छैसोअचेतहुयापडीयाछे:सोहुंद्रोणागिरपरबतजाउंछुं:उंठे
विसल्यारूंकडीबुटीछेसोहुंजडीलेवणनेजाउंछुं:तरैरिषस्वर
कह्यो:हणवंतरामचंदजीतोसाख्यातश्रीपरमेस्वरजीछे:नेउ
णांरीआंपीयांमेदीजसुमीछेमेछे:सोश्रीरामचंदजीतरनिजर
नेजोयैछैतिणसुंलषमणजीसाजाहुवैछे:सोतेहमेजडीलेव
णजायनेकाइंकरसी:ओरिषस्वरत्रिकालदरसीछां:सोम्हांने
सोहरसुंजैछे:तूंद्रोणागिरजायछेतोभिमंकजा:पिणलषमण
जीतोसाजाहुवां:तरैहणवंतजीकह्यो:हुंतिरसीयाहुवोछुं:त
रैहणवंतनेरिषस्वरकमंडलमांहेपांणीथोसुंपायो:पिणहणवं
तजीधापीयानहीं:तरैहणवंतजीकह्यो:मोनुंपांणीतो[illegible]पा

[illegible] बोकतोआपीयोनहीः तरेहण
[illegible] बेतनुंरषेमरव्यूस्तोः हण
[illegible] वंतहेजाथनेघेदजी
[illegible] पांणीपीवः तरेहण
[illegible] वंतषेहजपरषांणीविलणुनंगयाः साम्रांधीयां
भीषनेपांणीपीवणलागोः साउणविदमांहेएकमगरमछीरहती
थी: सोहणवंतजीरोपगपकडनेषांचीयोः तरेहणवंतजी
आंधीयांबोहनेदीगेः तरेमगरमछीरीजानहीपकडनेउ
बेठनांषीः तरेमगरमछीमरनेउणहीजवे [illegible] लाअपछरायांई
[illegible] सो[illegible]वराहण
[illegible] वंतजीरीअ[illegible]
[illegible] तकरेत्ने तरे
[illegible] हणवंतजीकहे
[illegible] नेहकुंणछेः[illegible]
[illegible] मगरमछीक
[illegible] छेःमासं
[illegible] इडरोस
[illegible] रापछोः

५६

[illegible]कहिमरूं[illegible]अमित्रछोनाथतीथीः सोमेम्हारामीजैरोहमान
णोकीयोः तरेहणवंतजीमोनेकह्योः तथाराजीलरोअ[illegible]कारकीयो
छेतोतूमगरमछीहोइजः तरेमछीनतीकरनेहणवंतजीनुंकह्योः राज
मोनुंमराएनेतोदीयोछेपिणम्हारोहूटकोकदीहोसीः तरेमोनुंक
ह्योः थारोसराएनोमेटेतरसीः तरेश्रीरांमचंदजीनेलछमणजी
अवतारलेसीनेश्रीरांमचंदजीरांवणनुंमारणरेवासतेलंकापध
रसीःनेलछमणजीरेमंणलागसीः तरेहणवंतजडीलेवणरेवासते
द्रोणागिरपरबतआवसीः तरेतूंदरसणकरसीः तरेथारोसराप
उतरसीः तरेतूंदिव्यदेहीहोयनेअपछराहूसीः सोराजरेदरसण
सूंमेदेवदिव्यदेहीपाइनेहमकुंवदमलोकजाऊंहूंः नेवारवार
मगरमछीहणवंतजीरीअसतूतकरेछेः नेकहेछेः हणवंतजीआ
जम्हारोबडोभागः सोमेराजरोदरसणपायोः तिणसूंम्हारोमरा
पगयोः नेदिव्यदेहीपाइः नेपछेमगरमछीकहेछेः हणवंतजी श्री
रघुनाथनेः कालनेमराकससंछेः सोइणनुंरावणमेली
योछेः सोश्रीवेद्याथनेराकसीमायाकरनेबेठोछेः राजइणरोबेस
सनतीकरजोः तरेहणवंतजीकालनेमकनेआया: तरेरषसर
कहेः हणवंतजीपेहलाम्हाकूंआया: हमेआधेमावकेते
येमंत्रदेउंः तमोनुंगुरदिषणादेः तरेहणवंतजीकह्योथेगुरदि
षणाकाइंमांगोछोः अघाथांथा: हूंतनुंगुरदिषणादेउंः तरेह
णवंतजीमुंठीमीचनेरषसरमाथामांदेदीवीः तरेकालनेम
आपरोराकसरोरूपकीयोः नेहणवंतजीसूंलडणलागोः तरे
लडतांथकांहणवंतजीरोदावआयोः तरेएकमुकीहणवंतजी
फेरवाहीः तिणसूंकालनेममुवोः नेहणवंतजीआघाद्रोणागिर
परबतगयाः सोजडीरोवछकेतमजीयाथाः सोजवांदेताजिरा
जदथातांहूअपछरबदीवाहीदीयाकरदीनाछेः तरेहणवंत
[illegible]नेश्रीतोसगलांरूषांउपरदीवाछेनेमानुंतोकह्योथोः जुण
जडीउपर[illegible]छेः साश्रीतोमारेहीपरबतउपरदीवाछेः सोहमे

ज्यं किसो संघले जासे : यु विचारने हणवंतजी सारो द्रोणपरबत उपा
ड्ने लंकाजीयाः इमे श्रे वे अजोध्या मे लषमणजीरी मासुमीत्राजी
सुपनो आयो छै : जो लषमणजी सुता छै ने एक काली कागछै :
तिण लषमणजीरि माथे हाथ रीयो छै सो नीषाध छै : तरे सुमित्रा प
जी आयने भरथजी नूं कह्यो : जो इमारु अणगती हीज सती
सो मे श्रो सुपनो दीठो : तरे भरथजी गुरवसिष्टजीनुं बुलायो निसु
पनारी हकीकत कही : तरे गुरवसिष्टजी कह्यो : श्रीरामचंदजी
लंका पधारीया छै ने रावण सुं जुध करता होसी : सो लषमणजी
रे कुंच ही लागी होसी : सो आवो आंपे होम करां : तरे होमरी सांम
ग्री सरब लेने होम करणो मांडीयो : ने भरथजी कने धनष बा
ण पडीयो छै ने होम हो यर ह्यो छै : तितरे हणवंतजी द्रोणगि
र परबत लीयां अजोध्या उपर होयने जावे छै : तरे केइ देषने क
ह्यो : देषो टीवां समेत पाहड इ हे तलीयां जाय छै : सो ले जायने श्री
रामचंदजीरी सेना उपर नाषसी : तरे भरथजी बिण[?]चो जोयो
ने कह्यो : हवे देत जाय छै : तरे भरथजी कने धनष पडीयो थो सो
बाण चाढने मारीयो : सो बाण हणवंतजीरे गोडा मांहे लागो : त
रे हणवंत परबत समेत हेठो पडीयो : सो प डे तो थके श्रीराम
जीरो नाव लीयो : तरे हणवंतक ने भरथ … जी भे गुरवसिष्ट
जी दोइ ने म याः ने जांणीयो रामरो नाव लीयो : सो कोइक श्रीरा
मचंदजीरो चाकर दीसे छै : तरे भरथ … जी पुछीयो : रे तुं कुंण
छै : तरे कह्यो : हुं हणवंत पवनरो पुत्र अंजनीरो बेटो हुं : तरे
भरथजी कह्यो : तुं परबत कठे ले जाय छै : तरे हणवंत कह्यो : श्री
रामचंदजी लंका पधारीया छै ने रावण सुं लडाइ करता लषम
णजीरे सांग लागी छै : रावणरा हाथरी सांग लागी छै : सो ल
षमणजी चेतन छै : सो द्रोणगिर परबत उपर जडी बुटी छै
सो लेवण नेग यो थो : सो आंगे सारा ही रुंषां उपर दीवा छै : मे
नुं तो कह्यो थो एक जडी उपर ही जद दीवो छै : तरे मे जाणीयो सारे

५७

ही परबत उपाडने ले जाउं छुं : जडी तो श्री नलष्ट नही सो पाहड ले जा
यने समंद मे नाषसुं : सो कारषाडी बाही सी सो तो बुड जासी : ने जडी
रो टीबो दीसी जिको रेहसी : ने पाहड उपर दीवा रो चक सो आप रीस
या करने कीयो छै : सो उ पाहड ले आयो छुं : सो अबे तो बादा तिण
री म्हारे गोडा मांहे लागी : सो हमें उडाण सकुं नहीं : ने उवे तो प्रभा
त दिन उगां जावे तो : ने दिन उगां नाजावे तो वेमत जावे : दिन उगां ज
डी पोहती तो लषमणजी मरजासी : ने म्हारे तातीरी सागा छै सो इमे ध
को तो जाय सकुं नहीं : इमे थे जांणो ने श्रीरामचंदजी जांणे : तरे हण
वंत रे ठ परथर वसिष्टजी हाथ फेरीयो : तरे हणवंतरो गोडो ज्युं सो जा हो
वो : पिण हणवंत भरथजी रो पराक्रम देषे छे जो श्रीरामचंदजी के हु
ना था आज मांहे नाइ भरथ सरीषा छै तो लषमणजी को यमरे : सो देषुं
[illegible] भरथजीमे पराक्रम किसो होय कहे छै : तरे हणवंत कहे : म्हा सुं
तो उडा लीयो जावे नही : तरे भरथजी कहे : हणवंत तुं उरो आव परब
त समेत म्हारे तीररी भाल उपर बैस : ज्युं तो नुं श्रीरामचंदजी कने भेजु
तरे हणवंत परबत समेत तीररी भाल उपर बैठो : ने भरथजी धनष तां
णीयो : तरे हणवंतजी देषाव तर ने कहे : भरथजी राजाइ सहा हीज
छो : राजरे पराक्रम री कोइ पार नही : इमे को आफ इ परबत लेने ज
सुं : राजरो धनष इसमे ठो ही जछै : इतरे भरथजीनुं हणवंत के हे नरम्रम
ष लकीवा : ने भरथजी श्रीरामचंदजीनुं कुसल षेम अरदास पाछा रे के
ह बाडीया : तरे हणवंतजी उपाडे परबत लेने चालीया : सो इमे रा
तभी डेरडी ने उ आसोडी मण जाणे : तरे रामचंदजी दलगीर था क
ह तो छै : नेक हे छै : हणवंत अजेसूं तांइ आयो नहीं : ने रात तो इमे था
डी जे छै : पिण नहीं आयो ने छै जितरे आसतो छै : ने हणपदार था छै
सा ते फुसी : मिटे नहीं : तितरे समंदरे बीर हणवंतजी आवे छै : ने हण
वंतजी रा हाथ मांहे परबत छै ने परबत उपर दीवारी जगा जोत छै : श
सो सगला ही बांदरा के हे छै सुरज उगो छै : ने केइक हे छै हणवंत छै
सो केइ तांइ दीज हणवंतजी परबत आंण श्रीरामचंदजीरा मूंहडा
आगे मेलीयो : तरे श्रीरामचंदजी कहे : यांहमे विसल्या जडी किसी छै
तरे हणवंत परबत लेने समंद मे नाषीयो : तरे कारषादी वायां सार

[illegible]

बमिटगया: [illegible]
नेपकविस [illegible]
ल्याजहीरो [illegible]
दीवोथोमारहीः तरेउ [illegible]
वाजडीलेनेल बमणजी [illegible]
रेखपरफेरीः तरेजषमणजी [illegible]
नवबन्माङवाः नेबीजाहीः [illegible]
वांदरांनुपरफेरी सोमरब [illegible]
नवबेभाङवाः नेश्रीराम [illegible]
चंदजीलषमणजीनिछी [illegible]
थाः नेश्रीरामचंदजीहण [illegible]
वंतनुंकह्येछेः हणवंततेमास्यं [illegible]
नुपमारछ्णाकीयाछेः तेमोस [illegible]
डमहाउपरकीयाछेः सोश्राप [illegible] व्यारांकवि
साकिसालपगारगिणाछेः थांरेछ [illegible] पगारेरोमह्रीरे
माथेरिणछेः फ्हितेसंजमरांणान [illegible] कीवाः हमेरां
वणसंभनहीयोजेहणवंतकुणा [illegible] मिरपरमतही
जनपाडनेश्राणीयोछेः सोविस [illegible] ल्याजहीलषम
णजीरेउपरेफेरीसोलषमणजीसाजाङ्यवाः नेश्रोरहीवांदरा
मरबमबवनाङ्वाछेः सारांवणहलगीरहोमनेमुंदहोलुंनीकस

दीयो: जिनेरेइंदजीतश्रायो: आयेनेरांवणनुंकह्यो: राजहतरीमवि
ताइकांयकरोछो: कुंभकरणतोमांहमांपगांजायनेमुवोमोनोछ
वीयरहेछे: नेफांइंदजीतछुं: मोनेहोराजइतरीमचिंताइकांयकरो
छो: हमेंम्हाराहाथदेषजो: हमारारामचंदनुंमारसुं: मोकनेवमा
ननाजेश्रमेत्रछे: मोकनेअमीश्रमीसिधाइछे: मोकनेवंसफास: इंद
फास: नागफासमकिइछे: जराजरापुत्रहुंसोहमाकंमारुंचं: राजचिंता
मतीकरो: नेश्राजरोदिनथमाननुंश्रासो: ज्युंकुंतावनपरवतउपरमा
ताजीरोथांनछे: तिणमाताजीरिमांनुंवरहांनछे: मोनुंमाताजीकह्यो
छे: थारेकाइकांमङावेतेरतेमाकनेश्राये: ज्युंतोनुंरथवेसणनुंदेस्युं: नेम्हाराश्रावाधपिणतोनुंदेउं: तिणसूंतूंरथबैठोजुधकरजे: सो
जिनरोहीथारांवैरीछेजिनरारेथारोहाथरामसमत्रलागसीतेरेतव
तमरसी: सोकुंतावनपरवतउपरेवडरोरूंषछे: तिणरेमांहीमांहे
माताजीरहेछे: जेणपरवतरोमांवसोहीमाताजीरिहीनोयकुंनलौ
छे: सोकुंभलोचिदेछे: तेरइंदजीतपूजारीमांमगरीमारीहीशनीज
बसनमंगाङः राताहीवसत्रः रातोहीकुमलः रक्तचंदणः धूपदीपन
इवेदमुषवासमुडापण: बीजीहीमारीबसतहोमनेवाहीजेसो
मरबलेनेमाताजीरेथांनगयो: सोजायनेमाताजीरीपूजाकरेछे
होमबिधकरेछे: नेघणोधीरतेनेमवाहोमनेबलेश्रापरीदेहरो
मांसवाढवाढनेहोमेछे: इणतोंतमइंदजीतमाताजीरीपूजाकरेछे
तेरबनीषणश्रायनेहाथजोडनेश्रीरामचंदजीनुंकह्येः जेमाहाराजइंदजीतनेकुंभलाहदेवीरोवरहांनछेः सोइंदजीतजदिमाताजी
कनेपूजानेहोमकरैछेः सोमाताजीहिणनुंवरहांनदेसीः तेरेउंण
रथबेसनेमाताजीराश्रावधलेनेजुधकीयातोइंदजीतमरेकोइः
जीतसीनहीः नेइंदजीतमरसीनहीः नेइंदजीतनुंवरहांनछेः मांछं
णनुंलषमणजीमेरसीः सोराजलषमणजीनुंमेलोः नेकोंपिणसा
थश्रौवसंः तेरश्रीरामचंदजीकह्यो: लषमणकाइंकरसी: हाते
हैजायनेइंदजीतनुंमारसां: तेरबनीषणकह्येः राजतोपरमस्वर
छोसोराजरोकांमनहीः नेपिहसाइंदजीतरोमांजोरोतीनलोकमां

घणो थो: तरे इंद्रजीतनु हुमाजी सरापदीयो थो: सोतुं नेषमणी मारसी: सोराज लषमणजीनुं मेलो: तरे वलेश्री रामचंदजी कहे जि कु लषमणक रसी जिकुं इंद्र कर स्यां: सो मोहनु कोय ले जावा न ही: तरे बनीषणकहे: जेराजनबले बहेमाजी इंद्रजीतनुं कह्यो थो: इंद्रजीत तो नु जिको मारसी: तिणबारे बरसां तांइ अंनपांणी

फलफूल षाधा नहोय: नेबारे बरसतांइ फिरतो ही जरह्यो होय नेधरती हेठा बेठो नहोवे तिकोतोनुं मारसी: सोराजहुकहुं छुं: लष मणजीनु राजभलो: जपुं इंद्रजीतनुं मारे बेकहां सइंद्रजीतरह्यो वेस नेसमत्रसेना यातोनुं मोहे: तरे श्रीरामचंदजी कहे: लषमण अंम पांणी फलफूल षाधा नही नेधरती सुतो नही बेठो नही नेछुकाचा रसूं रहो छे सो बनीषण तुं जाणे छे: तरे बनीषणकहे राजकहे ही लषमणजीनु ही फलदी नाचीनाआवे छे: तरे श्रीरामचंदजी कहे लो बनीषण हेतो कहे ही फलदी नानदी: पिणलषमणआपरी नीजाइ कनेजे नेषा था दोसी: तरे बनीषणकहे: नाराजलषमणजी सोसष नागसेस्रवतारहे: नेराजतो साष्यात श्रीनारायण छो: आपां मदी मेहेसं सरबराजरी की वीहे: राजरीजमा सरबमां हिव्यापक छे: तरे श्रीरामचंदजी कहे बनीषणकुं सरबजाणहु: तेलषमणनुम यलेजा: नेहुपिणजा: नेहणवंत नेहीसाथेलेजावो: तरेतीहेहीण श्रीरामचंदजी रेपगेलागनेहालीया: सो आगेतो बनीषणजावा: ने पाछे लषमणजीजावा: तिणंपाछे हणवंतजीजावा: सो बनीषणजी जेनोमीयो थकोचालीयो जावे छे: सोकुंनाव नेभगयाः सोजेवष वड छे: तिणनीचे श्रीमाताजी रीथांनछे: तेठेजायनेउनारद्या: तेठेही परीवासयाइ: तरे बनीषणकहे श्रो ही वडरे हेठमांहि माताजी रीथांनछे: जठे होमकरावे छे: नेइंद्रजीत आपरी मासदा मेछे: सोहो ममांहि से आधो यकतो रथनी सरीयोछे: जितरे होमऊपरतीनुं जि सजायनेउनारद्या: नेइंद्रजीतहणांनुं दीठा: तरे हणवंत तत्ता हेमरो विधुंसकरनेहोमरो बासदे बुझा सो हाथ्यां सेभमसलनाषीयो: तरेइंद्र जीत बनीषणनुं आंमी सांदीठो: तरे इंद्रजीत बनीषणनुं कह्यो: फिट रेस्त्र नागीया: स्रेमगलाथारा कांमछे: ते इणांनुं स्रेवले आयोछे सो नं तोम्हारोकाको मोहतारी गेडछे सो तुं बारुवां उपर इणांनुं कांय लायो: नेम्हे होमरोविधूंसकांमकरायो: हुं तो बभो हरांमषोरछे: ते थ तोरावणरो घणो घायक थो नेसगो नाहथो: सोरावणरे कांमपडीयो तरे तुं जायनेबेरीयां सुंमिलीयो: फिटतोनुं: तेड्रमतेरो धणीछे: थायरे

सुंदर वेकुंण दीषे: जितरै लषमणजी … एकबांण …
इंद्रजीत नुं बाह्यो मोइंद …
जीत घडी दोयतांइ … !
मन्त्रवो पछे मावचेत होयने …
सात बांण लषमणजी …
रै लगाया दस बांणहं …
ण वतरै लगाया ने एक …
सो बांण वनीषणरै …
गाया मोत …
षमणजी घणा …
ही बांण बादे छै नेइंद्रजी … तपिण घणाही बांण बादे छै:
सामादामा … जमचरद्यो छै: नेइंद्रजीत बगतर पिंड
रीयो छो सो लषमण … जीरो बांण संधूर जाधूर जा …
होय गयो नेइंद्रजी … तरा पिण बांण लषमण …
जीरो बगतर भग गयो छै: मोटो … नेहीरै …
सारी यो … यर होछे नेलषमण बांण … बाद्यो तिणसुं इं
द्रजीत रा धनषरी … बाहनो … बी: तैरे इं
द्रजीत फेर धन … ठायने बांण बा
ण लागा तैरे लषमण … जी फेर बांण बाह्या
सुं इंद्रजीत रा धनष … भांगीयो नेइंद्र मेघ इं
द्रजीत मी लांही जन्मायर … दीयो: तैरे लषमणजी
श्रीरामचंद्रजी रा च … रणांरो ध्यान करने … चंड बांण बाह्यो ति
णसुं इंद्रजीत मुवो: नेदेवता … सरव साय ने श्रीरामचंद्रजी
री पोहपां री बिरषा कीवी देवतारा … बाजे बनाजीया: देवता सर
व प्रसीध वा: जितरै लषमणजी द्रण वीतव नीषण इंद्रजीत मुंमा
रने आय श्रीरामचंद्रजी रै पगेलागा: देवता सरव आय ने पगेलाग
गा: नेप्रसन तकरण लागा: सारे ही जेजेसबद होयर ह्यो छै: ह
रै वण नुं षबर कइ: जे इंद्रजीत नुं मारीयो: तैरै रावण नुं बो धा

हीं आयने ढीगो पडीयो: सो बहोदी यर हो पछीयो रह्या पछै रावण
मन विचारीयो: जे इंद्रजीत सीतारे वास्ते म्हारा सब परवाजा धा मरा
या: … नकरणसरी षो नाइमरायो म्हारो इंद्रजीत सरीषो बेटा मरा
… आही वण दितमराया: तो हमे सीतानुं ही परी मारुं नेकरका
… कटकरनो वधं ज्युं म्हारा मनवुजे: तैरे रावण षडग लेने सीता
… सीदी ही मी: सो सीताजी रा करमणीयां रे बिचमे वेगाध्या: मारा वण
नुं आवतो देषने सीताजी मरछावीया: जो अधरमी पापी छमटी आये
छै जितरै रावण रो सुपारषमां हमोमिलीयो: मारां वणनुं सुपारष करे
राज करे जावो छो: तैरे रावण कह्यो: कै सीता नुं मारण नुं जाइ छुं: हण
सीता रे वास्ते म्हारी बेटो नाइ नत्तीजा कबीला परधान सरव मरा
या: तिण वासते हमे हुं सीता नुं हपरी मारुं छुं: तैरे सुपारसे कह्यो: इ
णराज आ करी जिण में राजरे नाक कै छै: तुं तीन लोकरो धणी छै ते
नेवमा वमाजी सुं जुध कीयो: च वेद ओ करता कने हाथ जोड़ने
ऊनारह्या: सुद्रमा: इंद्र: चंद्रमा: नागदिवमम सतथा रैमिया करे: मो
तुं हमे सीता नुं मारने पवाडा घाटे: हमे तुं पाछो चाल ज्युं माथ मेलो
करां: नेरामचंद्र नुं मारो: तारा गाकि तरीक मारांम चंदरो: तैरे रावं
ण पाछो आय नेसिन्या मेली कीवी: सासेन्या लेने श्रीरामचंद्रजी ऊप
र आया: जायने जुध कीयो: सो श्रीरामचंद्रजी रावणरी सायमना
ओ ही मारीयो: नेरावणरे आ तमिए कबांण श्रीरामचंद्रजी रा हाथ
री लागी: नेरावण न्हासने घरमां छिपे गो: नेरावण मुं चिंता घणी हुइ
इ: तैरे रावण गुरस्त कर कने आयो: आयने गुरुरे पगे लागो: ने कह्यो
म्हारा गुरुजी: नेरामचंद्र कामा … काम करे छे: सो किण बा
तरी कोइ उपाय करो ज्युं म्हारी फत होवे: तैरे सुकर कह्यो एक अथ
र बांण मिन्त्र छै सुं इंतानुं देवं छुं: सो एकंत गोइ बीजा कोइ जांणे न
ही: तबे बैगा में अज पने होमकर: सो होमकरणी छै सो तोसुं आगी
भो जासी नेइं कंकत्रं बूजिण बिधस्रं मेवामि सटांन हो मसीता होवे
जा प्रमांहि सें एक रथ घोडांसुं जोतीसे सी: धनष बांण षडग आवधसा
था हो ममां विसें नीसरसी: सो इंण रथ बेसने आवध जालने वेढक

रमीनिम्यासीम्नेउसी॰ तरेरावणघरमेजायनेएकपातालमांहिछे
मीहामषिणी॰ नेहोमरीसरबसामगरीधामणांदेषाजी॰ नेकितरा
अमरापकसयापक्नेआपरछिद्र जरेवासनेराषीया॰ कितराय
कराकाममं कारीपोताचोकीतूराषीया॰ कितरायकराकसत्र
परेषेस्येषीसरापूरीया॰ नेसकोइराकसांनुकह्यो॰ अवेकिणी
वांदरानु आवणदेजोमती॰ जांवतोघणोरामजी॰ इसाभांनवे
जाबमांहेनेरावणपाछोमांहे षेमो॰ नेबांदरांनुं हरणपरएकबमी
वीयालदेनेचूंमान्सं बीडकाढीयोछे॰ सोकोइजांणेनहीं॰ अवे
होमकरेछे॰ हमेरावणमांहेंबेठोहोमकरेछे॰ सोहोमरोधुंवोप
कणावेजमांहिसंनीसरीयो॰ सोधुंवोबनीषणदीठो॰ जांणीयोअ
धुंवोतोहोमरोहीमेछे॰ तरेबभीषणरामचंदजीआगेहाथजोडने
कहेछे॰ जराजलंकामांहिसंहोमरोधुंवोनीसरेछेसोआपदेषो
सो॰ तरेश्रीरामचंदजीकहे॰ होमरीतोसबरकाइनहीं॰ नेधुंवोतोदी
सेछे॰ तरेबभीषणकहे॰ रावणहोमकरेछे॰ नेदेवतारोआराधन
करेछेनेअथरवणमित्ररोहोमकरेछे॰ सोजोओहोमपारपडी
योतोरावणमरसीनहीं॰ सोराजबांदरांनुंभेलनेहोमरोविधं
सकराडो॰ तरेश्रीरामचंदजी॰ ... रामचंदजीसुग्रीवनुंबुला
यो॰ नेइतरांजिणांनुंबिदाकीया॰ अंगदहणवंतसुग्रीवजा
मबीज॰ जांबवांन॰ यांपांचांजणांनुंबिदाकीया॰ नेदसनाष
बांदरांकणीरेसाथेदीया॰ नेयांनुंकह्यो॰ थेलंकामांहेजा
यनेजठेरावणहोमकरेछे॰ तठेजायनेहोमरोविधं
संकरजो॰ नेथांसुंआगेराकसआवेत्यांनुं
थेमारजो॰ तरेलंकाजायनेकोटकु
दनेलंकामांहेगया॰ नेपोलरारष
वाला राकसथास्यांसुंबांदरांमांहे ... नेबांदरा
राकसांसुंमारेछे॰ केइराकसांनुं ... पछाडेछे॰ जिकेइ
कोआवेछेतिणनुंमारेछे॰ यूंकरतांथकांरावणरेघरेआया॰ सो
घरारषवालांनुंमारने॰ घरमेआयनेघरसरबदेषीलीया॰ सोसव

रीजांयगाओहः॰ पिणकठेहीरावलाधोनहीं॰ आपेपाहरनेजो
यो॰ परनाअडेयोरावणनुंजोमआयरह्यापिणलाधोनहीं॰ तरेब
भीषणरीवहूरानारवसारभाडे॰ जेसरबभांतधेमेदीयी॰ तरेअंगदन
हणवंतनुं॰ भरमाः॰ आगलीसेसानीकरनेबतायो॰ जेरावणअठे
छे॰ तरेअंगदनेबीजाही बांदराधरतीजोवणलागा॰ नेअंगदकुद
यो॰ भोबाफरेआगीवीयालछीसं॰ नागगइ॰ तरेपाछहीमणलागी॰
तरेअंगदनेहणवंतमांहेपेठा॰ जठेआगेजायनेदेषेतोरावणबेठो
छे॰ तरेअंगदआगेआयनेबांदरांनुंहेलामारीयो॰ जेसाथीयांआय
चोवीरलाधोछे॰ तरेबांदरासरबदोडनेआया॰ आयनेमांहेपेठा
आगेमांहेरावणबेठोछेनेआंषीयांमींचनेध्यानकरेछे॰ तरेबांद
रांहोमसमस्तनेबकाटदीयो॰ नेहोमरीसामगरीथीसुं बिषेरनां
षी॰ नेरावणरेटलरायांवराकसथा त्यांहनेमारनांषीया॰ नेहोमरा
वाटणीथीतिणरीरावणरेमाथामांहेदेनेपरीनांषी॰ नेबांदरांव
णनुंमारेछे॰ नेदांतांसुं तोडेछेनेमथासुंफाडेछे॰ पिणरावणआं
षीयांउघाडेनहीं॰ नेध्यानपिणछोडेनहीं॰ तरेबांदराजायनेराव
णरीबहुमंदोवरीनुंचोटीपकडनेघीसनेरावणरामुंहआगे
नेआंणनांषी॰ नेमारणलागा॰ नेमंदोवरीरेपेहरणनेजद्धाकरीकांच
लीछीसुंअंगदफाडनांषी॰ नेछिणरकाचलीमंदोवरीअनीछे॰ नेरा
वणनुंकूकवाघणामारेछे॰ पिणरावणआंषीयांषोलेनहीं॰ तरे
बलेमंदोवरीरिगआमांहेहाथ्योसं॰ ताडनांषीयो॰ नेसरबगहणा
... हताडनांषीया॰ चूडीयांसेभांजनांषीया॰ तरेफेरमंदोव
... वाकीया॰ पिणरावणआंषषोलेनहीं॰ नेध्यानछोडेन
हीं॰ तरेबलेमंदोवरीरेपेहरणबसत्रथासोफाडनांषीया॰ हमे
मंदोवरीनगनथकीछे॰ नेबांदरामंदोवरीनेमारेछे॰ नेबे
हालकरेछे॰ तरेमंदोवरीआंछेकूकवाकरणलागी॰ नेकहेछे॰
आजमहारीइंद्रजीतबेटोनेकुंभकरणदेवरघेनहीं॰ तरेमोमेइ
साफीहापडेछे॰ सोअनीबिलापकरेछे॰ तरेनीभमेरावणआंष
उघाडी॰ नेजोयनेनरेमनजीयोनेनयंसंअंगदनुंषडगनाषी॰ त

रियो छसकुदमे षामेरे वारे आयां स्वरं सायआमेनेश्री
रांमचंदजीरेपगेलागा नेकह्यो राजम्हे रांवणरो होमवि
ध्वंसकीयो नेराकसांनुंमार्‌या नेमंदोदरीनुं बेहाल करेनेआ
याछां नेहमेअबेरांवणबेगो बेगोमंदोदरीनुंग्यां नदेवेछे
नेकहेछे मंदोदरी होण बैठा रजा मंदोदरसोछि ... प्रीते
मिटेनहीं तेरूपमतीकर नेदेषकेरांवणआदीजछै मेतो
नर्धमजीताध्यानेदेवतासरबरांकुंजवाया नेतीन लोकम्हा
राजमेमेथ्या सोआजम्हारोदिनफिरीयोछे तरेबांदसहीं
मारसुं जीतणलागा नेमंदोदरीनें तीनलोकरीधणीयांणीय
नेआजथारीवेटीपकड्हे मोहिषतांतोनुंमारे सोमंदोदरीनं
हमेरूपछिमाकरे आजआपणेदीदीव्हादोफिरीयोछे तरे
मंदोदरीबोली रांवणजीमेतोथांहनेपेहलाहीजबरजीया
थामीतांनेकायश्रंणी नेआणीछे । तोहमेपरीछेवो पिण
थांम्हाबरजीयालागानहीं नेपछे आतफेरथांहनेकहुंछुं
हमेथांम्हारोकह्योकरः हमेसीताजीनेपाछीपरीछेवो नेश्री
श्रीरांमचंदजीरेपगेलागो नेआपतपोवनजायनेतपस्या
करां नेलषीमणनेअंककरोंटीकोदेवे छेनेहिवणहोआ
पेतिनरेराजकीयोजितरोहीघणो : नेहमेआपेहाले
नगयांनेनजां मेश्रीश्रीरांमचंदजीमिनष नेछे श्रीपरमे
स्वरजीछे सोआप्रुहमाजीनेदेवतारीपारथीयेआयाछे
थेदेवतांनेदुषघणोदीयोथो तरेश्रीरांमचंददेवतांरीवाह
रआयोछे नेमंषासुरदैतथीयोसो वेदलेजायनेसमंदमेपेठो
हेतो तरेहरणरोमछचंदमिछरोरूपकरनेसमंदमेपेसनेसंषा
सुरनेमारनेवेदब्रह्माजीनेआणदीयोथो सोश्रीरांमचंददे
वतांरेबादरेछे नेश्रीरांमचंदजीछे जिणहि । रणाघेदत
सिधीजेमांवटमेसमेदमांहेनांषीनेआपपिणपातालमेपेठे
नेरवारादसरूपकरनेपातालमेंपेसनेपातालनुंफाडनेसिधीमे
आतलीपरमेलनेधरिआंणी सोरांवणजी श्रीरांमचंदजीरू

६२

यथिरथवसोछे नेबलेहिरणाकसंदेनथोसोउणनुंब्रह्मा
जीरोवरदांनथो जोअनेरानरेमेरेनहीं दिनरेमेरेनहीं आकासं
मेरेनहीं तरेहरणरांपचंद नरसिंघरूपकरनेमिजरांसमेप
कडनेगोदमेउपरसुंवांचनेनषसुंफाडनेमारीयो नेश्रीरामचंदजी
बलीघणनेअंकारोराजदवछे मांयांदेरहीजकुंजमेराजरेछे
सोश्रीबलीघणहीश्रीरांमचंदजीकनेगयोछे तरेजीवतारह्योछे
नेनहींगयोहोसोतोबलीघणहीमरतो हमेम्हाजोआपतातपा
वनजावो तरेरांवणबोलीयो मंदोदरीतेकहेछेसोसाहसावप
छेनेहुंजोपूछुं पिणआंनमहमे किसीतपस्याकरसं नेलोके
कनेकिसीहांसीकरावं नेलोककहसी डरारांवणकहेबाम
रायो बिटानाइनतीजासरनामरद्या नेहमेनपस्याकरणनुंह
लीयोछे सोआबानक्कनकसं नेजुंडजाणुंछुं श्रीरांमचंदजी
साक्षातश्रीनारायणछे सोकुंडणरीभ्रमतीलेआवसी नेमा
सुंआआवसी नेकुणासुंजुधकरस्युं नेआभानेमारसी ताडं
डरारोमारीयोपरमपदजावसुं सोहमेकुंश्रीरांमचंदजीसुंजुध
करनेमरस्युं नेबेकुंठजावसुं नेलोकायकमांहेहीम्हारोनलो
हासी नेमानुं श्रीरांमचंदजीरेहाथमोतजासी नपछे कुंडमंदे
मोमरकदजावसुं तपस्याकीयांतोकदेहीमिले नेहमारस्याथ
पार्थस्राथचंवहीजआयोछे नेमानुंमोरेनाकुंपरमपदजावसुं म्हे
थत्रीधां नेयश्रीरोसोधरमछे जोजुधमीवेलासांहमाजायने
जुधकरेतापावदेपाछेधसमेदजिम्पनेराजसीजिमपकीयो
सोकजदांव इंतरोकेहनेरावणकेमरवांधवगमनसेपेदरवे
यमेगयो धनवांनेमेनेबाणांरानाथांसरथनरीयो नेसमघा
रक्षवो साथेवमाबमाजोधाररावकसलेनेफौजघणीखणाथ
नेश्रीरांमचंदजीसुं जुधकरणरेवास्तेलंकासुंबारेनैसरछेनेम
आयनेसारवो नेरांवणरीफौजनेवांदराजावतेछै नेकहेछे आज
रांवणजोरमेआवेछै मारांवणरेनिजकिणहिंसदोषजावे इत
रेरांवणनेडेआयो तरेहणवंतदोडनेरांवणरेलातमेगुकीसीदे

वी॥ संरांवणघडदीयताइश्रवेतजीवो॥ नेपवेसाकवितहाय
नेउवंबेगर्द्धवो॥ नेरांवणहणवंतजीरावबांणकरणलागो
स्याबासहणवंत॥ नेमोरांवणनुंएकोणमुकीसेमुरछागतथ
याइ॥ तेबेमोबलाकारीछे॥ तेरेहणवंतकहेछे॥ रांवणछेमत
वाराकिसावबांणकरेछे॥ स्यारेछिवारमेआवेनोएकमुकी
तेहीमानुंबाहि॥ तेरेरांवणघणोजोरकरनेहणवंतनुंमुकीए
वाही॥ सहणवंतधूजीयो॥ पिणपडीयोनही॥ नेरांवणचढीयो
छनोछे॥ नेमुंछाआगेच्यारराकससबकाजेरावरअतबलवंत
छनांवे तिणांराकनांव॥ अगन॥ जुल॥ विसुकेस॥ मतलकेम॥ अं
च्यारुंहीजिणरांवणरेमुंछाआगेऊभाछे॥ नेश्रीरामचंद्रजी
पिणधनषऊचनेऊभाछे॥ नेमुंहाआगेच्यारवांदराऊभाछेमो
मछाबलाकारीछे॥ तिणांराकसारोकाळ्यारनही॥ च्यारवांदरा
रानांव॥ अंगद॥ हणवंत॥ नल॥ नील॥ ओच्यारुंहीजोधामुंछा
आगेऊभाछे॥ सोरांवणरेमुंछाआगेतोराकसछा॥ नेश्रीराम
चंदजीरामुंछाआगेवांदराछे॥ त्यांहरेमाहोमाहजुधइंज
सोवांदरारांकसांनुंमारेछे॥ नेबीजावांदराबीजाराकसांनुं
मारीया॥ घणीसुरमीकइ॥ नेरांवणरथबेठोछे॥ सोदसमाथाछे
नेबीसभुजाछे॥ नेरीसमंघ्रोछे॥ सोमाहाविपरीतरूपदीसे
छे॥ नेश्रीरामचंद्रजीधरती ॥ ऊभाछे॥ तेरेइंद्रदीयोजश्रीराम
चंदजीधरतीऊभाछेनेरांव [illegible] णरथबेठोछे॥ तेरेइंद्रआप
रासवारथीनुंबुलायेने [illegible] कह्यो॥ मातलतुंम्हारेबे
सणरोरथछेसोवणावेनेश्रीराम [illegible] चंदजीकनेलेजा॥ सोध
इंद्रेंछेवेसणरोरथति [illegible] णेरेएकता
मतो [illegible] पईछे॥ नेघोडा [illegible]
सु पिच्छजतछे॥ नेचक [illegible]
कोइ [illegible] रतछे॥ नेरथमां [illegible]
हिवगतरषडग॥ धंन [illegible]
बनांसघालनेमातल [illegible] सुवारथीरथले

६३

आयो॥ नेश्रीरामचंदजीरामुंहाआगेआणऊभोराषीयो॥ नेक
ह्यो॥ जेराजश्रीरथइंद्रमेलीयोछे॥ नेकह्योछे॥ राजइणरथबेस
स्यो॥ नेइकह्योछे॥ रांवणनुंमारजो॥ हेमतीजकेरामती॥ रथबेसमहाम
नेइंद्रकह्योछे॥ रांवणनुंमारजो॥ हेमतीजकरामती॥ रथबेसमहाम
मरीछे॥ नेइंद्रजीरोमुवारथीछु॥ मोरथपडजेणछु॥ नेइंद्रजीनो
संग्रामकरेतो॥ तेरेइंद्ररथचडतो सोइंद्ररथसंग्रामरीविधजांणुंछु॥
नेश्रीरामचंदजीरथनेनमसकारकरनेरथउपरचढ्या॥ हमेश्रीराम
चंदजीरांवणनुंबांणबाहेछे॥ सोरांवणरामाथानेऊजपाडेछे॥ ने
रांवणआपरीमायाकरेछे॥ तिणसुंमाथानेऊअफेरपाछाआवेछे॥
सोरांवणहीबांणजधकरेछे॥ नेरांवणछेहमफासइंद्रफासमना
गफासबांणबाहेछे॥ जदश्रीरामचंदजीआवतानेहीजवादना
खेछे॥ नेबांणसंमतबीसहीहाथश्रीरामचंदजीबाढेछे॥ नेफेरहा
थनवाआवेछे॥ नेदसंहीमाथाश्रीरामचंदजीबाढेछे॥ नेवलेमाथ
यानवाआवेछे॥ सोहणजोतबाढताजायछे॥ नेवलेदतमायाक
रेतमाथाआवेछे॥ सोघणीवेलाजुधकीयो॥ पिणरांवणमरेनही॥
नेश्रीरामचंदजीनुंमोचउपनो॥ जेकतोबांणांसुंमाथानेहाथ
पाडुं॥ नेफेरआवताजायछे॥ सोओकाईविरततछे॥ सोरांव
णनुंदेवतारीवरदानछे॥ रांवणथारामाथानेहाथपडसी॥
पेंतरतनवाआवसी॥ नेतुंमरसीनही॥ हमेंदवतापिणअंतरि
षथकाउभाउदेषेछे॥ जोश्रीश्रीरामचंदजीसुंहीमुवोनही॥ तो
देषाआरकिणीसुंरांवणमरेनही॥ नेअसरीवलेआपानुंदसी
सेदिवतादेषमीरथकाउभादेषेछे॥ तेरेवभीषणआयनेश्रीराम
चंदजीनुंकह्योछे॥ जोम्हाराजइणरांवणरीसुंटीमेंअम्रतछेसो
मरेनहीछे॥ इणरीनाभिनेबांणबाहोजठूंइणरोपेटफाटजासी
नेअम्रतनीकलजासी॥ तेरेओमरसी॥ श्रीजीबांणराजजाणिक
बांणेपिणओमरेनही॥ तेरेश्रीरामचंदजीइसदोतकनेबांणना
षीयोसोताभरेजामलागो॥ तेरेनाभफाटनेसूंटीमेंअम्रतथोसोनी
कलपडीयो॥ तेरेश्रीरामचंदजीफेरबांणबाह्यो॥ तिणसुंदसमा
थानेअठारेहाथपडीया॥ नेछेमेरांवणरेएकमाथोनेदोयहाथ

रया: तिणसुं लडे छै नैरांवण आंणीयो जमरा छै नै इंद्रजीत
ब नीषण रांमचंद्र दे नै बताये नै मोक्ष मे गया: तरे रांवण नु क्रोध
पनो: नै मदादानव नै बभीषण नु बाही: मो गदा आवती नुं दी जसी
रांमचंदजी बाढ न्हांषी: नै रांवण बी जासस त्र घणा छीव लावे छ
श्रीरांमचंदजी आवता नु हीजबा ढे छै: जुध मचर रयो छै: नै रांव
णनुं देषनै सरबदेवता पुसी हुवा छै: नै श्रीरांमचंद
जी सुं देव ता आर ज करी छै जे राज इण कुमदी
रो आही मारो नै देवी सहाय परा पडो: तरे श्रीरां
मचंदजी बांण बाह्या सु रांवण रा एक माथा:
मै सो सुं ही सहाय पाड नां बीया: नै रांवण मुवो: नै देवतां
जे जे सबद करने पोहप री बिरषा कीवी: नै देवतां
रा बाजंत्र बाजे छै: नै सरब देवता आयनै श्रीरांमचंदजी रे पगे ला
गा: नै सरबदेवता पुसी हुवा: हमे श्रीरांमचंदजी री ह जरे
आवे मा जनि नारदजी आय सत सु करे छै नै रांवण मुवा
डी यो छै: नै श्रीरांमचंदजी सगलां ही कां वरां म
हमें दिष्ट मे सुग्रीव नु बूलायो: नै हुकम छै: रांवण नु म
मारीयो छै: स्य ... प्या दरे ब जस कर ने मारीयो छै
मोदरी: मदलष घणी कीवी नै मंदोदरी रांवण नुं मार
योछै: नि ते रा वण मारी यारी ब बस लंका मां दे कांई
तरे बभीषण रांवणरी बहु मंदोदरी नै बीजी बहु कां वा मग
जी रो कीणा यां रे वती कुकवा करनै रांवण पडीयो छे तठे आ
ब ने पडी छै: नै रोवे छै कुकवा करै छै: तरे बभीषण ने ही सरब
मत आइ: मोरां वणे रा पासती बभीषण पिण अचेत जीवा पडी
यो छै: तरे श्रीरांमचंदजी लषमणजी नुं बुलायने कहे छै: तुं
जायने बभीषण नुं कहे: तुं कायर हो छै: इमरा विलाप कुं
करै छै: रांवण थारे कि से जनम मरे नाइ छै: हमा रा राजमम रो
कर नाया छता जनम रो नै तोनु पाव जो न वस्य छै: तरे कुंअर
लाया: बभी षण आयो: तुं उठ पीरो: मेहर तरे मोहे इणा रांवण

६४

संस्कार छै: जिके श्रीरांमचंदजी रा लषमणजी सुं कर जोड बोलीया कहे
भलें तो श्रीरांमचंदजी रो नजनीक छै: तरे लषमणजी जायनै ब
भीषण नुं उठायनै श्रीरांमचंदजी कने ले आयो: तरे श्रीरांमचंद
जी बभीषण नु कहे छै: बभीषण तु इण सुं इतरो मोह कुं करे छै
कि तरी बात नै रावण रा इण मांहै कुंण जां णपो णरी न
ही नै देख नै रत घी सबली या था ए छै मा कुं ण जां ण छै कमरी रत
कींगे आंण नु छै: सो बभीषण कुंण कि णं रो नाई जां लगमा
संधो तो इहज सम गाइ: मामनी सुरी यां परे कुंण जां णे क री
गेया: नजी घ आयो ब्या करा छै: हमें इण बात रो कुं मत रीक
र: हे नो पंडीत छै हमें तो श्रीपरमेसरजी रो ध्यान कर जे पर
म दवी जो वु: नै बभीषण नै मंदोदरी नै नै बीजी रा कम णीयां नै
सिला सादि नै जे कामा है ले जायो: तरे बभीषण मंदोदरी नुं नै रा
कम णीयां वुं जे का मां हि भजने पाछो श्रीरांमचंदजी कने आयो
तरे श्रीरांमचंदजी कहे छै: हमे तु जायनै रांवण री कारज विध
विधां नै छै संस्कार: तरे बभीषण बीलीयां सुं मइण मपो नी ग्रे
कि सा कारज करुं जिण रा जनुं ही इतरो पद दीयो नै बीजां ही
सरबदेवतां नु कसर दीमाणो: सो बभीषण सुधरम छै इण क
ही साच बालीयो नही: कुं हेम ही ज करम बांधीयां छै नै इ
ण की यो थो सो जिस दो आप ही इण नुं अंत दीयो: तरे श्रीरांम
चंदजी बोलीया: बभीषण म्हारे तो किणी सुं वेर भाव नही:
रावण तो मर गयो: हमें किसो वेर: हमें म्हारे तो नै रांवण म
री षांवा: थे जायने रांवण नुं आक दीदो: तरे बभीषण जाय
नै लंका मांहि सं सार कुं सां नु बुलाय ज्पायो: नै विधविधां मै थ
ति णरा ता तक रनै रांवण नुं जां क दीदीवी: पछे बभीषण श्रीरां
मचंदजी कनै आयो: तरे श्रीरांमचंदजी लषमणजी नु कहे छै:
जपी ण हमे थे लंका मांहे आयने मष रमी ह्म रतु पिंमता कनै जा
वा यने बभीषण नु टीको दे नै रांवण रे सिंघासण बसांणो: नै लं
का रा राजदे वो नै म्हे पिण आवता: पिण म्हां नुं पितां रो मचन छै
सो चवदै बरस तांइ ब सत मे जावा नही: थे जायने टीको देनै

आज्ञी मेमहेताजनीषणनुंटीकोपेहलाहीजदीयोछे तरे लछ
[illegible] छमणजीबभीषणनुंमाथेजेने घणावांदरु
[illegible] साथिलेने लंकामांहिगया नेघररूकनुं
[illegible] तिडनेसघरेमांदरतदिषने बभीष
[illegible] णनुंराजरो टीकोटयो लंकामांहि लोक
[illegible] माहाजनआरदीभ्रतीसपवमनटजेत
[illegible] नेबभीषणरेपगेलागोछे नेघणाबाज
त्रेबाजरह्याछे तुमेबभीषणनुंटीकोदेनेलछमणजीश्री
रामचंदजीकनेआवेछे सोबभीषणसाथेछे बभीषणरे
माथेछत्रछेमहेआयनेश्रीरामचंदजीरेपगेलागा त्यांछे
श्रीरामचंदजीसुग्रीवनुंकहेछे सुग्रीवमहे बभीषणसुरा
जटिममांहरीबाबासफललकीवी तुमे लंकादोमावांदरा
रामोरयाछेसंछुडायमेतेरोल्यावो तबबभीषणनेअंगदसुग्री
या तिकेआयआयनेश्रीरामचंदजीरेपगेलागाछे तुमेजा
यवांमरीआमोरयोरहआयनेश्रीरामचंदजीवुंकहेछे जे
राजलंकाकटीलीवी नेरावणनुंकहमारियो कुंतोजां
णुहीनहीं म्हारेतोनुंआरोमलछुजांमेदीनरह्या तरे
श्रीरामचंदजीबोलीया थारेनुंजांरोनारम्हांकनेना
[illegible] अवतारमेहेसंखडनारसुं नेआरसके
[illegible] इआंदरांनुंश्रीरामचंदजीकहेछे थांनुम्हा
[illegible] रीआसीसछे ज्यांलगधरतीआकासपवन
वांणीमेरमेघलाज्यांलगम्हांरीमांचज्यांगवांदरावीर
जीवरैहजो नेआरामविषनसोमलीबांधसीथांदरा
मोवकेहसीसुणसी तिणसजनमजनमरापापछेहो
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सी नेमांहरीबरमपदचीपावसी इतरोकहेनेश्रीरामचंद
जीहणवंतजीसांहमोजोयो तरेहणवंतजीहाथजोडनेऊ
भाछे तरेश्रीरामचंदजीकहेहणवंतनं बभीषणकनेआग
मांगनेलंकामांहिजायनेसीताबागमांहेछेबीछेतथारीषबर
लेनेआव नेरावणकुंनकरणइंद्रजीतसरबमारीया तिण
रासमाचारकहे नेअगरासकुंसजेपमरासमाचारकहे नेसी
ताजीनुंकुंधीपोछाकहेसे तरेम्हांनुआयनेकहे तरेहणवंत
सीषकरनेसीताजीकनेआयो तरेसीताजीहणवंतनुंआल
बीयो जोआहणवंतपेहलेंकेश्रीरामचंदजीरीषबरनेपेहलो
लीआयोथासिछवोहीजबलेआयो नेसीताजीसुसीक्षवानै
हणवंतसीताजीरेपगलागो नेसीताजीहणवंतनेप्रतीत्या
दुरदेनेहिसंबतसायो हमेहणवंतमाताजीनुंसमाचारक
हेछे जोरावणनुंकुंभकरणनुंइंद्रजीतनुंमारीया नेबीजा
हीदितराकससरबमारीया नेबभीषणनुंलंकारोटीकोदी
योछे नेश्रीरामचंदजीलछमणजीबीजीहीसेन्यासरबकुस
लछे तरेसीताजीकहेहणवंततानुंकाईबधाईदेउं नोथ
जोगदेवणनुंकुंछीनही इसडीबधाइलैनेआवे तिणनुंक
सुंदीजे मालवितरोतोउपरब्हारनाखुं पिणम्हारेतोनुंआ
श्रीवादहीजछे तुचिरजीवहोयजे नेहमेहणवंतमानुंश्री
रामचंदजीराचरणदेषणरीकुंसछे सोहमेकुंचरणकदेदेष
सुं सोतुंमाहरीबीनतीकर तरेहणवंतसीताजीरेपगेलागा
नेश्रीरामचंदजीकनेआयो तरेश्रीरामचंदजीपुछीयो जे
हणवंतसीताजीकाईकहेछे नेकाईकह्योछे तरेहणवंत
कहेजोराजेमसमलाहीसमाचारकह्या नेरावणमारीयां
रासमाचारकह्या बभीषणनुंटीकोदीयारासमाचारकह्या
तरेमाताजीसुसीक्षना नेकेहवाहीयोछे हमेराजराचरण
देषणरीम्हारेमनमेघणीछे सोराजसुसीहोयनेसुजोवे

तरेश्राउं: तरेश्रीरांमचंदजीवनीषणनुकुजायनेकह्यो:
जासीतानु श्रुजाअजणाव: इतरादिनराकसणीयांकनेवकने
रहीछे: समपाडोकरायनेनवासमत्रपेहरायनेश्रणाजो:
नेसुषपालनेसांएनेश्राणजो: तरेवनीषणश्रीरामचंदजी
रैपगेलागनेउठासैश्रायो: श्रायनेसीताजीरेपगेलागेनेसी
ताजीकनेत्रिजटाबैठीथीतिणनुकह्यो: हमेमाताजीश्रीरा
कुरांनु कनेपधारसी: सोराकसणीयांकनेश्रसुवरछाबे
तिणा: सतेसपाडोकरायनेनवावसत्रपेहरायनेश्राननषण
पेहरावो: तरेत्रिजटासीताजीनुसपाडोकरायनेवसत्रपेह
रायनेश्राननषणपेहरया: तरेवनीषण
सीताजीनुपालषीमेबेसांणनेश्रीरामचंद
जीकनेलावेछे: नेबांदरासाराहीसीताजी
ताजीरोदरसण करणनुसाहमाश्रावेछे
त्यांरनेबभी
षणश्रापरा
हाथमेछडीकाजनेबांदरानु
मारनेडरकरेछे: नेबांदरानुदेष
णनहीदेवेछे तरेबांदरा
सगलाश्रायनेनार
ह्याछे तरेश्रीरामचंदजी
कह्ये: वनीषणतुबांदरांनुमारम
ती: नेसीताजी
नुसुषपालमां
हिसुनीचीउ
तारनेसक
रमेपालीकरनेल्याव॥

६६

कुंबांदरासगलादरसणकरे: तरेवनीषणश्रायनेसीताजी
नुकह्यो तरेसीताजीसुषपालसुउतरनेपालाश्रवा नेमेदा
श्राया: तरेश्रीरामचंदजीकह्यो हुवेकीजनरिहश्रावसिती
श्रावसहीनेरोसेकोइकांमनही: तरेसीताजीकहेराजमांमां
हेश्रपराधकाइनहीं: मेश्रपराधकीयोतोतिणरोसाषीसुरजदे
वश्रगनदेवताछे: राजकहोमांसुसकरो: तरेसीताजीकहेल
षमणजीथेश्राकडीयांनेजीकरनेश्रागदिवलेश्रावोजुंम्हारा
सावदिषाउं: तरेलषमणजीसीताजीनुंश्रीयारनजोएछे तरेल
षमणजीकहेमाताजीश्रांथासुंश्रागनेमाहेघालनेकुंबालुं: तरे
लषमणजीश्रीरामचंदजीमांहमांजोयो: तरेश्रीरामचंदजीकहे
लषमणथेसांमोकाइजोवोछो: सीताकहेज्युंतुनिमकर
तरेलषमणजीलकडीयांलेजीकरनेश्रागनलगाइ: तरेसीता
जीश्रागनेमेंप्रवेसकरीयो: नेश्रागमध्यासुंकांनीकाजोकाजदोध
लगाइ: पिणमाताजीरेनेडीश्रागनश्रावेनही: नेसीताजीरीकपडेसा
हीबलीयोनहीं: तरेब्रह्मांजीनारदजीमहादेवजीसमसत
देवताश्रायनेश्रीरामचंदजीरीश्रसतुतकरेछे: राजश्रंतरजांमपा
रछो: सीताजीछेसुजगतमाताछे: राजहमेसीताजीनुश्रगना
मांहिसुंनीरपधरावो: तरेश्री रामचंदजीश्रगननुंकह्यो:
सीतानुंहमेवरीलाव: तरेश्रागनरीश्रयारेरूपथीमांपरोगया
नेजगतमातारोनिजरूपथीसांश्राणनेश्रीरामचंदजीरेपगे
लगाइ: सोसीताजीरीदेहरोरूपथोसोकउजलाप्टकररह्योछे
नेमाताजीरोतेजसुकपनेकिणहीसुंसांहमोदेषीयोजावेनही
नेश्रीरामचंदजीसीताजीनुंकनेबेसांणीयाछे: हमेब्रह्मादजीश्र
यनेश्रसतुतकरेछे: हेमाहाराजश्रापरोरूपहिरदामेरोषछो
तुणांरापापांरोपेडोदेछै: माहाराजरोनेसीताजीरोदरसणक
रेछे सोपरमपदवीश्रावेछे: सोम्हारोबडोभागसोमदरसणसमइ
महाराजरोदरसणपायोनेलंकासुंसारासरोकथीछु: नेसरबमांफ

हसिनेबसंराजरीकीधहैःराजहीउपावणदारद्यौनेराजही
राजणद्वारद्यौनेसिंघासणपिणराजहीजकरीछैनेसंसारी
मायामेंहिराजनुंनजांणं नेहूणरावणमोनेघणोकसट
दीयोथोःसुंहिराजकांनेमुकतकीवीःतेरेराजइणकसटीनुं
मारनेधरतीरोभारउतारीयोनेरघुवंसरीरीदीवतांरोजगतोरो
राजकसटदुरकीयोसोराजथ्रेअमपारछौ राजरोपारकोइ
पावेनहीःराजरोदरसणब्रह्मजीमाहादेवजीहीपावसकेन
हीछैनेराजश्रेछैबांदरांम्हेनेसाधेसमेआतांकरीछैःसंराज
रीमतराजहीजजांणेःबीजाकोजपछैमजावैःनेराजजिकुंहीक
करणमेनेजावोसुअंरोःराजरोपारश्रीकमहीइतरोकेहने
इंद्रजीहाथजोडेनेउताछैःजितरेमाहादेवजीआयनेअसत
वकरेछैःम्हेराजरोदरसणश्रेछैहीकीयोछेःनेअजोध्यापध
रेनेसिंघासणबिराजसोतरेपिणहेदरसणकरणनुंआवसां
नेदसरथजीराजरेपताविणहमारदरसणकरणनेआव
सींःनेश्रीजोध्यापिणआवसीःइतरेबातांकरतांहीजदसर
थजीआयाःतेरेश्रीरांमचंद्रजीछैनेदसरथजीरेपगलागाः
नेदसरथजीकहेछेःराजम्हारेअवतारीयाथातोम्हारेपो
तोरोधर्मवोःनेअंपरमपदगयाःनेअठाहमेथसीताजीरोअ
हकरनेलोकमारगकरीःइतरो केहनेदसरथजीबीमा
णवैसनेपरमपदवीगयाःनेइंद्रेरोरथछौतिकेश्रीरांमचंद्र
जीकह्योःमातलरथलेनाथीनेहमेरथलेजाःतेरेमातलरथ
लेनेरथलेनेगयोःहमेबनीषणबोलीःजेराजएकम्हार
रीबीनतीछेःहमेराजमारीजटाछोजनेमंगलसिनांनध
करोनेवजकलेछैसंपरतेतोरोःनेराजलंकामांहेपधारो
आमेकाराजरीछैःसहमेराजमनलासरोवेसपरेछोलो
नेबीजाबसत्रआभूषणपहेरावोराजरेमनमांछैसंवस
कांवेनेहमेचवेदबरसपिणपूरावदौछेनेलंकामांहेराजप

६७

धोरे नहीतोराजएकलाआयोसंबमत्रआभूषणश्रेछेहीज
आउःसोश्रेछैहीजसंपाडोकरमेआभूषणपेहेरोनेरा
वणरेकोठारमेंतोमलोकरैमाजमोगेनेजोकीयोपडीयोछै
नेश्रीरामचंद्रजीकह्योःहुनेघणोत्र्प्रावातकहीसोतो बरी
पणम्हारेभाईभरथछै तिणजटाबांधीछैःनेबलकलपेहरी
यांछैनेम्हारोरघपांनीपावडीयांछेसोतिणरीबेसेसवाकरेछै
धरतीमेंबिछावणबिणनेसोवेछैःनेअजेमताइराजनोगजमि
नछैःगायरागरंगसुतमेजवनीजोछैनेअलुणोछाखेछै सो तर
यसुंजेनाकाबांवसमआभूषणपेहरसांःनेहमेराजवितव
हेछैसोतोसंम्हारेबाकरकोइनहीथारोछैसंम्हारोहीजथ
छैःनेतेकहेछेतोअबांदरांबरीछेमसबांनुंगेहणांकपडा
पेहरावःम्हेजांणसांम्हांनुंहीजपेहरायाःतेरेबनीषणरां
वणरैकोठारबोजीयोनेअबांरेपदमबांदरांरीथयाजिणे
नुंजिणजिणरीमनबांजिणबसत्रआभूषणजिमडावमत्रां
गेहणासरबनुंपेहरायाःसंअमवांरेपदमतांबांदरानेबह
नरकोइरीबथामसंगलाहीगेहणाकपडापेहरनश्रीरां
मचंदजीरेपगेलागाःतेरेश्रीरामचंद्रजीकहेबांदरांहमेथ
वेरजावोम्हेथांहरेबलनसुंकरनेरावणनुंमारीयोःनेश्री
रांमचंदजीसुग्रीवनुंकहेछेःथेरीअबांदरानेलाकीयाथ
संम्हेथांहरीसेनाकरमेंजीताथेमांहराजाइछौःहमेसु
ग्रीवथेपिणघरेजावोःजायमेंकेकधानगरीराजकरोःअ
जपाजगचंद्रसुरजपवनपांणीधरतीआकासरहेजांजा
गथेराजकरोःतेरेसुग्रीवकहोनाराजम्हेअजोध्यातांइअ
साथेआवसांःपछेबनीषणनुंकह्योतरेबनीषणकह्योः
नाराजम्हेअजोध्यातांइसाथेआवसांःनेउरेमातारूवस
ल्याजरीपगेलागनेराजनुंसिंघासणबेसाणनेसीखमाग
सांःनेआहीजबातजांबवंननरीबथोतिणकहीःतरेकुंबे
रेबेसणरोपोहपविमांणथोसोकुबेरकनास्योवणमा

सलीयोथो सोबानीषणश्रीमने हाजरकीयो नेकह्यो राज
इण बिमांणउपर बेसनेपधारो तरे श्रीरांमचंदजी लषमण
जी सीताजी बिवांणके नेआयच नारह्या नेश्रीरांमचंदजी
बां दशरथीबांने कह्यो हमे थेघरे जावो रावणनुमारनेफ तेव
बी तरे बीजूतोरी बीबो दराकि तशयक सगलागया नेम
बांग बोकह्योम्हे साथे आवसां नेश्रीरांमचंदजी बभीषण
नुकहेछे बभीषण हमेथे लंका जावो तरे बभीषणकहे
माराजम्हे जोमातांइ साथेआवसां तरेकह्यो बिमांणबेस
सो तरेश्रीरांमचंदजी लषमणजी सीताजी योहपबिमांण
बेठा नेबभीषण सुग्रीव अंगद हणवंत नल नील जांबवं
न कुमुद बडबीजा दीबकाबकाय्या संसगला बीजा बिमांण
उपरबेठा नेदेवतांरा बिवांण थ्यां उपर सगलां देवता बे
सनेश्रीरांमचंदजीरे बांसे जवा नेजठेमिलग्या तठीनेघडी
योजायेछे इणनांतहमे श्रीरांमचंद सीताजीनुदीकाणा
दिषावता बतावता जायेछे सीताजी दिषो आलंका त्रिक
कूटगढछे सो मांरो नेलंकारतभांसं जडीछे नेसीताथेदे
षोश्रेम्हांरांफेराथ्यां नेजुधकोयोथो तरेम्हे श्रेकुंभकर
णनुमारीयोछे नेकुंभकांदिवीराथ्यां नकेनेइंद्रजीतनु
मारीयो इणनांतुदिषावता दिषावता पधारेछे बलेश्री
रांमचंदजीकहेछे सीताम्हे श्रेसमुद्रउपरश्रांणउतरी
याथा तठेबभीषण आयपगेलागीयो नेश्रीम्हे समुद्रउ
परबाजबंधाइ तिणसूं सालमकरबांदरलंतरीयाथा ने
श्रठेमाहादेवजीरी थापनाकीवीथी मा हादेवजीरोनां
वरामेसरजीछे आथापनामांहरी कीवीछे
श्रेजिको इमिनषबाबसी नेगंगोदिक सेफारीजरने
माहादेवजीनुपषालसी तिणरा कोडजनमरापापजासी
नेपरमपदवीपावसी पछेबगसंब बाधाकेकधानगरी
श्राया तरेश्रीरांमचंदजीकहेछे सीताम्हे श्रेसुग्रीवसं

६८

मिलीयाथा सोसुग्रीव हणपरबत परपांचबांदरांस्हेरे हतो ने
थांहरा गेहणासुग्रीवम्हांनुं श्रांणदीना पछेबालनुमारने
सुग्रीवनुंके कंधानगरीरोराजदीयो नेश्रोमनकूटपरबत
छे इणउपरम्हे च्यारमहीनारहयाथा पछेनूगमसोरीछीके
श्राया तरेश्रीरांमचंदजीकहे सीताश्रेसारीजीलणउधा
रीथी पछेकबंधनेधूफटो तिणनुंउधारीयो पछेश्रागेपधा
रीया तरेजटायरीजायगामीताजीनुं दिषाइ श्रेजटायेथे
सोथां हश्राभोश्रायने रावणरोरथभांगीयो नेरथरापगमा
रीयाथा पछेरांवणषडगबाह्यो तिणसूंजटायरीदेहनुंपांख
बाढी तरेम्हे श्रठेश्राया सोजटायनेपडीयोदीठो तरेजटाय
नुंदीपरमपदवी मिलीयो पछेगोदावरीरेउपकंठश्राया त
रेश्रीरांमचंदजीकहे सीताजीश्रेठेश्रापांस्हाथा नेसुपने
षाराकांननेनाकबाढीयाथा चवदेहजारदेतां समेत षर
दूषर तिषणनुमारीया नेश्रठेमारीचसोनारोमृगहोयनेश्रा
योथो नेरांवणजोगीरोवेसकर नेश्रायोथो नेम्हे मृगमार
णनुंगयाथा नेलषमणनुनेम्हांरेबांसेमेलदीयोथा तरे
तानुंरावणलेगयो तिकाश्रीजायगाछे पछेसरभिसटाराक
मलधारीयो तिकाजायगादिषाइ पछेश्रागेश्रगसतजरिश्र
श्रमश्रायनेश्रगसतजरिपगेलागा तरेश्रीरांमचंदजीसी
ताजीनुकहे जुगायांरोमनावबातांकरणसूं घणांहोय
छे सोजायनेश्रगसतजीरीबडकांकनेकाइम्हांरी बातक
हेमती पछेडठेश्रगसतजीकूनेसीषमांगने बिमांणबेस
नेरषस्वरांराश्राश्रमदेषतापधारे पछेश्रागेचित्रकूट पर
बतश्राया जठेरषस्वरबाजमीकरेहतो जिकाजायगादि
षाइ पछेश्रीरांमचंदजी नेसीताजीश्रापरहाथा जिकाजा
यगादिषाइ पछेश्रागेनारदजजरिश्राश्रमपधारीया तरे
नारदजजीसांमाश्रायनेघणाश्रादरसनमांनदीयो ने

श्रीरांमचंद्रजीनिलछमणजीनिवाबातांकरेछे नेश्रीरांम
चंद्रजीभारद्वाजजीनुंकहेछे अजोध्यामेरांमराजछे मा
ताकवसल्याजीनेवीजीमायांदीकुसलछेमछे भरथस
त्रघणमजेछे जोकमाहाजनसरवसुषीछे तरे
भारद्वाजजीकहेछेसरवसाधकुसलषेमआणंदमेछे
पिणभरथजीराजरीगादीसेवाकरेछे फलमूलजदीया
वेनछे एकनिरंतरराजरीपावडीयांरीसेवाकरेछे नेआप
पतोश्रीपारवडंछेतो नेलषमणजीनेषमायारोछवतारछे
नेइतरीराजमाथ्यादिषालेछे बीजींबापडोरोंवणेराध
केबापडाकितरीकमातछे नेराजजितरादिनतांई
करकोंपमकीयाछै सोकिसेसरवजीणुंछं देवस्वरूपि
कराजदरसीछो सोम्हांमुंसरवसुष नेसाधुसांतजीरा
छः नेश्रवताररराजलोः नेम्हारेपणे जागोछो सोलोकमा
रगाकरोछो नेराजनामअणपाछो जागोछो लोकोंनुंसी
साराम्हारेपणजागोनेमानेछे नेम्हेराजरेचरणारेध्यानमें
रतरकरांछां ने राजम्हारेपणे जागोछो सोलोकांनुंनि
सतारणरेवासतेकरोछो नेजकोंइलोककराजरीलीला
जांणसी नेश्रोश्ररित्रजाणसी नेसां भणसीनेगावसी
तिणरेपापांरोछेडहुसी नेपरमपदवीपावसी आम्हांरी
आसीसछे इणअवताररीघणावरसांतांइजेहोइजो ने
घणावरसतांइराजकरजो ज्युंम्हेदरसणपावांछां
जेभारद्वाजजीकहेछे म्हाराराजआसकोंइसाधथोव
आरोगजो नेश्रठेहीजेरेहजो तरेश्रीरांमचंद्रजीकहे सथ
डाः तरेभारद्वाजजीकांमधेनसुरगासुंबुलाइ आवाह
नकीयो नेरेकांमधेनआयनेनीरषी नेजीमणरीसमग्री
त्यारीकीवी सोजिणनुंजिमणरीमनमांधी सोपुरसीयो
तरेश्रीरांमचंद्रजीसकोइनुंमांदवछेलेनेभारद्वाजजीरेपगे

६९

लागावछे नेकहेछे श्रोहणवंतपगेलागेछे सुसारांहीराजनोव
डो नेमपणजगायो पछेवजीषणनुं आपरेसाथसुधापगेजा
वामे पछेवांदरांनेरीछभिनछरीद इधारधारनेजीमनेश्रा
परेमेरेआया सोवमत्रैगढणीपहरीयाछे सोराजराकुटरादी
सेछे नेवजाहलाकारीजोधारदीसेछे हमेश्रीरांमचंद्रजीअ
रोगनेविराजीयाछे नेमननेमविचारीयो जोअजोध्याकिणहुं
मेलो तरेश्रीरांमचंद्रजीहणवंतनुंबुलायो तरेहणवंतहाथ
जोडनेआयऊभोरह्यो तरेश्रीरांमचंद्रजीकह्यो हणवंततुं
जायनेमाताकवसल्याजी जीहीमायांहुनरथनुंसत्रु
घणाजीगुरवसिष्टजीनुंसरवसाधनुंबधाइदे नेबीजाहींकंका
मदारांनुलोकमाहाजनांनुंषबरदो जेश्रीरांमचंद्रजीरांव
णनुंमारीयो नेदेवतांसमगजोरीवंधछुडाइ हमेश्रीरांमचं
द्रजीलषमणजीसीताजीकुसलषेमपधारेछे सोभारद्वाज
जीरेआश्रमतोपधारीयाछे नेमुकामअजोध्यापधारसी इत
रोतंजायनेकह नेपाछोम्हांकनेवेगोआव तरेहणवंतजी
पगेलागनेउभारह्योजीया सोपवननेरापुत्रपवनज्युंवाज
यो सोअजोध्याआयनेमाताकवसल्याजीकेकईसुमित्रा
वीजीहीमायांनुंश्रीरांमचंद्रजीपधारणराकुसलषेमरास
माचारकह्या सोसरसकोंइयांनुंकुसलषेमरासमाचारक
ह्या नेसारीहींअजोध्यामेंबधाइदेने हणवंतजी अजोध्या
सुंकोसच्यारनंदगांवछे तठेभरथजीनेसत्रुघणजीरहेछेत
ठेआया सोहणवंतजीआदमीरेरूपकरनेघणावसत्रगे
हणापहरीयां भरथजीकनेआयनेश्रीरांमचंद्रजीपधारी
यांरीबधाइदीनी नेभरथजीउठनेहणवंतजीनुंमंफोतकीं
वी नेहणवंतजीभरथजीसंमिलीया सोभरथजीरेकुस
लषतीराश्रासंआयाछे नेभरथजीकहेहणवंतजीथांहरे
नुंबधाइकांइदेउं बधाइतोतोनुंदेवणसरीषीकांइनदीसे
मेहणवंतजीविगभरथजीसंबातांकरेछे नेश्रीरांमचंद्रजी

रामभावारनरथजीकुंवेछे नेकदे हणवंतबांदरारेनश्री
रांमचंदजरिसिंता षकुंकरजो श्रीरामचंद
जीसोमिनुबरीदिह धारछे नेबांदरांता परसुजिमा
वरछे तरेहणवंतजी थेस्सु बात बिगतायनेक
ही समंदरपाजबांधी लंकाबाली रावणनुमारीयो सीता
जीनुंसंघातलिगयोछो पछेश्रीरांमचंदजीबांदरारेकटकथ
करनेरावणनुमारीयो सोसगलीबातकही पछेनरथजी
रेपगलागनेहणवंतश्रीरांमचंदजीकनेआयो नेअवेनरथ
जीसत्रघणजीनुंकयो अजोध्याजायनेमरबनतयारीकर
वो नेगुरवसिष्टजीनुंकेदजो अजोध्यामेदेवसथानछे जित
रासगलांहीपुजाकीजो नेघोडाहाथीधजापताषा
मरसिंघासणरी तयारीकरज्यो तरेसत्रघणजीअजोध्या
मेसरबतयारीकराइछे नेसगलांहो देवतारीपुजाक
राइछे अजोध्यानगरीसरबसिणगारीछे नेघरघररेनार
लेविछावणांभीसोछे नेकेलांबारणेजुनीकीवीछे घरघर
रेबारणेजुगमयांकलसनेजबारालीयांछे नगरस
रीदीहमाहकवेछे सेहरीमजीयांछेसोसरबस्ं
धासहीदकीछे मेनंदगांवछनरथजीआया सोनरथ
जीरिसत्रघणजीरिदोहुंमाथारेमाथेजटाछे नेबजकलेप
हरीयाछे नेनरथजरिमाथाउपरश्रीरामचंदजीरीपावड
यांबांधीछे इणनांतसुंश्रीरामचंदजरिसांहमाबाजीया
जावेछे पाछेसुंसारेनगररोलोकआवेछे नरथजीसत्र
घणजीदोहुंनाइउबराणापगां नेपालाचाजीमाथावेछे
नेनरथजीगेहेनीलनुंकेहबाडीयोछोसोगेहोपिणथ
योछे जेठेनेडाआयोनेदीसणलागा तरेश्रीरांमचंदजी
सीताजीहुंबतावेछे देषोवेनरथआवेछे नेनरथ
जीश्रीरांमचंदजीनुंदेषेछे नेनरथजीकहेछे अजेस
तांइपधारीयानही तितरेजोतमोणविमांणरोछजास

७०

दीसणजागो जदुनरथजीदिषेतो आविमांणआयो नेविमांण
मांदे श्रीरांमचंदजीबिराजीयाछे तितरेनेडाआया नेविवांण
नीरापछीयो नेविमांणछडेउतरीया नरथजीसुंमिलीया बडे
नायीरेआंषांमांहिसुं आंसुरापदाहबुहा पछेसत्रघणजीपगेलागा
नरथजीलषमणजीसुंमिलीया नरथजीसीताजीरेपगे
लागा सत्रघणजीसगलांसुंमिलीया पछेश्रीरांमचंदजीमाता
कवसल्याजीरेकेकहीरिसुमित्राजीरेबीजीहीमांयांरेपगेल
गा पछेगुरवसिष्टजीरेपगेलागा माताकवसल्याजीश्रीरांमचं
दजीउपरहाथफेरीयो नेकुसमजीषमशासमचारपुछेछे नेश्री
रांमचंदजीबनवासपधारीयापछेमाताकवसल्याजीरीरांमचं
दजीरांमचंदजीकहितांकेदतादिहीछीणपडगइछे नेदसर
थजदिवलोकहुवा तणदुषसुंपिणदुबलाहुवाछे पछेश्री
रांमचंदजीकुंबेरनुंबुलायोनेकयो कुबेरथारोरथरावण
लीयोथोसोआयारोरथछेतोनुंदेवांछां सोरथकुबेरने
देने पछेजगासुंसकोइमाथाछेलेनेनंदगांवपधारीयाछे नर
नरथजीश्रीरांमचंदजीनेहाथजोडनेअरजकरेछे माहारा
जआपपिताजीरीनेकककहीमातारोबचनपालीया चवदेव
रसबनवासरह्या नेमआपरीआग्यासुंराजकीयो हमेराजते
रीकोआपरोछे नेजोतांआपरीचाकरछुं तरेश्रीरांमचंदजी
नरथजीनुंकहे तेराजकरेछेसांमहीजकरावो तेइस
हीबातकांइकहेछे तरेगुरवसिष्टजीघणोमानकदीया तरे
हांकारोनरीयो तरेगुरवसिष्टजीनरथजीनुंकह्यो आज
मोहरतमघरोछे आजआपमंगलसिनांनकरीजे तरेश्रीरां
मचंदजीकहेपेहलानरथजीनुंसिनांनकरावो तरेनरथजी
जटाछुडाइ असिकलउतारीया पछेसंपाडोकरायनेनव
वसत्रपेहरामा पछेलषमणजीरीजटाछुडाइ वलकलउ
तारीमानवाघसत्रपेहरीया पछेश्रीरांमचंदजीसुंअरजकी

वी: तरे श्रीरामचंद्रजी जटा अधराइ ने बलकल उतार
ने संपाडो कर नै नवा वसत्र पेहर ने हणा आभूषण पेहर
सुभो लगाय नै माता कवसल्याजी कनै आया: पछे बांद
रां सरदारी मांण सारी देह धार बागा पेहर गेहणा पेहर ने श्रीरा
मचंद्रजी रे मुजरे आवे छे: तरे भरथजी सुं सुग्रीवजी अंगद अंग
द नल: नील इंद्र: कुंवण: कालनेम: अषी: जांबवान आदि बांदरा
सांवत था तिणां सुं मिलीया: ने भरथजी सुग्रीवनुं कयो:
सुग्रीवजी थे म्हारा भाइ छो ज्युं पांचमा ना इण छो: श्री
रामचंद्रजी यां दजनें भाइ कीया छे ने थमुं हा आगमा करीके
वीछ संघथ वीरा भाइ छो: हमे श्रीरामचंद्रजी ने दरगाव सं अध
जा आप पधारे छे: तरे बांदरां नुं श्रीरामचंद्रजी कहे छे: दस ह
जार साथी छे: एक किरोड घोडा छे: रथ छे तिणां उपर चढ़ने थे
चालो: ने श्रीरामचंद्रजी रथ विराजीया छे: भरथजी सत्रुघण
जी लषमणजी सुग्रीव बीजे रथ बेठा: बीजे बीजा बड़ा बड़ा
सांवत छे: सो सरब नंद गांव सं अरोगने अजोध्या पधारे छे: ने
साथ घणो ने जोड्यो छे: साथ रो कोइ पार नहीं छे: बाजंत्र
सत बाजे छे: ने उपर आकास रा सांतर विमांण दिव तां रा विमांण
आवे छे सो देवतां रा बाजा उपर बाजरह्या छे: ने देवतां श्रीरा
मचंद्रजी उपर फुलां री बिरषा करे छे: ने बाजंत्र इम डा बा
जे छे सो कोइ आसमां न जेन नहीं छे इण भांत सुं पधारे छे: ने
अजोध्या रा लोक सरब सांहमा आवे छे: ने पुसप रथ जी रा
बेस ण रो रथ थो तिण उपर श्रीरामचंद्रजी बिराजीया छे: ने
सीयां दटो मेह तलेवह जेवे पधारे छे: सो लोक सारा ही द
रसण करे छे: ने अजोध्या नगरी रा घर घर सब सिणगारी
या छे सो श्रीरामचंद्रजी घर घर मा [illegible] गेहणा रहे छे ने घ
र देषे छे: ने लोक सारा ही लवारा क [illegible] लस वंदावे छे:
ने गीत गावे छे सो मां ही असत्रीयां उनी दरसण करे छे: ने

७१

रांगली करती गावे छे: सो गेह गेह भारी धुम होय रही छे: इण
भांत सुं महलां कने पधारीया: तरे श्रीरामचंद्रजी रथ सुं देवता
रा रेन मग लो ही सं जुहार कर ने करन मां घेदे छे: सो सकोइ मेर
आवे छे: ने श्रीरामचंद्रजी भरथजी नुं कहे: आपणा बमांने द
लदोतां णा मे सुग्रीवनुं उतारो: ने महलां मा हे सुमनाइ घला वि
राणा: ने मदा मिस सरत मांहे जो मे जितरा दिन ही राषो जितरा
दिन तां तम्हां नसे हे डाक र जो: तरे भरथजी सुग्रीवनुं मे हलां
मेंहरो दिरायो: ने श्रीरामचंद्रजी महलां मांहे पधारीया: माता
वसल्या जरी पगे लागा: हमे पुजा नम कर्यो: तरे गुरु वसिष्टजी आ
या: ने बीजा ही ब्रांमण परधान सरब आयदरबार जा डीया छे:
श्रीरामचंद्रजी पधारीया छे: ने गुरु वसिष्टजी भरथजी नुं कहे
छे: टीकरो मोहरत आयो छे: सो च्यार समंदां रो पाणी मंगावो
तीर थां रो पाणी मंगावो: टील मतीकरावो: जिको इजेन सता
वी संभावे तिण नुं मेलो: तरे सुग्रीव बनुं कहवा डीयो: तरे च्यार
हि सबां दरा विदा कीया: ने कद्यो समंदरो ती र थां रो पांणी बे
गो लेआण ने बीजी वस तां री सरब त्यारी कर मेली छे: जितरे
ही समंदरो ने तीरथां रो पाणी आयो: मंदर बार मांहे दसरथजी
रे बेसण रो सिंघासण थो सो आण मेलीयो छे: ने सिंघासण उ
पर श्रीरामचंद्रजी बिराजीया छे: माथे उपर छत्र उभा कीया छे
चमर ढोला जि छे गुरु वसिष्टजी ने बीजा ही रषेस्वर आया छे त
लान जाइ दहमण वेदी या आय: वेद मंत्र उचारे छे: मंत्र नवे छे
ने अभिषेक दे छे: ने श्रीरामचंद्रजी नुं टीको दीयो: बाजंत्र बाजे
बाजे छे मगत जन नाचे छे / मे लोक मांहा जन आय ने पगे लागे
छे: ने ब्रहमा जी आय ने असतत करे छे: राज पवण इद्रमठ: ने म
हुं ही राज न पायो छे: ने राअक सटमर बंदेव तां रो ही का ढीयो
राज रावण नुं मारीयो: पछे श्री माहादेवजी पारबतीजी सेहत
आवी ने असतत करे छे आप अपरंम पार छो: ने हुं बुसो के ना
स परबत सुं कासीजी मे आय र ह्यो छुं: ने हुं राजा रो मिरंतर ध्यां
न आवे तो पोहर करुं छुं: ने जिको हुं मिनष कासीजी मे आवे छे:

सिणनुं कंरामभामभंत्र देछे सुं ... नेश्रीमरथमसां
छेमारा जरो हीज उपायो छे ... मे पालो पिण राजही जडे
मे राजही जसिं घास करो छो: पछे ते सीमको डदेव तांस हित हंडे
आयो सुंभकोड समत तकरे छे नेहाथ जोडु मे कहे छे: राज अंछे
अपार छो: राजरा वणनुं मारीयो सो देवतांरी जझी साहाय कीवी:
नदीसर इंद्रसुरीबो सले नी: नेरांवण भीमलो कारी धणी कंधीयो:
तेनि नलो एक जी तायां सो उमसडा क्रमस दीनुं राज ही लुमार णसम
थ्यो छे: भेम्हांरो मंगट राजनां जीयो: राजरो दरसण में नजां पायो
ने अजे देव ता कहे छे राज म्हारां वडमस त्रनुं मार नेम्हारी बंदछुमा
ड: मारा उनिता म्हांरो कसर टकुं णाकाट: पछे पित्तर आयपगे ला
गा: ने असत तकरे छे: राजरां वणनुं मार तांकर्मा कांम कीया: इण
पापी डसटी मांस्करां मंराध नंगवीयाथा: म्हांरी वनमेरीयी: सोआ
णनुं मार सं नजीष्के वो: पछे पातालमां छेसे तामदेवता आयपगे
लागा: नेअसत्त तकरे छे नेक हे छे ह्रितो राक्षरा थकाथा: ने इण
रावण डसटी मं करता थकां गांरी धाकरी करता: नेओ पापी
म्हांनुं धणो डषदे तो: नेम्हांरे माथे भिला छे तिणरी टीवीयां कीया
रांधणमाथे पड़ीया फिरता: सो इण डराचारीनुं मार तांछणीज
जीकीवी: हमे म्हे कसटसुं छुटा: पछे गुधपदेवता आयनेपगे ल
गा: नेअसत्त तकरे छे: कहे छे: म्हराजक मे नेदेवता कनुं की रतनक
रता बही नेराजरा थकाथा नेराजरा गुणगावता सो आपापी आ
धरमी म्हांनुं पकडने लंका लेगयी थो: नेरांवणरी चाकरीकर
तानेरांवण केन्हतो संगा थमा नेइमेरांवणनुं राजमारीयो: म्हेंअ
भांहिसं छुटा: पछे चारण आया पगे लागअसत्त तकीवी: पछे
अपछरावां आयनेपगे लाग की रतनक रेछे: नेकहे छे: म्हेराज
रे आगे भचतकीरतन करसी: सोइ डुराचारी म्हांनुं पकडने लंका
लेगयोथो: म्हांनुं घणो डषदीयो थो: हमेराजरां वणनुंमारीयो
नभी बात फाइ: पछे इण नां तरसूं सकोइआय पगे लागने अप्प
आपरी असत्त तकीवी: श्रीरांमचंद जी सिंघासण उपर बिराजे
या थकां सूंणे छे: घणा धरम संणपकरे छे: पछे माषबोडा एकर

९२

जा षगायां तीसकोडमो नडया: इतरो धरमकीनो: पछे मेरूण आ
भूषण बांदरां नुं री बानुं दीया: नेमोटा मोती यारी माजसुग्रीव मुं
दीनी: सो सुग्रीवरे गला मबिराजे छे: पछे बांदरा धारस मांस जा
डी अंगद नुं दीया: सो बोहर परिरत सारी अगाभिगजा ब ही छे: सो
अंगद रे बिराजे छे नेदक्षण एक जांबवांमनुं दीयो: सो हारेने जकं
नेसर जदी दीमन ने छे: हीरां सुं जडी यो थकेसो जांबवां नरी बेर
लामे बिराजे छे: नेमाए कश्रीरांमचंद जी आपरे गला मां डिमुंक्त
हार सीता जी नुं दीवी: सो सीताजी हारनें ने आपरे हाथ मे राषी नेअ
बांरदो यतीन र बांदरां मांहमो जोयो: तरे श्री रांमचंद जी सीताजी
रे मनरी बात जांणी: जो प्राजा सीता जी किणनें देवण मंसे थमि वे
तरे श्री रांमचंद जी कहे: सीता थे थार जिणनुं दिव्यण मते सुं वे
तिणनुं दिवो: तरे सीता जी हार हणवंतरे गलामांहे घालीयो
सो हणवंत जी आगे तो बीजा बांदरांसूं अंग भर्या ही जके जेग
लामे हार पेहरीया तिणसूं अतही जस्क रराटी सणजणा: सो
हणवंत मुंढ हा आगे दाथजोड ने जनोहे: तरे श्रीरांमचंद जी क
हे: हणवंत थारे मनमे बंध मा होय सो मांगले मांग जनुं तो नं देवां
मनमे कांइ कसर रा षमती: स्वरग लोक मृत्युलोक पाताल मे
करी जिका छदि ले मनवव ना होय सो मांग: तरे म्हांरा मांटे म्हा कर
छे: नेतम्हांरी छणीचाकरी कीव छि: नेमोटा मो टा कांम तकीया छे
तरे हणवंत कहे महाराज जं तो ओमांगु: सो श्री रांम रो नांम जे तो
कदही धापुं नहीं मे राजे स्वरणां रो ध्यांन एक पल ही नहुं नहीं
राजरो ओरूप मे राजरो नांव सदा म्हारे हिरदा मे रहे: ने धरमती
मांहे कपल गराजे रो नांव रहे त्यां लगा कुं डमरुं नहीं: नेइण ही जेह
दसे निरंतर राजरो जाप करूं: तरे श्री रांमचंद जी कहे: जजा म्हे
तनुं दीयो: तुं इण ही जदेह सुं रहसी: पछे सीता जी कहे हणवं
तत्तुं वन वन मांहे जे ठेही फिरसी: तठे ही रिधता नारे आवसी: ने
जिण बन मरी तमन मा कसी ति का इबसतनो क नेआ य छसी
रहसी: इतरो बरदां न तानुं म्हारो छे: ज्यां जगधरती आकास सू
रज चंद्रमा पवन मांणी रहसी ज्यां आग श्रीरांमचंद जी रो नांम रेह

सी: सांभलग ह्रणवंसेरहसी: पछेसारां ही बांदरां ने हणुमानथी वो
मिरपा ... वदीछेह्रणदिनेसुग्रीवहनुमानरी बांदरांसहितविभीष
णरीयो: नेश्रीरांमचंद्रचंदजी बांदरांरी मनुंकहैछै ह्रमेथेनिरंत
र घ्यानंवेसमाहि ह्रीयां करो: पछे धर्मोपालनुं सीषदीनी: सा
ह्री ने भी षदीनी: ह्रमेंश्रेछे श्रीमाहादेवजी पारवतीजीसुं कहैछै
पारवतीजी श्रीरांमचंद्रजी भिनषनेछे साष्यात श्री ... नारायणजी
छै: आपअवतारलेने देवतांरो संकट काटणनुं पधारीयाछै: सो
श्रीरामचंद्रजी वनवासपधारीया नेरावणसीताजीनुंलेग
यो: पछेआपसुग्रीवनुंपगेलगायो नेबालनुं मारनेकिकंधानग
रीरो राजसुग्रीवनुंदीयो: पछेबांदरांरी कटकलारेनेजायरा
वणनुंमारीयो नेदेवतांरो संकटकाढीयो नेसीताजीनुं आण
या: सो जिकुं ही श्री ठाकुर कारण मते ऊवेसूंकरे: रावण ना
पडो अभमानी कितरीकमातछै: ...जिके भिसटछपाथेपाछे
नेसिंघारे: सो श्री ठाकुर करता हरता आपछे: सो श्रीरामचंद
जी जाणेछै: म्हांरो चरित्र जिके इं भिनषाथे: तथा सुणे सुणाथ
यां आगे हुवै नेपरमपदवीजावै: सो पारवतीजी आ वात म्हे
कहीछै: सो आवातथेसत्यकरनेमांनजो: नेजिकोइ श्रीश्री
रामचंद्रजीरा चरित्र रामायण हितचितकरने सांभलसी: जिणरा
...नेपापजासी: नेरामचरित्र गावसी सांभलसी तिणरा पाप
एक एक जनमरा पापकाटेकहीजे: अनंतजनमरा पापकष
कसटकरहसी: नेपरमपदवीपावै ॥ श्री ॥ आवातेतो
श्रीरेषुसीजाइ: ॥ मिती चैत्रसुद ...॥

॥ ह्रमे श्रीरामचंद्रजी अजोध्यामेराज
करेछै: सो लोक महाजन सारा
हीसुषीबसेछे नेकहैछै
जोधर्मभिसेकमां
रीजोराजवेंग्यो: नेदेवतां निमांणसंनेरषेसरां नुंसामंकही: ...

७३

नुंधीसरस्वतीयांमी सो श्री सघनाथजी मेरीयो: ह्रमे सकोइ भिर
नेस्तावाछै: जिके जेछैवे गाया ते वेगा सांहिवीकरेछै: सो ह्रमेस
रेहीरांमराजवरतीयोछै: नेसकोइ सुषीछै: किणीनुं कोई संकट क
नहीछै नेदुषनहीछै: सकोइ ठाम ठामहि बीयांकरेछै: ह्रमेएक
णदिनरषेसरसरवमिजनमतेकीयो: जो श्रीरांमचंद्रजी टीके
बेठा छै सो वांना आंपां जायने दरसण करां: सो रषेसर मारा मि
लने अजोध्या आया ने पोलीरे बारे आयने उभारह्या: नेबहीदार
साथ मालम कराया: जो रषेसर सारा ही आयाछै: अगस्तजी अ
त्रजी अंगराजी प्रजमतजी भारद्वाजजी वालमीकजी विस्वामि
त्रजी भ्रगुजी वीजा ही महामारषेसर आयाछै: तरे बडी सार
जाय माजमकीनी: तरे श्रीरांमचंद्रजी उठने साहमा आया: आयने
रषेसरांरेपगलागा: घणो आदर सनमांन देने मांहि लेगया: नेप
गपषालीया: पछै रषेसर कहेछै: श्रीरामचंद्रजी आप अवुंमपार
छो: साष्यात श्री रांवणमि: नेम्हेमगवरषेसर राज रे स्वरणरे ध्यान
राषांछां: म्हे तो आपमां मारे यां सुरणां रे आसमधु करने बेगया नेरा
जमिनसंदेहधारछि मांदेवतांरो नेरषेसरांरोने मिनषांरो संकट
काटणरेवास्ते धारछि: सो राज रावण कुमरीनुं मारतो बमोकां
मकीधो: नेरावणनुंइंद्रराजरीनेमहादेवजीरोबरदांनथोसुंमै
नलोककेभवजेताडवीयो: सो रावणनुं आरकुंण मारे: सो राजम
रदोमेननगर्वांनहो: राजद्रोहपापधोहो नेराजषपावेहो: सो राजसूं
आगे रावण आपहो कितरीकमातथो: पिणराजरी आमायाहै
नेरावणनुंराजमारीयोछे नेराजइस्वरास्वरिच्छकीयाछे: सो भरथ
खंडरालोकगावसभिसांभलसी तिणराजनमजनमरापापरोछे
दोसी: नेनिसतारोहोसी: तरेश्रीरामचंद्रजी बोलीया: अगसत
जी औरांवणइसडोइ संकट कुंकरतहोतो नेइंद्रराकसकुंकरता
ह्रीजे: तरे अगसतजी कहेछे: महाराज आप तो सरव जांणोछो: सो
राजसे तोमांनेकुंदीनहीछै: पिणराजपूछोछो तो रावणरी वा
तकहुंछु सो सांभलजो ॥ इंद्रराजरी सुत्रपुछजे जनकरषेसर कहेवे:

मेघकुंजजननुं ब्रह्माजी कह्यो : जावो मिसर पैदा थवो : तरे भ्रगुं
जनमिरग : सेषभैको नेम धरी गोढे छैतै तपस्या करणनुं वनमें
कुंजजनम मेगिरिधारी थो जन्मरै मिसर कुंछ पावे : तपस्या
वा विरिकुंव हीपावछीमही : तरे भ्रगुं जणनै तपस्या करण लागे
[illegible] नै मेजआश्रमातिणराजरै षेस्वर पिणत
[illegible] पस्या करे : मेघकुंजजन पिणतप
[illegible] स्या करे : सेछण आश्रमा मधरी गोढछे
[illegible] षने दे वंगमा आपढरा वांग्रधुपार री
बेटी कानेजीढोयमेरमणनुं आवे : सोतेमें भीकिरुढै : पछे आ
यनैगंगाजी सिनांनकरे : सोमकुंजजनरी आश्रम छहास नैडो सं
मकुंजजनर षेस्वर रेआ । आश्रेरो जीनी आवे तिणसुं षेस्वर तप
स्या करसकै नही : तरे षेस्वर दे वंगनाबानुं रीसायनै कह्यो
नै आमराप दीयो जेआजपछै थै आवसी तिणनुं गरभ रहसी :
तरे देवंगनावां बीनीजो षेस्वर सराप दीयो छै सु मिथ्यानही
है मे देवंगनावांकदेही जैछो आवेनही : नेर षेस्वरति णराजपा
वलीतपस्या करतो : सुं तिणराजराजरी बेटी रमतीरमतीभ्र
कुंजजनरै आश्रम आइ [illegible] सोउणरे गरभ रहगयो : तरे
भ्रगुं आइ जांणीयो [illegible] आम्हारो मीलनारी लागे :
मीकोइ कती [illegible] कारणमी सोमकुंजजो : मैम्हारे मन
री नैविकारको इ जांणीयो न [illegible] ही : नेम्हारे
आधीन छो वोसंकभास : तरे ब्रा [illegible] इ बीद नीपकी आयने
बापनुं कह्यो : जो पिताजी मोमे कोइ अपराधनो कोइ नही :
नेरमतां रमतां मांहेम्हारे मीलनुं लोक लोक लागो : तरे तिण
राजर षेस्वरधी नकरने जोयो : जो बाइ मांहे तो अप [illegible]
राध कोइ नही : मुकुंजजनर षेस्वर ओणजाय गाईमन्नापही
थो थो जेको इरही आवसी तिणनुं गरभ रहसी : तिणसुं
आ बाइ उवेरमतीगइ तिणसुं ओछणनुं गरभ रहगोछे : तरे तिणरा
जर षेस्वर जांणीयो : जो भ्रगुं भ्रगुंकुंजजन षेस्वरनुं दीज

७४

नैरमारे : तरे बाइनुं साथ लेने मकुंजजनर षेस्वर कने आयो नै
आयनै कह्यो : भ्रगुं कुंजजन जी थां हनुं ब्रह्माजी आप दीनी छै मि
सरउपावो नैथे पिणसमस्त री विद्यामें नहीं जनतपस्या करो छो : मा
को म्हार बेटी थांहे कुं देउं मांयपरणीजो : तरे भ्रगुं कुंजनकह्यो
नहीं बात छै : तरे तिणराजआपरी बेटी नुं भ्रगुं कुंजननुं परणायो नै
घरे आयो : देवै मकुंजजनगही डा करे छै णसिवा करे छै सा
थ जाडी यांघनी रहे छै नै पतिव्रता धरम पाले : इसम ही मास रा
वा : तरे बेटो जायो : तिणरो नांव विस्वसरमा कपडीयो : सो छसी
को यतसरनजिमी नैमतकरे रो : बांको मो कांछो : सो स्यामं
विदरा नणण हार : आम्के वेदमुख पढ जांणे नै मा त्यात पसीकुं
वो : तरे सिनासुकुंजजीरी बेटी विस्वसरमानुं परणाइ : तरे विस्वसर
मारे बेटा कुंवो तिणरो नांव कुंभेर दीयो : सो कुंभेर ब्रह्माजी कु
परइ महीनतपस्या कीवी : तिणरो पारको इनही : तरे ब्रह्माजी
वरदान दीयो नै कह्यो आपो हपावमांणहेमेरो छै : सो लंक
नैबेगोफिर : नव जेसा तदीप नवषंड मांहे जितरी लिषमी छै
तिणरो तेधणी होयजै : ओ वरदान ब्रह्माजी कुंभेरनुं देनेआ
परै हीको गया : नै कुंभेर थयो सो पितानुं के हण आयो : मेनं
ब्रह्माजी वरदान दीयो छै सोराजमानुं कायकनिरन्तय हाय
गावतां थो जदुं जेठ जायने राजधांनी करुं : पिण किण ही सह
रबिष नहीं यभिका जायमान नावो : तरे विस्वसर मा कह्यो : स
मुंड मांहे त्रिकुट छै : तिणउपर त्रिकुटगढ लंका छै : सो लंका ध
लंका : आइहरा करमांरी छै : सो राकस श्री राम चंद जी सुं म
रायातालुमां हे पैसगया छै नै छमस लंका सुनी छै : सो तुंजाय
नै वसायनै थारी राजधांनी कर : तरे कुंभेर सायने लंका सु
हर वसायो नै आपरी राजधांनी कीनी : नै कुंभेररी छमीमा
हि ही कांइ हमैं एक दिन कुंभेर पोहपविमांण बेसाफिरे छे :
नै एक देत पाताल मांहे सुं बेटीसा थलेने चेजो करणनुं नीस

रीयो॥ सो देतचे जो कपते पिले छे॥ तेरे हेत लंका सांह मांहे
थीयो॥ तेरे सरजरी छिण समान कुमर रो बिमांण दीठो॥ तरे
ऐ बिमांण देषने आप री बेटी सांह मो ड्रायो॥ ने बिचारी यो जे
आम्हारी ने टी विम्ब सरमा नुं देजे॥ तो आ ही बेटी कुमर स
रीषा बिछी जिले॥ तो कुमर नुं लंका मांहि सूं परो काढी॥ नेम
लंका नाम्हा राक सांरी छै॥ ने म्हारी बेटी राषे टेरा राक सफ
सी॥ इसतरे देव बिचारी थी॥ ने टिन गे ना व गुण माली छै॥ सो
गुण माली बिचारी यो॥ जे श्री ताको भक्तीया दीजे थाहीजे॥
तेरे टेनगुण माली कहे छै॥ बेटी सुं देषे छे श्री बिमांण बेगो
फिरे छै॥ मे लंका रो धणी ऊबो छै॥ मेश्रा लंका श्री पाताल
सांरी छै॥ सो लंका रो धणी कुमर छै॥ सो ते कुमर रे आप
रे घर मे पेस में तंही एक कुमर जिसडो बेटो जिणे ता इणनु
लंका मांहि सूं परो काढी॥ ने थारा पेट रो बेटा ऊवे सो राज रो
धणी हुवे॥ सदि तगुण माली री बेटी री मां वके सनी छै॥ पं
के सनी कहे॥ आपजी मोनुं विम्ब सरमा नुं परणावो॥ तेरे गु
ण माली कहे॥ बेटी म्हारे कदा नांतो परणी जे को इसन ही॥ तेरे
के सनी कहे॥ आपजी थि कहो तो हुं जजाउं॥ तेरे गुण माली
राक सफ दो॥ सो ते जा॥ तेरे के सनी उतावसे आयने विम्ब स
रमा रे बिम्बर विगे थो॥ तेहे न मनी थकी सो हमी बिसने धर
ती कुत्व रण लागी॥ तेरे विम्ब सरमा पूछी यो॥ केतं कुण छै
श्री कुं बे दछि॥ तेरे कहे बिस वो ली ऊं जिका हुं सो राजमा
हजांणो॥ राजसंका मे छांनो छै॥ तेरे बिम्ब सरमनेम ह
वार ने कही यो॥ सं सुवरीयां वना कर ने आई छै॥ सो जाइ॥ रे
सुम्हा सी॥ पिण माहा ड सटी हो सी॥ घणी मां पासांमे देव
तां ने रवि सरीं मूं घणो दुष देसी॥ तेरे के सनी कहे राज
रे बचनां सूं छां धे सं इस डो कांहों छै॥ तेरे विम्ब सरमा कहे
छे सिंध्यावे लां आइ सो ने लान्हे री छै इण बेलां रोरू जाने

सो माहा ड सटी जो बेट मेला राक सांरी छै॥ ने म हो य बेटा॥
जिणसी तिके नो माहा ड सटी दा सी॥ ने एक बेटी जिणसी तिका
राक सणी ऊसी॥ ने देवतां नुं रषि स्वरां नुं घणो दुष देसी॥ ने तीजो
बेटो ऊसी सो थी ठाकुरां रो परम भगत ऊसी॥ थारे च्यार बे
रु ह्वासी॥ इम दस मास पूरा ऊवा॥ तेरे दस मास थाने वी सहा
थारा रा वण ऊवो॥ सो माहा ज्ञानवान करूप छै ने माहा जोरा
वर छै ने बीजो बेटो कुंभरण जायो सो एक परबत जिसडो मा
टो ने ऊंचो छै॥ ती जी बेटी सूप नषा जाइ सो राक सणी ऊइ॥ ने
चोथो बेटो बभीषण जायो सो श्री ठाकुरां रो परम भगत ऊ
वो॥ तेरे छेहे श्री रांम चंद जी श्री गम नत जी नुं कह्यो॥ आगमत जी इ
णां इणां किसी पुंन्य कीवी थी ने किसी तपस्या कीवी थी
तिण सूं तीनसा करा बिजेता ऊवा॥ ने देवतां ने रषे स्वरां ने स
तांवडी नुं कसर दीयो॥ सो इण बात रो परमारथ थे कहो॥ तेरे आ
गम्म तजी कहे॥ राजसी नले का रा धणी छै॥ सो राज सो तो सो
हमाल मछे॥ ने राज मां कने कंदवा हो भे तो ऊं जांण॥ जस
डी राजस भांज मकरस॥ हे मकुमर लंका राज करे॥ ने कुम
री बमी मा हि बी जमी छै॥ सो एक दिन कुमर पिताक ने
आवण रो बिचार कीयो॥ जा पितारे पग लागा ने घणा दिन ऊ
वा छै॥ तेरे कुमर बिमांण बेस ने साथ घणो साथ ले ने पिता वि
म्ब सरमा कने आयो ने पगे लागो ने पगे लागने कुमर पिता
रे सांहमो बेगो॥ सो कुमर बमो जो धार छै लंका रो धणी छै॥ तेरे
के सनी रावण री मा छै सो॥ के सनी कुमर नुं देष ने रावण नुं बु
लायो ने कह्यो रे थ देषो॥ कुमर छै था जीउ पर तपस्या कर ने सं
सार बी पाइ छै ने इसडी रिध ने सा हिबी रो धणी ऊवो छै॥ सो
थे इंकाइ स घरी तपस्या करसो तो इसडी सा हिबी रा धणी
ऊसो॥ ने बेग सा हि बी यां करसो॥ ने तपस्या न करसो तो ऊ॥
जिसडा ही जेरहे सो॥ तेरे रावण नां कीयो॥ माताजी थे इतरा

जप मांडीयो करो ज्यां श्री आपपाई छै मांहे इण सूं ही पृथ्वी था
सां: पछै अमर पिता कने मृग मांगी नें लंका आयो: नें रावण नें
कुंभकरण कुंन कारण बनी खण तीसुं ही निणात पस्याकुं घरां
रहती सरीया: मैं गोकरणगां व छै तठै आया: नरैमि ही जिण
... कंदछे आप अपरीयां मनाहो वे संमम मे श्रापे नेम
... पस्या करजो: तरे ती नो ही जिण जद दीज दीस पस्या क
... रणीमांमी: तरे पांच हजार बरस तो बनी खणत पस्या
... कीवी: दस हजार बरस तांइ कुंभकरण तपस्या की
वी नें बतीस हजार बरस तांइ रावण नें तपस्या कीवी नें रावण
आपरो माथो आपरै हाथ सूं होमीयो: नें दस हजार बरस पूरा ह
या: तरे दसजो माथो आपरै हाथ सूं बाहे नें घतै होमीयो सुंक
रतां इण तांत नव हजार बरस तांइ नव माथा होमीया नें दस
मों माथो होमण लागो तरे ब्रह्मा जी कह्यो: रे पुत्र माथो म
ती बाढे: ... इतरो कसट कुं करे छै थारे कांम मा होय सो त
मांग: ज्यूं ... तो नुं देवुं तरे रावण बोलीयो: थे मोनुं अम
र करो: कें देवतां सूं मरुं नहीं: नागां सूं मरुं नहीं: पितरां सूं
मरुं नहीं: जखां सूं मरुं नहीं: गंध्रफां सूं मरुं नहीं: राकसां सूं
मरुं नहीं। जितरी ब्रह्मा जी की सिस्ट छै जिण सूं किणी सूं
मरुं नहीं सो आं मानुं बरदान दो: तरे ब्रह्मा जी जिकुं रावण
मांगीयो सो सर बरदान दीयो: नें ब्रह्मा जी रावण नुं कहै तें
थारा माथा होमीया छै सो नवा ... माथा आवो: नें अगल्यो
किणीज रूप में थारा माथा नें तुं आप इसी सें नवा आवसी: पु
नरे बरदान दे नें ब्रह्मा जी कुंभकरण रो भीज दे पने कहे: श्रे
ती मांगीले: जितरो बरदान रावण नुं दीनो जि पतरो इण भुं
... नौ को हजल मकरे: तरे ब्रह्मा जी देवी सरस्वती नुं कह
यो: तं कुंभकरण रे कंठ मैं बैस ज्युं आ कुं ही मांगे न बी रावण
तो मांगीयो सो हे रावण नुं दीयो: जिण भांत कुंभकरण मांग

७

यो: नें जो कहा मन्दे बरदान दीयो तो सरब दीप नवखंड मैं नें
तीन लोक मैं कुं ही कस्मी: तरे देवी सरस्वती जाय नें कुंभक
रण रे कंठ बैठी: नें ब्रह्मा जी आय नें कुंभकरण नुं कह्यो तूं
मांग: नें भाग्य परत पस्या कीवी छै तरे कुंभकरण बोलीयो ब्र
ह्मा जी मोनुं तो निंद्रा दो: मोनुं नींद घणी आवे छै तरे ब्रह्मा
जी कह्यो छै कुंभकरण नुं छै महीना पछै दिन जागे: इतरे
कै नें ब्रह्मा जी बभीषण नुं कह्यो छै: बभीषण तें भी उपरत प
स्या कीवी छै सो तुं ही मांग: तरे बभीषण बोलीयो: म्हारै हिर
दा मैं सदा धरम भाव रहो ना ही जर है: तरे ब्रह्मा जी कह्यो: थारा
मन बभीषण तें म थे मांगीयो जो थारो सत दिन धरम री वा
ना ही जर है: नें एक बले तो नें बरदान दिनां की बेता जुग मांहे
रां मा अवतार होसी: तरे तो नुं श्री राम चंद्र जी सिंदरम ... श्री
सी नें तो नुं श्री राम चंद जी अमर पद देव दिसी: नें लंका रो राज
तो नुं देसी इतरो के हे नें ब्रह्मा जी तो आपरै ... पधार गया:
नें कुंभकरण मन में सोच नें कहे: जे मैं कासूं मांगीयो: आम
न मा ... किण दीनी ... नें ती नुं ही नाइ आपरै घरै आवण लाग
नेग कसां नें दिनां सर बांधात मांनली जारा रावण बरदान पा
यो छै तरे पाताल मांहि सरा राकस नें दैत सरब आय आया नें आ
य नें रावण कने अनारथ्या नें दैत मय दांणव री बेटी मंदोदरी
आदी रूपवंत स्त्री सें रावण नुं परणाइ नें सांगण करां रावण
नुं हाथ जे दीवी नें कुंभकरण नुं बिरजवाला राकस री बे
टी परणाइ: नें गंध्रफां रा राजा री बेटी बभीषण नुं परणाइ:
छै मरां रावण रो नाम गुण पाणी राक नें बीजाही बमा बमार
क सदर बार बैठा छै: तरे रावण रो नाम रावण नुं कहे छै सा
ं कां कुमेर कना सें लंका लेने थे राज करो: आ लंका राकसां
री सिद्ध रबे: सो रावण जी छोड़ण जा युग गाण जकरो नाम्हारा
जोर प्रिथी ऊपर चालै: नें रावण कह मो नाजी थि कस्यो सो

तीरहां॰ मिणड सही वात श्रीमतीकहे॰ वीजी आयमाघ
॰॰॰ पीछीदेसां॰ तरे नामिनेसारां म्हीरीकसां
॰॰॰ वणनुं कहै॰ रांवणजीकिण रो नाड नेषि
॰॰॰ आगरे थिता॰ धरतरिबासनेसदाडजहता
॰॰॰ आयाछै॰ तरे रांवण कहै भसकुंभर म्हारे
॰॰॰ वनिनाड छै॰ तरे रावकसम कहे॰ जायगा
॰॰॰ तंबरी जे आघा कांयक छै॰ सहाइना
इनाड धरतरिबासनेजहे छै॰ पिमाने बडाधरतरिबासने जंदे
छै॰ सो इमीनापाकेट केसनेरांवण नुं घणो समझायो॰ तरे रां
वणगुणमालीनामाने जंकाम्हलीयो॰ नेकेदवाढीयो॰ नानाज
श्रीजायने कुंभरनुं कहदीजो॰ केलाते जंकाछोमनेनीमरजा
कनाछो रे आयमिजधकर॰ तरे रांवणगुणमालीआयनेकुं
भरनुं कहदो॰ तरे कुंभरमनमे बिचारीयो॰ जरांवणनुं तो छे
माजीवरदांन दीयो छै॰ सो आरांवणमानेमरेतो न ही॰ नेजो
न डीमोना मोलुं मारसी नेम्हारे रिधमारु लीछै॰ रिधरा कोइ
तारन हीछै॰ सोइ जंकाछो मनेबीजी जायगा जामरे इमे॰ इ
तरो बिचारने कुंभरके लासगयो॰ जायनेश्रीमाहादेवजीरी
घणीश्रमततकरहाथजोड कैवनारह्यो॰ तरे श्रीमाहादेवजी
मिहरवानहोयनेकह्यो॰ कुंभरसाके जामने जायगा छैसो
तरे कह॰ तरे कुंभर कहे रुदाराजे रहसां॰ तरे श्रीमाहादेवजी
विस्वकरमानुं तेडनेकह्यो॰ श्राकेलासने जायगा छैसो
कुंभरनुं अलेकासोवनरीमसरीरतनांसुं जडी वणाय वे
सघरांमे हलमालीया करोमाजालीयां बो हरावणायदे॰
तरे श्रीमाहादेवजीकहीयोजिमही विस्वकरमा अलंका
नगरीवणायदीवी॰ होमकुंभरछोछे बेगमादिबीके रे॰ नेरांवण
लंकामांहेजायबेठो॰ रांवणरी बडीमादिवीवाधीनेसकसं
रोजरोकवीहहमे एकदिमरांवणकेलासपरआतआयो॰ सो

आमामनुं वीमीओ आयनेहाथांउपरमचायो॰ तरे पारवतीजी
कहो माहादेवजीश्रीकासकंधवेनेकेलासकुंभारराचाकां
जुंफिरणलागो॰ तरेश्रीमाहादेवजीकहे पारवतीनं वीइमती
श्रोरांवणराकसछैसोकेलासनुं नचावेछे॰ पछे रांवणश्रीमाहा
देवजीकनेआयनेपगलागो॰ तरे श्रीमाहादेवजीरांवणनुं कह्यो
छोफेतोनुं तेगतमांमा॰ तमांगेसफेतोनुं देउं॰ तरे रांवणकहे
राजम्हारेहाथउपरदोजो॰ तरेश्रीमाहादेवजीकह्योसही॰ तरे
रांवणश्रीमाहादेवजीनुं हाथांउपरबेसांणनेनीसरीयो॰ सो आ
गेजावतां श्रीठाकुरमिलीया॰ तरे श्रीठाकुरकहे छै माहादेवजी
थ्यकठेजावोछो॰ तरेमाहादेवजीकह्यो म्हेरांवणरेसाथजा
वांछां॰ तरे श्रीठाकुरकहे श्रोबमोडुसटीछै नेबुहमाजीइण
रांवणनुं बरदांनदीयोछै॰ सो देवतांमगलांनेदुषदेसी॰ नेइण
नुं पछेदीओ पांनुंमारणो कसी॰ सोथडणसाथजायनेजोइजे॰
इतरो श्रीठाकुरकेहनेपधारीया॰ तरेश्रीमाहादेवजीरांवण
नुं कहे हे मानं उजायछे पणपरतीतनमती नेश्रसवथके
मानं श्रा नेडमती॰ तरेरांवणकह्योनजो॰ तरेश्रीमाहादेवजीरां
वणनुं जंगजांरीहोजतलगाडे॰ नेश्रीठाकुरमोकरांरेरूपक
रनेधुजताधुतपारगमेश्रायनीसरीया॰ तरेरांवणकहे बिरांप
णनुं इरेश्राम॰ नेम्हारेहाथउपरमाहादेवजीनुं मेनाय॰ जितर
कंजंगलेजाय आवं छुं॰ तरे बिरांमणकहे नाडमोबनेताउपड
सी॰ म्हारेहाथामांहेजामदी॰ तरेरांवणमामांहीमजायने
आपजंगलेगयो॰ सोरांवणनुं घणीविसालागी॰ तरे बांमणरांव
णनुं हेलोमारीयो॰ रांवणआवोदमेम्हारा हाथपडेछे॰ सो हमे इं
नीचोमेलूं छूं॰ इतरोकेहनेबांमणमाहादेवजीनुं नीचोमेल
नेहाजतारदोह॰ तरेरांवणआयनेदेषेतोश्रीमाहादेवजीधरती
बिचालेनेबांमणदीसनदी॰ तरेरांवणश्रीमाहादेवजीनुं उंचा

वणजमोपिण ... नहीः जितेरेमाहादेवजीरो
णनेंदकेसरआयोः आमनेरां वणनुंकह्यो रे
रांवणने श्रीमाहादेवजीनुं कह्योनेजायेछेः तंश्री
माहादेवजीनें असुचयकोआनेंदेछे नेरांव
विछेःसोतं ... बंगो अपराधीछेः सांभलतो हुं सरापदेउछुं
तेरेरांवणकह्येः नंदकेसरकुंथारेसरापसुंमरुंनहीः मेथांदसं
नेदेवतांसुंहीमरुंनहीः तेरेनंदकेसरकह्यो तोनुंम्हे कांइमारां
वांदरांनेमिनषतोतुंमारसीः तेरेरांवणकह्योवांदरांनेमिनषांसुं
संमरणवाजोइंनहीः मिनषनेवांदरांमोआगेकिसरीकमा
नछेःवांदरानेमिनषतोम्हांराकसारीषारछेः इतरोकहेनेरां
वणनेकागयोः नेमाहादेवजीछेतेकांइषमेमांदिरह्याःमुंछेद्वर
डीयानेजनाथरीसजाय्यापनाछांछैः नेहरडीयामाहादेवजी
कह्यीजेछेः सा... कोइमिनषकोमनावकरनेजायछेःनेपुजाव
रेछे तिणरामनरामनोरथपुरेछैः पछेरांवणजंकुजायनेइंड
सुंजुधकयोः तेरेइंडरांवणनुंपकडनेबांधियो तेरेरांवणरे
बेटेमेघजीतआयनेइंडसुंजुधकीयोः तेरेइंडनुंपकडनेमे
घजीतबांधीयोः नेरांवणनुंछुडायोः नेइंडनुंबांधनेलंकामां
ल्यांणीयोः तेरेब्रह्माजीआयनेरांवणनुंनेमेघजीतनुंकेह
नेइंडनुंछुडायोःनेमेघजीतरोनांवइंडनुंजीतोतेरेइंडजीत
जयोः तेरेरांवणनुं कुंभेरकेदवाडीयोः रांवणनेनिपटआंधो
मतहोःलःएकसेरीनारायणरीरावःतेसगलांसुंजुधकरे
छेःमोनांबालआवीनछेः सर्गलोकपातालमिरत्य
लोकमातदीपनवषंडतेवसकीयाछेःपिणतेमांरायणरोम
रसाषःतेरेरांवणनुंकोधउपनोःतेरेआ ... यनेकुंभेररोवि
मांणषोसलीनोः तरापछेएकदिनरांवणछेकुंठगयोथोः
...संकेसरसनकादिकछेमापाःतिणांरेरांवणजायपर्गे

लागोः नेरांवणबोलीयोःसनकादिकजीथांसोंनुंकोइमारसे
जुधकरणवालानहींवनावो मेतीनलोकवसकीयाःपिणमोसुं
जुधकरणवालोकोइनहीःआपदातमहावनारीहियरद्यांछेमे
मेबतावोतिणसुंजुधकरुं नेथेछेतमध्यांनकरोछोसुंकिण
रोध्यांनकरोछोः नेबीजाहीरपस्सुंकिणरोध्यांनकरोछैः तेरेसन
कादिकजीबोलीयाःरांवणसांभलम्हेध्यांनजिणरोकरांछांसे
... मपारछे ... आपतादीसेनहीनेअसगलांनुंदेषेछेःसु
सगलांमांहेरहवेछीजेछेतणबिनाकाइषालीनछेः तुंम्हाजीवे
परिनासकपलमांहिम ... पगटछेःबीछेःमाहादेवजीपिणवंणन
पगटहोवेछेःमोउसमगलोरीकरतारसमेः सगलांगेपोषणन
संहारछेः तेरेरांवणबोलीयोः जेकुंसा... देवतांरैनेराष
सरे... नेदेवतान्हामनेसेणकनेप्रकारता:तेरेसना
दिकजीनेरांवणनुमारतोमोलआछोमीजेछैःनेरांवणकरछे तिणरामा
रीयागतजाइजेकनाआगतजाइजे तेरेसनकादिकजीकहेरां
वणते इसडीबातआजकहेछे बीजोकोइदेवतामारेतोगत
जाइजेछेः तो श्रीठाकुरजीआपराहाथसुंमारेतोपरमपदवीजा
इजेः तेरेरांवणकहेछै कुंश्रीठाकुरजीसुंवेरलावरावसुंःनेकुंसा
मोपमोजायनेजुधकरनेमरसुंःकुंपापीछुंःअपराधीछुं मेघणी
जायगाघणाघरांभांककारघालीयाछै बीजोकुं अपराधीपापी
आगेछुंनहीःतिणवासतेकुंश्रीठाकुरसुंवेरकर ... नेजुधक
रसुं मांनुंश्रीठाकुरमारसीःतेरेकुंपरमपदवीजासुं नेम्हारा
पापकटसीःतेरेसनकादिकजीकहेःरांवणम्हेतानुंकह्यां
जेअवतारतोजांणोछेकुंश्रीठाकुरसुंवेरलावकसुंःतोकुंतोनुं
कहांछुंःतेतानुगमांहेश्रीरांमाअवतारहोसी नेश्रीठाकुरअ
जोध्यामेराजादसरथजीरेघरेजनमलेसीःपछेपितारेवचनरे

बनवासआसी नेसीताजीसाथेहोसी सोयांचवटीमेंदा
वरिसेचकं तरेहसी सोछेथे श्रीरामचंदजीरीअसत्रीसी
ताजीनुंदोशेनेसिआप सोसीताजीजगतमाताछे नेतेलेजा
वे तरेरातदिनसीताजीआगेमंगतकरेपगेलागे नेमित्य
सेवाकरजे पछेसीताजीरीबाहरश्रीरामचंदजीपधारसी
तरेतेजुधकरेलछमणसंतातेनुं श्रीरामचंदजीमारसी तरे
तेपरमपदवीजासी इतरेसनकादिकजीकेंहै पछै
रावणरेआयो आयनेश्रीठाकुरांसुंकपटभाववेरराष
तोजासो ॥ ओछेअगसतजीश्रीरामचंदजीनेकहेछे आपतोम
हातश्रीनाराअणछो सोकुंराजआगेकांकंकरुं राजेतोस
रवजांणोछो राजतीनलोकराधणीछो ॥ ५ ॥ इतिरावणरी
वातसंपूरण ॥ श्री ॥ ॥ श्री ॥ ॥ श्री
॥ हमेवलेश्रीरामचंदजीअगसतजीनुंपुछेछे बाजनेसुग्री
वकिणरोबेटो यांसरीबोजोरावरआगेकोइहुवोनही सो
आबातथेकहो नेहिंसाजसीयोछेबालइंदरोबेटोछेनेसुग्री
वसूरजरोबेटोछे सोआबातमेंनुंकहो तरेअगसतजीकहे
छे राजराजतोसरवजांणोछो पिणमोकनेकेहवाडोछोतो
म्हारीमतसुधसारुमालमकरसुं तरेअगसतजीकहेछे ए
कदिनब्रह्माजीमेरगिरपरवतउपरवेठाछे सोमेरगिरपर
वतसोवरणरोछे नेवोसमीजोजनउचोछे नेसोनासरीध
रतीछे नेमेरगिरपरवतउपरनवपुरी बीजाहिवतांरीछे नै
इसनीपुरीसारांहीसुंउंचीनेसारांसुंवैठीछेसोब्रह्माजीरीछे
तठेब्रह्माजीसभामांहेनेवेठाछे नेदेवतासरवआयाछे सु
ब्रह्माजीश्रीपारब्रह्मजीरोध्यांनधरेछे सोध्यांनकरतांहर
षरांआंसूचाल्या सोआंसूघणाआया तरेब्रह्माजीआंसूह

थमांहेलीया अनेधरतीमांहीया नेआंसूनोपरतापसंकल्यो
कुंडीहोणपदारथछे सोइणांआंसूथांसेहोसी अनेआंसेकारण
कहै तरेइणआंसुवांसुंएककुंडहोसपनीसेकुंडरोअद्भुतस
पदीसे तरेब्रह्माजीइणकुंडरानुंकहेछेथारेनांवह्रघरराजछेनेब्र
ह्माजीहरघरराजनुंकहे हरघरराजतुंमाहकनांमकरेहीजाएम
ती ओथेबागबेतिणमेफलफूलघणानेम्हारसेनेहोरहे हमेह
रघराजउणबागमांहेफलफूलघावे नेब्रह्माजीकनेरहे एक
दिनहरघरराजबागमांहिसेंआघोजायनेएकसुंघउपरबेठो नेप
कुंडरेबावडीमघरीपांणीसुंभरीदीठी तरेहरघरराजउतरनेबा
वडीकनेआयो बावडीरोआभोउजलजलछे तरेहरघरराज
आघोहोयनेपांणीपीवणलागो तरेपांणीमेआपरीछायानेदी
ठी तरेहरघरराजकहेआपांणीमांहेकुंणछे तरेकूदनेपांणीमे
पडीयो तरेआगेपांणीमांहेकुंदीहीसेनहीं तरेहरघराजपांण
मांहिसुंबारेआयो नेपांणीसुंसारोहीभीजगीनो तरेभीजमाह
जोयो ज्युंबांदरारीअसत्रीहोयगइ सोअसत्रीइसडीजाइ नेसे
तीनलोकमांहेनहीं तरेहरघराजजांणियोजओकासुंज्यो
नेहरघरराजआगजीसुंधनुजगयो हमेअसत्रीथकीउणहीज
बागमांहेरहे सुरेहतांघणादिनज्यावा हमेएकदिनब्रह्माजी
रेदरबारइंद्रजीआया सोइंदजीउणअसत्रीनुंदीठी माह
रूपवंतअतिसुघटरीभेअकेजी तरेइंद्रकहेम्हारेपेसेरोएकब
रेबेटोहोसी तरेइंद्ररावचनसुंसतकालउणरेबेटोहुवो ति
णरोनांमबालकहीयो नेइंद्ररेगलामेमोतीयांरीमालथीसु
बालनेगलामेघालीनेइंद्रआपरेथांनकगयो हमेउणअस
त्रीनेमतारोबेटोवणआछोरहे पछेएकदिनब्रह्माजीरेदरबा
रसूरजजीआया सोसूरजजीजावतांथकांउणअसत्रीनुंदी
ठी तरेसूरजजीउणरोरूपदेषनेसूरजजीरोहीमनचलीयो त
रेसूरजजीसुंउणरेएकबेटोफेरहुवो तरेउणरोनांवसुग्रीव

दीयो नेसुग्रीवरेही ... डांनुं हणवेतमुंडीयो नेहणवं
नुं कह्यो सुग्रीवम्हांरो ... पुत्रछे सातं हणरा हीडाकरे ने
सुग्रीवनुं रजजीकहेछे तं बेगो साहिबीकरः नेथारी चाकरी
रेवासुं तेहणवं नराधीयोछे सोतं केहसी संहीडाकरसी इतरो
कहेने रजजीश्रा
पेरडीकांणेग याः॥
हमेश्रश्वसत्रीदा
नेमाहबेटांनं
लीयां वागमेबेठी
रहेः रातपहेतेदो
नं बेटानुं लीयांपहरेहे सांथुं करतां घणादिन हुवाः एकदिनरा
तरा सुतीथी नेपरभात राउठी ... ज्युंफेर पाछीबांदरेरो
बांदरीहोयगयो तरेहरख
राजदानें बेटानं
जैनेवृंदमाजीकनेश्रायो
तरेवृंदमाजीकहेहरखरो जनमेस्याथ्रः तरेनैडोश्रायोः तरेवृंदमा
जीएकजतनुं श्रापादीनीः जातेहरखरा जनेसाथे जेने किकंध
नगरी दिखाय उबानगरी विसकरमारीछेः रतनांहीरांसं जडीछेः
सारां भेदजमाजीया घरजीतां सारी जगममाटकर रहीछेः सोघ
रणनुं अनजायगादीनीछे नेसातदीपनवखंडमांहि जितरा बां
दराने रीछ छेजितरा सरबइणरा चाकररेछे नेवृंदमाजी हरखरा
जनें कहेछे थेबांदराने रीछांरा राजाछोः सोइणनगरीमांहे बेठा
राजकरो नेवलेकद्योत्रे तांजुगमांहे ... श्रीरा ... मचंद
जीश्रवतार लेसी उबेथांहरीनगरीश्रावेः तरेथेश्र ... णरीह
नेबांदरांने साकरने श्रीरामचंदजीरे मुंह ... डाश्रागेरहीजोः
रावणसीताजीनुं लेजासीः नेसी ... ताजीरीखबररजांव
तानुंश्रीरामचंदजीनेश्राय श्ररसीः ... तरेसर स्रबेवताहीं

बांदरांरोश्रवतारलेसीः साथे पिण समजाबांदरारी छांनेलीयांश्री
रामचंदजीश्रागेदोडजोः नेश्रीठाकुर कहेसं छेकुरजोः इतरोवृंद
माजिकहेने हरखरा जनुं केकंधानगरीरो राजदीयोछेः श्रगसतजीश्री
रामचंदजीनुं कहेछेः श्रीरामचंदजी राजाभिनषभूछोः साष्यात श्रीना
रायणजीछोः सोराजविनारोपम्हरांनुं सुणबकुणोछेः राजविनारावण
कसटीनुं कुणमारः इणभरतीमांहे रावणश्रधरमीहुंणोश्रदीयो
छेः बालसुग्रीवरीउतपत श्रध्यातमसंपूरण॥२॥ श्री
॥एकेछे एकबातबलेश्रगसतजीकहेछेः एकणदिनरांवणनुं ना
रदजीमिलीया तरेरावणनारदजीनुंरेवणलागोः ऋं मातकरव
दिषणछेपणलागरावणनारदजीनुं पुछेछेः राजनु तीनलोक
रीगमछे नेराजाकिरताबीजरहोछेः सोराजकोइकइसहो
जोरावरभानुंबतावोज्युंभासुं जुधकरेः स्वरगमृत्युपातालमेकं
सोरहीफिरीयोपिणमांसुं जुधकरणवालोकोइमिलीयानहीः
तेरनारदजीकह्योः स्वतदीपछेतेठश्रीठाकुरश्रापरहेछेः
तेठश्रीठाकुरांरेसेवगरहेछे सोमाहाबलाकारछेः तासुंहीसब
लोजोरावरछेः सोरावणतंसुंलेजाउतांसुं लछमीः श्रीजोमातासु
जुधरोकरणवालोकोइनहीः तेररावणश्रसीकावोः ज्युंकंउणसुं
लडसुंनेउणांनेमारनेस्वतदीपताइम्हारीश्राणफिरस्येः सोनारदजी
इतरोकहनेश्रापरेठीकांणेगयाः नेरावणपोहपविमांणमेमाथन
वनावजाइमरथवसांवजतयांदनेमाथिछेनेस्वतदीपनुं हालीयाः
सोरावणस्वतदीपताइश्रायोः श्रोगविमांणश्रागोजायसकेनहीः
तेररावणविमांणसुं हेठोउतरीयोः नेश्रापपालोहथेनुंमाथसा
थलेनेश्रागोगयोः ज्युंगिबसं श्रसत्रीयांहजारेकश्रायनेरावण
नुंपकडीयाः नेश्रकेहरेरहे कुणछे नेकांश्रायोछे नेतानुं किणभेली
योछेः सोरांवणइभरेबजाकारीयांपिणबोलसके नहीः नेरांव
णरीबोलकडीरहुकगईः नेरांवणश्रासेमीवसेरुघदिषनरहीयोः ने

करी श्रीमो नेराम वणा मनेमके हणलागो अइणां वैरादीमो मुमदा
डीदेतो सानी तिसेझूरो हूं मोक्षदायने ओडूणा रामरदांतो धकेो दे
होतो ताके जी वुस्हीजा वतो नेश्रेभेर दे रेसमनजा जोराव रस्
मीः नेश्रेमो न्मारेतो कंश्रागनजाउं नेबलेकदे तेतालुगमांदे श्री अ
कुसरामाश्र वमारजेसी नेपितारे वचनबनवसपधारसी नरे कं
दरसणकारसं नेश्रीरामचंद्रजीरो मारीयोकं परमपद जासं बी
तुं कं अपराधीहुं नेमरगामी हुंसो नरक जासं नेश्रीरामचंद्रजी
रोदरसणकरसं नेमोनुं श्रीरामचंद्रजी मारसी नैरा कंपरमप
दजासं दमेरावण श्रीनेदवोधारनेलंकागयो पिणसंवणद्वि
सामांदे वैरभावदी जराषीयो जोकदी श्रीरामचंद्रजी आवैने कदी
कंजुधकरसं आसोदमे श्रीरामचंद्रजीनुं आगसनजी कदे छे
श्रीरामचंद्रजीराजमगलां राकरता हुरससो नेउणसटरा
ज्यराजसं वैरभावधायौ तो सराज्ये णमुमारयो
नेराजसमगलां हीनेसुष दीयो राज
श्रडंमपारश्रो राजकनेकंफाजै
शानकके राजसं नोसरवबात
मालमदी अछे इतरो के दमे श्राम
मनजी सारंरषे श्रमसहितसी
षमांगी तरेश्रीरामचंद्रजी श्रागस
नजी मुं वीजादी सारांरषेसरां नुं भमसकारकरनेसीषदीनी म
रेरषेश्वर आप श्रापरे थीकांणेगया ॥ दमेश्रीरामचंद
जी श्रजोध्यामे छेराराजकरे छे जो श्रांरीप्रतपालणाकरे छे को
इ किणदी सं विरोणानही कोइ किणीसं लडणानदी कोइ
किणदी सं बोलणे चालणोनदी कोइ किणदी कनासंमाम
णो नही कोइ किणदीकने जावणो नदी कोइ रोगदोषनदी
सगलांदी रे घरांमांदे माल वित घणा मनरी मनशाजेवे सं श्र

गामांदि सं नीसरे धरतीमांदे धान पांणी मोकला रुपद्रुषदे
मासदा फलीया फलीयारदे छे कदे दीकोइ स्वपन दीवे मित
वारी दसदजार वरसरी श्रावरदा छे सो श्रावरदापूरीकं वेदि
नामरे नदी सकोइ बदा सुषसुंसाद्वि बीकरे छे नेश्रीरामचंद
जीरो मुंद दाश्रोगण बरदारदाणवं तजीसरीषो छे सो मानदी
पनवपनमे श्रातदायषवर देयसं आंणमाजमकरे न्याय पु
टमांदे लोक सुषी छे सगलालोकमाहा आणंद मे छे नेसरव
लोक श्रीरामचंदजीरा गुणजसगावे छे नेसरव सुषी छे नेसा
नमणपरखतराजनेंघणीमषरी श्रामीसदि वेछे नेपरखतकदेवे
नजांदी श्रीरामचंदजीरा राजकं वांपेद्दलांलोकश्राप श्रायन
मांनारे वासेतम्हारीपांच श्रांहतां सो दमश्रीरामचंदजीकं वाप
देकोइ श्रावेनदी सो दमेसरव सुषी कं वांछे एक दिन श्रजो
ध्यामांदे ब्राह्मणसिवश्रतरिहतो तिणरे बेटो १ बरस५०० पांच
सोरो थो सो मरगयो तरे ब्राह्मणरो दागलागो नेश्रीरामचंद
जी दरबार बेठा छे सो ब्राह्मणरो मदनबब नमोतलीयो तरे
श्रीरामचंदजी कद्दे म्हारा राजमांदे जमरो बाजो कुणबजावे
छे तरे ब्राह्मणनुं तेडीयोनेकह्यो तेरो बेटोमुवो छे तरे ब्राह्मण
कदे म्हारा राजम्हारे पांचसो बरसरो बालक बेटो थो सो मरगयो
तरे श्रीरामचंदजी कदे ब्राह्मण थारा बेटा नुं कांकं वो नेकुं
करमुंवो तरे ब्राह्मणकदे कंजांणुंनदी मोमांदे चुक कोइ
पडीयोनदी कं तो सिं आत्रिपाणसिनांनजिकाम्हारेछे वतांरी
सृजाछे जिकाकीयाकरसुं तिणमांहे तोकोइ चूक नदी पडी
छे नेश्रीजीनोश्रापराज जांणोकंतोनदी जांणुं तरे श्रीरामचं
दजी विचारजोयो अमूदेषतो एकसुद्र अजोध्यारी सीवमांदे
तपस्याकरे छे तिणबासते उणब्राह्मणरो बेटो मुवो तरे श्रीराम

[illegible] थंवजी इसडे थक बाह्यः सो म्हइ रामायौ दट पड्यो थे
[illegible] सहइ वे कैंदगयो ने श्रीरामचंद जी ब्राह्मण
[illegible] रो बेटो ब्राह्मण नु प्राण दी
[illegible] यो अजो ध्यानगरी मांहे आ
[illegible] रांहने थांवणा कवांबे ने श्र
[illegible] हाण आयने श्रीरामचंदजी
नुं आशीर्वाद दीयो नेकह्यो वलांदीश्री रामा अवतार कांना
णा अवतारी त्रंयनक्षणी दीयजो ब्राह्मण आशीर्वाद देने
घणी असत्कार कर ने विसर्जे ने घरे गयाः पछे श्रीरामचंदजी
अजोध्यामें ने जितरीह इस मांहे आप रीआ णा उपराइ फिरे जित
रीइस मांहे श्री ठाकुरजी रा नि श्रीमाहादेवजी री थापना ने देव
रा कई लाषां कोडां बंध कराया ने माहादेवजी री पूजारी वि
धकराई ब्रीआ दीघरम मारगमें सो हक राया इणभांत
ने पूजारी विधकरे छे जो मनषदी इण धरम मारग चाले
एक दिन श्रीरामचंद जी आपरे बासे महल बिराजणे रो छे
तैरे एकं तांब राजी या छे ने सीता जी [illegible] मरहो लेहे ने सीता
जी कहे छे माहाराजतेतीस [illegible] कोड देवता माहा
रे मिहवल रा निश्राय ने आय [illegible] ने बीनती करे छे [illegible]
[illegible]

श्रीरामचंदजी नु थकको ही मराजे वेकंठ पधारो रावणनु मा
रीयाः देवतां रो कसट काटीयो ने ह्यें माहें आण रहया छे ने बे
कुंठ रेता म्हा जाड़ी यां छेः सो श्रीरामचंदजी पधारे तां तांला छे ने म्हे
इदरम्मण पावो सो कितो मीता जी पिच पधारो के श्रीरामचंदजी प
धारे तो म्हे दरस्मण पावां ने पावन होवांः ने माताजी राज श्री ठाकुर रा
कहीजोः जो राजरा मा अवतार लीयां पहेला गमी रा माम्हा जायो
छेः एक बकुंठ रो मारग चाले छे ने राजरा थणनु मारीया देवतां सग लां
हीनु मारीया सो राजरे हाथ सं सूवा ने राज रा दरस्मण पाया तिण
सु सरव वैकुंठ आया हमें मा लटी पन वर्ष में धरम राज बरते छे कां
ई कारण हीने इदे पन बे ने म्हे तोन पां मेरे छां ने राज बैकुंठ पधारे
तो जोवा कइनी यां छे सो म्हां नु बेंद्र वंदा ज्यूं सो काम्हारी पूजा करे मो
मिनष जिण देवता री पूजा करे तिण रे तिके लोक रा जावे सो मां ग
सो लेणो रह्यो वेः सो माता जी राज श्रीरामचंदजी नु केहजोः राज बे
कुंठ पधारोः इसतरीम्हारी बीनती करीजोः सो सीता जी श्रीरामचंद
जी नु कहे छे माहाराज देवता आय स्याय ने म्हटइ मातनु कहे छे
तैरे कुं राजनु कहो छुं जो म्हारा मन सं तो नदी कहुं छुं तैरे श्री रा
मचंद जी मन सं विचारने कहेः सीता एक बात म्हे तानु कहां छां
पछै सीता मीता म्हें जाः ने पाछा सं म्हे इआ वां छां दिण हंगा मा जी
रे तर जोने नो रेष बिसरखा ला मी कजी रा आश्रम में छे तीवते रहे छे उ
बीरे षसवरवे षि मा हाला पूरव छे ने थारे होय पुत्र होसीः तिण रा नां
व लव ने क्रु सदा मी तैरे फेवे रा गी छे दा मी क्रिवारे कमंः ने जोग स
लक तैरे म्हे तानु ते डा सां तैरे तु म्हि कहां जि कां सं समकर ने तुं
हे जो धरती मा ता म्हां रे मा थ कुं डो क तें क आ यो छेः ने फां निक ज
र्व तेमा नुं बिछ्वारे छे ने जे कां कुंदी बं तीमा नुं बिछा र मती दिइ
तैरे धरती तानु बिदा म्हे सी तैरे तुं धरती मांहे होय ने बकुंठ जा
वः तैरे तानु लोक कहसीः सीता धमी मती छे जगत माता छे ने दे
रो ही तां थ हो सीः सीता जी इसडी सपरी श्रमली थी तिण नु श्रीरा
मचंद जी इण कारण बोलीया सेतें भली ने माहादेवजी छे सो जोगे

स्वरछे: पिण पारबतीनुं माहादेवजीसुं छानी जांवणदी: सो यांम
दिवंतो माहादेवजीसुं श्री ठाकुरांमे इस कोयो: पिण
श्रीरांमचंद्रजीसी … ताजीरो तरत त्याग करवीयो
श्रीमती श्रीरांमचंद्र … जीनेसीताजीकीयो: ने
सीताजी कह्यो: जिकाइ श्रामरा … जरिहाय श्राइ सो भ माथे च
हाथ लीवी: हमे सेहरश्र जो श्रामे कोटवाल जी कहियो देरो रात रो
द्वेमाजिसीवा तनलीनुं भीमारे सेहरमे सणसापर जात रो श्रा
पदरबार मालम करे: सो एक दिन कोटवाल सेहरमे फिरे छे ने
एकार जे धोबी बेरसूं लड़ीयो थो: सो बेररी माय ने आपे रपीहर
परीगइ ने दिन च्यार होय गया: पिण धोबी आपरी बेरनुं मनावेन
ही: तरे धोबीरा पाडोसी मेनाइ बंध धोबीनुं कयो: तुं जाय ने थारी
बेरनुं मना ल्याव: तरे धोबी कहे हुं मनाउं नही: मे धोबण रापी
सहर मा धोबीणनुं कहे तुं मांहरे घरमे घराव नही: तरे धोबण कहे
कुम्भकेजी विगार मनाइ कवे जाउं: तरे धोबणरी मा ने नाइ साथे ले
ने धोबीरे घरे आय ने कहे धोबी तुं थारी बेरनुं थारे घरमे राष: त
रे धोबी कहे हुं इणनुं राषुं नही: आइ णरी दाय आवे जेठे इ पूरी
जावो: ने म्हारे मांवरांमचंद्र नही छे: सो सीतानुं रांवण को धेकर ने ले
गयो थो ने बलेहरी आंणी: ने जठेणे रै हमरस थो तोन तीकी वीरा
वणनुं मारीयो: पिण सीतानुं वले कुं आंणी: बीजी बिरछां णलंका
इ जुड़ती नथी: सो इणनुं हीज बले ले आयो: ॥ हमे धोबी कहे: ये
बार बारु कहो छो मे … श्राया बोतो नली वात छे: रांमचंद्रजीसी
ताजीनुं राषवि तो हुं इणनुं राषसूं: काइ कीजे: जथा राजा
तथा परजा: ने पंचांरो कह्यो करणो: सो थेमे नजावो: श्रा बात
सरब कोटवाल सांभली: तरे प्रभात आय ने श्रीरांमचंद्रजी कने
बीजी हकीकत कहेने: हाथ जोडने कह्यो: माहाराज
एक बात मे मांभली छे सुं: सो बात कही जावे नही: तरे श्रीरांमचंद
जी कहे तुं नची तीके दम्हि ते मुं कुंदी कहो नही: तुं बात छे सो
केहे: तरे धोबीरि बिरतंत थो सो मालम कीयो: राज इसडी बात

९२

धोबी कही: श्रीरांमचंद्रजी बात सांभली … कीम्हाल बातकोइ
ने श्रायरे घरे गया: ने श्रीरांमचंद्रजी दलगीर हुवा थका छे: ने दांत
ण करावण वाला दांतणजी यांउभा छे: सो पाडो करावण वाला
सेपडारी सामगरी लीयां ऊभा छे: पिण वा करावे कोइ कहण सम
रथ नही: सारा ऊभा छे: इतरे भरथजी लछमणजी सत्रुघणजी तीनुं
नुं भाइ श्राय ने श्रीरांमचंद्रजीसुं मुजरो कीयो: ने देषे तो ठाकुर
सेपाडो दांतण कीयां बिना बेठा छे ने दलगीर थका बेठा छे तरे ती
नुं भाइ बीना ने जांणीयो जे काइ म्हां प्रभु कपड़ीयो दिसी: तरे तीनु
भाइ श्रीरांमचंद्रजीसुं कहे छे: राज म्हां मां दे तो चूक पड़ीयो कोइ
जांणीयो नही: सो राज किण वासते दलगीर बेठा छो: आज श्राज
सतांइ दांतण सेपाडो न कीयो सो किस वासते: सो राज म्हांनुं कह
हो: तरे श्रीरांमचंद्रजी हलवे से धोबी वाली बात कही: तरे भरथ
जी कहे राज लोक जप मारे छे: जो कांसारु काइ छे: राज हांम
णसी ना नकरो: राज इसडी बात काइ मनमे आंणो छो: इसडी
बात तो श्रोर कोइ श्रांणे आपे तो छत्रबंध राजवी छो: इतरी के
हने भरथजी सत्रुघणजी घरे गया: ने लछमणजी श्रीरांमचंद्रजी
कने ऊभा छे: तरे श्रीरांमचंद्रजी लछमणजीनुं कहे: लछमण के
तो तुं सीतानुं परी काढ: क नातुं तरवारसूं मोने मार: हो न्या बात
मां हिली एक बात कर: तरे लछमणजी हाथ जोडने कहे छे: जेरा
जदांनुं बातां मा हिली मोसूं तो एक दी बात न हीज़ावो: तरे श्रीरांम
चंद्रजी कहे: गंगाजीरि तट रषेसर बालमीकरी आश्रम छे श्रा
दीरषेसर रा रा घणा आश्रम छे: सो तुं रथ जोतर मांहे सीतानुं बे
साणदेवे जे जाय ने आश्रम मसूं ने डी छांणने तुं पाछो उरो आए: ब
डो हैं सीतानुं कांहीमत कहे: तुं रथ जोतर ने श्रांण ने कहे सी
ताजी मे कहि था था मोनुं गंगाजीरि तट रषेसरां रा आश्रम दिखाजि
के देषणरी मनछा छे: सो हमे थे हालो रथमे बेसो जसुं आश्रम
दिषाइ ल्यावुं: ने सीता रथमे बसत नाव घाले ने घाल जणछे जे: म

नेमतीघणं नेजेथेनं सीमनु रघसे वनमेदेखेमतारे तेथेक दे
श्रीरांमचंदजी थांछीरीबात सांभलनेथांनुं वन बासदीयोछे
हमेतुं रथ जोमरेनेलेश्राव मेरे लषमणजीरथ जोमरमेश्राय
नेसीताजीनुं केहवाडीयो सोकोइजायनेसीताजीनुं कहेन
हीः तरेलषमणजीजायनेसीताजीनुंकह्यो सीताजीथश्रीरां
मचंदजीनुं कहीयोछै मोश्रापांतुं रथजोतरनेले श्रायोछुं थे
रथबेसोजद्रुंगंगाजीरेतट रिषेस्वरांरा … आश्रमछे सो थांनदे
दिषावणलेजावुं तरेसीताजी बात सांभलनेषुसीहुवा नेसी
ताजीकहेछे म्हारा सवसरजीथां हदियारामहाराज मनोरथ
कुंणपुरे पछेसीताजीश्रोरेषोलीयो नेमांहदेखे जे बदामीयां
सुगंधाकाटकाह्वनेरथमेघालेछे नेसीताजीकहेछे श्रवसवार
रिषस्वरांरीश्रंस … वीयांनेपहेरावसी सोमननांनी वसत्रांसे
रथभरीयोछे नेपछे सीताजीमातावांस्युसत्याजीरेजायनेप
गेलागा तरे … मातावस सत्याजीकहेछे सीताजी
वेगाआजकदी … सासुमातावोछै तरेसीताजी कहे
राजमोरसश्रीरामचंद्रजी … मेवनबनवावोछे नेमांनुंक
ह्योछेमांगजनुं … तोनुंदेणातरेमैकह्यो जंरिषस्वरां
रा आश्रमदेखुं मेरिषेस्वरांरेपगेजा … मेनेवसत्रपेहराऊं मे
वनयासजासोजानमस्कारविस्वरदीजोछे तरेकुवसल्याजीकहे
सीताने अजेसुवनमेफिरती … आइनहीं बलेषनवासरीजुं
सकंइछे म्हेतीतोनुं कुंणही … कहांमुंडीम्यारामनरीजुं
जांणे पछेसीताजीकवसल्याजीरे पगेलागनेरथमेश्रायवेठा
नेलषमणजीरथमुंडने … गंगाजीरे पेजेपारलेगयो से
रिषस्वरांरा आश्रमछो नेजीमाणेमारगलेगया नेठैरथउतार
ओनेसीताजीनुंकहेछे थेमेथेरषसंदेठाउतरो तरेसीताजीर
थसुंहेठाउतरीया नेरथथिमवसत्र घणासुहेठानांषीया नेलषम
णजीसीताजीनुंकहेछे मोनुंश्रीरांमचंद्रजीरो हुकमछे सीता

जाणीनेक … आज्ञो नेमोहीरीबात मुणनी तरेसीताजी मुरछा
खायनेहेठापडीया नेपछेमातमचेतहुवा नेलषमणजीबा
तकेहेनेरथपाछोलेजायघरआया तरेसीताजांणीयो देवनंदे
सोपममकरीकरेछे रथकदेपाछोलेश्रावेनही … मासेर …
णसी सोसीताजीकभारवांजासेछे नेकहेछेसहीतोरथजायछै
सोधूलतगहीदीसेछे सो रथश्रायेपामेरजरसहीसतारदेख
तेरिषलेसीताजीनुं मूरछाश्रायनेहेठापडीया वनेवेवार
देखेछे सूषकेवसीताजीवेगछे रुदनकरेछे नेरिषस्वरवालमीक
नेवीजालीरिषस्वरम्हारेवामतेसमधीवणीछे सो श्रापांसुंस्वस
वीनुंवेठीदेषनेवालमीकजांणीयो श्रावनरीदेवीछै तरेवा
लमीकजीनेडा श्रायनेजोवेतोइणरापगधरतीछ देवीहुवेतो
पगधरतीमेनहीः तरेवालमीकजीपूछीयो बाइतुं कुंणछे ने
तुं इसहीसुपवंनटीमेछ सोआध्यारी किसीजायगाछे तरेसीता
जीकहीयाहुंसीताहुं राजाजनकरीबेटीछुं तरेवालमीकजी
कहो बाइतुं श्रीरांमचंदजीरीश्रसत्रीछे सोश्रेकगासंश्राइ
तरेसीताजीकह्यो मोनुं लेषलषमणजीमेलगया नेसीताजी
श्रोवीरीसारीबातकही तरेवालमीकजीसीताजीरीदिलास
कीवी नेश्रापरेश्राश्रमलेगया नेवालीरानुंकह्यो थेसमधी
लेश्रावजो नेइम रेवादेनेवालमीकजीनेसीताजी आश्रमश्रा
या पछेवालमीकजीश्रापरेसेवगांनुंकह्यो जकडीयांनेवज
लेश्रावोजद्रुंसीताजीनुंमधरीमाललकरदवां तरेमालकरदी
नी सोमालमांहेसीताजीरहेछे नेसरवरिषपतीनां जोवणनुं
श्राइछे सोवालमीकजीरिषपतीनीयांनेरषेस्वरांनुंकहेछे
श्रासीताजीछे सोजनकजननीछे इणरीसेवाकरसीतिणरो
वसमामीछे … वालमीकजी श्राथजोडीयां सेवाकरेछे

पछेश्री [illegible] जाकुं [illegible] णसेवानहीकरै
मेरि [illegible] षपतनीयासारो
दिनमे [illegible] सारीरातकेनेबेठी
रहेनेबा [illegible] जमीकजीत्रिकाजदरसी
केसोबाजमीकजीनुसोदषबरछे जाश्रीराम
चंदजीनेसीताजीमिलनेनेबातकरनेआयाछे श्रीजाली
ककाकुंजांछटो हमेशिषपतनीयांदिनदिन इधकीस
वाइधकीजगतकरेछे सीताजीउरेआणंदमेविराजे छे॥
श्रआसमसंपूर्णं॥ श्री श्री श्री श्री
अठेमेश्रीरामचंदजीआजोध्यामेवुंसवारीवनपातहोयनेबेठ
छेः बमारषसबरकावोछे सुंधेसुगंधनेपेहेरे कपडानेपेहेरे
कूजमपहेरे पांननषावे रागरंगनहीसांभले इणभांतश्री
रामचंदजीरषेसबरहोयनेबेगाछे सोलोकसरबकहेछे
श्रीमाहादेवजीजोगेसरथा पिणपारबतीजीनुछोडीया
जांविनहीः नेथिमश्रीरामचंदजीसोः इसहीयसत्रीसीता
जीरूपवंतत्रीलवंतकुलसूध तिणनुंएक छाबोलनेबासेत
परीकाढीः नेसीताजरिवासनेइतराथोककीयाथा रांव
णनुमारीयो लंकामारीः बहाबमा जोधारसांवतमारीया
नेसीताजीनुआंणीयाथाः सोएकरजकधोबीरा बचनसुं
पराकाढीयाः भिनश्रीरामचंदजीसो हमेरषसबरहे
यनेबेगठेः नेलोकांनुगांनकेद केहेनेसम
झावेछे एकणदिनश्रीरामचंदजी बिराजीया
छे लषमणजीकनेरेवनांछेः एकंतरोसभी येछेः नेश्रीरा
मचंदजीलषमणजीसांहमोजोयो तरेलषमणजीहाथजो
डनेबीनतीकरेछेः हेदेवाधदेवराजश्रभमपारछो नेराज

मिनषदेहीधारीछेः सोमिनषांबुपावनकरणनुंपधारीयाछोः सो
जिकाइराजरो दरसणकरसीसोपावनहोसी राजरेमुषार
बिंदरीसोभावरणीनजावेछे नेजोसुसोराजरेचरणकमलरी
जरीरजछे राजमांनुंराजरावाकरारोवाकरजांणजो नेराज
मानुंग्यांनकहो जुकुंराजरामुषसुंगिनांनसुणसुं ताकुंपा
वनहोसुं नेकोइमतपीनुं जरेश्रीरामचंदजीराममीठाकहे
छेनेलषमणजीसांभलेछे श्रीरामचंदजीकहेछेः जिकोमिन
षदेहीआवेनेमानुंनजे सरबसमझे जणथाकरे तपस्याक
रेः दांनसुंनपकरे तीरथजातकरे नेआपांनीछावेसोपापहीज
करे काइमिनांमरीबातकरेसोहीयारेजोरसुंनथापदेवे ने
कहे देवतासोकाइः धरमसोकाइ नेकिणदीठोनेकुंणदि
षनेआयोछे घाइजसोमीगोछे आगलोजमारोकिणदीठोछेसो
मिनषइसडाकरमकांधतारहेः सोचोरासीमांहेभमतारहे जि
कोमिनषरीदेहीधारनेपापपंनमेसमझेनहीः सोमि
नषचोरासरिदेहीसमानछेः सोपसूजिनावरकाईसमझे
माइनेसकटबलदघोडाहिरणरासुवरपंषीजातछे जितरा
जनराजनराजीवछे तितराभोकुंहीसमझेनहीः जितराजी
वछनराछेः जितराजीवमाहीराछे सोहपजेछेषपेछे सोजी
वांनुणपापपंनमेकिंबीसमझेनहीः तिणांनुपापलागेके
इनहीः जेवआपांनीजीवकहीजेः मिनषदेहीपायनेपापपुं
नएकरेसोनवेजीवनोगवभोगवनेनेणबेछेः मिनषदेहीपा
यनेनजाकांमकीयाहोयः नारायणनजीयेवजीयोहोय
तोनला मिनषरेजमारेआवेनेमिनषजमारेआयनेघणापा
पकीयाकवेनेहंफाहीजदकामकीयाकवेताचलेमिनषज
नमकहेहीपायेनहीः चोरासीमांहेहीजनवतोरहेनेचोरा
सीमांहेहीजजनमेनेचोरासीमांहेहीजमरेछेनेनलाधरम

नेमकीया हेवि घणो नगवामनजी ॥ बोल्यो छै सो
मिनषजनमघररो जमारो पावे ब्राह्मण षत्री सुद्रइणांरो
जमारो पावे नेसुष घणो देषे नेजिण वरणमांहि होवे सो
क्रियामांहि रहे बाप नाइ हा नीया ज्यो वे न्यूं हानीजे
क्रीया निष्टन हाजीजे ज्यूं मानने नोहो पारको धरम दषनै
नहीहा जीजे ब्राह्मणरो आचार सूद्रकरै सूमर
कपडे वले माणरी देहीपरनातिन छंदा तणसि नोनकरैसे
म्हांसी सजारे वासते करे छे मे वातुं बुहारी बोको करे छे से
जीव घणा मरे छे नेपाप घणो करे छे पिणम्हारे निमत पाप
करे छे तिण मुकट देहीपाप जागे नही म्हारे निमत पाप करे
छे तिणरा पाप करम कांइ कटछे नेवले मिनष देही पायनेम्हा
रीसेवा पूजा करे नेकिण हीआरोप मांवे नही किणही आ
गे कहे नही नेथोडा ही पुन्य करे नेमानुं समरपे सोइणरो
थोडो ही घणो करमांनु छै वले मिनष जमारो पायनेम्हारी
सेवा पूजा करे नेप मावतो फिरे लोकांनु कहे देषो म्हे ओ
कांम करांछां इतरो म्हे गुरांनुं दीयो छे इतरो
गरीबानुं दीयो छे आज मेइतरो दीयो छे सो
देवे तोपइसो नेबतावि सपीयो नेपइसो देवे सोश्रमा
नेमेही जदेवे नेलोकानुं कहे देषो इतरो षरचुं
सो आजमीसरी षोकुं छे सोइसमडो
पमावतो फिरेसं मिमनकुं हीनही आपो बषांणेनेगा
ठमेगुमांनभे हीजदेवे संकुं हीनही गुणरोइं
ज्योइनमांनुं वले मिनष जमारानु मायारो मोह घणो छै
छे नेजिके मिनसागीमांणसडवे मोनुं कहे आम्हारी मा
ओम्हारो बाप आम्हारी गायनेसओम्हारो धनमाल
तसो हम्हारो म्हारो हीज करतो रहे सोमांहरो अगंनी

६६

छे नेइसडा मिनष म्हेहीजकीया छे ॥ तेणमोहसं लागोमांहु
जाणे नहीं नेलोगांनुं मोह छुटे तरेमानु देषे तरेपरमपदजावे ने
जणांरी आवागवण मिटे नेसो जीव छे सो केइक कांनोरो छेम
रीया मरे नहीं काहीयो कटे नहीं बालीयो बले नहीं ओजी
व छे सो कुंहीकीयां मरे नहीं माल्हा इसटी जीव छे चोरासीमां
हे आवे छे नेवले चोरासी मांहिहीज मरे छे नेजांमे तेरनवो हायनै
आवे छे सो जीवरो नवो परांणो कुंहीनही ओदेहीरो षतापछे
सो नवी होयपुरांणी होय बुढी होयसो षोजीयेरो कारण छे क
ढ करम करे नेउतम घरे आवे छे नीच करम करे नेनीचे घरे
आवे छे नेकरम करने मिनषदेही आवे पिणजीव ओ हीजछै प
वले जमारे मघरो करम कीयांजावे तो मांहरी भगत अपजे नेनंणे
बांचे सो नने म्हारे वेष्णवजनगतो रीम्हारा साधां रीसंगत पकडे
तरे इरमत होयसं छुटो तरे आपरी आतमा देषे तरेनिरमल हु
वे ज्युं चंद्रमा तो एकछे नेघडा हदसे कपांणी राभरने देषे तो चं
द्रमाजुदो जुदो दीसे नेघडा बगाय देवे तरेचंद्रमा एक हीज
दीसे ज्युं इरमत छूटे तरे ब्रह्म एक हीज दीसे वलेवरसा
लेनदीयां जोर वहे छे गंगा जमना सरस्वती गोदावरी सरब
जुदी जुदी वहे छे नेसमुंद मांहे जायमिले तरेपांणी एक हीदी
से वले हीरा एक उजलो छे नेसोनार नीचे जिणरंगरी षु
डी देवे जिणरंगरो हीरो दीसे रातीपुडी देवेतोरातो हीरो दीसे
पीली षुडी देवेतो पीलो हीरो दीसे स्याह रंगरी षुडी देवे तो स्या
ह हीरो दीसे नेनीचा सं षुडी परी काढे तरेउजलो रो उजलो
हीरो दीसे ज्युं इरमत छूटे तरे एक मानुंही जदेषे तरेइं
से हुं परमपद मेलुं नेलोगांनुं चोरासी सें मतो रषुं सोजनम
मरण तरीकसोटी करे नेअरेरा नेमायारो मोह छुटे नेम्हारो छ्य

रोनहीकरे समनांहीमेमानुंहीजजांणे: मिनषकाङपेसीकाको
जीवजिनावर त्रिषमडमिणभुजनमो: सरबमांहेमोनुं
हीजजांणे: पवनपांणी
सूरजचंदमाआकास
रहीतावडोछांवजीमेमे
नुंहीजजांणे सरबव्यापतमेमानुंहीजदेषे: इसरीकसाटीकरे
तरेकुरमतसहूटे: तरेमोकनेआवे सोलषमणतम्हारोसेवगछे
तरेम्हेसोकनेरामगीताकहीछे: आरांमगीताजिकोइमिनषपरे
नाछेअवेनेजलसीसांभलसी तिणरेजनमजनमरापापांरोषे
सीनेजिकोइआम्हारीरांमगीतापकमन एकचितसेसुंण
सीतिणरापापहूकाटस्ये: नेसांभलसीसेभलावसी: बांचसी
बचावसीसो मिनषदेवताहुंसी: श्रीरामचंदजीआगेर
षिस्वरबेठाछे लषमणजीबेठाछे: सोसकोइरामगीताहिरदा
मेधारणाकरेछे: आरामगीताश्रीमाहादेवजीपारबतीजीनुं
कहेछेनेपारबतीजीसांभलेछे नेआहीजरांमगीताब्रह्माजी
नारदजीनुंकहेछे आरांम: गीतासूतजीसनकादिकांनुंक
हेछे: आरांमगीतापापांरीषेरीकरणहारछे॥ इतिश्री
रांमगीतासंपूरणं॥ श्री श्री श्री श्री
॥श्रीरामचंदजी: लषमणजीनुंबीजाहीरषिस्वरांनुंरांमगीता
कहेछे नेसरबसाथेबेठासांभलेछे: जितरेमुथराजीरेउपकं
ठघणारषिस्वरहेछे: तेएकमधवनवितरहे: सोमधवनवितर
षिस्वरांरीबुत: ब्रह्मणांरीसेवाकरतो नेरषिस्वरांनुंघणोसु
षदेतो नेमधवनदेतरावणरीबेहनपरणीयोछो: तिणरे
बेटोहुवो: सोरषिस्वरा नुंब्राह्मणां नुंदुषदेछे: रषिस्व
रांनु जिगहोमकरणदेवेनही माहामिंदमजोवी नेमध

५७

वनरोमटो तिणरोनां लवणराक्षससे: सोजवनआमेकोइ
रषिस्वरब्राह्मणरेहसकेनही तरेब्राह्मणांरषेस्वरांसारांमतो
कीयो जेआपांइणलवणराक्षसकनेरेहसकांनहीं आपांमर
जावांछां श्रीरामचंदजीकनेजायनेलवनरीपुकारकरां: श्रीरघु
नाथजीआपांरीसाहायकरसी श्रीरामचंदजीरावणसरी
षाडुसटीनुंमारनेसरबब्राह्मणांनुंरषिस्वरांनुंसुषदीयो: नै
व्याकुंठमांहेरामराजबरतीयोछे नेआपांइतरोदुषदेषांछां:
तरेसारांमिलमतोकीयो: नेरषिस्वरांमेमुद चीवनरषिस्वरछे: स
सोसरब मिलनेआजोध्याआया: नेडोढीदारनुंकह्यो: तेजायने
मालमकर जोमुथराजीसुंचीवनरषिस्वरसरबरषिस्वरांसहि
आयाछे: भरदोढीदारआयनेश्रीरामचंदजीसुंमालमकीयो: त
रेश्रीरामचंदजीसांहमाआयनेसरबरषिस्वरांरेपगलागा: घणो
आदरसनमानदेनेमांहेपधराया: पगपषालने: श्रीरामचंदजी
कहेछे रषिस्वरांथेघणीजुंआग्या: इणपाया: थेकिसेवास्तेआ
या: तरेरषिस्वरबोलीया म्हेराजरोदरसणकरणनुंआयाछां:
तरेश्रीरामचंदजीकहेथेआयातोम्हारोधरमपवित्रहुवो नेम्हा
रोनाम सोभांदनुंरषिस्वरांरोदरसणहुवो: नेजिणकामराज
आयाछोसोकहो: तरेचीवनजीकहे: जराजीधवनराक्षसम्हा
कनेरहछां सोरषिस्वरांनुंघणोसुषदेतोरषिस्वरांरीघणीसेवा
करतो: नेमधवनरावणरीबेहनपरणीयोछो: तेरमधवनरेलव
णबेटोहुवो: सोमधवनजीवीयो जितरेतोसारांहीनुंसुषदी
यो: नेहमे लवनपाटबेठोछे: सोमोभरोथयणरेपषगयो: ब्रा
ह्मणांनुम्हांनुंदुषघणोदेवेछे: नेराजतोरांमाअवतारलेनेरा
वणनुंमारीयो: देवतारीबंधछुडाइ: साधांनुंरषिस्वरांनुंब्राह्म
णांनुंसुषदीयो सोहमेसातदीपनवषंडमेरामराजबरते
छे: नेलवणराक्षसम्हानुंघणोकसटदेवेछे: तरेश्रीरामचंदजी

कहै: रषिस्वरथांसनुंकषकोप देवै नही: अंणानुं स्हे मार [illegible]
सां स्रेप धारीने घणी सुष करे छै: तरे रषिस्वरां नुं मेरो दिश [illegible]
मे: जितरे लषमणजी भरथजी [illegible] सत्रघणजी श्रीराम
चंदजी सुं मु [illegible] जरो करणानुं आया: तरे श्रीरामचंदजी कहै
[illegible] तरे भरथजी कहै
[illegible] राजकिसीनु [illegible] काम आइ छै राज
[illegible] रैछतापमा आसं [illegible] राज
[illegible] तरे श्रीरामचंदजी क
[illegible] हे मुथराजीसुं मारन रषेस्वरां
[illegible] मधुवनरो विलोजवन [illegible] राकस
[illegible] सो इणनुं कुष देवै छै: तिण सुं
[illegible] मधुनसुं मारणो छै: सोथे कहो
[illegible] तो इणनुं कुंण मारसी
भरथजी क [illegible] म्हाराज म्रातो कांम
मोनुं कहीजे: इ [illegible] राजरै प्रतापसुं
मारसुं: राजतो अवनरा [illegible] मारांवणनुं मा
रीयो छै: ने इणरो मोनुं कांम [illegible] करीजे सो हुं मार
सुं: तरे सत्रघणजी हाथ जोडने [illegible] श्रीरामचंदजी नि
कहै छै: म्हाराज इणकांम रो तो मो [illegible] नुं हीज हुकम
करीजे [illegible] तो भरथ
जीरो बाकर हु: जुं मारा अगे लषमणजी छै: जुं भरथजी श्र
दो छै: तरे श्रीरामचंदजी कहै: सावास सत्रघणजी तो बात
तिमरजादरी कही: हमे तुं जाराकसनुं मारने म्हे तो हुं अजा
अमादी नी: हे मुथरा जी हणी बसाए ने लं अमोरा राजकरे ने
अविषपकरनै मुथराजी रा राजरो टिको सत्रघणजीनुं दीयो नेश्री

८९

रामचंदजी कह्यो: लवनराकसरे एक त्रिसूल श्रीमाहादेवजी
राहाथरो छै: सो इणरा हाथ मां रहै छै: ने त्रिसूल री राकसा
जापकरे छै: सो त्रिसूल अवनरी षबर करस्यै ने जाए: लवन बारे सिकार
जावे तरे जाय नै पोल कने ऊभा रहे: तरे लवन ने षबर हासी: स
जो श्रीरघुनाथजीरी साह आयो छै: तरे लवन तो सुं जुध करण ला
गसी: तरे तानुं म्हे एक बांण देवां छां तिण सुं लवन मने मार: ने आ बां
ण लागसी तरे लवन पडसी: ने सत्रघणजी श्रीरामचंदजी रै पगा
नै विदा हुवा: तरे श्रीरामचंदजी कह्यो: चीथुनजीने ने बी जाहो
रषिस्वरां ने माथे लेता जावो: तरे सरब माथले ने हालीया: मांका
सठम बारे क आया: तठा सुं एक जा रस मे मलीयो: ने कह्यो: तमे
थरा जीजा: जद ही लवनराकस सिकार नुं बारे नीकले तरे तेम्हा
नुं आयने षबर दजे: तरे जासूस मुथराजी आयो: सो एक दिन लव
न सिकार नुं त्रिसूल री पूजा करने नीसरीयो: तरे जासूस आय षब
र दीधी: तरे सत्रघणजी मसरे हालीया: सो आगे ने लवनरी पो
लरा की: तरे लवन नुं षबर हुइ: तरे सिकारसुं पाछो आयो: आ
य ने सत्रघणजी स्युं जुध करण मांडीयो: सो जुध करतां घणी बार
हुइ: तरे सत्रघणजी नुं श्रीरामचंदजी दीयो थो तिणरी लवनरी ब
तमि दीनी: सो लवन हेमो पडीयो: तरे धीमा धनां धीयो: पछे सत्रघ
णजी मुथरा जु मे घणी बसती कीधी: लोक माहाजन सरब सु
षी छै: किण नुं कुष न छै: इण तांत सत्रघणजी घणा बरस तांइ रा
ज कीयो: एक दिन मन मे विचारीयो: जो श्रीरामचंदजी रै पगे लाय
लागुं: तरे सत्रघण मुथराजी सुं हालीया: सो मारग मे बालमीक
रषेस्वर रो आश्रम कने आया: जो सीत्रघणजी सां न लीयो: जो सी
ताजी अठै छै: ने बेटा दोय छै कवा छै: तिणांरी जात त्रेम बालमी
कजी कीधी छै: तरे सत्रघणजी सीताजी सुं मलीया नही: नेमन

[illegible]
जांणीयो:जे मोनुंश्री [illegible]
रामचंद्रजीरोहुकमनहे [illegible]
तरेअवासरहाजीया [illegible]
सोअजोध्याआया श्री [illegible]
रामचंद्रजीरेपगेला [illegible]
गा:तरेसत्रुघणजीसुध [illegible]
राजीराममाधारकेहने [illegible]
कह्यो:म्हाराजसीताजीरेहोय [illegible]
बेटाहुवाछे:सोबडारो नांवतोकुससे नेल [illegible]
होटारोनांवलवछे:बालमीकजीनांवका [illegible]
दीयाछे:नेबालमीकजीहाथजोडीयांरहेछेनेसेवाकरेछे:र
घुबंसीरीपटनीयांसारीसीताजीराअसतवंअसतछोवोपोहर
करेछे:नेदोनुंबालककव्रतिसवरराछे:माहाउजलछे:नेत्रक
वलसरीषाछे:कांनकुंडललाटकररह्याछे जांणेकोडसूर
जउगाछे:सोबालकवरसपांचपांचराहुवाछे:नेबालमीक
जीदोनुंकवरांनुंभणावेछे:जितरासासत्रछेसोसोहभणा:
याछे:नेजंत्रमंत्रविद्यासरबभणाइ:सबदवेदीकीयाछे:सै
सबदरागुणपांसेबांणलगावे:सो बालमीकजीसरबजांतसां
नमेप्रबीणकीयाछे:बालमीकजी:आपरामायणकीधछे
सोनणाइ:श्रीमाहादेवजीरामायणकीधछेसोनणाइछे:ने
दोनुंकवररागमेसासत्रकहे:तांनुंरीबांणीदेवतासुणणनुं ८९
आवेछे:बलेसरबरिषस्वांणीसांभलनेथिकतहुवेछे:सो
कुवरांरीकंठायकलोकतारीफकरीजे:पछेसातसातवरसरा
बालककावातरेजनेरडीधी [illegible] ख्यसंजमाया:बलेमेद

मंबणीकीनी:इतरासमाचारसत्रुघणजीश्रीरामचंद्रजीनुंकह्या:
हमेएकदिनश्रीरामचंद्रजीगुरवसिष्टजीनुंकह्यो:गुरांजीम्हांरा
मनमेंइसडीआवेछे:सोमालचितमेलाकीयोछे:किणीसेतै:
अरथलगाइजे:तिणसूंराजकोइदांनपुंनपवनातोसोकरां:तरे
वसिष्टजीकह्यो:आपतोसरबजांणोछो:पिणराजधरमपूछीयोछेसो
कह्योजोइजे:धरमसुंमनइसरीमांतराक्षजअणेजजावकों:टेव
सकराइजेनलावकराइजे:कुवावावडीकराइजे:तिणरोपु
न्यघणोहुवे:बलेमारगमेबिछलगाइजे:फलफूलनलगाइजे:
सोमारगपंथीपंथीफलखावेतिणरोमाहापुंन्यहोसी:बलेजग
यगाजायगापांणीरीपोदीजे:बलेगरीबगुरबांकुंअनदीजेव
सत्रपेहराइजे:जोडीपेहराइजे:इणतांतआमपापोषीजे:ब
लेढागमेरजाइदीजे:कांबलादीजे:बलेधरमसालाकरायदी
जे:तिणमेअतीतवेसणवविसरांमलेवे:बलेदेवमांनिमतह्या
ह्मणकराइजे:मबाभिमसटांनरेआदुतदीजे:सोजिगनबरष
हुवोहवसीसंतूसरमानव्होसी:बलेबाह्मणांरीकुंवारीक
न्यांदीयांनुंपरणाइजे:अनेनवाघरकरायदीजे:तिणमेब्राह्मणां
सरांनडआसंनरीजेनपछेबाह्मणांनुंदीजे:बलेआपरीबेद
नसांणजांनुंनदीनांनसरूपोषीजे:घणोडआदीजे:छतरीवोडध
मरछिसंकीजे:बलेकणवाय असमेदजिगपकरीजे:तरेश्रीराम
चंद्रजीकह्यो:असमेदजिगरीविधविधांनकहसोकह्यो:तरे
गुरवसिसटजीकह्यो:म्हाराजपृथमीतोजिगपेनवजेलोअम
तीसारिषोघोडोचाहीजे:तिणराकांनसांवलाएूंछपीलो:नेति
णघोडारमाथेमांनोरोपटबांधीजे:नेपटमांहेलिषीजे:श्रीरा
मचंदजीराजादसरथजीराबेटाअजोध्यानगरीराधणीअजो
ध्यामेअसमेदजिगमांडीयोछे:तिणरोघोडोछे:सोजिकोइरा:

जारांणोजुधरीमनब्रारोषेसोजिकोइणघोडामुंआलेजेपछे
न्हिजुधकरनेघोडानुंब्रुमायजेसं‥नेजुधकरणरीआसघणी
अजिकेइइणघोडारेसाथेआवेजेःसोइणनांमपटांमेलिषेने
घोडारेमाथेबाइनेफोजदीजेः घणाजोधासांवत
साथेदीजेःनेघोडोफोजरेआगेरुवोव्हालसीःजिणतरफघोडा
रीसायआवेतिणतरफहालोःकदासकोइराजारांणोघो
डानुंकालसीःतिणांसुंजुधजीपनेघोडानुंब्रुमायले
णोःइणनांमसंस्थारूंथंभमांदेघोडोफिर
आवसीः तवेघोडोसादकरेतगेहीगांवबसाइजेःतथाकूंवो
बावडीषिणाइजेःघोडारेसुंदहाआगेधूपदेवीजेअ
गरषेवीजेःपछेजिगकराइजेःआपजिगदेगालेबेठीजेःकिण
हीसुंक्रोधनकीजेःसुब्रह्मचरिजहोइजेःआपरेमाछेकरजंदे
यसोपरोदजिः किणीसुंवेरभावहोयसोपरेमटीजेःजिग
राकुंमकराइजे [illegible] होमरीसांमगरीघणीजि
लमंगाइजेःसम [illegible] धीयासोतरीमंगाइजेःचंदणरीपी
पलरीपलासरीःबेजडी [illegible] रीःषरीसुकीमंगाइजेःमि
वामिसटांनघणाजज [illegible] लनवामंगाइजेःजवतिल
मंगाइजेःपछेसरब [illegible] बसतंनेलीकरेनेदीप
जेःदेवतांनुंआजांत [illegible] दीजेःसतसइरापाठ
कराइजेःइणभांत [illegible] असमेदजिगपरी
बिधछे॥

आपतेोसमरव्वजोसपछे आपतोपरमपुरषभगवांनछोःराजसुं
कादबातछानीनछेःतरेश्रीरामचंद्रजीकह्योःगुरांजीराजजी
रोधरोधरमतुम्हआसायासुंमोटकारावोःइआतोअनंतवे
पारकोइछेनहीःसुंदुआसरबषस्वावोःआपतीमानुंजितरी
विधराधरमदुंमनेकेहसुणायासुंसरबकीजेःतरेपेदला
तेदिदूरादुमसाजाकेयाःपछेमारगीतआवबावडीकुवाक
रायाःपछेमारगमेरुपलगायाःगांमगांमपांणीरीपोदीवी
कावनोनेडाह्याजिणांमेसदावरतदेणोमांडीयाःभूषानागांने
वसत्रदेताजवाःपछेअसमेदरोआरंभमांडीयाःनेजिगरोघो
डोसिणगारीयोःसोभारोपटलिषनेघोडारेमाथेबांधीयोःबी
जोगेहणागलामेपगांमेपेहरायाःउपरजरीरीझूलबिमघाप
रीकांधीटोघाल्योछेःमाथेतिलककीयोछेनेसाथेसत्रुघन
श्रीसत्रुघणजीरीसाथेबनीफोजदीनीःत्यांदेसमधमावमास
रवीरजोधादीयाःसोहालीयाःसोछ्यामेंथंभमांदेघोडोफिरतो
फिरतोःरषसरवालमीकजीरोआश्रमथो श्रीगंगाजीरे उप
कंठवतिणवनमेघोडोआयोःनेवासंथंभमांदेतोघोडोकिण
हीअटकायोनहीःवनावमाराजाजमीदारनामीयाआसं
सरबघोडारीलारआयाछेःसारीदीधरतीमेकिणहीहाथजो
डीयानहीःनेजेवहीघोडेलादकरीतछेतेगांवबसावताआ
माःतलावकुवाबावडीकरायाःजायगाजायगाहोमदव
नकीनाःइणभांतसुंपाछाआजोधानगरीनेआवताथाःसो
वनमेरषस्वरांराछेटाःश्रीसीताजीरावेलवनेकुसरमत
थाःतरेकुसछोटोहुंतेछितिणनुंरषसरांराबालकांकह्योःकी
सएकघोडोवनमेछेःतिणरेमाथेसोनारापटबांधीयोछेनेघ
णांगेहणापेहरीयाछेःतरेकुसकह्योःघोडारोपरषोजेनेलिआ

वोनेश्रवे ज्ञ्रजोधामेघोडेनेडोश्रायोजांणन ऋविसर
[illegible] उश्रीरांमचंदजीनुकह्यो माहाराज जिण्पमा
[illegible] बाजुश्रसत्रीनुंबेसा णीजसी तिणरीबा
[illegible] ज्ञ्रामणछे तरेश्रीमाकुरांकह्यो घकह्योस
तोघरो पिणछेतिको तोघेजांणोधीजो तिणसुंसोनारीस
ताकरायनेराषो तरेसीताजरिप्रतबसोमारकराय
नेराषी नेघोडारीवारजाबेछे बीजीसारीत्यारीकी
वीछे नेश्रथेघोडोमोकुसश्रटकायोछेनेकुसरंघस्वारा
बालकांनुंकह्यो घोडारामाथासंपरश्रांणोतरेप
टश्रांणीयो नेकुसपट्टबांचनेकह्यो घोडानुंपकडनेघरे
बांधो तरेघोडानुपकडनेघरेबांधीयो जितरामेपाछासुंस
त्रुघनजीरीसाथश्रायो नेदेषेतोघोडोरुंघरेबां
धीयोछे तरेसाथरांसुं दीयोघोडोकिणेकालीयो तरेएक
णजिणेकह्यो एकलाबालकबांधीयोछे तरेसत्रुघणजी
नुंषबरदीनी तरेस त्रुघणजीक ह्यो किणरिटाबरां
रामतकीनीदीसी व्यारसेटमेहसडोकोइमदीजाइणघो
डानुंपकडेज्यो [illegible] मट्टफिरतोफिरतोश्रायोज
छेतोघोडानुंकिण [illegible] दीकालीयोनदी तो
इणश्रायगा [illegible] डोकुंणछे नेराबररो
कांछु एकत [illegible] फरमेलो [illegible] जंजा
यनेकेहसीनु [illegible] घोडोगे [illegible] मडेसी
तरेएकाश्राद [illegible] मीकेहणनुश्रायो [illegible] सोघोडाक
नेकुस [illegible] सनुंनेगदरिनेध [illegible] सघबांणकानेपडी
योछे तरेसुंणश्रादमीकह्यो श्ररे [illegible] बालकश्रो
घोडोमेथा [illegible] जां [illegible] एनेश्रटकायोछे श्राघोडोराज

श्रीवेछेतोमेछे सोश्रमेमदीजप्पमामीयोछे नेइणघोडार
श्रेसत्रुघणजीछे तिणसुंश्राघोडोरेछमीनदी
तरेकुसबोलीयो घोडोकुसमा जुधकरनेछुडायलेवो इ
तरोकहनेतेणश्रादमीराहाथनेकांमवाढीया नेकह्यो जायरा
घवणनुजायकेह तरेश्रोमफश्रायनेसत्रुघणजीनुबातक
ही नेश्रापरोहवालदिषायो नेवलकह्योकुसश्राधाजकत
छे श्रोतोकोइबडोजोधारछे सोउबोकहेछे जुधकीयांघा
होदसुं तरेसत्रुघणजीफोजविदाकीवी तरेकुससाथदेष
नेसांहमोश्रायनेजुधकरणलागो सोइसदोबेजोश्रतबलजु
धकीयो सोजितरासाथश्रायोथोसोसरवमारीयो कइकाद
म्नाभाजपछाजायनेसत्रुघणजीनुंदकीकतकही तरेसुंणी
रीषुकारसोनलनेश्रापचढजाया जिमडोनेडाश्राया जितरेकु
ससांहमोश्रायनेजुधकरणमांडीयो सोकुसबांणमंत्रमंत्रने
वलावेछेसोबांणकोसकामरीमारकरेछे वेहनिपटसबली
जोइ तरेरघुरायरांधेटांकुसरीबातश्रायनेसीताजीनुंकही
माताजीएकघोडोकिणीरोश्रायोछे सोकुसतणघोडानुंपक
डनेएकछिषसुंबांधीयो नेघोडारीलारेघणीफोजबेतिणसु
जुधकरवोसुकुसरेघणाबांणलागाछे इतरीवातकही जित
रेवमीमाइलवथोसोवनमेफलफुलनेलाघणनुगयोथोसो
श्रायो तरेमाताजीनुंसचिताढीठा तरेलवकह्यो माताजीथे
श्राजइणभांतकुं तरेसीताजीकुसरीबातकही वलेकिणी
राबालककह्यो कुससेतामुरछांणो नेश्रापरारथमेघालनेस
त्रुघणजीकुसनेलेगयो तरेलवमाताजीनुंकह्यो माताजीश्रं
जायनेलेश्रावछुं इतरोकेहनेकवचपेहरनेहाथमेधनषबां
णलेनेलवचालीयो ॥नेश्रवेसत्रुघणजीकुसनेलेषनेकहेछेके
श्राइणरोबालककरांसुजामनकिसडाछे नेश्राकमकिसडाछे

मिश्रोभाकुरमिलगेरे [illegible] तोमदीकिणरोब [illegible]
म छे। इन रामलबश्रायो [illegible] सोश्रावतादीजलुब
कारणलागो:सोघणोघरोसाथ [illegible] मारीयो:नेसत्रघ
राजरि बांणसभोतिणरो मु [illegible] रबोण
[illegible] तिलरामेकुसमुर
[illegible] श्रोटोसा
[illegible] साबतक
[illegible] वो:तरेलब
[illegible] कुसनुनेनेड
[illegible] रोश्रायो:सोदे
[illegible] नेनाइव [illegible] मावरिघवीर [illegible] वमजाधा
[illegible]

जि सवासीताजी रावणे टा [illegible] वायजिसवाहीजमारीसिताजीस
मम्हा:नेफोजमांहि माकेड़नागाजपांजायनेश्रीरामचंदजीसु
मालमकीवी:नेश्ररज करनेकह्यो महाराजथ्यासेकुटमेघोडो
फिरश्रायो:पिणबिणहीजालीयो नही:नेगंगाजीरिकनेछपके
रवनरे:तिणथनेमेवालमीकजीरोश्राश्रमछे:तेरेदायबालक
छे:तांघोडोजालीयोछे:नेइसडीविढकीनी:सोसोहसाथम
रीयो:नेबाणांसुसेनापतजीमुरछाणा:तरेमहलावनेराजरा
कटमांश्रायामेमहाराजणांबालकांकनेनातोकाइसाथ
छे नांकाइफोजछे:श्रापोश्रापबालकश्रतबलीछे:तरेश्रीम
कुरांश्रेसमाचारसुणनेसचितारथा:नेश्रीगकुरकदेदेघोवा।
रकटमेघोडोजीतश्रायो:नेतेडेश्रांतरेकामनेजुधकवोछे:त
रेभरथजीश्ररजकीनी:जेमाहाराजमोनुमेलीजे:तरेश्रीराम
चंदजीकह्योनलीजावो तरेवहमसाथसाथेदेनेभरथजीनेवी
दाकीया:सोघाकनेश्राया:नेदोनुंनाइकवचपहरीयांनेहा
थमेधनषबांणश्रालीयांठमाछे:तरेफोजदेखनेजुधकरणलुगा
हमायगोश्राया:नेश्रादमसोमहामाबांणवाहताजावो:दोनुंनाइ
बांणमंत्रमंत्रमेललागेछे:सोवहमवमजोधापाडेछे:नेभरथजी
बांणघणाइताकमाकनेबाहेछेपिणघणांरेलागेनछे:पछेभर
थजीरेबांणलागो:तिणसुंमुरछाणा:तरेसारोसाथलागोसोजा
यनेश्रीगकुरांकनेपुकारकीनी:तरेश्रीगकुरानुसोचहुवो:ते
श्रीगकुरांकह्यो:सगलोसाथकोमश्रायो:श्रवेकिणनुंमेली
जे:तरेलषमणजीकह्योमाहाराजमोनुंजाकमकीजे:साथते।
घणोहीछे:तरेहणवंतनुं:सुग्रीवनुं:जांबवांनलनेवमावमजोधा।
श्रातिणांनुंलषमणजीसाथमेजीया:सोश्रेपिणजणजुधसज
यगाश्राया:श्रोरेलवकुसनुंषबरहुइ:सोदोनुंनाइवीराधवीर
वमजोधासाथसांफोजसांहमाश्राया:श्रायनेजुधकरणला

ग:सोइ सहो जुधकी यो जिसडो कोइ न करे: दोनूं भाइ मंत्र
मंत्रै बांणचलावै छै: सो घणी बरीफो जतो मारी: नै लछमु
रखांणो: तरे इकेलो कुस जुध करण लागो: नै पछे लवसा
वचेत लड्यो: तरे दोनूं ... छवै ढकरण लागा: नै पछे कुस
मुरछांणो: तरे जुध करण लव जुध करण लागो: तरे सुग्रीव मु
रछांणो: हणवंत मुरछांणो: जांबवांन मुरछांणो: बभीषेद ढ्ज
विहमै बडा बडा जोधा छै तिके कहै छै: आज तांइ इसडी वेढ
कदे ही हुइ न ही: जितरे कुस सावचेत लड्यो: दोनूं भाइ
मंत्र मंत्रने बांण चलावै छै: सो इणांरे बांणां सूं लछमणजी मुर
छांणा: तरे दोनूं भाइ लवने कुस रथ का नै आया: नै जो धापडी
या छै त्यांहु धन पसं गोमास्यं आलवी करे छै: नै जिणरे ही
मानी रोजडावरी मुकट देखि नै जिणरे उपरि लिख्या छै: आगै देखे ता
तो नीसाएक बाढ से पढीया छै: पिण सावचेत न छै: तरे कुस कहै छै:
इणा मांहे रामजी रो लिख्यो छै: तरे लव कहे दोनुं रो लेः तरे रेस मरी
फौर संग्राम लो बांधने ले आया: लव कह्यो आपां बन में जासां: त
रे माताजी इणा सूं वासवो अकरसी: दोनूं भाइ आपरे आ
श्रम आया: तरे कटक मांहि ला कुइ न्हा गया तिके अजोध्या
नगर आया: आयनै श्री ठाकुरांकनै सकारीया: लछमणजी
री कीकत कही: तरे श्री ठाकुरां कह्यो: श्री कासं जांणी जे:
नै पछे गुरु वसिसटजीनुं पूछीयो: जे हमे कासं कर ... णो:
तरे गुरजी कह्यो: आप चढो: तरे जिके इ जोधा सु ठाकुरनै घा:
तिणांनुं साथि लेने श्री ठाकुर आप चढीया: नै सैन ... लवनै
कुसमाताजीनुं कह्यो: माताजी तीन से न्या पन आया घा: सो
तीनुं ही मुरछा तकीया: सत्र घण: नरस्य: नै लछमण: इसा नांम
लिलेने बारताक है छै: सो माताजी तो सरव जांणे छै: पे सीता
जी मनमे कहै छै: मो नुं श्री ठाकुरां धोखी री बात सुण नै वन मे

काढी: पिण इणां किणही अपराध की नी न ही: पिण वा तरे इणां
नुं पाप लागो: सो इणा पाप सूं श्री मुरछांणा: इणां सूं इ तरे ही
इणीं न आयो: जु महाराज सीताजी नुं विनांमु न्हे कुंवर कांहीं छै:
धोबी कमी ण जा नरी कि सी घात: गिवार जा तरी बात आप का
नां मनमे आंणी छै: इतरा ही श्री सं करता न गयो: बीजुं मुरछांण
जे न ही या: इणा पाप सूं कटक पिण न्हा ठीयो: नै आप पिण मुरछां
णा: पछे श्री ठाकुर पधारीया: आगै नै देखे तो कि णी रा हाथ कि
णी रा पग किणीरा माथा पडीया छै: नै आघा आयनै देखे तो सत्रघ
णजी नरस्य जी लछमणजी पडीया छै: नै कइ जोधा कने पडीया
छै: तरे श्री ठाकुर कहे: देखो दोय बालकां की सडी कांम कीया
छै: जितरे मिलवनै नै कुस मनुष्य बरकइ जो साथ बजे आया छै
तरे दोनूं भायांक वचे पहरीया: नै हाथ मे धनष बांण कालीयां छै
कटक मांहे माआया: सो बांणचलावतां ही जआया: जितरा
मे रिष वालमीकजीनुं षबरहुइ: जो श्री रामचंदजी कटक लेनै
पधारीया छै: तरे रिष स्वर बालमीकजी कटक मे आया: तरे देखे तो
लव नै कुस दोनूं भाइ निसंक थका बांण वाहे छै: तरे बालमी
कजी इणांनै आय नै कह्यो: अरे बालकां के द आपरा पित
सूं ही जुध कीजे: आ तो बात धरम न करी: तरे इणां कह्यो:
रिषजी म्हांनुं तो इसडी षबर का इ न ही: म्हे तो जुध कर तां अ
कीयो छै: नै हमे आप कहो छो तो जुध न करसां: तरे बालमीक
जी दोनुं कुवरांनुं साथ लेनै कटक मे गया नै श्री ठाकुरांनुं आ शीवा
द दीया: तरे श्री ठाकुरां पगे लागा णो कर नै कह्यो: बालमीक
जी राज रा दन मे इसडा किणरा बालक छै: त्यां इसडी वेढ की
नी: तरे बालमीकजी कह्यो: महाराज रथ स्वरं राज ताकोइ थान
ही: या जिके तो आप रा ही न छै: ऐ दोनुं कुंवर आपरे पगां लागे छै:

[illegible] ...
सीताजीरे पिश राछे आप [illegible]
रा सत्र छे नेहणांजुआ [illegible]
जांण कीयो छे : तरे श्री ठाकुरांक [illegible]
ह्यो : रिष लीसीताजी कह्यो छे [illegible]
कुसल छे : तरे वालमीकजी [illegible]
कह्यो म्हारा राज कुसल छे [illegible]
तरे श्री ठाकुर रथ सीजावा [illegible]
ने श्री ठाकुरां आसीरी दिष्ट करने [illegible]
जोया : तरे तीनुंही भाई ने वी [illegible]
जा ही जोधा पुर आतङ्क ... [illegible]
ह्याया सो सरव सरजी तिन्या नेती [illegible]
नुंही भाई आयने पगे लागा : ने कवक ... ने जे कावरा वो : ने श्री
ठाकुरां वालमीकजी नु कह्यो : सीताजी नुं अवे आणो : तरे ल
छमणजी साथे सुखपाल मे [illegible]
ली : ने वालमीकजी नुं साथे मे [illegible]
ही सा : दोउं कुवर साथे गया : ने [illegible] जाय ने सीताजी नुं ले ह्या
या : ने लव कुस वे ... पालखी [illegible] या : वालमी
कजी नुं साथे ले ने : जिण वेरा [illegible] घोडो आगे क
ने चालीया : सो श्री जोध्या नग [illegible] री आया
नगर मे वधाई ... पछे सी [illegible] ताजी ने
दोउं ... सीताजी श्री कवसल्या [illegible] जी रे पगे
लागा : सकोइ सुं मिलीया : पछे [illegible] आसमेध
जिग संपूरण कीयो : पछे जिके ब्राह्मण ... [illegible] पेसरवी
जा ही जिग मे आया था तिणां नुं जिका ... सरवी तिण माफक

९४

वछे ने मीठी वाणी : घणा डाया छा ... ताजी कुं दीधो ... आया थी सं
दोनो : धन इतरा खरच कीया जितरो कोइ पार नहीं : हमे एक दिन गुरु व
सिसटजी कह्यो : म्हारा राज सीताजी माहा सती जिसा नमाता छे : इणां
री खिरदा मे राजे रो ही ज ध्यान समरण छे : सो आप ना सरब जांणा छो
राजसं ... नाकुं दीने छे : ने व जे सीताजी कहे छे ... दीकाइ सम
करावणी होय ते सुमकरा इजे : तरे श्री ठाकुर कह्यो छे सीताजी रा
माव सिवणनुं ... कामां ... नमसिनांन करया था : तरे सीताजी रा
माथे ... ने स्वरा ... राजा दसरथजी पधार ने आया : त्यांही मां नुं
कह्यो : सीताजी माहा सती निकलंक छे : व ... माजी नारदजी व
नारदीठ ... नेक ह्यो थो : ने ... पिण जांणजु : पिण एक वार वलसं
सकरा : तरे सीताजी कबूल कीयो : सो श्री ठाकुरां नुं तो ओर कामक
र णो छे : एक दिन सुरगरा देवता मर ... ने अरज करया था : द्व
मेमा महाराज सुरगलोक वेकुंठ पधारजे : आप पधारीयां विना कुं वारा
कियां ... सी : ने आप ... कोइ दिन थिर ... रहिजे : सीताजी
नुं मेली जे : तरे श्री रामचंदजी कह्यो था : पाताल ... जी सी
ताजी नुं मेलसो : हमे थ जावो : सो हमे श्री ठाकुरां नुं तो कांम कर
णो छे : ने लोकवक वाद करे ... जो सीताजी नुं संमकराया : तिण
सुं सीताजी नुं एक दिन कह्यो : सीताजी आवो धीज करो : तरे सीता
जी सिनांन करने : घणा आभूषण पेहर : बाम ... साबवणा यने ब
स ... रीखवणा य ने श्री ठाकुरां री हजूर आया : तरे श्री ठाकु
रां सीताजी नुं ने डाबुं ... नमकह्यो : थे दाजो ... आया : इ
तरो सुंण ने सीताजी सूरजजी सांहमा ... वे हाथ जोड ने क
ह्यो : हो सूरज देवता भगवान : जो हुं निरमल ... तो
धरती मां नुं विहार दीजो : ने मां मे कोइ अपराध ... तो पिहार म
ती दीजो : इतरो केह ने धरती विहार दीयो ने फाटी : सो मां ... थी
सिंघासण जडाव री ... सरपां रे माथे ... आयो : तिण उपर ए

कविर्द्वीपथमि अवतार विराजीयाथा त्यांक देरासीताजी आयो
सिंघासण विराजी तरे सीताजी सुष रो मरंम के दताय कासि
घासण विराजीया नै धरती [illegible] विदार दीनो थो सो मिह
गइ तरे सब [illegible] देव वतार षसर लोक
देषता था [illegible] सो सारा ही सीताजी रि मेहिमा करता
थका आपरे [illegible] थांन का गमा मैं वंन जीक कदे
छे दिषो माकुं रक्किण नांन धरती बिदार दीयो छे इसड़ो
तो सत किणीरो ही मन ही नां कितणी रा सुणीयो नै श्री गाकुरांरी
वात सो अगाध छे देवा अदव शेम नाकुं ण जांणे वदंमाजी माहा
देवजी सीजा ही देव ता कोइ न जांणे तो आंपांन वी का
जकां णो श्री [illegible] गाकुर अवंमपार अगवांन छे हमे श्री रांम
चंद्रजी छोटे बेटां नु साथ लेने मेहलां मांहि पधारीया मायरी
मोह सर व स्हे छामो चित न दास कुंवां छे नै एक दिन श्री ठा
कुर विराजीया छा नै अजोध्या नगरी अ सत्रीरो रुप कर नै आ
नै उभी छे नै हाथ जोड नै अरज कीनी हो माहाराज कांराज रा
घरसंसारी रज मुं नैदासी मुं मोसुं क्रिपा वांन रहीजो तरे श्री ठा
कुरां कह्यो अजोध्या हिं तो तो सुं मि सरवांन ही ज छां सो तुं
ही जांणो छे जि तरी वार श्री अवतार लीयो छे जितरी वार ही
तो मे क्रीडा करी छे नै जितरी वार ही देवतां रो कसट काढी मे
छे नै जितरी वार ही तो नु सरग लोक नै गया मे चलो गोमती गं
गा सरजु ज [illegible] मुनाजी सरसती जी [illegible] गोदावरी
नरबदा [illegible] अैसा तें देहधारी की [illegible] नदि सो सारां
ही संसार रो मुंघ भर छे तिण सरधा हरा मध्यांन क मिणकी
या छे अजो ध्या मुथरा माया काशी कांइती अवंतिका
पुरी द्वा रामती अैसा तें ही पुरी मे पधायछे सो थी हो
रहे सो मांह री सब [illegible] इ मया छे हमे तं जा बिधी सा हि

कर तरे अजोध्या पगे लागी नै अंतरध्यांन हुइ हमे एक दिन मा
ताकुं बुसल्या जी श्री रांमचंद जी कनै आया तरे श्री रांमचंद जी
रा पगे लागा हाथ जोड नै नै अरदास तरे माताजी कहे थ्यं
किणीरा कभ संघा आपतो अपार श्री नारायण जी छो मा
पांत श्री नग वांन छो नै मा हरो वंश मांगा मे थे राज रीमाता कहा
इ पिण जे सार म नु जीव की आपनुं जांणया न ही आप जनम
समेवत नु जस पदि षायो था पछे कुंवंन मे सार रा माया मोह
मे नु रही नै मे आपरा सुष सुं ध्यान कदे ही सांम लीया न ही आप
साषात श्री नारायण करता पुरसछो आसि सट जीव जंत बाप
इ थाकर जंगम दीसे छे सो सरब राज रा कीया छे तरे श्री रांमचं
द जी जांणीयो माताजी नु ध्यांन उपजीयो नै माया मोह छोडणी
यो दीसे छे नै माक रा पण ज्ञान सामे ऐदछ जा कितराय कव
रस तो इतारा जाद सरथ जी राज कीया नै इण परि हेजाग तुरस
मे सुं राज करतो न छा वा तिण सुं मील जीरण करे वो जांणे न श्री
रांमचंद जी माता कुंवसल्या जी नुं ध्यांन के हण लागा नै हो जी
मां यां थी तां वुं ही मारी ही नु ब जाइ नै एक कोइ सांन जे छे नै श्री
श्री रांमचंद जी कहे छे जिक श्री परमसर जी री जगत मन ला
गाय नै करसी तिण नु मन मांग विसत आयछा पत दासी नै जग
त तीन तरी छे साम किजगत राजसिजगत तांमसिजगत नै
चोथी पेम जगत सो जिकां प्रांणी रो जिसडो पर वी नकमा हैं हो
यतिसड़ी जगत पांमें सात कि जगत करे सुं इण लोक श्री नाराय
णरी सेवा पुजा एक मन एक चित सुं करे जीवां कर बंन ही हि
रदा मे ध्यांन राषे नै मे मा वड सहे तो राषे जिस डो भरए क ध्यांन मां
हे मानु ही ज जोंणे नै जप पीव तथा भोजन अ आर जि कां ही या
पी विमे श्री परमसर जी नु अरपण करने जिवे अर जिन
रो ही दिल नो छछे सं सुं जांणे सरब श्री परमेसर जी रा छे नै पर

वाकरेसंश्रीठाकुरांरीदीजकरे सो
वरांहीक्षाजतांइम्हारोनांवलीयेः
विसनवांसुंहेतलगावतोरहे:नेहुसटम
तबोके:साधमतआदेरे:सुंइणनांमकरतांमिहां
नश्रीपरमेसरजीसुंजायनेजोहोयः
नेराजासुंनगतइणभांतकहीजे:श्रोम्हा
राधणीम्हारामनमेंकांमनावेसोपूर
णहोसीतोथारीजातकरेसं:थारोमहो
छवकरस्यं:थाराभगतवेसनवजीमावसं:नेतांमसनगत
णभांतकहीजे:कोइकांमपुडे:उपदववेपेदासहाय:तरेसि
नांनकरेसेवाकरे नध्यांनकरे:सोकदेइपरोछेग कदेहीवि
णीसंमतहीनकरे:पछेकसटउपडूवमिटजायतरेसेवा
सिनांनन्हजाय:नेहाथपगधोयनेनांवलेवणनुंवेसः
कदेसेवान्हजाय:कदेजीभीयांपछेनांवलेवे:इणभांत
करेसं रतांमसीभगति:कहीजे:तिणसुंसातिकीभगतक
रीजे:मनमेंआराधीजेत्रे किणीभांतश्रीपरमेसरजी तुंपाछे
एकवारणार बिंदरोहीजध्यांनराषे:तिकांइवांल्होनगतजा
णु:इणभांतश्रीरांमचंदजीभ्रातानेंमंयांनुंग्यांनकहेंछे:नेपे
रुकवसन्याजीनुंकेकहीसुतनजाजीनुंवसेश्रोरकनेवेग
यानांक्षनुंप्रमोधीया:पछेमारांहीनुंवेकुंठरीश्रापादीनीः
सोराजादसरथजीसुंवेकुंठमेजायनेजाइवा:हेमश्रीरघ
नाथजीनाइभरथजीसंत्रघणजीनवः [illegible] मणजीसं
वेवावातांकरेछे:जितरामेभरथजी हुमांमाराघ
रोतेडाश्रायो:तरेश्रीरघनाथजीकहो:भरथजीथेंनमं
रेजावो:तरेभरथजीताश्रापानेले सिधाया:हेमेंइद्रजी
रेलंगधुफांरेजुधहोताजीधो:तरेसंधफांसे जोधहुवो:तरेइं

९६

द्रजीहोमंदेवतानरथजीकुंनेमेलीया नेघकहोजाहोनरथजीमेंने
बुलावो सोदेवताश्रायनेनरथजीमुंलाया तेरेनरथजीजायतेमं
धुफांसमुंजुधकरताइकवा सीनजाधगंधुफमारीया नेदेवतारीजैजेका
रहुइ पछेइंद्रजीरेबोलवाजाकरनेनरथजीपाछानोनारेश्रावताथा
सोहिमणंदसमेवेथ्यतोमीयानिपटजोरावरमोभजीया तेरेजेवजाय
नेछेणांनुमारनेधरतीमेश्रापेरोकांमदारराषनेश्रापपाछानोनारश्रा
या नेश्रीरुघनाथजीनुंश्रमरवदकीकतजीयी तरेश्रीठाकुरांइकक
मकीयो थाराहोनंवेटांनुंदिषणरीधरतीरोटीकोदेनेविदाकीजोजे
इणधरतीमेंजायनेश्रमलकरे पछेनरथजीश्रापरहोनवेटांनुंविदा
करनेश्रापरुजोधाछ्या तरेश्रीरांमचंदजीकहोनरथजीयेंहोनुंकं
मश्रापवाकीता तेरेनरथजीकह्यो होमाहाराजश्रपराधताम्स पछेज
छमणजीनुंश्रीठाकुरांकह्यो तुंपिछमादसनेजानेणधरतीमेंदायम
लंछे सोमहाजोरावरछेगरीवलोकांनुंदुपदेवेछे सोतुंजायनेइणां
नुंजीतनेडेणधरतीरोराजथारादोनवेटांनुंदीजे मोम्हरीश्रायछे तेरे
लछमणजीपांजागनेवेलंबेटांनुंसाथलेनेहालीया मायेकोस
श्रहीनो वमतादजाधामवीरहीया सोश्रवाम्जायनेहलंमजां
नुंमारीया पछेदेसंबेटांनुधरतीरोराजदेनेलछमणजीश्रीरुघना
थजीरीहजूरश्रायाकोलागा जमापछेसत्रघणजीनुंश्रीठाकुरां
कह्यो तानुतेमुधराजीरोदसरोटीकोश्रापेदीजटतोछे इसरोकेस
नेपछेश्रापरावेटांनुंतवनेनेकुमलुंबुलाया नेमांनुंकहोथेतरहे
सरीधरतीमेजावो तेरेथांरीमायेतमासाथवेमेविदाकीया सोर्पमछ
मेनहालीया सोंइणधरतीमेंकुसावतीनगरसेवतीसीजायगा तुंके
मालुकधरतीकुसावनगरनुंलागे पिणइणनगरमांहेश्रागलेनोमीय
रहे सोमहाजोरावर तेसेवलाजोजावतेइणांनोमीयांनुंमारीया त
रवीजेकिणहीनेमथियेनेजपणभजाग्रायोमहो मारीधरतीमेंथम
लकीयो तेरेकुसावोमरतोकुसानुंदीयोतेरेकुसपेगेजागनेकुसा
श्रमातमेरहाो मेलवणासजोमिणजमनेधणछांवेसहरली
यो सकलजोकोनुंदियाश्रात दिनेजमांधामरीकरखे सोउतरहि
सधरतीमेरांमराजसुषहीबंवरतेछे मासवासुंटरीधरतीइणतांतना
थानुंवांटदीनी नेरांम [illegible] रताभो बारेंदसनायारावेटाविगरा
इत्यादि नेश्रजोध्याजी [illegible] जीनाथंमदिलविराजी

ताछे एकदिनरैसमयैकाल खिजमतरी मसकर मैश्रीठाकुरां
कनैसायो मिलणदिदीरिफसडे पैम्बरोणसरजलगो
रसडोआकामस्रूपरंगआयनेश्रीठाकुरांरीमलबीमा
तुमोईमांहेआयनेजुहारद्यो तरेरिषस्रजाणमेलख
मणजीछिणरेपगेलागा नेश्रमतलकीनी तरेरुणाकह्यो
लखमणजीथेडायनेश्रीठाकुरांसेमनमकरओसदवि
लीरिपिसुररीपेलोकाजरिषिआयोछेपोआपरीनजरआयो
ताछेछे तरेजलखमणजीआयनेश्रीठाकुरांसुंसाजमकीयो तरेश्री
ठाकुरांकह्योजातेआय तैरेलखमणजीआयनेडणवुलेगया तरे
श्रीआयनेपगेलागा नेश्रीठाकुरांडणसेश्रीवरसनमांमकीयो मे
कह्योमेसमा नेश्रीठाकुरांकह्यो रिषजीथांकुंआयाछो मेजिण
कांमथेआयाछो सोमीनेकहो थांहीरेजोडजेमोभागो कांमना
होयसोकह्यो तरेरिषजीबोलीया माहराजकांमनातीहेसमरे
कहसं जेरेराजएकंतविसमेमेबीजोकोइजावे मैमनेकीधो
पछेकोइआवेतोजिणनुंराजमारेमीकामामाकह्यो तरे
श्रीठाकुरांकह्योरुडोडुंतरेकेलखमणजीनेकह्यो
लखमणथेजायनेमोदरिमजीतरीमेहेरपेसरसंबंधाकरो
जितरेकिणहीनुंमतिआवणदेजे नेजेकोइआवसीतोथ
इयासंकिणथयांमसी नेलखमणजीआपमती तरेलखम
णजीकह्योसमांणनेकिईथांडायनेमेसाबधांनीरावे
नेमनेमजांणैपरेसभजकोइरजहुजातेछे छेमेरिषजीने
श्रीठाकुरएकंतबेठानेबातांकरवेछै नेरिषकह्योमेमाहाराज
मेसुंआपश्रीजयोहोकेनही सब्रोवमोमेछेवु सुजमीथ
तुंपेदासकीयोछेमाहरेघांमवनाकीहीछे नेथयांमीहीसिसर

७७

मोनुंदीनोछो बीजोंआपरीमतमितलाकरीबीआसंलछामहोयछे
तरेकांम्मयो हाजरकवीछुं नेहमेमश्रीठुंदमाजीमोमाथेकेहवाई
योछे आपइग्यारहजारवरसपिथ्वीरोराजकीयो राजवनावकामु
सटांनुंमारीया रावणसरीखाडमटनुंमारीयो वलेडमावमाछितम
रीया नेदेवतांरीबंदीछुडाईनेमरजरधमरीवधकीनी इसटपा
लीपेकीयो मांणसांनुंवेपदहमनुंसुखदीयो पिणहमेतोआपवेकं
ठपधारोनेसुरसरोराजकीजेनेवेकुंठरोसुषकरीजे नेआपरीकाई
दिनवलेबिणगिराजकरणसुंइछाहोयतोवलेरहीजे तरेश्रीठा
नाथजीकह्यो रिषजीथेआवतातीकीयो नेहमेडुंडायनेवहमा
जीनुंकहजो हमेविवेगाऊजेवेकुंठआवसां इणहीजमतीमेवा
सोहमेमांहनुंकह्याजांणजो धरतीदेवतांनुदेमांनेपवेमेआवसां
इतरीबातकेहतांथकां मोठीयांडरवासारषेमसजीआया तरेलख
मणजीवपगेलागा परकुंमाढेनेमोनतकीयो नेआसणदेबेसांण
या तरेजलखमणजीनुंदुरवासाजीकह्यो लखमणजीथेडायनेश्री
ठाकुरांसुंमालमकरो तरेलखमणजीकह्यो माहारीषजीएकस्व
समीयोछे आपहीनुंकरमवणोहोयसोमोनेफरमाईजे तरेरिष
जीकह्योमोनुंतोदरसणकरणोछे मोकेतोदरसणकराव कोनो
तुमरापदेइस तरेलखमणजीविचारीयो जजातांनुंतोमोनुंआपया
तीमोमोतुमतेआपसोपणवलारीताआगधारयाणी मेजानजाडं
तुंतोडुरवासारषेसरंमहातुजमीविकरालरूपकोपरेभरीयेसराप
दीयोतोतमकनीगधहोयडमीकेतममहोणेपडसी मोनुंमोदोषे
आतोमरणपरजेमकसटआयो पिणदुरवासाजीरासरापसंवधु
नेश्रीअंतरजांमीजीयामडायमेपधरदेवेतिणसुंश्रीरघनाथजी
पारमीतोकितारअहोसं नेतहीजावंतोइणरोसरापमांनुं तो
कामेजांणुंकिणनांमरोसरापहमीतोआवतजाइस तरेहमेचिवा
रकरनेश्रीठाकुरांरीहजरडायनेकह्यो महाराजदुरवासारषेस
रजीदोढीयांवजाछे नेदरसणकरणरीइछनमावछे तरेश्रीठाकुरां
सुंणनेकामलरिषनुंकह्यो हमेवेजानेकह्योमेसमझणीयो नेदिनछे

[illegible]सोउंजायनेब्रह्माजीनुंकहै इतरीमेंएंलि
काजरिषेतोपरेगामो नेश्रीठाकुरांलक्षमणजीनुंकह्यो
जाइ रखासमत्सिनुंलेआव तरेडरवासाजीआया तरे
श्रीरघुनाथजीउठने साह्माआयापगेलागासंमोतकर
घरक्रमादीनी नेहाथजोडनेअसततकीनीरिषजीकुं
पधारीया तरेडरवासाजीबोलीया मेलुंहजारबरसम्हां
ग्राअंनपाधांनें तरेमेंव [illegible] वारीयोजेश्रीग
कुरांरेहरसपणपिएकरू भेयारणेपिएकरसं सोपारणोकराडजे
पिणह्ाजरहोयसोमंगावो नेतवो आरंबमतीकरावो तरेश्री
ठाकुरांकह्योमिगडसरबलेआवो हहीरीआपणजिह्यावो त
ठेवरतसरबलेआया नमीमांतपारणोकीनो नलीकथसंजोज
नपायो तरेआसमनकरयांनचीधा पछेरमरजीआशीवाददे
[illegible]जीया जिणदिनपछेश्रीगाकुरलक्षमणजीसुंमीमिले
नही मूंहदेषिणबोलेनही नेह्मांतरफनरमिजरजोवेनही
हजगरिथकारहे तरेलक्षमणजीमतमेंजांणेछेजेश्रीगाकुरांमे
मुंमनेकीयोथो नेडंगयोथो तिणदिनरामेसं श्रीगाकुरनेरा
जीजावाडे नेम्हारीतरफदेषेनवेमीटजोडेनहे तरेएकदिनल
क्षमणजीहाथजोडनेअरजकीनी जेमिंहुंआपगपालीयोथोनेम
आपरोवचनत्थापनेअजूरआयोथो सोडरवासाररैवस्सो
प्रविसटहे तिणरासरापरांमरतेआयोथो सोमेंआपरोवचन
लोपयो तिणसुंषडगलेनेम्हारोसीसवाढीजे नेडंराजराघा
सुंमरुंतोवमेववनागीयोजसहं मिटंतपलेहीमरणीछे तिणसुं
पसनमेंआनतीवितारो जेलक्षमणम्हारेनासरुमेसेपरणसुंरुंके
करमारो सेम्हारारजमेसुंमारजि नेआपरीवाचासाचीकीयांमे
सिमटरोनलोहे तरेआपरामिनरापरधांनथोतिणनुंआपक्षीयर
धांनपणोदीयोछे तिणसुंकह्योउंजायनेगुरवसिष्टजीनुंबुलाय
ल्याव तरेपरधांनजायनेगुरवसिष्टजीनुंबुलायल्यायो तरेश्री
ठाकुरांकह्यो गुरजी [illegible] किम

कहेतो विमा [illegible] श्रावणपोवेनही नेवाम्हणयायनेआवेजि
णनुंघणामरणो तरेलक्षमणनुंकह्योलक्षमणतुंजायनेदेवीयं
क्षसजातेहि [illegible] जीनुंमाहेआवणदेजेमतति लही आपणसी तरेलक्षम
णमोहोजायबेठा जितरेडरवसारीषजीआया तरेलक्षमणम्होनुं
अरदेणनेआया सोहमेंसुणबातरोकालविचारकरणेराजकहोसं
करो राजकहीतोम्हारीवावाऊहीकुरां नेराजकहोतोलक्षमण
नुंमारो तरेगुरजीकह्यो राजरीवाचाऊहीकीनीनो देवतांरोमांनदी
यांरोरषस्वरांराध्रमकुंकरहनसी सोकदेम्हारनहीरहेसी राजरी
वाचापुडीजावांसोहक्कुंडहायनेध्रमरोनासहोय तिणसुंराज
रीवाचासाचीकीजे नेलक्षमणजीनुंमारजे केपराकाडीजे परकाढी
यांनेमारीयामरीषाहीजेछे तिणसुंपरावकाढीजे देसबारेकाढीजे
तेरश्रीठाकुरांकह्योगुरजीयेसदोकह्यो तेरेअंगरहीजलक्षमणजी
नुंकुजायनेकह्यो लक्षमणडुंमाहरीभुंहदीयोआगासुंपरोजा नु
रेलक्षमणजीकह्योप्रमाण इतरोकेहनेपगेलागनेपरानीसरीयासो
आयनेसरजुंगप्रामेमिनांनकीयो पछेजोगाअभ्यासकरेने सोदेह
छतासरजुंजीणेछेआजलक्षमणजीबेकुंठधासी तरेदेवतांफूलां
रीब्रिखाकरेनेदेवकंदबजाइ नेदेवतांफूलांरीब्रिखाकरीतिथ
[illegible]लक्षमणजीरीमरनंदेरहंकगइ नेएकजांनजिजो थेतोकुंरह
नही लक्षमणजीमेंदेही सुरगपधारीया तरेश्रीरघुनाथजीनुंघनो
रुदनइ तरेडपकरणलागोनुश्रीठाकुरकेहणलागा लक्षमणरीतो
[illegible]सोहेमम्हारीगतकरसी हूमेम्हरेरहनेकासुंकरां तिणदि
नथेश्रीरघुनाथजीसिंघासणबेसेनही पोसाबेपहरेनही ने
श्रीठाकुरकहेहेअजोध्यारोराजभरथजीनुंदेसां सोफसेवचन
सांभलीसंभलीनो तेरेभरथजीमुखआतह्ायनेदेवापडीया घडी
[illegible]यनमाचेतसभलावा तेरहाथजोडनेअरजकीनी जोम्हाराजम्हे
नेतोराजसंकोइकांमनही राजतोश्रीरघुनाथजीरोछे नेआंतो
आपरामसहाकनेचाकरीरीकरणहारहं म्हारेतोएकचरणा
[illegible] श्रीठाकुरजि [illegible] नेजेठाकुरविमातामांं

नेकुंवरराजवि वैतावीसकीसे राजपाटवैठा तो
आत कुंमनुं दीयो वेराजराभणीवैसेस्त्र
री तेरेश्रीगाकुरांकह्यो तरस्वजीसातो
हीथेकेहसोमहीजकरसां हमेसेवा
राजीकेसांसलीसो घणादलारिजवा नेकितरा
मारगढ़नी दिवायडुडीया नेलेपकजाणे नेजिजह मण
जंश्रीरुघनाथजीकरसां तिमकेलोकसरव सुख
पोणेडमककेवे तेरेराथजीकह्योमाहाराजश्री
कारसहूणो वेसारादीहलारिसपकारहेवे तरे
कह्यो तरस्वजी थीकांमुं बुलावी तरेमारां हीयें
बुलाया सोसो आयसरजवा तरेश्रीगाकु
सवेयिसकोंडसां नहीं जिकांनुं लोयाही
जेसेपंगतीश्रीमंगसेरजिकुंमहीदेसां तरे
माजकरमाहजनआहमणवहीलीमपवन
सुहसगलांदेवरजकी वीमाहाराज
मोटुंतोआयरहेजेवेहीजरावोजिम्हेतीसको
हणातमराजीही आयश्रेवे ग्रीरा
तीजीमेवेगारपधारे तैविसुंदरजामांनुंदीसाहिलजी देसाराची
रसणपायाकरसरूजी तेरेश्रीगाकुरांकह्योपाह
सीसांवपकाय वेधीकांपेरेहसुं नहीं गया
जकीवीमाहाराज मांहरातीजी थपकायहेमेदेती
मारंहसी म्हारोघरआरमाजीवतवोरु जिवतसराजीय
सेसिणसपासेवजसीजे सेवेहीरामराजभे
वेहीरांमराजभेरसांतरेश्रीगा कुरांकहीयेरूडा तरेश्रे
केडपीसालमानेआपछापरे हीकांपेरेआया नै
गाकुरांनरवाजीसुंकह्यो हसमिजमेसुधारा
रिसंसवघणेनेबुलावी तरे मववराजी
बुलाया वीजवनेनेकुसनेवे वरं नेटांनु

आया सोसके भासाआयानेलाजवा नेसवखुंनेकुसमुंदीवा
दीयो कुंवरनहुमाबेसैरस्वतरहिमरोमातीराजयांनेमुंदी
यो नेवलेबीजीसामीहीवसरदिसवीधरतीदीवी भेलवरंकेकंदा
सीधरतीदीवी हजारहजारहमतीनेदसदसहजारघोडदीया
बलेआवआमेरमदीया वीजोहीसगिहीजव्यवित थोसोआ
पोआडोपरेदीनो भेबीजानायांराबेटानुंदीयो जिकाबीजी
सारीहीरिभदीसीमसरीदीवी पछैसत्रघणजीलेहतकद्यो आप
नुंसनाबीसे बुलायावे तेरे सत्रघण वेटोडतआसमनेथ
मछे मेरेसुतजनमणजरिसमारीडिलेतकद्यो तरेसत्रघणजीम
मधा मेआपराबेटांनुंबुलाया सोदेसबेटांनुंमुरीराजरीमनो
लायनेराजदीयो नेजुपकेतनुंवीजीधरतीदीवी मेमाजवितम
रवथोसाआधोआधसरववांटदीनो पछैसारोहीकांमकजय
रवारेनेसत्रघणजीरजो भामाया श्रीगाकुरांरेपगेलागा तरे
श्रीगाकुरांहसीयोसमह्यापदेपसमैनेआयाछेकेना तरेसत्रघ
राजीकह्यो वेसेमाहराजपरतो आयोछुं सोमेपकदिनश्री
गाकुरपीतांबरपहरीमामेहजोरहनुमा चलीमाणलाहीकतेत
घणामकीया सुजरावाजानुजरोकीमा जितरामेसेत्यासेहत
सुग्रीवआयामीआगे तिणरेआर अंगदहणवंत नल नीलआ
गरेहीपदमसीबीदराने बैठातरकोडांसेरीबजोबवांनआ
यापेगेलागो पोछेनहीपणलंकारमेआयपगेलागो बीजावी
सारांहीरपहसआयासरवसाथआगेनेलाजवा तेरेश्रीगा
कुरांसुग्रीवमुंकह्यो तेतुंवआयोछे तेरेसुग्रीवकहरजवाली
माहाराजअंपसवनेआमोहुं तरेश्रीगाकुरांहनुमांनेनेकह्यो
तेतेरिपरेमांनहीजोरेह जब लगचंदसूरजधरतीआकासछे
जबलागतहीरेहसीनेयारेनावरेहसी तरेरुपमानकह्योआप
[illegible]

...मे धरती आकास जब लग
...ही लंका राज कर चिरंजीव छै पछै ...
...बो तरी [illegible] छै रे ह दुवापर जुग
मांहे म्हे किसना अवतार लेसां तरे तो नुं दरस
ण देसां तरे हणुमांन जी [illegible] ओते हुई [illegible]
रख्या ने बीजा ने सकी प्रभु सरजु गाली [illegible] गया जादन
आप श्रीठाकुरां सिंघासण कीयो ने पीता [illegible] जरा छै ने
कावी बाजु सीता जी आप [illegible] छै मुं [illegible] लखमण जी व
नाछै [illegible] तिसिके [illegible] तास [illegible] आया छै ने एक नर
फक्र जो धारा लोक [illegible] पछै नाछै सो परर जु अ
पकेने मेतीइ [illegible] छै क्रमणेमे वनमांजी करयो मा
राजमहारी [illegible] देवतां री [illegible] मे होयो ने सिधाव्रमे पछै मे
वरी [illegible] तायधारजे तरे श्रीठाकुर [illegible]
अजोध्या रा लोकां नुं [illegible] सरजु मे सिनांन करने
विमांण बेसता जावो तरे [illegible] पीकर ब
सिनांन करने [illegible] ने अजोध्या जी [illegible] धारने
श्रीठाकुरां कने [illegible] ने लोक विरघा [illegible] लेने वैस
ना जाय छै तरे अजोध्या नुं श्रीठाकुरां कयो [illegible] सि
[illegible] विमांण बिसजा तरे [illegible] सिनांन कीयो ने आपरा लोकां
नुं [illegible] धाव सती मे [illegible] आगे
[illegible]
जीवे तरे कितरां [illegible] जी किसे [illegible] सबै
[illegible] कारण गोदावरी [illegible] जाय [illegible]
श्रीरामा अवतार होसी [illegible] धारने
[illegible] लंका पधारे [illegible]
[illegible]

...[illegible] सीता जी लखमण जी आद...
...क बेठा छै देव [illegible] राजती [illegible] ने देवतां
...[illegible] देवतां री सुरीयां मे [illegible] आप धारे छै सा [illegible]
...आप आपरी [illegible] निज [illegible] मिजमांनी री अरज
...सो जिणा ही मे [illegible] श्रीरामता पधारे छै [illegible]
...[illegible] परमपद [illegible] ने अजोध्या जी रा लोकां नुं
...[illegible] छै ने [illegible] करे छै ने श्रीमहादेवजी
...रवती जी नुं कयो पारवती जी थे म्हां नुं रामचरित्र [illegible]
...[illegible] राजा दसरथ जी मे [illegible] रामचरित्र
...यो सो श्री [illegible] कहीयै सो जिके मांनवी [illegible]
...नुं केहसी कहासी जिके सी लिखावसी तिके मांनवी राजन
...ज नम रा पाप जासी ने [illegible] ने परमपद
...[illegible] पावसी ने [illegible] तिको ही परमपद पाव
...सी इण चरित्र कस्यां सुणीयां रो इतरो फल छै श्रीगंगाजी मे
सिनांन कीयां रो फल गोदावरी मे सि[illegible]न कीयां रो फल अस
...द जिग कीयां रो फल गयाजी मे [illegible] रो फल त्रिबे
णी मे प्रियागजी मे सिनांन की[illegible] फल कुरखेत्र मे सिनांन की
...यां रो [illegible] दीयां रो फल काती मे दांन [illegible] पोहकरजी मे सि
नांन कीयां रो फल तिके मांनवी वांचसी [illegible] तिणां नुं होसी ॥
इति श्रीरामचरित्र भाषा संपूरणं [illegible]
॥ संवत १८७७ रा मिती कार्तिक सुदि १ वार गुरु श्रीमेडता
सहर मध्ये ॥ पोथी सिंघवी [illegible] राज जी रि लिषी छै श्रीमे
ता री [illegible] लिषतां ब्राह्मण गौड [illegible] दास सहर कि
सनगढ [illegible] ॥ इण पोथी रो दावो [illegible] करण
[illegible] ही: पोथी वाचक [illegible] संपांणी [illegible]

श्रीगणेशाय

श्रीगणेशायनम

॥पुस्तकाश्रणीजाबतासेराघजीजीश्रीपरब्रह्मायनम

॥श्रीगणेशायनमः श्रीसारदायैनमः अथश्रीगु
टीरीठद लिख्यते ॥श्रीगणेसायनमः

1A 6/